

प्राधिका से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

19] नई विल्ली, शनिवार, दिसम्बर 4, 1982 (अप्रहायण 13, 1904)

.. 49] * NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 4, 1982 (AGRAHAYAN 13, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग 111-खण्ड 1

[PART III--SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखागरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

सघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली:-110011, दिनाक 4 नवम्बर, 1982

सैंग ए० 32014/4/8० पा पा - पा - पा च लो ह सेवा अभोग एनद्द्वारा इस काया जिल्हा की 1-83 त तान माम की अवधि के लिए अववा आगाम आदेणों के, जो भी पहले हो, रू० 650-30-740 -35-810 द ० २० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 के वेननमान में संपदा प्रबन्धक एवं बैठक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त रूने हैं नै

2 श्रा धार० पा० सिंह श्रव्रगत कर ले कि सपदा प्रक एवं बैठेक श्रिधिकार। के पद पर उनका तदर्थ नियुक्ति उन्हें नियमित विलियन श्रथवा उक्त ग्रेड में विष्टिता प्वत हक नहीं मिलेगा ।

> श्राई० सा० कम्बोजं श्रनुभाग श्रिधिकारा **कृते** सचिव सघ, लोक सेवा श्रायोग

गृह मत्नालय केन्द्राय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल महानिदेशक का कार्यालय

NO. D—(DN)—73

- 11: दिनात 12 नवम्बर 1982 ई० 32015 (1,/9/73 ॉमिक---निवर्तन की श्रायु होने ने केवा नि त्ता पर, मेचर श्राप्य सी० रमेयाने 30 सितम्बर, 1982 के अपराह्म के सहायक महानिरीक्षक (दक्षिणा क्षेत्र) के०श्री०सु० ब०, द्वास के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

2 पुन नियुक्ति पर, मेजर आर० सं10 रमैया ने 7 प्रक्तूबर, 1982 के पूर्वाह्म से सहायक महानिरोक्षक (दक्षिणी क्षेत्र) के० ग्री भु० व० भद्राम के पद का कार्यभार सम्भाल लिया ।

मं० ई०-16016/3/79-कार्मिक-निवर्तन कं आयु होने से सेवा निवृत्त होने पर श्री, एचं० एकं० झाम ने 30 मितम्बर, 1982 के अपराह्न से सहायक निदेशक (लेखा) के पद का कार्यभार छोड दिया।

> सुरेन्द्र नाथ महानिदेशक

6GI/82

मुद्रण निवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1982

सं० 18/4/77-प्रमा० II--मुब्रण निदेणक ने निम्नलिखित श्रिधिकारियों को सहायक प्रक्षन्धक तकनीकी के ग्रेड में प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से स्थाई रूप में नियुक्त किया है:-

•		
सं०	नियुक्तिकी तारीख	
सर्व श्री		
1. कै० वी० गंगाधरन	5-1-1978	
2. जी० वी० सुन्दरम	5-1-1978	
3. बी० एस० चौधरी	17-11-1978	

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली--110002 दिनांक 16 नवम्बर 1982

सं० 26/वा० ले० प० 1/22/71—सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, नई दिल्ली के कार्यालय में कार्यरत श्री जे० सी० गुप्तां—1, लेखापरीक्षा ग्रिधिकारा (वाणिज्यिक) ग्रुपनी ग्रिधिवार्षिता ग्रायु प्राप्त करने पर दिनाक 31—10—1982 (ग्राराह्म) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गये।

> एम० ए० सोमेशवर राव, संयुक्त निदेशक (वाणिज्यिक)

महालेखाकार का कार्यालय, भ्रान्झ प्रदेश हैदराबाद, दिनांक 11 नवम्बर 1982

सं० प्रणा० I /8-132/82-83/305--श्री ए० वे० फ० र० खुरेर्पा, लेखा ग्रधिकारो महालेखाकार का कार्यालय ग्रान्ध्र प्रदेश सेवा से दिनांक 31-10-1982 के श्रपराह्म निवृक्त हुए ।

विनांक 12 नवम्बर 1982

सं० प्रणा० I /8-132/82-83/307-महालेखाकार, भ्रान्ध्र प्रदेश हैंदराबाद कार्यालय के भ्रधीन लेखा सेवा के निम्नलिखित सदस्यों को महालेखाकार भ्रान्ध्रप्रदेश हैंदराबाद द्वारा वेतनमान ६० 840-40-1000 ई० बि० 40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर उनके नाम के आगे बनाई गई तारीख से जब तक आगे भ्रादेश न दिए आयें नियुक्त किए जाते हैं।

नाम	—— — — भारग्रहण तारीख
1	2
1. यम० यस० र० कृष्ण भास्त्री	15-10-82 য়৹
2. वि० वि० सत्य नारायणा	18-10-82 go

1	2
3. टि० सि० नारायणन 4. ई० केशवन नंबियार 5. वै० वि० ह्यग्राव राव 6. के० वेकटेण्यर राव	15-10-82 \$\frac{1}{6}-10-82 \$\frac{1}{6}-10-82 \$\frac{1}{6}-22-10-82 \$\frac{1}{6}-10-82 \$

यह पदोश्वति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकृत प्रभाव डालने वाला नही है तथा श्रान्ध प्रदेश उच्च न्यायालक उच्चतम न्यायालय मे श्रानिणित पड़े याचिकाश्रों के श्रर्धीर है।

> बी० मेसन वरिष्ठ उपमहालेखाकार

कार्यालय महालेखाकार प्रथम, मध्य प्रदेश ग्वालियर, दिनांक 15 प्रक्तूबर 1982

क्रमांक प्रशा० 1/राम्रा०/303—महालेखाकार प्रथम, मध्य-प्रदेण द्वारा निम्नलिखित ग्रस्थाई श्रन्भाग श्रिधकारियों को स्थानापन्न लेखा ग्रिधकारी पद पर वेतनमान रु० 840-40 1000 द० रो० 40-1200 में उनके कार्यभार ग्रहण करने के दिनाक में पदोन्नत किया गया है।

क सं०	• • •	स्थाई क्रमाक		भार ग्रहण कादिनोंक
;	मर्थर्थाः			
1.	श्रार० सुक्रमनि	यम 02/318	15-10-8	32 पूर्वाह्म
2.	ग्रार०सी०श्रा व	ास्तव 02/282	14~10-8	32 प्रगराह्न
3	ग्रार० बी० मि	श्रा 02/286	14-10-8	12 श्रपराह्न
4	श्रार० के० ग्रोब	ार 02/2 89	14-10-	32 ग्रगराह्य

[प्राधिकार महाक्षेसाकार प्रथम के प्रादेश दिनाक 14-10-82] बी० के० राय, वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

निदेशक, लेखा पराक्षा का कार्यालय, पूर्वार रेलवे गौहाटी-781011, दिनाक 24 प्रगस्त 1982

रस० श्री० सं० 58--सेक्यन श्रीधकारियों की सेवा वे स्थायी सदस्य श्री बा० मी० खा को लेखा पराक्षा श्रीधकारी वेतनमान 840-40-1000 क० दक्षतारोध 40-1200 क० मे कार्यभार ग्रहण करने की नार्राख से, श्रमले श्रादेश मिलने तक स्थानापन्न के लिये प्रोन्नति की जाती है।

ह० श्रपठनीय लेखा परोक्षा निदेशक रक्षा मंत्रालय

र्डा० जी० ग्रो० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा ग्रार्डनैन्स फैक्ट्री बोर्ड

कलकता-700069, दिनांक 1" नवम्बण, 1982 संव 13/82/ एव/ईव-1 (एनव जीव)--आइंनैंस फैस्ट्रियों के महानिदेणक महोदय, जीफ इंजीनियण कार्यालय, श्रमणाचल प्रदेश, पीव डब्ल्यूव डींव, निक्क ईटानगर के स्थायी श्रधीक्षक श्री केव कार को सहायक स्टाफ अफसर (ग्रुप "बी" ाजपित्तन) के पद पर दिनांक 20-10-1982 (पूर्वाह्न) नियुक्त श्रीर श्रांडनैंस फैस्ट्री बोर्ड कलकत्ता में तैनात करते हैं। जीव एनव रामाशेषन

सदस्य/कार्मिक

कृते महानिवेशक, भ्रार्डनैन्स फैक्ट्रोयां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली दिनांक, अक्तूबर 1982 भ्रायात-निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/690/62 प्रशासन (राजपन्नित)—संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रामात-निर्यात के कार्यालय, बस्बई में श्री जी० श्राई० पुनवानी नियंत्रक, श्रामात निर्यात को जो सेवा निलम्बाधीन है, 18 श्रगस्त, 1982 को दोपहर पूर्व से श्रनिवार्य रूप से मरकार सेवा से निष्त कर दिया गया है।

> ए० एस० कील उप मुख्य नियंत्रक, श्रायत-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1982

सं० 17/1/82 प्रणा० (राज०) 7185— राष्ट्रपति, श्री पाल बेक (केन्द्रीय सचित्रालय सेवा वर्ग -1 प्रवरण सूची 1979) को केन्द्रीय सचित्रालय सेवा के वर्ग-I में ग्रौर इस कार्यालय में उप मुख्य नियंत्रक श्रायात निर्यात के ख्प में, 2 नवम्बर, 1982 के पूर्वाह्न से 2 मास के लिये तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

वि० ग्रेषन संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात निर्यात

(वस्त्र विभाग)

हथकरघा विकास ग्रायुक्त का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1982

सं० ए० 32013/2/82 प्रशासन II (क)—राष्ट्रपति, वस्त्र डिजाइन में वरिष्ठ प्राध्यापक श्री बी० पी० श्रंजान्या को 12-10-82 से श्रागामी श्रादेशों के लिये बुनकर सेवा केन्द्र, विजयवाड़ा में उप निवेशक (बुनाई) के पद पर नियुक्त करते हैं।

विनय झा, ग्रपर विकास ग्रायुक्त (हथकरघा) ति तथा निपष्टान महानिदेशालय

(प्रशासन श्रनुभाग)

नई दित्रं '10001, दिनांक 30 श्रक्तूबर 1982

सं० प्रणा० (313)/6—राष्ट्रपित ने निदेशक पूर्ति तथा निपटान कलकत्ता के कार्यालय में उप निदेशक (पूर्ति) (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड II श्री मी० सी० दत्ता को दिनांक 1-10-1982 के पूर्वाह्म में उसी कार्यालय में छ: माह की श्रवधि श्रथवा नियमित श्रधिकारी के उपलब्ध होने तक, जो भी पहले हो पूर्णत: तबर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न निदेशक (पूर्ति) (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप "ख" के ग्रेड-I) के पद पर नियुक्त किया है।

2. श्री सी० सी० दत्ता को निदेशक पूर्ति के रूप तदर्थ नियुक्ति से नियमित नियुक्ति के लिए दावा कर। का कोई हक नहीं मिलेगा श्रीर उनके द्वारा की गई तदर्थ सेवा उस ग्रेड में वरीयता तथा पदोन्नति श्रीर स्थायीकरण के लिए नहीं गिनी जायेगी।

> एस० एल० कपूर, उप निवंशक (प्रशासन)

(प्रशासन भ्रनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1982

सं० प्र०-6/247 (415)--उप निदेशक निरीक्षण, दुर्गापुर के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु रसायन) के पद से अवनत होने पर श्री आर० एन० दास गुप्ता ने दिनांक 11-10-82 के पूर्वाह्म से निरीक्षण निदेशक वर्नपुर के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु रसायन) का पद भार सम्भाल लिया।

न० म० पेरूमाल, उप निवेशक (प्रशासन)

इस्पात श्रौर खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपूर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

सं० ए० 19012 (160)/82-स्या ए०--- विभागीय पदोन्नति समिति की सिकारिश पर श्री एस० डब्ल्यू० खेडेकर स्थायी वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञानी) की भारतीय खान ब्यूरो प्रधिकारी (श्रासूचना) के पद पर तदर्थ श्राधार पर दिनांक 6 सितम्बर, 1982 (पूर्वाह्म) से पदोन्नत प्रदान की गई है।

वै० च० मिश्र, कार्यालय ग्रध्यक्ष, भारतीय खान ब्यूरो

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशाल 🕳

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 2282

सं० ए० 12026/5/82-प्रशासन 1— केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन में श्री गुरुदत्त शर्मा (भारतीय सांख्यिकी सेवा के ग्रेड 4 के श्रधिकारी) ने प्रशिक्षण पूरा कर लेने के फलस्वरूप 15 सितम्बर, 1982 (पूर्वाह्म) से इस निदेशालय में चिकित्सा सांख्यिक के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

(ह०) अपटनीय उपनिदेशक प्रशासन (स्रो०एंडएम०)

नई दिल्ली, दिनांक 13 नवम्बर 1982

सं० ए० 32013/1/82 (कं० प्र०स०) प्रणा०— (भाग) ई० पी० ध्राई०— श्री अविनाश चौधरी सहायक निदेणक (गैर चिकित्सा) केन्द्रीय ध्रनुसंधान संस्थान, कसौली (हिमाचल प्रदेश) की सेवा निवृत्त की ध्रायु हो जाने के फलस्वरूप वह 31 श्रगस्त, 1982 के श्रपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

शाम लाल कुठियाला उप निदंशक प्रशासन (पी० एच०)

परमाणु ऊर्जा विभाग नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

न ॰ प ० वि ० प ० कालो नी दिनांक 9 नवम्बर 1982

क्र० न० प० वि० प० प्रणा०/36 (1)/82 एस०/13125—
नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना नरौरा के मुख्य परियोजना
अभियंता स्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी एवं भाभा परमाणु
अनुसंधान केन्द्र बम्बई के स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी श्री
एस० सी० भागेश्रा को दिनांक 11 श्रक्तूबर, 1982 के
पूर्वाह्म से श्रीग्रम श्रादेशों तक के लिये रू० 650—30—740
35—800 द० रो० 40—960 के वेतनमान में नरौरा परमाणु
विद्युत परियोजना में स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी नियुक्त
करते हैं।

सं० न० प० वि० प०/प्रशा०/26 (1)/82-एस०/13126-नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना श्रिभि-यंता, स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक एवं ऋय एवं भंडारण निवेशालय बम्बई के स्थानापन्न सहायक लेखा श्रधिकारी श्री एम० श्रीनिवासन को दिनांक 25 ग्रगस्त, 1982 के पूर्वाह्म से ग्रियम ग्रादेशों तक के लिये ६० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी-11 के रूप में नियुक्त करते हैं

> एम० एस० राव मुख्य प्रशासन श्रधिकारी

तारापूर परमाणु बिजलीघर

टी०ए०पी०पी०-401504, दिनांक 30 अक्तूबर 1982 सं० टी०ए० पी० एस० /1/34 (1)/79 (खंड VIII)— मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजली घर, तारापुर परमाण् बिजली घर में वैज्ञानिक सहायक (सी) श्री वी• डब्स्ट्र्णुक्ला और ट्रेड्समैन "जी" श्री जयराज थामम को इर विजली घर में विनांक 1 अगस्त, 1982 की पूर्वाह्म अगले आदेशों तक के लिये अस्थायी क्षमता में वैज्ञानिक अधिक कारी/श्रभियंता "एस० बी०" नियुक्त करते हैं।

द० वि०मरकले प्रशासनिक ग्रधिकारी-III

श्रंसरिक्ष विभाग सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलीर-560009, दिनांक 29 प्रश्तुबर 1982

सं० 9/III/82 सि० ई० प्र० (मु०)—मुख्य इंजीनियर सिविल इंजीनियरी प्रभाग, अन्तरिक्ष विभाग, श्री एच० एस० सुब्बाराया को अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग बंगलौर में पदोन्नति पर महायक लेखा ग्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 7 अक्तूबर, 1982 के पूर्वाह्न से आगामी श्रादेश तक नियुक्त करते हैं।

> एव० एस० रामदास प्रशासन श्रिकारी—!

नागर विभानन मंत्रालय नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1982

मं० ए० 35017/1/82 बी० ई० -- राष्ट्रपति ने श्री एम० से।० मिश्र, भारतीय पुलिस सेवा (म०प्र०-51) को 8-11-82 (पूर्वाह्न) से तीन वर्ष की श्रवधि के लिए नागर विमानन सुरक्षा के निदेशक तथा नागर विमानन के पदेन श्रपर सचिव महानिदेशक के रूप में नियुक्त किया है। वि० जयचन्द्रन

ग्रवर सचिव

भारत मौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ली~3, दिनांक 11 नवम्बर 1982

सं० ए० 32013 (डी० डी० जी० एम०)/1/80-स्था०1—भारत के राष्ट्रपति, भारत मौसम विज्ञान के निम्नलिखित निवेशकों को इसी विभाग में स्थानापक्ष मौसम विज्ञान के उप महानिवेशक के रूप में उनके नामों के सामने दर्शाई

गई तारीख में स्नागामी स्नादेशों तक के लिये नियुक्त करते हैं:--

1. डा०ए० के० मुखर्जी	7-9-1982
2. डा० ए० ए० रामभास्त्रा	20-9-82
3 •ेडा० एस० एम० कुलश्रेष्ठ	7-9-82
4 डा० एन० सेन राय	7-9-1982
 डा० जी० पंा० श्रावास्तव 	7-9-1982
 श्री टी० एस० एस० ग्रजनऐलू 	7-9-1982
υ	म० का० दास
मॉलम विज्ञान के श्रपर	महानिदेश क
	(उपकरण)

विदेश संचार सेवा

वम्बई, दिनाक नवम्बर 1982

मं० 1/155/82 स्था०--विदेश मंचार सेवा के महा-निवेशक एतद्द्वारा कलकता शाखा के विष्ट फोरमीन, श्री एम० व्हा, काबले का नियमित श्राधार पर 21-10-82 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक डी० टा० एम० पूना में स्थानापन्न रूप से मुख्य याविक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/516/82 स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्दारा मद्रास शाखा के तकनंका सहायक श्री एस० एस० पालाय की नियमित श्राधार पर 27-9-82 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक श्रीभयंता नियुक्त करते हैं।

सं 1/524/82 स्था - विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एनद्दारा नई दिल्ली के तकनीको सहायक, श्रा पी एम कुण को नियमित श्राधार पर 16-9-1982 के पूर्वाह्म से श्रागामा श्रादेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से महायक श्रीभयंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/525/82-स्था० --- विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वारा बम्बई शाखा के तवनंका सहायक, श्री व्हो, पा० श्रार० नायर को नियमित श्राधार पर 16-9-82 के पूर्वाह्म से श्रागामा श्रादेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक श्रीभयंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/528/82 स्था० - - विदेश संचार सेवा के महा-निदेश र एतदृहारा मद्राम शाखा के अधाक्षक श्री वं।० लिगराजू को 25-9-1982 के पूर्वाह्न में आगामी आदेशों तक मुख्य कार्यालय, बम्बई में स्थानापन्न रूप से सहायक प्रणामन अधिकार्त नियुक्त करते हैं।

स० 1/529/82 स्था०—-विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एनद्द्वारा नई दिल्ली शाखा के तकनीको सहायक, श्री जे० के० खन्ना को नियमित श्राधार पर 16-9-82 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से महायक श्रीभयंता नियुक्त करते है।

> एच० एल० मल्होत्रा उप निदेश ह प्रशासन **कृते** महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद णुल्क समाहर्ना का कार्यालय

बम्बई-400 020, दिनाक 10 नवम्बर 1982

म० 11/3ई०(ए०) 2/77 पार्ट—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क गमाह्तीलय बम्बई--1 के निम्निलिखित समूह "ख" राजपित श्रधिकार: (अधःक्षक/प्रणा० श्रधिकार) अधिकारिकं पर/म्बेच्छ। से उनके नामो के श्रागे दर्णाई गई तारंख को सेवा निवृत्त हो गये हैं:---

क्र०स० नाम ब पद नाम सेवा निवृत्त होने का नारीख

- 1. श्री ए० एम० ताहार, प्रशा० अधि० 31~8-82 (श्रप०)
- 2. श्री ए० ग्रार० एम० हल्दे प्रधा०, 30-9-82 (ग्रप०)
- श्रापा० एस० पाटिल, प्रधा०
 30-9-82 (ग्रप०)

मं० 11/3ई० (ए०) 2/77 पार्ट-II—श्रा श्राप्त० कृष्ण-मूर्ति कायलिय, श्रधं क्षक ने प्राप्तित पर दिनाव 8-9-1982 पूर्वा० से बम्बई केन्द्राय उत्पाद गुल्क समाहर्तालय-1 मे छुट्टै। रिक्ति मे पराक्षक केन्द्राय उत्पाद गुल्क समृह "ख" के रूप मे कार्यभार सभाल लिया है ।

स० 12/3ई० (क) 2/77 /पाटी ा - निम्नलिखित वित्त श्रेणः निरक्षको के प्रोक्ति पर अपने नामो के अन्ते दर्णाई गई ताराख से बम्बई केन्द्राय उत्पाद शुक्क समाहर्तालय - 1 में स्थानापन्न श्रधःक्षक केन्द्राय उत्पाद शुक्क समूद "ख" के रूप में दर्गार्थभार मंभाल लिया है।

- ऋ०सं०	 नाम	- क(र्यभार	—— ' ग्रहण
		करने कं।	तारीख
 1. श्री ट	'० टंा० निचानं।	24~5~82	
2 শ্বা	फ्रार० वा० निचल	24-5-82	(भ्रप०)
3 आ ए	ए० एच० बिजलानः	24-5-82	(भ्रप०)
4. শ্বা	ए० जी० चव्हाण	25-5-82	(पूर्वा०)
5. श्री ए	म० ग्रार० नाडकर्णी	26-5-82	(पूर्वा०)
6. श्र∤ व	ि एस० नेरकर	26-5-82	(पूर्वा०)
7. ধ্বা সূ	गर० जी० सत्तुर	28-5-82	(पूर्वा०)
8. श्री ড	ाय थामस	2 7 -5-82	(पूर्वा०)
9 શ્ર ાસ	ा० वाः दुधाणा	31-5-82	(पूर्वा०)
10. आ ब	।० डी० दिव	2-6-82	(पूर्वा०)
11. श्री ज	ીં થાં તાર્વે	2-6-82	(पूर्वा०)
12. कुमार्र	ो एस० ई/० चुबे	14-6-82	(पूर्वा०)
13. श्रा ए	प ० ग्रार० सर्वानस	15-6-82	(पूर्वा०)
14 श्रीप	া০ ৰাণি কাল	16~6~82	(पूर्वा०)
15. श्री ग्र	ार० एस० तलेकर	17-6-82	(पूर्वा०)
16. ৠ क	'० बा० जावले	24-6-82	(पूर्वा०)
17ः श्रापं	।० के० धारगलकर	30-6-82	(पूर्वा०)
18 श्राए —	न० ग्राई० एम० ग्रार० शे	T 1-7-82	(पूर्वा०)

विजय कुमार गुप्ता

समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पाद शुलक बम्बई-1

निर्दाक्षण लेखा परीक्षा निदेशालय सामा व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली दिनांक 9 नवम्बर 1982

सं० 18/82---श्री वाई० पी० पनघर ने जीक पहले इस निवंशालय में सहायक निदेशक ग्रुप "क" के पद पर तैनात थे, हिन्दुस्तान जिक लिमिटेड उदयपुर में प्रतिनियुक्ति से वापस आने पर राजस्व विभाग के दिनांक 16--8--82 के ब्रादेश सं० 149/82 (फा० सं० 22012/53/82 प्रशा०2) के ब्रन्सार निरीक्षण व लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा शुल्क व केंद्रीय उत्पादन शुल्क नयी विल्ली में, दिनांक 13-9--82 (पूर्वाह्म) से श्रीमती वालिगा के छुट्टा पर चले जाने के कारण रिका हुए पद का कार्यभार संभाल लिया।

एस० वी० सरकार निरीक्षण निदेशक

र्सामामुल्क उत्पादमुल्क तथा स्वर्ण नियंत्रण भ्रपाल ग्रधिकरण

नई दिल्ला, दिनांक 6 नवम्बर 1982

फा० सं० 7-सं१० णु० उ० णू० नि० प्र० प्र० न्था वाई० डा॰ तिवारी मुपरिन्टेंडेंट ग्रुप बी०, ने जो कि पहले केन्द्राय उत्पाद णुल्क समाहर्तालय, कानपुर में कार्य कर रहे थे, 6 नवम्बर, 1982 पूर्वाह्म से वेतनमान रु. 650-1200 तथा 75 पये के विशेष वेतन प्रतिमास, तकनीका ग्राधिकारी, संभाणुल्क उत्पाद गुल्क तथा स्वर्ण नियंत्रण ग्रापील ग्राधिकरण, दिल्ला बेंच नयी दिल्ला के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

दिनांक 9 नवम्बर 1982

फा० सं० 7-सं१० णु० उ० गु० स्व० नि० ग्र० ग्र०-श्री एम० राम मोहन राव, श्रारेज्य, सीमाणुका, मद्रास ने, जो कि पहले निरोक्षण एवं लेखा पराक्षा निदेशालय, सीमा शुक्क तथा केन्द्रीय उत्पादन गुन्क नया। दिल्ला में निराक्षण श्रिकारा के पद पर कार्य कर रहे थे 11 श्रक्तूबर, 1982 अपराह्म से वेतनमान 650-1200 तथा 75 रुपये के विशेष वेतन प्रति मास, तकर्नाकी श्रीधकारा, सीमाणुका उत्पाद-शुक्क तथा स्वर्ण नियंत्रक श्रपाल श्रीधकारण, दिल्ला बेंच, नयी दिल्ली के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। श्रार० एन० सहगल

केर्न्द्रीय जल भ्रामोग

नई दिल्ली-110066, दिनाफ नवम्बर 1982

सं० ए०-19012/1(14)/82-स्थापना-1--सहायक निदंशक (माज्यिको) सहायक निदंशक (प्रोग्रामर) के पद से प्रत्यावर्तन होने पर, जहां वे तदर्थ प्राधार पर नियुक्त थे, श्रं। पा०सी० जैन को अध्यक्ष, केन्द्राय जल ब्रायोग एतद्द्वारा 15-9-82 के पूर्वाह्न से 6 महीने की अवधि अथवा इस पद के नियमित ब्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, ग्रातिरिक्त सहायक निदेशक (सांख्यिकी) के पद पर रु० 650-30-740-35-810 द०रो० 35-880 -40-1000 द०रो०-40-1200 के वेतनमान में नितान्त ग्रम्थाई तथा नदर्थ ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

के० ल० भंडंला ग्रहुर सचिव

नई दिल्ली 110066, दिना है 10 नवस्बर 1982

मं० ए० 32012/1/81 म्था० पाच (खंड-दो)—-विभागीय पदीक्षति समिति (ग्रुप "ख") कं मिफारिशों पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायंग, श्रा के० एल० खुराना, डिप्लोमा प्राप्त पर्यवेक्षक, जीकि इस समय प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर राष्ट्रीय जल विद्युत निगम लिमिटेड, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर कायरत है श्रीर प्रतिनियुक्ति/विदेश सेवा के सवग बाह्य पद पर रहते हुए (श्रामक्त कनिष्ठ नियम) की सभी शर्ते पूरी करते हैं, को श्रीतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड मे र० 650-30-740-35 810-द० री० 35-880-40-1000 द० री० 40-1200 के वेतनमान में उसकी श्रनुपस्थित में स्थानापत्न रूप में श्रगले श्रादेश तक 9 श्रगस्त, 1982 के पूर्वाह्न से नियुक्त तरते हैं।

- 2. श्री खुराना 9-8-82 से वो वर्षों को भ्रवधि के लिए अतिरिक्त सहायक निर्देशक सहायक इंजीनियर के ग्रेड में परिवेक्ता पर रहेगे।
- 3. उनर्युक्त ग्रिधिकारी की पदोन्निति कलकत्ता के माननीय उच्च न्यायालय में पेंडिंग 1980 के निविल नियम सं० 10823 (डब्ल्यू०) के परिणाम के ग्रधीन हैं।

मं० ए० 32012/1/81 स्था० पाव (खंड-दो०) -- विभागीय ग्रदोन्नति संमिति (ग्रुप 'खं) की सिफारिशों पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जन आयोग, श्री बाई० नागेश्वर राव, डिप्लोमा प्राप्त नर्यवेक्षल, जोकि इस समय प्रतिनियुक्ति के धाधार पर श्रम मंत्रालय के अधीन मी जा माईनस लेबर वैलफेयर संगठन, काली-चेद्र में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत है और प्रतिनियुक्ति/विदेश सेवा के संवर्ण बाह्य पद पर रहते हुए (श्रासन्न कनिष्ठ नियम) की सभी भर्ते पूर्रा करते हैं। को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में रू० 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 के वेतनमान में उनका अनुपस्थित में स्थानापन्न रूप में अगले आदेशों तक 9 अगस्त, 1982 के पूर्वाह्म से नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री वाई, नागेयवर राव, 9-8-82 से दो वर्षों की ग्रवधि के लिये, श्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड मे परिवंक्षा पर रहेंगे ।
- 3 उनर्युक्त ग्राधिकारी का पदोक्षति कलकत्ता के माननीय उच्च न्यायालय में पेंडिंग 1980 के सिविल नियम सं० 10823 (उद्ध्यु०) के परिणाम के श्रधीन हैं।

ए० भट्टाचार्य श्रवर सचिव, केन्द्रीय जल श्रायोग चित्तरंजन रेलडंजन कारखाना चित्तरंजन, दिनांक 8 नवम्बर 1982

संव एवसी व हिल एम व एम व सिंहा एवं एक प्राव्य साहा, स्थानापस प्रवर लेखा श्रिष्ठकार हिल्ल कारखाना को इस प्रणासन के लेखा विभाग के सवर्ग में बितीय श्रेणी की सेवा में श्रीजाव प्राव्य के लेखा श्रीण की सेवा में श्रीजाव प्राव्य के लेखा श्रीधकार की सेवा कि पर सहायक लेखा श्रीधकार के पर पर दिनांक 1-5-81 (पूर्वाह्म) में स्थाया किया जाना है।

[प्राधिकार दिनाक 30-7-82 का महाप्रबन्धक का अनुमोदन]

र्वा० एस० दास प्रवर लेखा ग्रधिकारी प्रशासन कृते महाप्रवन्धक

विधि, स्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)
कम्पनी विधि बोर्ड
कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनो प्रधिनियम 1956 श्रौर श्री नारायण यात्री भवन एड टूयरिजम इङस्ट्रीज प्राइवेट निमिटेड के विषय मे

पटना, दिनाक 9 नवम्बर 1982

मं० (1169) 560/4692— - जम्मनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की धारा (5) के स्रनुसारण मे एनद्वारा सूचना दो जाती है कि श्री नारायण यात्रः भवन एंड ट्र्यरिजम इंडस्ट्रं,ज प्राइवेट लिमिटेड का नाम रिजस्टर से काट दिया गया है स्रीर उक्त कम्मना विधटित हो गई है।

> ए० बहाब श्रन्सारी कमाना का रजिस्टार, बिहार, पटना

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कोजीकोड गवर्नमेन्ट पेन्सनर्स चिट फड प्राईवेट लिमिटोड

मं. 2137/लिबिब/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुमरण में एतद-द्वारा यह मूचना दी जाती है कि इस तारीस स तीन माम के अवसान पर कॉजिकांड गवर्नमन्ट पेन्सनर्स चिट फड प्राइदिट लिमिटंड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

के पन्चापाकेशन कम्पनियो का रजिस्ट्रार करल कम्पनी अधिनियम, 1956 और

नवांडयम प्राइविट लिमिटेड

म 1570/लिक्वि/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारील में तीन मास के अवसान पर नवोडयम प्राईविट लिमिटोड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

के पन्चापाकेशन कम्पनियों का रजिस्ट्रार करेन

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वेणाड रबर प्रोडक्टम प्राइविट लिमिटोड

म. 2679/लिक्वि/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनसरण में एतदद्वारा सूचना दी जाती है कि इस तारील सं तीन मास के अवसान पर वेणाड रबर प्रांडक्टस प्राहेविट लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकर्ल कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

के पन्चापाकेशन कम्पनियों का रिजिस्ट्रार छेरल

कम्पर्ना प्रधिनियम 1956 श्रीर पोन्नरा केषयु कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय मे

कौचीन, दिनांक 11 नवम्बर 1982

स० 2520/लिकिव/560 (3)82--- भम्पर्न। अधिनियम
1956 की धारा 560 की उप धारा (4) के अनुसरण मे
एतद्बारा यह सूचना द। जाता है कि इस तार्राख में तीन
मास के अवसान पर पोझारा केपयु कम्पनः प्राइवेट लिमिटेड
का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्ति न किया गया तो
रिजस्टर में काट दिया जीयेगा और कमानी विघटित कर
दी जायेगी।

कम्पर्नाः अधिनियमः, 1956 श्रीर सः।पाइं। एस्टेण्टस प्राइवेट लिमिटेड

कोचीन, दिनाक 11 नवम्बर 1982

सं 01887/लिकवी/560 (3) 82-- जम्मनी अधिनियम 1956 का धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण मे एतद्द्वारा यह सूचना दें। जाती है पि इस तारीख से तान मास के अवसान पर खापाड़ी एस्टेण्टम प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत दिश्या न विधा गया तो राजिन्टर से काट दिया जाएगा और कमनी विधिटन कर दी जायेगा। कम्पन) अधिनियम, 1956 स्रोर सतेण इण्डिया स्रकृ-मुलेटेरस प्राइवेट लिमिटेड कीर्नान, दिनार 11 नयस्वर 1982

मं० 2829 /िलवर्तः/560 (3)/82-- कम्पनेः प्रधिनियम, 1956 कै: धारा 560 की: उप धारा (3) के प्रनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दें: जाती है कि इस नार ख से तीन मान के प्रवसान पर अतेण इण्डिया प्रकृमुत्टेरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत दर्णिन न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा धीर कम्पनीः विघटिन वर द अधिग

कम्पनी अधिनियम, 1956 और होटल मंगीता प्राइवेट लिमिटेड के विषय मे

कोचे।न, दिनाक 11 नवस्वर 1982

स० 2929/लिक्वां/560(3)82—कम्पनी स्रिधिनियम, 1956की धारा 560 की उप धारा (3) के स्ननुसरण में एत्इद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस नारीख से तीन मास के स्रवसान पर होटल संगीता प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल दिशान न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की ग्रौर पालघाट टैल वरक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कोर्चिन, दिनाक 11 नवस्वर 1982

मं० 3353/लिक्बं:/560 (3) 82—कम्पनी श्रिधिनयम 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के श्रनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती हैं कि इस तारोख से तीन मास के श्रवमान पर पालघाट टैल वर्म्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिणित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विविद्ति कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नेशनल यूनियन लिमिटेड कोर्चीन, दिनांक 11 नवम्बर 1982

सं० 8181/लिक्वं:/560 (3) 82—कम्पनी ग्रिधिनयम 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह मूचना दी जाती है कि इस नारीख में तीन मास के श्रवसान पर नेशनल यूनियन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर पालाट टिवर इन्डस्ट्रीज प्राप्टबेट लिमिटेड के विषय में कोचीन, दिनाक 11 नवम्बर 1982

सं० 2154/लिक्वी०/560 (3) 82—कम्पनी म्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के भ्रनुसरण में तद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पालाट टिंबर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशा न किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटिन कर दी जायेगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर कोचीन ट्रेबलम एंड एजेन्सिस प्राइवेट लिमिटेड कोचीन, दिनांक 11 नवम्बर 1982

मं० 2215 /लिक्यं:/560 (3)/82—कम्पनी म्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के म्रनुसरण में एनव्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के म्रवसान पर कोचीन ट्रेवल्स एंड एजेन्सिस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा भ्रौर कम्पनी विषटित कर दी जायेंगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की श्रौर वेस्ट कोस्ट एंड अर्लेड प्रोडक्टस प्राइवेट लिमिटेड कोचीन, दिनांक 11 नवस्वर 1982

मं० 2715/लिक्षां/560 (3)/82—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एनद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माम के श्रवमान पर वेस्ट कोस्ट एंड अर्लेंड प्रोडक्टम प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिणत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटिन कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रोर पेनित सुनार इते हुने-निक्स प्राइवेट लिमिटेड कोचीत, दिनांक 11 नवम्बर 1982

सं० 2717/लिक्वीं 0/560 (3) 82--कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के ग्रनुमरण में एनद्बारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवस्ता पर पेनिनमुलार इलेक्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमि-टेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशान न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर षणमुग चिटम एंड द्रेडमं प्राडवेट लिमिटेड कोर्च:न, दिनांक 11 नवम्बर 1982

सं० 2367/लिक्व०/560 (3)82--कम्पनी ऋधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (3)के अनुमरण में एनद्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस नारीख से तीन मास के अवसान पर षणमुग चिट्स एंड ट्रेडर्स प्राइवेट लिमि-टेड का नाम इसके प्रतिकृत दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विवटित कर दो जायेगी।

के० पन्चापाकेशन कम्पनियों का रजिस्ट्रार

प्ररूप माई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-थ(1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, राहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नर्ड दिल्ली, दिनांक 23 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू० 1/एस०-श्रार०-4/ 3-82/618--श्रनः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात जिस्ती अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम करावल नगर, णाहदरा, दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिरट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य सकते एरयमान प्रतिफाल से, एसे द्रियमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अनिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गर्या प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए;
- (ल) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन िम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 2—356GI[82

(1) श्री ग्रमर नाथ, श्री जसवन्त राय सुपुत्रगण स्व० श्री मेला राम, श्रीमती सुरिन्दर कौर पत्नी स्व० श्री हरनाम मिह निवासी---16-18 राज ब्लाक, नवीन णाह्दरा, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री अरुन कुमार सुपुत्त श्री राम कुमार निवासी----200 बड़ा ठाकुर द्वारा, शाहदरा, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सृष्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के शर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित, है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सुची

कृषि भूमि नादादी 9 बीघे 6 विश्वे, रेक्ट नं० 38, किला नं० 2/2, 8/2, 9, 12/2 धौर 3 ग्राम करावल नगर, शाहदरा, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली–110002

दिनांक : 23-10-82

मोहर '

प्ररूप ग्राई० टी० एन• एस०

भायकर **मधि**नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः सहायकः ग्रायकर ग्रायक्तः (निरीक्षण) श्रर्जनः रेंज-1 नई दिल्लीः नई दिल्लीः, दिनांक 23 श्रक्तूबर 1982

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् उन्न प्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उलिन वाजार मृत्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

स्रीर जिसका मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम करावल नगर, शाहदरा, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची मे पूर्ण व्य से वर्णित है), रिजर्स्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय रिजर्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृस्य उसके दृश्यमान प्रतिकत में ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का क्ष्यह प्रतिशत अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच एवं प्रलारण के लिए तय पाया यता प्रतिकल, निम्नचिवित उदेश्य न उसन अन्तरण लिखिन में दाश्रविक क्ष्य में कथित नहीं किया (अ

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की वायत उक्त विध-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वधने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रन: अब, उक्न श्रष्टिनियम की घारा 269-ग के **प्रनुसरण** भें में उक्त श्रिधिनियम की प्रारा 269-थ की उपद्रारा (1) के के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री खीमत. श्री बृधु श्रीर श्री सुनतात सुप्तगण श्री रतन सिह, निवास:---ग्राम:-करावल नगर, शाहदरा, दिल्ल[--32
 - (ग्रस्तरक)
- (2) श्रीमती दया वर्नी पत्नी मुलतान सिह निवासी---ग्राम-करावल नगर, शाहदरा दिल्ली-32

(ग्रल्न(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, कि भीतर प्र्वीका व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति होरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंग्रे।

स्वव्योकरण:—ह्समें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उनन ग्रिध-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उम ग्रध्याय में दिवा गया है।

वम्स्ची

कृषि भूमि तादाद। 10 विघे श्रौर 7 विण्वे, खसरा नं० 28/22, 28/12, 19/2, 20/1, 21/2, 53/19, 53/21, 53/22, 56/2, 255, 98 श्रौर 245, स्थापित-ग्रास-करावल नगर, शाहदरा , दिल्ली-32 ।

नरेन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 दिल्ला, नई दिल्ला-110002

दिनांक : 23-10-1982

मोहर 🗧

प्रकप बाई । टी । एन । एस ----

आयकर मिश्रिमम्स, 1961 (1961 का 43) की घारा 269=व (1) के भन्नीत सूचता

भारत सरकार

कार्यालयः सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राजन रेज-। , नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 23 अक्तूबर 1982

निर्देश मं० म्राई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस०-म्रार०-4/3-82/650—म्प्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह.

श्रायकर श्रिधिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी मं० बी०-13, है तथा जो ज्योति तगर, शाहदरा, में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनाक मार्च, 1982

कां पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य म कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह शितयत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अक्षिनियम के अधीन कर कर के अभ्तरक के दायिस्य में कमी करने वा उससे अपने में सुविधा के सिए धोर/या
- (ख) ऐसी किसी आयपा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्योजनार्थं प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भो, मी उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के बभीन, निम्मिलिबित क्यीक्तयों, अधित् :---

- (1) श्री जुगल किमोर मूल चन्द (एच-यू०-एफ०) 273 कटरा पेडन निलक बाजार, दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मुलतान सेवा सदन दूस्ट, 5318/12 मदर वाजार, दिल्ली।

(भ्रतिरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इप मूचना के राजपत में प्रकाणत की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की नामीत से 30 दिन को श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीयत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताझरी के पास लिखिन में किए जा सर्वेंगे।

स्वब्होकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त ग्रिक्षित्यमं के प्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा को उन अध्याय में दिया गया है :

अनुसूची

प्त्राट न० बाच13 ब्लीक च्र्बी, स्थापित-ज्योति नगर (त्रेस्ट) शाहदरा,दिल्लां--32, एरिया--800 वर्गगज ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक · 23-10-1982

प्ररूप आई टो एन एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 23 श्रक्तुबर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस०-ग्रार-3/ 3-82/1983---ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्सें इसके परेषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के निर्धान सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाणार मूस्य 25,000/- रु. से निधक है

ग्रौर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-डेरा मंडी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावड श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्लं, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिस्त अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रति-क्या निम्नीनीचत् उद्वादय से उक्त अन्तरण विविद्त में बास्तिक रूप से कार्यन निम्नीनीचत् उद्वादय से उक्त अन्तरण विविद्त में बास्तिक रूप से कार्यन नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त जिमित्यम की धारा 269-ग की स्पधारा (1) के अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थाल् :—— (1) श्री राजवन्त सिंह श्रार सुपुत्न एस० तारा सिंह निवासी—नं० 7-ए, फरीदकोट हाउस, लायटन रोड, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीधीरज सिह (माइनर) सुपुत्र श्री कमल किशोर सैनी द्वारा प्राकृतिक श्रिभभावक श्री कमल किशोर सैनी, निवासी—4412, श्रायिपुरा, मब्जी मण्डी, दिल्ली।

(ग्रन्तरितो)

की बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के जिल्ह कार्यवाहियां करता हुं।

उभर सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधिया सत्सम्बन्धी अविश्वतों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के मौतर पूर्वोक्य अविस्तरों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (था) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारी स सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाद्धीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन विभागित के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

कृषि भिम तादादी 4 बिघे 14 बिघ्ने, रेक्ट नं० 43, खसरा नः 14/1 थ्रोर 15 मिन, एश्विम्याम डेरा मण्डी तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

> नरेन्द्र मिह मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायक्तर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेज 1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 23-10-82

प्ररूप आहू .टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनार 23 श्रम्तुबर 1982

निर्देश मं० ग्राई० ए० मं।०/एक्यू० ।/एस०-ग्रार०-3/ 3-82/1987---श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी मं० छिप भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मण्डी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड ग्रानुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपतित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी आयकी बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, ख्रियान में स्चिधा के सिए;

अतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उपन अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिसित व्यक्तियों, अधीतः :-- (1) श्राः पारसा सुपुत्र श्रीः श्रारामीः, निर्यासी — ग्राम-हेरा मण्डीः, तहसील-महरौलीः, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रातीया सुपुत्र श्री चेत राम निवासी—-ग्राम-डेरा मण्डी, तहसील-मेहरौली, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविध् या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध्, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 11 बिघे श्रौर 16 बिश्वे, खसरा नं० 110/18 मिन (2-12), 110/19(4-12), 110/20(4-12), स्थापित-ग्राम-डेरा-मण्डी, तहमील-मेहरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ख्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 23-10-19**8**2

भोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(।) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 23 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-ग्रार-3/ 3-82/1991--श्रनः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम जिस्ते अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० कृषि भूमि हे तथा जो ग्राम डेरा मण्डी, नर्ड दिल्ली में स्थित है (ग्रार इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रांकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रांकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे अचने मों सूविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में गृविधा के लिए;

(1) श्री राजवन्त सिंह **बा**र सुपुत्र एस० तारा सिंह, निवासी---ने० १-ए, फरीदकोट हाउस, लायटन रोड, नई दिल्ला ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रां विक्रम सैनी (माइनर) सुपुत्न श्री कमल किशोर सैनी निवासी---ने० 4412 ग्रायिपुरा, सब्जी मण्डी, दिल्ली।

(भ्रन्तरितं।)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोंक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उकत अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

भनुसूची

कृषि भूमि 4 बिन्ने 16 बिन्ने, रेक्ट नं० 43, खसरा न० 7, स्थापित---ग्राम -डेरा मण्डी, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिह् मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

क्ताः अन्त, उन्तर अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्तर अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनाक : 23-10-1982

मोहर ः

प्रकल प्राई० टी० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थाए। 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 23 अक्तूबर 1982

निद्या मं० श्राई० ए० मी०/एवयू/1/1/एम०-श्रार०-3/3-82/1994—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह, श्रायकर अधितिरम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उसा अधितियम' कहा गया है), को बारा 269-ख के अधीर नजन राधिकारी को, रह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंगल, जिसका उचित्र बाजार मल्य 25,000/- क० में अधिक है

स्रीर जिलका मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम हेरा मण्डा, नई दिल्ली में स्थित है (स्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूत्ती में पूण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिलाक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाप करने का कारण है कि यंबापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल के पन्दर प्रतिक्ता पं गायक है और प्रन्तर (सन्तरकों) और प्रन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तर्थ है लिए तय पाया गता प्रतिकल किन विभिन्न के स्थाप के सम्वाप्तिक के सम्वाप्ति के सम्वाप्तिक के सम्वाप्ति के सम्वप्ति के सम्वाप्ति के सम्वाप्ति के सम्वाप्ति के सम्वाप्ति के सम्वप्ति के सम्वाप्ति के सम्वाप्ति के सम्वाप्ति के सम्वाप्ति के सम्वप्ति के सम्वप्ति के सम्वाप्ति के सम्वप्ति के सम्वाप्ति के सम्वप्ति के

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी तिमी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

(1) श्री राजवन्त सिंह ब्रार सूपुत्र एप० तारा सिंह ियासी---नं० 7-ए०, फरीदकोट हाइस, लायटन रोड, गर्व दिस्ता ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रामित्। सरला मैनी पत्नी श्री कमल किणोर मैनी नंव 4412, प्रायीपुरा, सब्बी मण्डी, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उना मस्पति के प्रजी क लम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप --

- (ज) इन मुजना के राजनज में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवित्र या तसमबन्धी व्यक्तियां पर सुवना की तामील 1 30 दिन को प्रविध, जो भी प्रवित्र बाद न समाधा दीनी हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (प) इस सूत्रता के राजात्र में प्रकाणन की तारील से 45 दिन क भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वढ्डीकरण :--इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदों का, जा उक्त श्रधिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उन १६८७ में दिया गया है।

वन्स्ची

क्रुपि भूमि नादादी 4 बिघे 16 बिख्वे, रेक्ट नं० 43, खमरा नं० 6(43/6) स्थापित-ग्राम —हेरा मण्डी, तहसील महरौली, नर्ह दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) प्रजेन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली--110002

दिनाय . 23--10-1982

माहर:

प्ररूप आइ. . टी. एन. एस. - - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 प्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/3-82/1997---श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन संश्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्परित, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मण्डी, नई विल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, विनांक मार्च, 1982

को पूर्वों क्स संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सी, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्निलिस्त उद्देश्यों से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरच से हुई किसी आय की बाक्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स), एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की भारा 269ण की उपभारा (1) के जभीन निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् ः—- (1) श्री राजवन्त सिंह बार सुपुत श्री तारा सिंह निवासी--नं० 7-ए, फरीवकोट हाउस, लायटन रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री कमल विशोर मैंनो सुपुत श्री मुनी लाल निवासी—नं० 4412 श्रायीपुरा, सब्जी मण्डी, दिल्लो।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पाम निमित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

श्रनुसूची

कृषि भूमि तादादो 4 बिघे 16 बिघ्वे, रेक्ट० खसरा नं० 43/5, एरिया ग्राम—डेरा मण्डी, तहसील-मेहरौली, नई दिल्ला ।

नरेन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली(-11002

दिनांक : 23~10~1982

मुक्रम न रूप को सहस्र मान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाव 23 अक्तूबर 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सो०/एक्यू०/1/एस०-श्राप-3/3-82/1998---श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रशीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है।

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि, है तथा जो ग्राम-हेरा मण्डी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूबा में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय, नई दिल्ला में भारतीय रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान पनिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र ह प्रतिशान से श्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भ्राय वी बाबत, उक्त श्रिष्ठि (नयम के पुधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिहा से कभा करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, और/या
- (म्) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितमों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिंतिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीय, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—- 3-35601/82

(1) श्री पाचारन सिंह स्रोप सुपुत श्री काण सिंह, नियासी—निं० 7-ए, फरोदकोट हाउस, लायटन रोड, नर्ड दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मयजिद नर्सरी द्वारा प्रोपगइटर श्री कमल किशोर, मुपुत्र श्री मुनीलाल,

निवासी—नं० 4412 श्रायीपुरा, मञ्जी मण्डी, दिल्ली ।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एया हो।

अनुसूची

र्हाण भीम तादादी 4 विषे 16 विषेव, रेक्ट० नं० खमरा नं० 43/4, प्राम -डेरा मण्डी, तहमील-महर्दाली, नई दिल्ली ।

> नरन्द्र सिंह सक्षम अधिकारः महायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनाक 23-10-1982

माहर .

प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

प्रायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) ंकी धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 अक्तूबर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस०-न्नार०-3/ 3-82/2009--न्यनः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

शायकर प्रधिनियम, 1961 (196 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृत्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है, श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम कापसहेड़ा, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व क्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्लं में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भरतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश से उक्त अन्तरण निष्ति में वाश्निविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबन उक्त भीक्षिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिय; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीविनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के भृधीन निम्नलिखितु व्यक्तियों अर्थात् :.— (1) श्रामती उमा अप्रवाल पत्ना श्री यूग विहारी प्रप्रवाल, निवासी—वो०-47 नई दिल्ली माउथ एक्स० भाग-1

निवासी--बो०-47 नई दिल्ली साउथ एक्स० भाग-

(अन्तरक)

(2) मैं ० महरा स्टेण्ड कं ० एण्ड नर्सर्रा, 1-लोक नायक भवन, खान मार्केट, नई दिल्ली। (श्रन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीवन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के धर्जन के सम्बन्ध म कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि,
 जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
 पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिलकद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अबंहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 6 बिघे ग्रीर 16 बिध्वे, खसरा नं० 384 (2-3), 385 (4-13), स्थापित-ग्राम-कापसहेड़ा, तहसील-मेहरौली, नई दिल्लो ।

नरेद्र सिंह् सक्षम अधिकारी महायक खायक खायुक्तर (निरीक्षण) खर्जनरेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 30-10-1982

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 30 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-म्प्रार-3/3-82/2010---ग्रत. मुझे, नरेन्द्र सिंह $^{\prime}$

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात 'उक्न प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- कः सं ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम कापसहेड़ा मेहरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के शिये अन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वाम करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) घीर प्रस्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण सिखित में वास्त्रिक रूप ने कथित नहीं।

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचे भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिवा के सिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम् की भारा 269-गुके अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री बिपिन वीर जैन सुपुन्न श्री वि० कें ० जैन, नि०-- बी०--47 एन० डी० एस०ई०--1, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मैं मेहरा स्टीड कं एण्ड नर्सरी, हैं 1-स्रोक नायक भवन, खान मार्केट, नई विल्ली। (अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्राजंन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

(उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तस्सम्बन्धी अविकासी पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त अविकास से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थालर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधात्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रष्टाय में दिया गया है।

बुम्सुबी

कृषि भूमि तादावी 5 विघे भौर 11 विश्वे खसरा नं० 381/2(1-3) 382/2(0-13) 383(3-15), स्थापित-, ग्राम-कापसहेड़ा, तहसील-मेहरौली, नई विल्ली के साथ 1/4 भाग ट्यूब वेल में।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक : 30-10-82

प्ररूप आई० टी• एन• एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 23 ग्रक्तूबर 1982

निवश सं० श्राई० ए० सी० एक्यू०/1/एस०-श्रार०-3/3-82/2035--श्रतः मृझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम', 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० एम०-10 (मार्केट) तथा जो ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुमूची में पूर्व रूप में बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मार्च 1982

क्ये पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफत का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित के कभी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आऐन्तर्यों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिषित व्यक्तिगों, अर्थात :- — (1) श्री हरवन्स सिंह पावला सुपुत्र श्री नाथा सिंह, वासी—ए-11 हाउसिंग मोसाइटी, एन० डी० एस० ई०-1, रिंग रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मास्टर गजिन्दर कुमार लूण्ड स्रुपुत श्री वासदेव लूण्ड, मार्फत सोनी इस्टेट एजेंमी 20 सावित्री सिनेमा बिन्डिंग, ग्रेटर कैलाभ-2, नई दिल्ली-48, द्वारा उसके पिता एवं वास्तविक स्रभिभावक-श्री वासदेव लूण्ड मुपुत्र श्री तेजु राम, निवासी-1-एफ/153 लाजपत नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपीत्त मो हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मों किए जा सकरेंगे।

स्यष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिट है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं ० एम०-40 (मार्केट) ग्रेटर कलाण-2, नई दिल्ली, एरिया-195 वर्गगज ।

नरेन्द्र सिंह सज्जम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 23-10-1982

प्ररूप आई.टी एन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 ग्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/एस०-श्रार०-3/ 3-82/2039--श्रत मुझे, नरेन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० ई-540 है तथा जो ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमें उपावड ग्रनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियमं की वारा 269-म के अनुसरण मा, मी, उत्ता अधिनियमं की पारा 269-म की उपधारा (1) के अतीन, निमनिशिधन व्यक्तिया, अर्थात् .---

- (1) मैं० भाटिया श्रपार्टमेंट्स, द्वारा उसके भागीदार श्री एन० के० भाटिया, पी० के० भाटिया, श्रनिल भाटिया, सुनील भाटिया श्रौर श्रीमती राज कुमारी भाटिया निवासी—इंडस्यू०-41, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।
- (2) श्री एस॰ मी॰ तारा ग्रीर श्री श्रार॰ एल॰ तारा, निवासी—ई-540 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनः की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो सक्त भ्रधि-नियम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अद्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

अविभाजित हिस्से प्रो० नं० ई-540 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली के साथ प्रथम मंजिल का पिछला भाग (जिसको श्रपर ग्राउण्ड फ्लोर कहते हैं) दो बेडरूम, दो बाय रूम, एक इाइंग-कम-डाइनिंग रूम, एक किचन है।

नरेन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी ्सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक : 23-10-1982

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०---

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 23 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस०-प्रार०-3/3-82/2040-प्रत. मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

थौर जिसकी सं० ई०-540, है तथा जो ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वानित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनयम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

- (1) मैं० भाटिया श्रपार्टमेंट्स, ग०-18 कैलाण कालांनी, नई दिल्ली । (भागोदार एन० के० भाटिया, श्रनिल भाटिया, मुनील भाटिया, पी० के० भाटिया सभी सुपुत्रगण श्री बी० श्रार० भाटिया श्रीर श्रीमती राज कृमारी भाटिया स्वयं श्रटानीं, निवासी—जब्ल्यू-41, ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कमल कान्ता मेहता पत्नी स्व० डा० हरीचन्द मेहता। नित्रासी—ई०-540 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में हित-प्रविध किसी अन्य क्यो कत द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अन्स्ची

प्रविभाजित हिस्से प्लाट नं० ई०-540 ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ली, के साथ ग्राउण्ड फ्लोर का भाग जिसमें दो बेडक्स के साथ बाथ हम, ष्ट्राइंग डाइनिंग किचन है।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी भ्रजेन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अत:, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् .—

दिन:क : 23-10-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-म्रार०-3/ 3-82/2046—म्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मृल्य 25,000/- रापये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सी०-83-बी हैं तथा जो कालका जी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च 1982

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पतित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृष्टिय में उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थातः —

- (1) र्यामला सामिबी देवी पत्नी स्थल श्री राम लाल निवासी—सील-1/55जनकपुरी, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
 - (2) श्री शाम सुन्दर मल्होता सुपुत्र श्री लेख राज मल्होता बी/33, कालका जी, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हित- बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दा का जो उक्त अधिनियम, की अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

and the state of

सरकारी बना हुन्ना मकान नं० मी०-83--बी० कालका जी, नई दिल्ली । †

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-I, विल्ली नई विल्ली--110002

दिनांक : 23-10-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 श्रमतुबर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/ 3-82/2051—ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एन०-107, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में बाँणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन दिनांक मार्च 1982

को पूर्वों क्त संपरित के उषित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथानियम के बंधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के सिए शृज्यीर/या
- (ल) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री स्रघ्न मितल सप्रक्षाशी बी० बी० मितल, नियासी——ए-3, ग्रेटर कैलाण इन्क्लेब नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
 - (2) श्रीमती पूनम काटिया पत्नी श्री पवन काटिया, निवासी—-एन-107 ग्रेटर, कैलाश-1, नर्ष्ट दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्क सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

प्रो॰ नं॰ एन॰ $\left/107\right|$ ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली फ्लेट नं॰ 6, 825 अर्गफिट नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जेन रेंज-1, दिल्ली नई-दिल्ली—110002

विनांक . 23-10-82

प्ररूप माइ . टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर कायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन क्षेत्र-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 प्रक्तूबर 1982

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम विजवाणन तहसील-महरौली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबज श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्वेश्य से सकत बन्तरण सिचित में बास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी माय की वाबत, उक्त बीधीनय्म के बधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उत्तरे वचने में सूविधा के मिए; बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय माय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए।

बत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——
4—356GI-82

(1) श्री हनुमान प्रसाद गुप्ता,निवासी—एस०-384 ग्रेटर कैलाश-2,नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० अदिनी पिक्चर्स प्रा० लि० 69/1ए, नजफगढ़ रोड नई दिल्ली-110015 (भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उनत सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के सास निस्ता में किए जा सकेंगे।
- (ल) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पृवाँकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;

स्वष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुस्ची

कृषि भूमि टोटल तादादी 5 बिघे 17 बिघ्ये एम० नं० 87 किला नं० 24(3-6), 6(2-11), स्थापित-ग्राम-बिजवाणन, तहसील-मेहरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली--110002

तारीख : 23-10-1982

प्ररूप आइं. टी. एन. एस. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) \mathbf{y} र्जन रेंज- \mathbf{I} , नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-म्रार--3/3--82/ 2053---श्रतः मुझे, नरेन्द्र, सिंह,

आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम विजवाशन, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से कि थित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण जें, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः— (1) श्री नायू राम गुप्ता,
 निवासी-ई-54, साउथ एक्सटेन्शन-1,
 नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) मै॰ ग्रदिनी पिक्चर्स प्रा० लि० 69/1ए, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली-15 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 10 बिषे और 16 विश्वे, एम॰ नं॰ 87, किला नं॰ 9(4-16), 12(4-16), 8 मिन (0-12), 13(0-12), स्थापित-ग्राम-बिजवाशन, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 23-10-82

मोहर 🛭

प्रकृप बाई • टी • एन ० एस • ------

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज,-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 प्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्य०/1/एस०-ग्रार-3/3-82/2052---ग्रत मुझे, नरेन्द्र सिंह,

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मति, जिनका उचित हो जार मुल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम विजवासन, महरौली नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकतर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मार्च, 1982 को पूर्वों क्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिवक रूप से किथन नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आय की बानत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सू। ७४। के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुनिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित म्युक्तियों, अर्थात्:—

(1) शिव कुमार गुप्ता, । निवासी—सी०-499, डिफेस कालोनी, नई दिस्ली-3

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० श्रदिनी पिक्चर्स प्रा० लि०69/1ए नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबब्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में ेरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मम् सूची

कृषि भूमि तादादी 8 बिघे 184 विश्वे, एम० नं० 87, किला नं० 3 मिन (1-16), 27(0-4), 4 मिन (2-1), स्थापित—ग्राम बिजवासन, तहसील—महरौली, नई दिल्ली

नरेन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1 बिल्ली, नई-दिल्ली--110002

दिनांक : 23-10-82

प्ररूप आई ुटी, एन, एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 प्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस०-न्य्रार-3/3-83/2050---भ्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवासन, नई दिल्ली (महरौली) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिता (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रामतो बिमला गुप्ता (बिमला देवा), निवासी—एस-384 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) मैं ॰ म्रदिनी पिक्चर्स प्रा० लि॰ 69/1ए, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली--15 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क्त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्तं शब्दों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

कृषि भूमि टोटल तादादं। 28 बिघे 15 बिघ्वे, मुस्तार्ताल नं० 87, किला नं० 5 मिन (1-11), 4(2-8), 13(4-4), 17 मिन (2-4), 18(3-12), 28(0-3), 5(1-15), 7(2-12), 18(0-12), 14(4-16), 7(4-16), 28(0-2), स्थापित-ग्राम बिजवासन, तहसं।ल महरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-1 दिल्ला, नई दिल्ला⊶110002

दिनांक: 23-10-1982

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घृ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०1/एस० श्रार०-3/3~ 82/2054--श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर र्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्प्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रोर जिसका मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवासन, नई दिल्ला में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूर्चा में पूर्व रूप से विणत है, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रांधकारी के कार्यालय, नई दिल्ला मे भारतीय रजिस्ट्राकरण ग्रंधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रंथान, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निग्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से । धित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अर्ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्रा हनुमान प्रसाद गुप्ता, निवामी---एम०--384 ग्रेटर कैनाग--2, नई दिल्ली--48 (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रणोक सचदेव,
 निवासी--34 पश्चिमी मार्ग, वसन्त बिहार,
 नई दिल्ली ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति, को अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि टोटल तादादो 25 विघे 19 बिश्वे, मुस्तातील नं० 87, किला नं० 15(4-16), 16(4-10), 6(1-7), 23(2-7), 25/1(1-10), 25 मिन (1-4), श्रीर एम० नं० 86, किला नं० 10(5-0), 11(3-5), 20(1-2), 26(0-18), स्थापित—-ग्राम विजवासन, तहसील —महरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 23-10-82

मोहर

प्ररूप आर्ड्: टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अ<mark>धीन सूच</mark>ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 श्रक्तूबर 1982

निर्देण सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू श्रै/1/एस-भ्रार-3/ 3-82/2058--भ्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सुलतानपुर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविभा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैं कामायनी इलैंक्ट्रीकल्स प्रा० लिं बी-10 ग्रीन पार्क, नई दिल्ली द्वारा मैंनेजिंग डाइरेक्टर श्री राकेश अग्रवाल (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कुलवन्त कौर पत्नी एस० जसवीर सिंह श्रौर इन्दर मोहन सिंह, सुपुत्र एस० जसवीर सिंह, निवासी—के-9 ग्रीन पार्क एक्स० नई दिल्ली (माइनर द्वारा श्रीभभावक श्री जसबीर सिंह) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टोकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 3 बिघे और 1 बिघवे खसरा नं० 382, ट्यूब-वेल के साथ चार दीवारी और ध्रन्य लगी हुई समान, ग्राम स् सुस्तानपुर तहसील—महरौली नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिष्ट् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-I, विल्ली, नर्ष विल्ली-110002

दिनांक : 23-10-82

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० ~

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के घश्चीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, नई दिस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 ग्रक्तुबर 1982

निर्देश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू०/1/एम-धार-3/3-82/ 2063--श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिमें इसमें इसके परवात् 'उक्त मिश्विनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- व॰ से प्रधिकं है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम देवली, तहसील महरौली नई बिल्ला में स्थित है (श्रीर इससे उपावक्ष श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई बिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1982

को प्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नायत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) नरेन्द्र कुमार महाजन सुपुत्र स्व० श्री दुर्गा दास निवासी---181 मेक्टर 15, फरीदाबाद । (ग्रन्तरक)
- (2) रघबीर मिह सुपुत्त चौ० घमीटा, निवामी-जनौली, नहमील-पलबल, िला-फरीदाबाद श्रौर कुलदीप सिंह श्राहुजा निवासी-सी०-1/96 सिर्झार्थ, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरित)

को यह मुचना जारी करने पुर्वोक्त मस्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखिन में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

कृषि भूमि तादाधी 1 विघे 1 विस्वे, खसरा नं० 598 ग्राम देवली, तहसील-महरौली, नई दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक : 30- 0-82

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन, एस. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयुक्त सायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेंन रेंज-1 , नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 23 श्रक्तूबर 1982 निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार-3/3-82/2067—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम हेरा मण्डी, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावत अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्स्ट्राकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजर्स्ट्राकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधान, दिनांक मार्च, 1982

को पृवा कत संपरित के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवोंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयु-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) एम० प्यारा सिंह कक्कड़ सुपुत्र श्रामंगल सिंह कक्कड़, निवासी--सी-51 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री खेम चन्द सुपुत्र पं० शिवो सिह, निवासी-122ए/2 गौतम नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त संपर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्स्वस्वन्धी स्विक्त्यों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि., जो भी अविध नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस् अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

1/2 हिस्से कृषि भूमि तादादी 16 बिघे और 9 बिश्वे, एम० नं० 80, किला नं० 23(2-16), 24(0-17) एम०, नं० 82, किला नं० 3(4-16), 4(4-16), 5(3-4), स्थापित-ग्राम-डेरा मण्डी, तहसील महरौली, नई दिल्ली

> नरेन्द्र सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 23-10-82

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर प्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्लं, दिनांक 23 ग्रक्तूबर 1982

निर्देश मं० स्राई० ए० सः०/एक्यू०/1/एम०--स्रार-3/3-83/2066----स्रतः मुझे, नरेन्द्र मिह,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से प्रधिक है,

श्रीर जिसका मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरामण्डा, नई दिल्ला में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचा में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता श्रधिकारा के कार्यालय, नई दिल्ला में भारतीय रजिस्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधान, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रश्तरण से हुई किसी आय की बाबत, धक्त प्रधितियम, के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्थ भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिश्वित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिश्चित्यम, या धन-कर श्रिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के सिए;

अतः श्रवः, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मै, उक्त श्रिष्ठित्यम की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रधीनः, निम्नितिखित व्यक्तियों, श्रथीतः— 5—356GI/82

(1) एस० के० सी० माहन सुपुत्र श्री गोवाल चन्द मोहन, निवास:---29 साउथ बस्त हरफूल सिंह, सदय बाजार, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) पं० खेम चन्द सुपुत्र पं० शिव सिंह, निवास:—-122ए/2 गौतम नगर, नई दिल्ला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्पक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नागीत में 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्वध्वीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्च होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अन्स्धी

1/2 हिस्से कृषि भूमि तादादेः 16 बिघे और 9 बिघ्वे, एम० नं 9 80, किला नं 23C-16), 24(0-17), एम० नं 82, किला नं 3(4-16), 4(4-16), 5(3-4), स्थापित-ग्राम डेरा मण्डा, तहसंस महरौला, नई दिल्ले

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधि हार्रः सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर क्षण) ग्रर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक: 23-10-82

प्ररूप काई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन म्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्लो

नई दिल्ली, दिनांक 23 धक्तूबर 1982 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस०-आर-3/3-82/ 2075—-श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जोनापुर, सहसं ल-महरौली, मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूच मे पूर्व रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकार्रा के कार्यालय, नई दिल्ला मे भारतं य रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अतिरती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिएत य पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्ति-िक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व मो कामी कारने या उसम बचने मा सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

(1) श्री हरजीत सिंह सुपुत्र एस० रामेण्यर प्रीतम सिंह निवासी—राजा साहिब, तहसील लुधियाना

(अन्तरक)

(2) श्री राहुल कुशवाहा सुपुत्न श्री एस० एस० कुशवाहा निवासी-बी-6/8 सफदरजंग इनक्लेव, शापि। सेण्टर, नई दिल्लो ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवोंक्त सम्बत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पत्नीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 2 बिधे ग्रीर 4 बिग्ने, एम० नं० 3, किला नं० 20 मित (1-0), 21/1 (1-4); स्थापित ग्राम जोनापुर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

'दनोक : 23-10-82

प्रकप आई• डी॰ एन॰ एस•---

श्रायकर भ्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, 1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 23 म्रक्तूबर, 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस-मार-3/3-82/2070---भ्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

श्रायं तर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' नहां गया है), की धारा 269-खं के प्रधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्पत्ति, जिमका उचिन बाजार मल्य 25,000/- रु० में प्रधिक है

ग्रीर जिसको सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जोनापुर, महरौली नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा मे पूर्व रूप से धींगत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारा के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वे क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विद्वास करने का कारण है कि यथानू वाँकर मम्पिल का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परद्रह प्रतिशत अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गना प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निजित में वास्तर्विक हम से क्या स्वास्त्र नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित तारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सृविद्या के लिए;

अतः ग्रंब, उक्त अधिनियम की धारा 268-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-भ की उपधारा (1) के बुधीन, निम्नुनिविद्य व्यक्तियों, मुध्यि ध---

- (1) श्राः हरजीत सिंह सुपुत एस० रामेग्वर प्रांतम सिंह निवासी---रादा साहिब, तहसील-लुधियाना
 - (अन्तरक)
- (2) श्री राहुल कृषावाहा सुपुत्र श्री एस० एस० कृषावाहा निवासी---बा०-6/8, सफदरजंग, इन्कलेव, नई दिल्ली (शापिंग सेन्टर)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां शुरू करता होए।

प्रकृत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:=-

- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अयक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अयक्तियों में से किसी अयक्ति दारा;
- (ख) इस भूबना के राजन में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बंद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अभोद्वस्ताकारी के पास निकास में किए जा सकरेंगे।

स्यब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त कन्धों और पदों का, जां सकत प्रजितियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस यहमाय में विया गया है।

भनुसूची

कृषि भूमि तादादी 3 बिघे श्रीर 16 बिग्ने, एम० नं० 3, किला नं० 20, ग्राम जोनापुर, तहसील महरीला, नई दिल्ली

> नरेन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

चिनांक : 23-10-82

मोहरु 🥫

प्ररूप आहर्. टी. एम. एस.-----

भायकर जीभीनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के जभीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज 1, नई दिल्लाः

नई दिल्ली, दिनांक 23 श्रमतुबर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सं/०/एक्यू०/1/एस-ग्रार-3/3-82/ 2071—म्प्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकः सं० इ.पि भूमि है तथा जो ग्राम जोनापुर, महरौलं , ाई दिल्लीः में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच, में पूर्ण रूप म वणित है), रजिस्ट्रांवर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारत य रजिस्ट्रांकरण ग्राधिनियम, , 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दर्थ से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मो स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, भिम्मलिखित व्यक्तियों, स्थात् :--

(1) एस० हरजात सिंह मुपुत्र एस० रामेश्वर प्रातम सिंह निवासा---रादा-साहिब, तहसाल लुधियाना

(अन्तरक)

(2) श्री राहुल कुणवाहा सुपुत्र श्री एस० एस० कुणवाहा निवासी-बी०-6/8 गापिंग सेण्टर, सफदरजंग इन्कलेव, नई दिल्ली ।

(अन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

कृषि भूमि तादावि 4 बिघे, एम० तं० 3, िकला तं० 11 (2-8), 12(1-12), स्थापित-ग्राम-जोनापुर, तहसील-महरौलो नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज 1 दिल्लो, नई दिल्ला–110002

दिनांक : 23-10-1982

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर मधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प(1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 23 श्रक्तुबर, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सं10 / 0क्यू०/1/0स-श्रार-3/3-82/2072--श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

ग्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्न ग्रिधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख ह अगान नन प्राधिकारों को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्यावर नम्पति जिसका उचित बाजार मूह्म 25,000/- क्यए न ग्रिविक है

ग्रीर जिसका मं० इ.पि भूमि है तथा जो ग्राम जोनापुर, तहसं.ल-महरौली, में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूचा में पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यारुय, नई दिल्ला में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उणित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पक्ति का उचित बाजार मूहर उसके दृश्यमात प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमात प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशा से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से अन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी धाथ की बावत, सकत धींबनियम के धानि कर देने के घन्सरक के दाबित्व में कभी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या,
- (भ) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिश्वित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिश्वित्यम, या धन-कर भिश्वित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती भारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, अन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपसारा (1) को अधीन निम्नीलिखिल व्यक्तियों, स्थित्:—

- (1) श्री मती मन मोहन कीर पत्नी एस० ज्ञान सिह् राडेबाला निवासी-राडा साहिब, तहसील लुधियागा (अन्तरक)
- (2) राहुल कुशवाहा सुपुत्र श्री एम० एम० कुशवाहा निवासी---बी-6/8, प्रापिग सेण्टर, सफदरजंग इन्कलेव, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अन्तर्क के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्वेत के सम्बन्ध में कोई भी बाक्केप:-

- (क) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी स्पित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक दें किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किएजा सर्वेगे।

स्पष्टी हरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रिवित्यम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्व होगा जो उस प्रश्याय में दिया गया है।

मनुसूची

हाये भूमि नादादी 3 बिघे श्रौर 12 बिघवे, खसरा न० 21/2, एम० नं० 3, स्थापित-ग्राम-जोनापुर, तहसील-महरौली नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1 दिल्ली, नई विल्ली-110002

दिनोक : 23-10-82

प्ररूप भाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज्ना, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 ग्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-म्रार-3/3-82/2073--मत: मूझे, नरेन्द्र सिंह ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जोनापुर, तहसील-महरीला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्या में पूर्वरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रांकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, नई दिल्ला में भारतीय रजिस्ट्रांकरण श्रिष्ठांनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इर्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उन्वरिय से उच्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें , मैं , उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थील् हे— (1) एस० हरजोत सिंह सुपुत्र एस० रामेण्वर प्रीतम सिंह निवासी—राष्ट्रा साहिब, तहसील—लुधियाना ।

(अन्सरक)

(2) श्री राहुल कुशवाहा सुपुत्र श्री एस० एस० कुशवाहा, निवासी——बी-6/8, सफदरजंग इन्कलेव, शापिंग मेण्टर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अवसची

कृषि भूमि तादादी 4 बिषे 16 बिश्वे, एम० नं० 3, किला नं० 19, ग्राम-जोनापुर, तहसील-महरौर्ला, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज 1 विल्ली, नई विल्ली-110002

विशांक : 23-10-1982

(अन्तरक)

प्ररूप आई. टॉ. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अंगीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 ग्रक्तूबर, 1982 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्रयू०/1/एस-ग्रार-3-82/ 2074—ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुट से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जोनापुर, तहसील महरौली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची मे पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्याक्य, नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मार्थ, 1982

को पूर्वो क्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर रिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) एस० हरजीत सिंह सुपुत्र श्री रामेण्वर प्राप्तम सिंह निवामी--राडा माहिब, तहसील-सुधियाना
- (2) श्री राहुल कुशवाहा मुपुत्र श्री एम० एम० कुशवाहा निवासी-श्री-6/8 शपाणि मेण्टर, सफदरजंग इन्कलेष, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

कार्यमह सुचना जारी करके पृवानित सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप: --

- (क) इस स्थमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर मम्पित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

कृषि भूमि तादादी 4 बिघे श्रीर 14 बिघवे, एम० नं० 3, किला नं० 18, स्थापित-ग्राम जोनापुर, तहसील-महरौलां, नई विल्लों ।

नरेन्द्र सिंह् मक्षम प्राधिकारो महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 दिल्ला, नई दिल्ला-110002

विनांक : 23-10-1982

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . ------

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 श्रक्तूबर, 1982

निर्देश मं० आई० ए० मी०/एक्यू/1/एस-आर~3/3-82/ 2089--अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० एन-87 है तथा जो पंचशीला पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तिक रूप से केथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन अर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पुकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए।

अतः अन्, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस व्यक्तियों, अधीत :—

- (1) श्री जंि डब्ल्यू० लाल एण्ड ऊषा लाल निवास:-एन-87, पंचर्णाला पार्क, नई दिल्लो । (अन्तरक)
- (2) श्रो राजाव साहर्ना श्रौर रोहिना साहर्ना निवासी-बा॰~16 महाराना बाग, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथािक्त संपरित के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्व्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया भया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० एन०-87, पंचर्णाला पार्क, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजीन रेंज-1 दिल्ला, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 23~10-1982

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 ग्रक्तूबर 1982

निर्देश मं० ग्राई० ए० मं।०/एक्यू/।/एस-न्नार-3/3-82/ 2096--श्रत: मुझे, नरेन्द्र मिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम महरौला, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रांकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारत य रिजस्ट्रांकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधिन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूच्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-श्र की उपधारा (1) के उपीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
6—356GI/82

- (1) श्री रिमाल सिंह श्रीर राम छैल, मुपुक्षगण श्री सनवत, निवास:- विश्वनगृढ, महरौला, नई दिल्ल । (अन्तरक)
- (2) श्री एच० प्रसाद गुप्ता सुपुत श्री नथूरास गुप्ता निवासी—ई—54 एन० चे(० एस० ई०-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारो।

स्पद्धीकरणः -- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 7 बिये एम० न० 38 किला न० 9/1 (0-7), 13 मिन (2-8), 12(4-5), ग्राम-मेहरौली, नई दिल्ली, तहसील-मेहरौली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 30-10-1982

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----

श्रामकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ब्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 30 प्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/I/एस० श्रार-3/3-82/2099—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

कायकर ग्रिंबिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इममें इसके पश्चात् 'उक्त पश्चितियम' कहा गया है), की श्वारा 269-ख के प्रश्चीन पक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये ने ग्रिंबिक है और जिसका मं॰ कृषि भूमि है तथा जो ग्राम महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूणे रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिंबिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय रिजस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्ख, 1982

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य में कंप के दृष्यमान प्रतिकत के लिए प्रन्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबायुर्वोक्त नम्पित का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से प्रविक्त है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उका प्रम्तरण लिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रस्तरण से हुई किया प्राय को बाबन उक्त भ्रष्टि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के द्रायिश्व मैं क्षमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधितियम, या धनकर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

न्नतः मन, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सर्ण में, म, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपचारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री रिसाल सिंह भ्रीर राम छैल सुपुत्तगण श्रा सनबन, नियारा नियारा नियारा कियारा (श्रान्तरक)
- (2) श्रा एच० प्रसाद गुप्ता सुपुत्र श्री नत्थू राम गुप्त निवासी:—ई-54, एन० टो० एम० ई०-1, नई दिल्ला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिष्ट नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, कही भ्रष्ट होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 8 बिघे 15 बिघवे, एम० नं० 37, किला नं० 19(1-11), 23(2-8), एम० न० 38, किला न० 3 मिन (2-8), 8 मिन (2-8), ग्राम-महरौला, तहमील महरौला, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिह सक्षम श्रीधकारी सहायस श्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रोज-1 हिन्ला, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 30-10-82

प्रक्ष. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली। नई दिल्ली, दिनाक 30 श्रक्तुबर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० मो०/एसय/1/एस-ग्रार-3/3-82/ 2001--ग्रत: मुझे, नरेन्द्र सिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि हं तथा जो ग्राम चन्दनहुला, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रार इससे उपायद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उमित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उमित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहों किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उनत अधिनियम की भारा 269-म की अनुमरण में, में, उनत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिखत व्यक्तियो, अर्थात् :--

- (1) श्री भदत् सुपुत्र श्री तूर मृहम्मद भीर छोटे खान सुपुत श्री सुल्लर, निवासी---ग्राम--धन्दनहुला, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्रा रामाधार सुपुत्र श्रा गयादीन प्रसाद, निवासी---35-हनुमान रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

68/362 भाग कृषि भूमि तादाक्षी 18 बिचे ग्रौर 2 बिश्वे, (बराबर3 बिचे ग्रौर 8 बिश्वे) खसरा नं० 4(3-2), 5(4-16), 10/1/1/(2-16), 94 मिन (2-1), 96 मिन (1-7) 94 मिन (2-8), 96 मिन (1-12) ग्रौर भी 1/2 भाग, खसरा नं० 92(4-9), बरावर है(2-4) के, स्थापित ग्राम चन्दनहुला, नई विल्ली ।

नरेन्द्र सिंह्
सक्षम प्रधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक : 30-10-1982

प्ररूप नाई. टी. एन. एस.----

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिण)

श्रर्जन रेंज-र्ी, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-श्रार-3/3-82/2100--श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

नायकर निवास, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिभिनियम' नहा गया हैं), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम महरौली, तहसील-महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिथानियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिभा के निए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अनंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए।

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री रिसाल सिंह श्रीर राम छैल सुपुत्रगण श्री मानवत, निवासी—किशन गढ़, महरौली, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती बिमला गुप्ता पत्नी श्री एच० प्रसाद गुप्ता निवासी—ई-54, एन० डी० एस० ई-1, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वान्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया ग्या है।

बन्त्ची

कृषि भिम नादादी 7 बिघे ग्रौर 4 बिग्ने, एम० नं० 38, किला नं० 6(4-16), 13 मिन (2-8), ग्राम—मेह्रौली, तहसील—महरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रज-¹, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 30-10-82

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिवियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 प्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एऋ $\sqrt{1/ए$ स०-श्रार-3/3- 82-2098—-श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

श्राय तर अग्निनियम, 1 ना (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर गत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर मम्पिस, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपमें में पिक है श्रीर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम महरौली, तहसील-महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनायम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अतरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सृदिधा के लिये; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

सतः अन, उक्त निधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त निधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निध्निलेल व्यक्तियो अर्थात् :--

- (1) श्री रिसाल सिंह झौर राम छील, मुपुत्रगण श्री सानवत, निवासी---किशनगढ़, महरौली, नई विल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती बिमला गुप्ता पत्नी श्री एच० प्रसाद गुप्ता निवासी—ई०-54, एन० डी० एस० ई-1, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को या मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपन तम्यति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:~-

- (क) इन सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सुचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्यावर मम्यान में हिनबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोइस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा मर्केंगे।

स्वाब्दी करण :---इसमें प्रयुक्त जन्दों भीर पदों का, जो उक्त मित्रिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 8 बिधे श्रीर 4 बिख्वे, एम० नं० 37, किला नं० 23 मिन (2-8), एम० नं० 38 किला नं० 3 मिन (2-8), 4/2(3-8), ग्राम—मेहरौली, तहसील-मेहरौली नई विल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-1 दिल्ली, नई विल्ली–110002

दिनांक : 30-10-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 श्रमतूबर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एन्यू०/1/एस०-ग्रार-3/3-82/2097—ग्रतः भुझे, नरेन्द्र सिंह,

श्रीयकर श्रीवित्यम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रशितियम' कहा गया है), की बारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिलका उचित वाजार मूख्य 25,000/- र • से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड अनुसूची में पूर्ण स्प से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मार्च, 1982

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार गूल्य से कम् के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्प्रति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी थन या अन्य बास्तियों की, जिस्हुं भारतीय जाय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो- बनार्थ अन्तिरिती ब्वार्य प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अद: अब, उक्त अधिनियम की पारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री रिस्राल सिंह और राम छैल, सुसूक श्री सानवत, निवासी---ग्राम-किशनगढ़, महरौली, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती बिमला गुप्ता पत्नी एच० प्रसाद गुप्ता निवासी—ई०-54 एन० डी० एस० ई०-1, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यद् मूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां सुद्ध करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बर्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील ते 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मैं से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उना स्थावर संपत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधो इस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वयाकिरणः - इसमें प्रयुक्त धन्दों भौर पदों का, जो उक्क प्रविनियम के प्रध्याय 20-क में परिमाणित है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 7 बिधे भौर 4 बिध्वे, एम० नं० 38, किला नं० 8 मिन (2-8), 7(4-16), ग्राम-महरौली, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1; दिल्ली, नई दिल्ली∽110002

दिनांक : 30-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 अक्तूबर 1982

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मेहरीली नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्ज 1982

पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिलत बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रम्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जिलत बाजार मूल्य, उसके वृश्यमाम प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का प्रमह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (प्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत छक्त अधिनियम के भन्नीत कर देने के अध्यक्त के दावित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उपत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्ष धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निष्य ;

मतः घव, उक्तं विविनियम की धारा 269-व के ग्रमुस**्य में, में, एक्त** अधिनियम की धारा 269-व की उपघारा(1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:---

- (1) श्री रिसाल सिंह और राम छैल, मुपुष्पण श्री सामवत, निवासी—किशनगढ़ मेहरौली नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती बिमला गुप्ता पत्नी श्री एच० प्रमाद गुप्ता, निवामी—ई०-54, एन० डी० एस० ई०-1, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आ<u>री</u> कुरको पूर्वोस्त संपर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त मंपित्त के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य विक्तयों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 7 बिघे ग्रौर 1 बिघ्वे, एम० नं० 38, किला नं० 17 मिन (1-12), 18 मिन (0-17), 14 (4-12), ग्राम-मेहरौली तहसील-मेहरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) भर्जन रेंज-1 दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिमांक : 30-10-82

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाक 30 श्रक्तूबर 1982

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-मेहरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में पूर्णस्य से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मृत्य से ाम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जाचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से करियत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुन्दें किसी आयुकी बाबतु, उक्क अधिनियम के अधीन कर देने के अंत्रक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अज्सर्य मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री हरी सिंह सुपुत्न श्री नियादर, विजय कुमार, राम श्रवतार सुपुत्न श्री शामलाल, मगन माला पत्नी श्री देबीदास, सुपुत्न श्री शाम जाल निवासी—ग्राम-मेहरौली, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री प्रभू मिह् मुपुत्र लाला राम निवामी—ग्राम-किशनगढ़, मेहरौली, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

कृषि भूमि 1/2 भाग तावादी 16 बिघे श्रौर 4 बिखे, एम० नं० 31, किला नं० 4/2(2-8), 5(4-8), 6(4-12), 7(4-16), स्थापित ग्राम—मेहरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह् सक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 30-10-82

प्रक्ष आई. टी. एन. एस. -----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक ग्रायुकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेज-1 नई दिल्ली

नर्ष दिल्ली, दिनाक 30 अक्तूबर 1982

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-श्रार-3/3-82/2108--श्रत मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अश्लीन मक्षम प्राधिकारी का, यह बिक्वाम करने का कारण है कि स्यावर संगत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वर्ष में अधिक है

ग्नौर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम महरौली, नई दिल्ली मे स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची मे पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है...—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (च) एसी किसी श्राय या किसी घर या घन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अग्निनियम, या घन-कर अग्निनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए.

बत बब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — 7—356 G I/82

- (1) श्री भीम सिह, भान सिह सुपुत्रगण श्री रामजीलाल, कन्द्रैया मुपुल श्री हृदय राम, प्रताप गिह गुपुत श्री माहा सिह, सम्प सिह सुपुत्र श्री गुरजा, श्रीमती भान कौर खजानी उदय कौर सुपुत्रीगण श्री सुरजा, श्रोमप्रकाण सुपुत्र श्री थान सिह, सभी नियासी—किणनगढ, मेहरौली, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिनी)
- (2) श्री श्रमोक कुमार मूरी मुपुत्र श्री छन्दर लाल सुरी (2/3 भाग) श्रीमती कम ठेश भमीन पत्नी स्व० श्री श्रोमप्रकाण भमीन (1/3 भाग) निवासी——एस— 297 ग्रेटर कलाण— 2 नई दिल्ली।

(ग्रनारेती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ पे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन का अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसो व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 विन के धीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पद्धिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम के प्रध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही प्रयंहोगा जो उस प्रध्याय में विद्या गया है।

अनुसुधी

कृषि भूमि का भाग तादादी 12 बिघे और 13 बिघ्वे, एम० न० 62 किला न० 12/1(3-15), 18(4-16) 19/1(4-2), स्थापित—ग्राम, मेहरौली नई दिल्ली, तहसील—मेहरौली नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिह मक्षम श्रनिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन, रज-1 दिन्ली, नई दिल्ली—110002

दिनाक 30-10-82 मोहर प्ररूप बाइ . दी . एन . एस . -----

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 श्रक्तूबर 1982

निदश मं० श्राई० ए० मी०/एक्यू/1/एस-श्रार-3/3-82/2126--श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० 138, है तथा जो ब्लाक नं० 171, मुन्दर नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड ग्रनुसूची मे पूर्णरूप से वर्णित है), रिजरट्रीकर्ना ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनिश्चित उद्योग्य से उन्त अंतरण लिखित में बास्तिक क्ष्य से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत उक्त मधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के बिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्टिशा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् .--

- (1) श्रीमती हरवंग कौर, निवासी—138 मुन्दर नगर. नई दिल्ली—3, (ग्रस्तरक)
- (2) मरुधर थि।एटर्स प्रा० लि० होटल क्लेरीज, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना वारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अजन को सम्बन्ध मो कोई भी बाक्षेप --

- •(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन क भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पवदीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

अनुसुची

प्लाट नं० 138, ब्लौक नं० 171 सुन्दर नगर, नई दिल्ली-3,

नरेन्द्र सिह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 23-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्चर्जन रेंज-I, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 23 श्रक्तूबर 1982
निर्देश सं० श्चाई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-ग्चार-3/3-82/2127---श्चतः मुझे, नरेन्द्र सिह,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 260-ल के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रः. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 138, ब्लौक नं० है, तथा जो 171, सुन्दर नगर. नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वा क्त संपत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्दरक्ष श्री हुई किसी अस की वावत , उक्त, अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी कर्द्र वा उससे क्षने में सुविधा के लिए। और/या
- (क) पर्ज किसी नाम का किसी पन वा बल्प आस्तियों कार, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितं देश प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जभीन, निम्नलिख्त व्यक्तियों, वृशीतु:—

- (1) श्रीमती हरवश कौर, निवासी---138 सुन्दर नगर, नई दिल्ली-3 (भ्रन्तरक)
- (2) मरुधर कल्टीवेटर्स प्रा० लि० होटल क्लेरीज, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वतीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं दर्ज होना एं उस कथ्याय में दिया गया है।

भनुसूची

प्लाट नं० 138, ब्लीक 171, सुन्दर नगर, नई दिल्ली

नरेन्द्र सिंह सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I. बिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 23-10-82

मोहर

प्रकप नाइं.टी.एन.एस.-----

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्स (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-I, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 23 प्रक्तूबर 1982

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस् इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 13-ए/4, है तथा जो डब्ल्यू ई-ए, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीद/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के किए:

बदः वयं, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ण को अनुसरण वों, वों, उक्त अधिनियमं की भारा 269-च की वयभारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) भी निहाल चन्द सुपुन्न भी बलबन्त राय, निवासी—7-ए/11,, डब्ल्यू—ई०-ए करोल बाग, नई दिल्ली, श्रौर श्री राम प्रकाश सुपुत्र श्री चानन दास निवासी—-7- /2डब्ल्यू-ई-ए, करोल बाग, नई दिल्ली—5, द्वारा श्री एच० एल० ग्रोवर सुपुत्र श्री एम० श्रार० ग्रोवर जो-जी० ए० । (श्रन्तरक)
- (2) कुमारी नीरू खरबन्दा सुपुद्धी श्री के० किशोर, निवासी—नं० 33, भगत सिंह मार्केट, नई घिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

नन्त्री

प्रो० नं० 13-v/4 जो 208.4 वर्गगज में बना हुन्ना है डब्ल्यू—ई-v-करोल बाग , नई दिल्ली -110005 में स्थित है ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक: 23-10-82

प्ररूप आहुर्. टी. एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 23 अक्तूबर 1982

निर्देण स० श्राई० ए० मी/एक्यू/1/एस०-श्रार-3/3-83/ 2134—श्रत मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/-रा से अधिक है

श्रीर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम राजोकरी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनाक मार्च, 1982

कां पृथिकत सम्पति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह रिश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ——

- (का) अन्तरण से हुर्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती सारती, सुभाप चन्दर, माया देवी, शियो सिह, अमी, किशोर, मुशी, जगमल सिंह, शान्ती सावन्त, हीरा, सूरजु, रघबीर, शाबी राम, हुकम चन्द, रामनाथ सभी निवासी—प्राम-राजोकरी, तहसील-महरौली, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जसपाल मिह चावला सुपुत्र श्री किरपाल मिह चावला, निवासी—सी-4, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुण ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना कं राजपय मा प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि तावादी 4 विघे ग्रौर 16 विषये, खसरा नं० 483, ग्राम-राजोकरी, नई दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम ग्रिधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक 23-10-1982 मोहर . प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-र्, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 23 ध्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस-म्रार-3/3-82/ 2136---म्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृ्ल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी मं० कृषि भूमि, है तथा जो ग्राम राजोकरी, नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितंयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (हा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती सारती पत्नी चन्दर, सुभाष चन्दर, मुपुत श्री चन्दर, माया देवी, सुपुत्नी श्री चन्दर, शियो सिंह, बंसी, किशोर, मुंशी सुपुत्नगण श्री मान सिंह, जगमल सिंह सुपुत्र श्री निहाल, शान्ती साधन्त पुत्नीगण श्री निहाल, हीरा, सूरजु, रबबीर सुपुत्नगण श्री रामजीलाल, शादी राम, हुकम चन्द रामनाथ सुपुत्नगण श्री रामलाल । निवासी—ग्राम—राजोकरी, नई दिल्ली।
- (2) एस० नन्द सिंह चावला (एच-यू०-एफ) सुपुत स्वर्गीय एस० प्रताप सिंह चावला निवासी-सी-4 राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

कृषि भूमि तादावी 4 विषे श्रौर 16 विष्वे, खसरा नं० 489, स्थापित-ग्राम-राजोकरी, तहसील-महरौली, नई विल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 23-10-82

प्ररूप आई°० टी० एन० एस० जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ \mathbf{v} क्यू/1/एस०-श्रार-3/3-82/2137—-श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति ।जसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम राजोकरी, नई दिल्ली में स्थित है (छौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, विनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबता, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृषिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धभ या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के अधीन निम्नलिमित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) श्रीमती सारती पत्नी चन्वर, सुभाष चन्वर सुपुत श्री चन्वर, माया देवी पुत्ती श्री चन्दर, शिव सिंह, वंसी, किशोर, मुंशी सुपुत्नगण श्री निहाल, हीरा, सूरजू, रघुवीर सुपुत्नगण श्री रामका लाल, निवासी—प्राम रजोकरी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) जगत राम चुघ (एच-यू-एफ) सुपुत्र श्री जीवन दास, निवासी--सी-59 राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर गूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित र्¹, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ताक्षादी 5 विघे और 5 बिण्वे, खसरा नं० 493, स्थापित-ग्राम-रजोकरी, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिह् सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आधवार प्राय्पत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I विल्ली, नई विल्ली-110002

दिनांक 23-10-82

परूप धाई+ टी० एन+ एस•----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्रारा 269-व (1) के अभीन सुबना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० प्राई० सी० /एक्यू०/1/एस०-प्रार-3/3-82/2138--प्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम राजोकरी, नई विल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रानुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य य उपन अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप म कथित नहीं किए तथ है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेजना ये प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए था, खिलाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीभती सारती, सुभाष चन्दर माया देवी जियो सिंह, बंसी, कियोर, मुणी, जगगत सिंह, शान्ती, सावन्त, हीरा सुरजु, रघवीर, शादी राम, हुकम चन्द, राम नाथ, सभी निवासी— ग्राम—राजोकरी, नई दिल्ली । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री परमजीत सिंह चावला सुपुत्र श्री नन्द सिंह चावला निवासी—सी०-4 राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्स के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिर को श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रविध बाद में समाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजान में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसा प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ब्रधोश्रस्ताक्षरी के पान लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्वव्हाकश्याः ---इतमें प्रपृक्त शब्दों ग्रीर पर्दो का, जो उन्त श्राध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही -ग्रायं होगा, जो उन ग्रह्माय में दिया गया है।

नग्त्ची

कृषि भूमि तावादी 3 बिथे ग्रौर 11 बिश्वे, खसरा नं० 490 (0-11), 492 (3-0) कुंग्रा के साथ स्थापित ग्राम-राजोकरी, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह् मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंग-I, विल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 23-10-1982

प्रमण आही. टी एन एम -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीधाण)

श्चर्जन रेंज,-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 अक्तूबर 1982

निवम स० धाई० ए० सी०/एक्यू०/1/एम-प्रार-3/3-83/2139-प्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

ब्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम राजोकरी, नई दिल्ली में स्थित है (छौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च, 1982

को प्वेंक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेद्य से उक्तू अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उनस अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

- (1) श्रीमती सारती, सुभाष चन्तर, माया देवी, शियोसिंह, बंगी, विकार, मुशी, जगगश निष्ठ, शान्ती सावन्त, हीरा, सुरजु, रघवीर, शादी राम, हुकम चन्द, राम नाथ सभी निवासी । ग्राम—राजोकरी, नहमील—महरौली, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्री परमजीत सिंह चावला सुपुक्ष श्री नन्द सिंह चावला, निवासी—सी-4, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली (कर्ता एच-यू-एफ) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचेंना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) ६ स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिन्ति में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि तादारी 4 विघे ग्रीर 6 विश्वे, खसरा नं० 491, स्थापित-ग्राम-राजोकरी, तहसील-महरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 23-10-82

माहर:

प्ररूप बाइं.टी.एन्.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-], नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 श्रक्तूबर 1982

सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1एस० श्रार०-3/3-83/ 2140—-श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम राजोकरी, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मार्च 1982

(1908 की 16) के श्रधीन तारीख मीचे 1982 को पूर्वित सम्पित के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पित का उचित बाजार मृत्य उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कै दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृष्धा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित स्युक्तियों, अर्थात्:——

- शिमती सारती पत्नी श्री चन्दर, श्रं। सुभाष चन्दर सुपुत्र श्री चन्दर श्रीमतीमाया देवी सुपुत्री चन्दर श्री शिवो सिंह, बन्सी, किशोर, मुंशी सुपुत्रगण श्री मान सिंह, जगमल सिंह सुपुत्र श्री निहाल, शान्ती सावन्त सुपुत्रीगण श्री निहाल हीरा, सुरज, रघुबीर सुपुत्रगण श्री रामजीलाल, शादी राम, हुकम चन्द श्रीर राम नाथ सुपुत्रगण श्री राम लाल, निवासी ग्राम राजोकरी नई दिल्ली।
- 2. किरपाल सिंह चावला (एच० यु० एफ०) सुपुत्र स्वर्गीय एस० प्रताप सिंह चावला निवासी-सी-4, राजौरी गार्डनः नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृश्नेंक्तु सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के गुजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर प्रवांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बक्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि सादादी 4 विषे, श्रौर 16 विष्वे, खसरा नं० 482, ग्राम राजोकरी, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ख**: 23-10-82

महिर:

प्ररूप बाइ. टो एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 23 श्वक्तूबर 1982

स० ग्राई० ए० सी०/एनयू 1/एस०-ग्रार-3/382/2141: --ग्रत मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा से अधिक हैं

ग्रोर जिसकी सख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम राजोकरी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1982

(1908 का 16) क अधान ताराख माच 1982
को पूर्वोक्त संपित्त के उधित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विद्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिश्चत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और (अन्तरिती)
(अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीम, निम्नीसिकत व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्रीमती सारती, मुभाष चन्दर, माथादेवी, शिबो सिंह, बन्सी, िकशोर, मुशी जगमल सिंह, शान्ती सावन्त, हीरा, सरजू, रबुबीर, शादी राम, हुकम चन्द, राम नाथ सभी निवासी ग्राम राजोकरी नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री इन्दरजीत चावला सुपुत्न श्री जय राम चावला सी०-57 राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क सम्बन्ध में काई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा स्म 45 दिन की नविध या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रमुक्त शब्दो और पदो का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्सूची

कृषि भूमि तादादी 4 बिघे श्रौर 16 बिश्वे, खसरा न॰ 494 स्थापित ग्राम राजोकरी नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ख** . 23-10-82 गोहर

प्ररूप् बाइ .टी. एन. एस. -----श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 श्रक्तुबर 1982

सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० म्रार०-3/3-82/ 2142:--अतः मुझे नरेन्द्र सिंही श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह **विश्वा**स करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रुपये से ग्रिधिक है उचित बाजार मुल्य ग्रौर जिसकी संख्या भूमि कृषि है तथा जो ग्राम महरौली नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1982 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के **दश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह** विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमात प्रातकत का पन्द्रह प्रतिगत ग्रधिक है ग्रीर प्रन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के **बी**च एसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उनन ग्रन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या धससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किमी भ्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में मुबिधा के लिए;

भ्रत: पय, उक्त अधिनियम को घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--

1. हुकम सिंह नथु पुत्रगण श्री अस्तायर, शिव राज सिंह, भुप सिंह सुपुत्रगण श्री निहालू, रणजीत सिंह हरी सिंह, कवर सिंह, विरेन्दर सिंह, नर सिंह सुपूत्रगण श्री छतर रणबीर सिंह राजिन्दर सिंह, मोहिन्दर सिंह सुपुत्रगण श्री कन्हैया लाल, मनदीप सुपुत्न स्व० बलवन्त सिंह, निवासी ग्राम कटवरीया सराय, नई दिल्ली, द्वारा श्री शिव राज।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती बिमला गुप्ता परनी श्री एच० प्रसाद गुप्ता निवासी-ई. 54, एन० डी० एस० ई०-1, नई दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवा**हियां करता ह**ु।

चक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रवधि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी म्रन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिक्ष-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थं होगा, जो उस भन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादावी 6 बिघे ग्रौर 19 बिस्वे, एम० नं० 38, किला नं० 17 (3-0), 18 मिन (1-12), 24/1 (1-11), 23/1 मिन (0-16), स्थापित ग्राम महरौली, तहसील महरौली नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिह, सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली।

नारीख 30-10-1982 मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

शायकर श्रिभिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 प्रक्तूबर, 1982

सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू/1/एस० ग्रार-3/3-82/2143:—-प्रत: मुझे नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कि भिमि है तथा जो ग्राम महरौली. तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाष्ट बद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधि कारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधि नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्स संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्न्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्त्रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कुद दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अ्वने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में इसिभा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. हुकम सिंह, नथु सुपुत्रगण श्री बखतावर, णिव राज सिंह, भुप सिंह सुपुत्रगण श्री निहालु, रणजीत सिंह, हरी सिंह, कंवर सिंह, विवेन्द्र सिंह, नर सिंह सुपुत्रगण श्री छतर, रणबीर सिंह, राजिन्दर सिंह, मोहिन्दर सिंह, सुपुत्रगण श्री कन्हैया लाल, मनदीप सुपुत्र श्री बलवन्त सिंह, निवासी कटवरीया सराय, नई दिल्ली, द्वारा ग्रटार्नी श्री शिव राज । (श्रन्तरक)
 - श्री एच० प्रसाद सुपुत्र श्री एन० भ्रार० गुप्ता निवासी ई०-54, एन० डी० एस० ई०-1, नई दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्मष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, जहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्त्रची

कृषि भूमि तादादी 7 बिघे और 14 बिघे, एम० न० 38, किला नं० 18 मिन (1-12), 19 मिन (3-9), 23 मिन (0-16), 22/1(1-17), स्थापित ग्राम महरौली, तहसील महरौली. नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिह्, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली ।

तारीख . 30—10—82

प्रक्प आहे. टी. एन. एस.----

बायकर बिधीनयम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 23 श्रक्तूबर 1982

सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० श्रार-3/3-82/2149---ग्रत: मक्षे नरेन्द्र सिंह,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूफ में अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या एस०-148 है तथा जो ग्रैटर कैलाण-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख मार्च 1982

को पूर्वा कित संपतित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्निनिश्वत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भृषित्रा के लिए, और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः जब, जबत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, जबत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन निम्नीलिखित ज्यक्तिमों, अर्थातः --

- श्री गुरिबन्दर सिंह खुराना सुपुत्न श्री ग्रवतार सिंह खुराना, निवासी ई/21 ए०, ईस्ट ग्राफ कैलाग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- कुमारी भवानी वेकटरमण सुपुत्री श्री एस० वेकटरमण मार्फत श्री एस० कमलाम्बल, नित्रासी डी०-26, फस्ट क्रास स्ट्रीट इस्ट, णिनाय नगर, मद्रास-600030। (ग्रन्तरिती)

को यह स्पना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त स्म्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाधन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

प्रो० नं० एस०-148 ग्रैटर कैलाश-2, नई विल्ली-48, एरिया 306 वर्गगज,

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली।

ता**रीख** . 23-10-82 गोटर प्रस्प आहू¹. टी. एन. एस.----

श्रापकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)की धारा 269**व**(1) **के ग्रमीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 श्रक्तूबर 1982

सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस भ्रार-4/3-82/625:— भ्रतः मुक्के, नरेन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 249 ख के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह दिश्यास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारम्ल्य 25,000√- ६० से अधिक है ग्नीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम करावल नगर, शाहदरा दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्ण्मान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का क्लरण है कि यजापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसक बृश्यमान प्रतिकत्त से ऐसे बृश्यमान प्रतिकल का पभ्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्ननिश्चित उन्नेश्य से उन्त बन्तरूच बिखित में वास्तविक रूप से कचित नहीं किया गण है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रिष्ठ-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निय; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आसकर भिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया या विया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के बिए;

बतः, अब, उन्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

- ा भी गोबिन्द राग सुपुत श्री मृल चन्द, नियासी-8574/3, श्ररा कर्णों रोड, राम नगर, पहाड्गंज, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- 2. श्री हरबंस सिंह चढा सुपुत्र श्री राम सिंह, निवासी- 1/176, काशमीरी गेट, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्न सम्पत्ति के क्रर्जन के **डिए** कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस मूजना के राजात में प्रकाणन की तारीख से 4.5 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 3.0 दिन का श्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ग्रारा;
 - (ख) इस सूचना के राजवल में प्रकाशन को नारीख से 45 दिन के भोतर उवन स्थावर संपत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकाँगे।

स्वब्दोकरण: →-इसमें प्रयुक्त मन्द्रों ग्रीर पदों का, जा उक्त ग्रिधिनियम के ग्रब्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा जा उस ग्रब्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बिघे 16 बिघ्वे, खसरा नं० 34/11 स्थापित ग्राम-करावन नगर, इलाका शाह्दरा, दिल्ली नरेन्द्र सिंह, सक्षम ग्रीधकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीखा: 30-10-82

मांहर :

प्रमण आई. टी. एन् एस. --

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-¹, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 श्रक्तूबर 1982 सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस ग्रार-4/3-82/626:—-श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं.

ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम करावल नगर, दिल्ली मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च 1982

पं पूर्वोक्त सम्पति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दृष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसते अधिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलियिन व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्री देव राज सुमृत श्री गोविन्द राम. निवासी-8571/
 श्रीरा कणां रोड, राम नगर, पहाड गज, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री गोबिन्द राम श्ररोड़ा मुपुत श्री मेहर चन्द, निवासी-627/3, लौनी रोड, शाहदरा दिल्ली-32।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्नारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बिघे 16 बिष्ये, खसरा नं० 34/ 10/स्थापित ग्राम-करावत नगर, णाहदरा, दिल्ली।

नरेन्द्र सिह सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली:-110002

तारीख . 30--10-82

प्ररूप आर्च. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 श्रक्तूबर 1982 सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० ग्रार०-3/3-82/ 1979:—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या डी-12, है तथा जो निजामुद्दीन वेस्ट, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृद्दे हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापृत्रों क्स संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिज्ञत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वोश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:——

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उप्धारा (1) को अधीन निम्नलिखित् व्यक्तियों, अर्थात्:——
9—356GI-82

1 श्री बाल कृष्ण मल्होत्रा सुपुत्र स्व० श्री झंगी राम मल्होत्रा निवासी-श्री-12, निजामुद्दीन बेस्ट, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री ग्रोम कृशन प्रोपर्टीज प्रा० लि०, 36 एच० कनाट प्लेस, नई दिल्ली द्वारा डाइरेक्टर श्री लोकेश मुलतानी सुपुत्र स्व० पं० ठाकुर दत्ता,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितबद्भ किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

2-1/2 मंजिला बना हुम्रा मकान की तादाधी 200 वर्ग-गज, म्युनिसिपल नं० डी-12, निजामुद्दीन वेस्ट, नई विल्ली। नरेम्द्र सिंह सक्षम प्रधिकारी, सहायक द्यायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) मर्जन रंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ख**: 30-10-1982

मोहर 🕄

प्रारूप आई.टो.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिण)

श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 ग्रक्तूबर, 1982

सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० श्रार०-3/3-2/2002:— श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थानर संपरित, जिसका उचित वाजार मृन्य 25,000/- रूठ. में अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम चन्दनहुला, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपन्ति का उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एंसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और क्लिरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अनत्रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अनस्रण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरकः के बायित्व में कमी करने या उसमे अचने में सूत्रिक्षा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :-- 1. श्री छोटे खान सुपुत श्री सुलर, निवासी-चन्दनहुला, सहसील महरौली, नई दिल्ली।

(मन्तरक)

2. श्री डालिमा इन्टरनेशनल, 3-मिकन्द्रा रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपतित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस्त अध्याय में दिया गया है।

मनसूची

कृषि भूमि 39/256 भाग खसरा नं० 3(3-4), 6(4-16), 10/2(0-12), 11(4-16), 12(4-16), 18(4-16), 19(4-16), 20(4-16) 21 (4-16), 9(4-16) स्थापित ग्राम चन्दनहुला, नई विस्ली, बराबर है 6 बिघे और 8 बिएवे,

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्वत (निर्दाक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली।

ता**रीख** 30-10-82 मोहर: प्रकप माई • ठी । एन । एस •-----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के प्रभीन सूचना भारत सरकार

कार्याज्ञय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 30 श्रक्तूबर 1982

सं० म्राई० ए० सी०/एन्यू/1/एस म्रार०-3/3-82/ 2003:—म्रत: मुझे नरेन्द्र सिंह,

नायकर जिथिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उनत श्रविनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

भौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम चन्दनहुला, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व हप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है मौर मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृह्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिमत से मिषक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के खिए; भौर/या.
- (क) ऐसी किसी आय या किसी क्षन या भ्रन्थ श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रिविनयम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिविनयम, या भ्रन-कर भ्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा भक्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविक्षा के विए।

अकः वाच; उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के, प्रमुखरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्नृतिवित व्यक्तियों, अधीत्:---

1. श्रो छोटे खान सुपुत्र श्री खुलर, निवासी ग्राम चन्दनहुला, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री डालिमा इन्टरनेशनल, 3 सिकन्दरा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिली)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उत्तन सम्पत्ति के प्रार्वत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :--

- (क) इप तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की शबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नारी का में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रघीत्स्ताअपी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्वश्हीकरण: -- इनमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा, जो उन श्रष्टयाय में विया गया है।

अनुसूची

39/256 भाग कृषि भूमि का खसरा नं० 3(3-4), 6(4-16), 10/2(0-12), 11(4-16), 12(4-16), 18(4-16), 19(4-16) 20(4-16) 21(4-16), स्थापित ग्राम चन्दनहुला, नई दिल्ली, बराबर है 6 बिघे ग्रौर 9 बिग्वे।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम ग्रधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

तारीख: 30-10-82

मोहर 🎉

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन स्मना

भारत सरकार

भव्यमितय, सहायक मायकर जायुक्त (नि<u>र्</u>यक्षण) भर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई विरुली, दिनांक 30 मक्तूबर, 1982

सं. श्राई॰ ए॰ सी॰/एक्यू/1/एस॰ श्रार-3/3-82/2004:— श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सतवरी नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबंद प्रनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उजित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उजित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्मीनिवत उद्वोदय से उच्च अंतरण मिचित में वास्त्विक रूप से कांधत नहीं किया ग्या है :—

- (क) जलारण से धुर्फ किसी आय की बाबत उक्त जीध-गियज के जधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए जीट्र/का
- (व) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या आ या किया जाना चाहिए आ, किपाने में सुनिधा के निए;

- 1. श्री मिहन्दर कुमार नरूला सुपुत्र श्री बी० ग्रार० नरूला निवासी ई-327, ईस्ट ग्रीफ कैलाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. मैं अंशल हाउसिंग एण्ड इस्टेटस प्रा० लि०, 115 श्रंशल भवन, 16-कें जी० मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 27 बिघे श्रीर 8 बिग्ये, खसरा नं० 877(4-16), 879(3-08), 933(4-16), 934(4-16), 935/2(2-14), 935/2(2/02), श्रीर 936(4-16), स्थापित ग्राम सतबरी, नई दिस्सी।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम ग्रीधकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 30-10-82

मोहर ः

प्ररूप. आई², टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 ग्रिक्तूबर, 1982

सं॰ म्राई॰ ए॰ सी॰/एक्यू/1/एस म्रार॰-3/3-82/ 2005:—म्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम देवली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री रामधारी गुप्ता सुपुन्न श्री पूरन चन्द गुप्ता निवासी छादना, पो० ग्रा० सोनीपत।

(अन्तरक)

2. श्री राजीव कपूर सुपुत्त श्री हरी कृशन कपूर, निवासी सी०-12, ग्रैंटर कैलाश-1, नई दिल्ली माइनर द्वारा उसके पिता श्रीर सही श्रभिभावक श्री हरी कृशन कपूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

कृषि भूमि तादादी 11 बिश्वे खसरा नं० 681 मिन, स्थापित ग्राम देवली, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम श्रिषकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्युक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 30-10-82

प्ररूप बाह्रं. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व्(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 श्रक्तूबर 1982

सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू०1/एस० श्रार०-3/3-82/ 2022:—श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम थिटोरनी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख मार्च 1982

को प्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की अवत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री श्रहण खन्ना द्वारा जी० ए० (पिता) करनल बी० एन० खन्ना, निवासी सी० 47, डीफेस कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2 श्री एम० एम० संठी, एडबोकेट सुपुत स्व० श्री बीन्ट सिंह श्रीर श्रीमती बलबीर एम० एस० सेठी, पत्नी श्री एम० एस० सेठी, निवासी डी०-83, श्रशोक बिहार, भाग-1, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृत्रोंक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः – इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विदा गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 8 बिघे श्रौर 1 बिग्वे, ग्राम पिटोरनी, नई विल्ली खसरा नं० 631, 632, 633, 739/2, 740/2 (श्राघा भाग)

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

तारीख: 30-10-1982

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस०--

न्नायकर ग्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के ग्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज-I, दिल्ली

नई विल्ली, दिनाक 30 श्रक्तूबर 1982 मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एम० श्रार०-3/3-82/ 2034:—-श्रत: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- ६० में ग्रिधिक है

भौर जिसकी सख्या कृषि भूमि हैं तथा जो ग्राम महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध धनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक अप से किकत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वावत खबत अधि-नियम के स्रधीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए। बौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रधितियम, या धन-कर भ्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिनी द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अन, उमत समिनियम की धारा 269-ग के नन्सरण में, मैं, समत समिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के स्थीन, निम्नृसिश्चित व्यक्तियों, सर्थात् ह--- श्रीमित शिव देई, शिव कौर, रजजवती, होशीयारी सुपुत्नीगण श्री राम सिंह, राजा राम सुपुत्र श्री राम सिंह, निवासी-प्राम-महरौली नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 मैं० इन्दर लाल मिह, राजा एन्ड मन्स ई०-248. ग्रैटर कैलाण-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बक्ति के ग्रार्गेत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षीर:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हवबतीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रयं होगा, जो उन ग्रह्माय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 13 बिघे श्रौर 13 बिश्वे, एम० नं० 22, किला नं० 5/2(0-7), 6/1(0-10), 23/1(4-0), 23/2(4-0), 23/10(4-16). स्थापित ग्राम महरौली, तहसील महरौली, नई दिस्ली।

नरेन्द्र सिह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, दिल्ली नई दिल्ली, 110002

तारीख: 30-10-1982

मोहरु ।

प्ररूप वाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 श्रक्तूबर 1982

सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० म्रार०-3/3-82/ 2048:—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम महरौली, नई दिल्ली में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन भार्च, 1982

को प्वोंकत सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

1. श्री रिजन्दर सिंह सुपुत्र श्री छत्तर सिंह, निवासी ग्राम सैद्रुलाजय, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० कुतब इन्टरप्राइजेज, महरौली, नई दिल्ली, द्वारा भागीदार श्री सुधीर कुमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेपु: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्म स्थाक्त द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या है।

अनुसूची

कृषि भूमि तावावी 14 बिघे और 4 बिघ्ये, एम० नं० 38, किला नं० 15(4-12), 16(4-16) 25(4-16), स्थापित ग्राम महरौली, तहसील महरौली , नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह, सक्तम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली 110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीतः

तारीख: 30-10-19\$2

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1. दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 ग्रक्तूबर 1982

मं० श्राई० ए० मी०/एक्यू/1/एस-प्रा σ ०-3/3-82/2060 - अत. मुझे, नरेन्द्र सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम देवली नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावछ अनुसूची में पूर्ण स्था से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना ग्राधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख मार्च 1982

को पूर्वों क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गृष्ट है और मृझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृष्टिय से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में म्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था लियाने के सिए;

- श्री जगदीण सिंह, श्रजीत सिंह, श्रीर धरमवीर सुपुत्तगण श्री मूल चन्द, निवासी ग्राम देवली, तहसील महरौली नई दिल्ली द्वारा श्रटार्नी श्री बलराम ग्रार्या सुपुत श्री जागे राम, निवासी ग्राम देवली, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- मैं० साउथ दिल्ली प्रोपर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रीज, जी-3, विणाल भवन, नेहरू फोर्स, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधिया तत्मम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

वन्स्ची

कृषि भूमि तादादी 14 विश्वे, खसरा नं० 635, मिन, स्थापित ग्राम देवली, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्रधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-1,दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख: 30-10-1982

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-I, विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 श्रक्तूबर 1982 सं० श्राई० ए० सी०/एक्य/1/एस०-ग्रार०-3/3-82/ 2061:--- ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / - रु. से अधिक हैं भ्रौर जिसकी संख्या कृषि भृमि है तथा जो ग्राम देवली, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मार्च 1982 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संम्पत्ति का उचित्र बाजार मल्य उसके इष्यमान प्रतिफल से, एेसे इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपन्त अन्तरण लिखिन मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

श्री जगवीश सिंह, श्रजीत सिंह, श्रीर धरमवीर सुपुत्रगण श्री मूल चन्द, निवासी ग्राम देवली, तहसील महरौली, नई दिल्ली, द्वारा श्रटार्नी श्री बलराज श्रार्या सुपुत्र श्री जागे राम, निव्रासी ग्राम देवली, नई दिल्ली।

(प्रन्सरक)

2. मै॰ साउथ दिल्ली प्रोपर्टीज, एण्ड इन्डस्ट्रीज, जी-3, विशाल भवन, नेहरू प्लेस नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी कारके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही बुद्ध कारता हुने।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

अन्स्ची

कृषि भूमि तावाषी 14 बिश्वे, खसरा नं० 635 मिन, स्थापित ग्राम देवली, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज $^{\rm I}$, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 30—10—1982

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 ग्रकतूबर 1982

निदेश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू०/1एस० आर-3/3-82/ 2062—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रू. से अधिक है

शौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम देवली. तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपा- बद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च 1982। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एके अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि सम्मिलिल उद्विश्य भे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उकत श्रिष्ठित्तयम के श्रश्चाम कर देने के भ्रम्सरक के वायिश्व में कभी करने या उससे अभमे में श्रुविधा के लिए; और/या
- (बा) ऐसी किया श्राय या किसी धन या श्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः प्रत्र, उक्त ग्रिविनियम की भारा 269-भ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :-- 1. श्री जगवीश सिंह, अजीत सिंह भौर धरमवीर सुपुत गण श्री मूल चन्द्र, निवासी ग्राम देवली, तहसील महरौली, नई विल्ली द्वारा घटार्नी श्री बलराज ग्रार्या सुपुत्र श्री जागे राम, निवासी ग्राम देवली, महरौली, नई विल्ली।

(भन्तरक)

2. मैं० साउथ दिल्ली प्रोपर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रीज, जी०-3, विशाल भवन, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त ज्यक्तियों में में किसी व्यक्तित दवागः;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पब्सीकरण : ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनुसूची

कृषि भूमि तावावी 13 बिण्वे, खसरा नं० 635 मिन, स्थापित ग्राम देवली, तहसील महरौली नई दिल्ली। नरेन्द्र सिह; सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, विल्ली।

तारी**ख:** 30-10-1982

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1 दिल्ली

नई दिल्ली दिनाक 30 स्रक्तूबर 1982

निदेश स० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/एस०/एस० ग्रार०-3/ 3-82/2064—न्नत मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक है

म्रौर जिसकी सख्या भूमि है तथा जो ग्राम घिटोरनी, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रार इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मार्च 1982।

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके हश्यमान प्रतिफल से, एसे शश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनेत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:-- 1 श्री हरी चन्द सुपुत्र श्री घीसा, निवासी घिटोरनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2 श्री देखिन्दर सिंह मुपुत्र श्री शमशेर सिंह, निवासी सी०-II, रिंग रोड, राजारी गार्डन नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सर्पात्त के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षोप .--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधः, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकारण — हममें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के जध्याय 20-क मो परिभाषित ह¹, वही अर्थ हागा, जो उस अध्याय मो दिया गया है।

वनुसूची

1/6 भाग कृषि भूमि तादादी 33 विघे श्रौर 2 बिश्वे, खमरा न० 18(4-16), 19(4-12), 28(4-16), 39(4-16), 57(4-16), 58/1(2-8), 63/1/2(1-8), 298/66(0-14), 367(4-16), स्थापित ग्राम घिटोरनी, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, दिल्ली।

नारीख 30-10-1982 महर प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज 1. दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 श्रक्तूबर 1982

निदेश सं० स्राई० ए० मी०/एक्यू०/ 1/एस० स्रार०- 3/3-82/ 2065——यतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहा से अधिक ही

यौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम घिटोरनी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रॉग इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में आर पूर्ण स्प से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली, में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) कि ग्रिधीन नारीख मार्च 1982

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :-- हरी चन्द सुपुत्र श्री घीमा, निवासी ग्राम घिटोरनी, नई दिल्ली।

(ध्रन्तरक)

2. श्री देविन्दर सिंह सुपुत्र श्री शमशेर सिंह, निवासी सी०-II, रिगरोड, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमसची

1/6 भाग कृषि भूमि तादादी 33 बिघे और 2 बिश्वे, खसरा नं० 18(4-16), 19(4-12), 28(4-16), 39(4-16), 57(4-16), 58/1(2-8), 63/1/2(1-8), 298/66(0-14), 367(4-16), स्थापित-ग्राम घटोरनी, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह; सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज 1, दिल्ली।

तारीख: 30-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज 1 दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 30 ग्रक्तूबर 1982

निदेश सिं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० श्रार०-3/3-82/ 2076---श्रतः सुक्षे, नरेन्द्र सिंह,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम गवाईपुर नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई विल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 [(1908 का 16) के श्रधन तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निन्धित व्यक्तियों, अर्थात् :--- लेफ्टी० करनल मलकीयत सिंह जर्ग सुपुत श्री ध्रजमेर सिंह जर्ग, निवासी-सी०-1 पंचगील इनक्लेष नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक

 श्रीमती गीता चौपड़ा पत्नी श्री राज चोपड़ा निवासी जे-II ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

डक्त सुम्पृत्ति में वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासोपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह³, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह³।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 2 बिघे और 8 विषये खसरा नंब 600/1 स्थापित ग्राम गदाईपुर तहसील महुरौली नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज 1% दिल्ली।

तारीख: 30-10-1982

मोहर 🛭

प्ररूप आर्धः टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन मुचरा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, विल्ली

नई विल्ली, दिनांक 30 ग्रक्तूबर 1982

सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० ग्रार०-3/3-82/2077—ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000 / रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम गदाईपुर नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्ग 1982

को पूर्वा सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के सिए;

अप्तः अप्तः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. लेफ्टी० करनल मलकीयत सिंह अर्ग सुपुत्त श्री श्रजमेर सिंह अर्ग, निवासी सी०-1 पंचशील इनक्पेव, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती गीता चौपड़ा पत्नी श्रो राज चौपड़ा, निवासी ज-11, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सर्वागे।

स्पद्धीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 1 बिघे श्रीर 2 बिग्ने, खासरा न० 600/3, स्थापित—ग्राम गदाईपुर, तहमील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली।

तारीख: 30-10-1982

प्रकथ बाइ. टी. वृत. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायुक्त (निरोक्षण)

धर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 श्रक्तूबर 1982

सं० भाई० ए० सी०/एक्यू/ 1/एस/भार०-3/3-82/2078— ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

मायकर मिथानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकाद 'उक्त मिथिनियम' कहा गया है की धार 269-स में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से मिथक है

ग्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम गदाईपूर नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख मार्च, 1982

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापृष्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नितिबत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक स्थ से बाधित नहीं किया क्या है:--

- (क) जन्तरण संहुदं किसी जाय की बाबत उक्त आभि-तियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे ब्चने में सुविभा के तिये; और/था
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोखनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जन, उत्तर निभिनियम, को भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त निभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निभ्नितिखत व्यक्तियों अथित्:—— लेक्टी० करनल मलकीयत सिंह जर्ग सुपुत्र श्री भ्रजमें र सिंह जर्ग, निवासी सी-1, पंचशील इनकलेव नर्द दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती गीता चौपड़ा पत्नी श्री राज चौपड़ा, निवासी ज-11, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यनाहणां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उदत स्थापर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास न्धिसत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 2 विघे भ्रौर 8 विश्वे, खसरा नं 600/2, स्थापित—भ्राम गदाईपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रीयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

तारीख: 30-10-1982

प्ररूप आइ".टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-थं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 30 श्रक्तूबर 1982

सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस-श्रार०-3/3-82/2146---श्रत. मुक्को, नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने क कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

श्रंग जिसकी सन्या 1 बी/185 है तथा जो लाजपतनग नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौग इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची ग पूर्ण रूप से वर्णित है), गिनस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय. नई दिल्ली में भाग्नीय गिनस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख मार्च, 1982

को पूर्वों कर सम्पर्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नितिश्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए: बार/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, डक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्∵——

11—356G1/82

 श्री दीनानाथ गुप्ता सुपुत्र श्री सोहन लाल, निवासी 1-बी/186, लाजपतनगर, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा रानी पत्नी श्री सूरज प्रकाण चौपडा निवासी 1-बी/185, लाजपतनगर नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 1-बी/185, लाजपतनगर नई दिल्ली। नरेन्द्र सिंह. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज, दिल्ली।

तारीख: 30-10-1982

प्ररूप आर्द्र. टी. एन. एस. - -- -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूजीन रेंज, विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 अक्तूबर 1982

मं० ग्राई० ए० मो०/ए४ र्/1/एप० ग्रार-3/3-82/2150---ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो महरौली, नईं दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिस्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संप्रतित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरण (अन्तरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से कथिस नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बल्बत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी जिली शय राकिसी पन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्विधा के लिए.

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री भीमा सुपुत्र श्री हुकमी, निवासी ग्राम किणन-गढ़, महरौली, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बलबीर सिंह मुपुन्न श्री जोत राम, निवासी-ग्राम किश्वनगढ, महरौली, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यथाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्सि में हिल-बद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकती।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 14 बिघे और 9 बिघ्वे, एम० नं० 69, किला नं० 12(4-12), 19(4-16), 21/2(1-15), 22(3-2) श्राक्षा भाग, खसरा नं० 27 मिन (0-8), बराबर है 4 बिघ्वे, 1/2 भाग -ट्यूब वेल में, स्थापित ग्राम महरौली, तहसील महरौली, नई दिल्ली 1

नरेन्द्र सिंह, मक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली।

नारीख: 30-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1982

सं० म्राई ए० मी०/एक्यू/1/एस म्रार०-3/4-82/58—-म्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की भारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या जे-30 है तथा जो लाजपतनगर-III, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख ग्राप्रैल, 1982

प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण विखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसं किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमती मन्तोष कुमारी मल्होत्रा, निवासी-जे०-30, लाजपतनगर-, नई दिल्ली-3:

(ग्रन्तरक)

2. श्री धनराज, निवासी जे-30, लाजपतनगर-3, नर्द दिल्ली-3।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

1-1/2 मंजिला मकान नं० जे-30, लाजपतनगर, नई दिल्ली एरिया 271.5 वर्गगज।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली।

तारीख: 3-11-1982

प्ररूप आर्द्व.टी एन.एस.------

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के भाषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 3 नवम्बर, 1982

मं० ब्राई० एस सी०/एक्यू/1/एस० ब्रार०-3/4-82/152:—-श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित नाजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मंख्या डी/13 है तथा जो कालकाजी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख ग्राप्तैल, 1982

को पूर्वा कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिचित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अधीत्:--- 1. श्रीमती बिमला भसीन पत्नी स्व० श्री ग्रो० पी० भसीन, श्री ग्रनिल भसीन, ग्रजय भसीन, श्री ग्ररून भसीन ग्रौर श्री ग्रविनाण भसीन सुपुत्नगण स्व० श्री श्रो० पी० भसीन वे स्वयं ग्रौर कर्त्ता जो संयुक्त हिन्दु परिवार के हैं, निवासी सी०-233, डिफेंस कालोनी नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

2. मैं० रिव इन्डस्ट्रीयल प्रोमोशनज लि०, 24-कम्युनिटी सेन्टर, ईस्ट श्राफ कैलाश, नई दिल्ली एण्ड मैं० गिल्टेज्ड इन्डस्ट्रीयल सिक्युरिटीज लि०, 24-कम्युनिटी सैन्टर, ईस्ट श्राफ कैलाश, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वाक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त क्ष्रोती हो, के भीतर पृथां कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास विवित में किए जा सकों थे।

स्यव्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कथ्यां और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट नं० डी०/13, कालकाजी, नई दिल्ली, एरिया 1067 वर्गगज, जो 892.15 वर्गमीटर के बराबर है।

> नरेन्द्र सिंह मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्लीं।

तारीख: 3-11-1982

प्ररूप माई. टी. एन. एस -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सुभना

भारत सहकाह

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजनं रेज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 3 नवम्बर 1982

स० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० ग्रार०-32/4-8/168 अत. मुझे, नरेन्द्र सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सख्या 15, ब्लाक एम है तथा जो ग्रैटर कैलाग-2 नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण क्य से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख श्रग्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न्लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के नधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियाँ का, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत—

1. श्री नारायण सिंह, सुपुत्र श्री मोती सिंह निवासी सी०-132, ग्रेंटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 मैं० ए० के० वर्मा एण्ड एसोसियेट्स द्वारा भागीदार श्री एच० एस० वर्मा, निवासी-114, पहली मजिल दीपाली बिल्डिंग, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंध 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^{रू}, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

णाप प्लाट नं० 15, ब्लाक नं० एम०, क्षेत्र 195 वर्ग गज, जो ग्रैटर कैलाग-2, नई दिल्ली में स्थित है।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली ।

ता**रीख 3-**11-1982 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेज T, दिस्सी

नई दिल्ली, दिनाक 3 नवम्बर, 1982

स० म्राई० ए० मे₁०/एक्य/1/एस० भ्राप-3/4-82/171 ~ न्नतः म_ुझे, नरेन्द्र सिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000/-रत. से अधिक **है**

श्रीर जिसका संख्या 111-डा/8 है तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ला, में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनमूच, में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्लीः, मे भारताय रजिस्ट्राकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रध₁न म्प्रप्रैल, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफेल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्तेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सपत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रीतशल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिएव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सविधा के लिए:

 एम० तेज सिह सुपुत्र श्राहरनाम सिंह निवासी। ए-15/4, राणा प्रताप बाग, दिल्ली ।

(म्रन्तरक)

2. श्री हम राज सुपुत्र श्री राम टिकाया, निवासी-111-डा/ लाजपतनगर, नई दिल्ला।

(भ्रन्तरितः)

का यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स्व) इस मुचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वाग अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण --इसमा शय्यत शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 111-डी/8, लाजपननगर, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-1, दिल्ली।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियो , अर्थास् :---

3-11-1982 तारीख

मोहरः

प्ररूप आइ दी एन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज I, दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 3 नदम्बर 1982

स० म्राई० ए० मे (०/एक्यू/ 1/एस म्रार-3/4-82/195 ---म्रतः मुझे, नरेन्द्र सिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्याम करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी सख्या एम-74 है तथा जो ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूचा में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रे कर्ला ग्रिधिकार, के कार्यालय-नई दिल्ला में भारतीय रिजस्ट्रे करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधान श्रिप्रेल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान करने का कारण हौिक यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अतिरातियाँ) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूर्विधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविधा के लिए,

1 श्रा दीपर नन्सट्ट० (दिल्ली)(प्रा० लि०) ए-30 डी.० ए० फ्लैटस मुनारका, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2 श्रः गुरिवन्दर सिंह खुराना ग्रीर श्रेः देविन्दर सिंह खुराना निवासः एम-74 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ल ।

(भ्रन्तिरन्।)

का यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सपत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिता- बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयक्त शब्दो और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उसा अध्याया में दिया गया है।

अनुसुधी

प्रों न । एम । 74, ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ला।

नरेन्द्र सिह मक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, दिल्लः।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थात् —

तार(ख 3-11-1982 मोहर प्ररूप आहर् . टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेज-I नई दिल्ला
नई दिल्ली, दिनांक 11 नवम्बर 1982

सं श्राई ० ए० सी ०/एक्यू/I/एस० श्रार ०-3/3-82/2037 ----श्रतः गुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या ए-24 है तथा जो न्यु राजिन्धर नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूचा में पूर्ण रूप स वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधवार के वार्यालय नई दिल्ली में भारतंय रिजरट्रेवरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मार्च 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मुल्प स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप से किथा गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रांमतः आन्तः देव पत्तः स्व० श्राः रोशन लाल, श्रांमतः कृष्णा कान्ता पत्तः श्राः हारा लाल, निवासः 381 टाइप-II, सैक्टर-2, मादिक नगर, नई दिल्लं श्रामतः ग्राजाद रानः पत्तः श्रः मुरन्द्र कुमार डोगरा, निवासः-172, टाइप-III, सैक्टर-III, हादिव नगर, नई दिल्लाः, श्रीर श्राः विजय कुमार मुपुल श्राः रोशन लाल, निवासः (-3072, 208-ए गलं। न० 10 रणजं त नगर, नई दिल्लाः)

(ग्रन्तरक)

2 श्राः मोहन लाल जैन मुपुत्र श्राः चाननलाल जैन पदम कुमार जैन मुपुत्र श्राः मोहन लाल जैन श्रीर सिरं पाल जैन मुपुत्र श्राः मोहन लाल जैन निवासः ए-24, न्यु राजिन्दर नगर, नई दिल्ला।

(श्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति संपत्ति क अर्जन के लिए कार्यबाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पद्धीकरण --इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिवा गया है।

अनलची

प्रो० न० ए-24 न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ला, एरिया-128 वर्गगज, 4/14 प्रविभाजिन हिस्से,

नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायकु भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1 नई दिल्ला ।

न[राख: 11-11-1982

प्रमन् वार्ग की गन गरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (।) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज I, दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 नवम्बर, 1982

सं० भाई० ए० सी/एक्यू/ा/ एस० भ्राप 3-3-82 2041:---भ्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुट में अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या ए-24 है तथा जो न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली में स्थित है श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूर्या में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यास्य नई दिल्ली में भारतीय रिजट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह यिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रितिफल में एसे दृश्यमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिग्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:—

- (ल) अन्तरण से हुई िकमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियिस व्यक्तियों, अर्थीस् :--- 12---356G1/82

- अर गरण पाल स्पृत रक्त कर राम क्षान तिकासी डब्ल्यूव जॅंड 45 एवं, रतन पा। कर्ड दिल्ला। (अल्लाक)
- 2 श्री मोहन लाल जैन सुपुत श्री चानन लाल जैन, पदम कुमार जैन सुपुत श्री मोहन लाल जैन झार मिरी पाल जैन सुपुत श्री मोहन लाल जैन, निवामी ए-24, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ल । (अन्तरिना)

को यह सूचना जारी करके पृशेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या गत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दां और पर्यां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

1/14 अविभाजित हिस्से प्रो० नं० ए-24, तादार्दाः 128 यर्गगज, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र भिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज I, नई दिल्ली।

नारीख : 11-11-1982

मोहरू 🗈

प्ररूप आहर्रे. टी. एन. एस. ~ ~ - - --

1. श्रीमती श्रमता घोष।

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

2. श्री जयन्त कुमार बनर्जी भौर ग्रन्य

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 8 नवम्बर 1982

सं ए० सी०-ग्रार-11/कलकत्ता/82:---यतः मृझे, सि० रोखामा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक ह

ग्रौर जिसकी सं० 29 एच/I सिंह तथा जो बीर पाड़ा लेन कलकत्ता 30 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय एस० ग्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के फ्राधीन तारीखा 26 मार्च 1982

को पृत्रोक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के शब्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से., एेसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फेल, निम्नर्लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पुरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1 कठा 2 छिटांक 7 एस० एफ० टि० तथा 29 एच/ 1 सि॰ बीर पाड़ा लेन थाना चितपूर, कलकत्ता।

> सि० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण

मोहरः

तारीख: 8-11-1982

में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) क्रे अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

प्रारूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता कलकत्ता, विनांक 8 नवम्बर 1982

सं० ए० सी०-21/म्रार०-II/कलकत्ता/82-83:--यत: मुझे, सि॰ रोखामा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या 5 राजश्री है तथा जो 6 हैसटिंस पार्क रोड ग्रालिपुर कलकत्ता 27 में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्रार० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 23 मार्च

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफंल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्सके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) केबीच एसेअन्तरण केलिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य अस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गाधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. प्रशोका मार्केटिंग लि०।

(भ्रन्तरक)

2. नेमि बांद जैन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सुचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावा संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 51 राजश्री 6 सेसटिंग पार्क रोड भ्रालिपुर कलकता-27।

> सि॰ रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-II, कलकसा

तारीख: 8-11-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री मिया जाना।

(श्रन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

2. साहिब जान

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, कलकला कलकता, दिनांक 8 नवम्बर 1982

सं० ए० मी०-16/भ्रार-II/कलकता/82-83:--यतः मुझे, सि० रोखामा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 76 है ज तथा जो नारकेल डगा नार्थ रोड़ कलकत्ता में स्थित है स्रौर इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्त्ता स्रिधिकारी के कार्यालय एस० स्रार० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन नारीख 22 मार्च 1982

कां प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जाचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिमित मा वारतिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेत: 2 कठा 7 छिटाक जमीन के ऊपर मकान 76 नारकेल डांगा नथ रोड का आधा अंग थाना नारकेल डांगा कलकत्ता।

सि० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, कलकक्ता

नारीख: 8-11-1982

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

प्ररूप आइ .टा.एन्.एस्.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायोलय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर 1982

सं० ए० सी० /रेंज-II /कल०/82-83—यतः मुझे, सि० रोखामा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एफ० नं० 3 दो तल्ला है तथा जो 23 ए/142 डि॰ एन रोड ब्लाक जी॰ कलकत्ता-53 में स्थित है ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणित है रिजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्याक्षय डि॰ ग्रार॰ श्रालिपुर 24 परगना में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 29 मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकार में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; क्षीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, डिजाने में सुविधा के निए;

अतः। शब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निनिक्ति व्यक्तियों, अधीत् :--

श्री हेमन्त कुमार चतुरभुज।

(भ्रन्तरक)

2. श्री राम प्रकाश भल्ला

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यग्राहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-व्यास किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त विभिनियम के वश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस वश्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

खेत: 1220 वर्ग फुट एफ नं० 3 दो तल्ला में मकान नं० 23ए डी एच ब्लाक नं० जी०, कलकत्ता।

> सि० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रज-II, कलकत्ता

नारीख: 8-11-1982

प्ररूप आई, टी. एन. एस. -----

श्री मीराज साहा ग्रौर श्रन्य।

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

2. श्री नुपुर सेनगुप्त।

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज II, कलकसा
कलकसा, दिनांक 8 नवम्बर 1982

सं० ए० सी०-18/ग्रार०-II/कलकत्ता/82-83:---यतः मुग्ने, सि० रोखामा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मूल्य 25,000/-रुः से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मौजा सांत गाछि है तथा जो वमदम कलकत्ता में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्य श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है रिजस्ट्रीकर्ला श्रिधकारी के कार्यालय डि० श्रार० श्रिलपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26 मार्च, 1982

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया:——

- (ख) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के रायित्य में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा क लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धाग 269-घ की उपधाग (1) के अधीन निम्मलिखित् व्यक्तियों, अर्थात् :-- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर लूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्षद्ध: 4 कठा 14 छिटाक 25 वर्ग फुट जमीन के ऊपर मकान यो तथा मौजा सादछीथाना दमदम, किलकक्षा ।

> सि० रोखामा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, कलकत्ता

तारीख: 8-11-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर 1982 सं० ए० सी०-19/ग्रार०-II/कलकत्ता/82-83:----यतः मुझे, सि० रोखामा

श्राप कर अजिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रितीन मध्य पालिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूख्य 25,000/- कर से स्रिकि है

श्रीर जिसकी मं० 6 एच राजश्री है तथा जो6 हेर्साटम्स पार्क रोड श्रलिपुर कलकत्ता-27 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रार० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 25 मार्च 1982।

को पूर्वोक्त संगत्ति के उचित बाजार गृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्य सपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान 'तिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत ग्रिक्ति है र अन्तरक (अन्तरको) भीर अन्तरिती (अन्तरितियो) ने बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गणा प्रतिफल निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण निष्टित में बास्तिब हम ने किया गर्थ है: --

- (क) अन्तरण १ दुई सिसी पाथ की बाबत उक्त पश्चि-नियम १ व्यथित ४७ देने के बन्तरक की दायित्व में कमी ४४० म उनसे राग ं क्षिक्षा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी कि शे घार के किसी अने या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर ग्रीधिनियम, या धनकर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वार, प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए।

कतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री अशोका मार्केटिंग लि०।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जे० के० ग्रोभार

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इन सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधः वो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
 - (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बसमची

मकान नं० 51 राजश्री तथा 6 हेसटिंग्स पार्क रोड ग्रालपुर, कलकत्ता -27।

> सि० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख: 8-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन, एम.---- --

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीनं गुचना

टेकनो प्याक प्रा० लि०।

(ग्रन्तरकः)

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर 1982

सं० ए० सी०-20/धार०-II/कलकत्ता/82-83:----यतः मुझे सि०रोखामा

मायकर अधिनियम, -1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

ष्मीर जिसकी सं० 10 डिं० राजहंस है तथा जो 6 हेसिंटिंग्स पार्क रोड श्रलिपुर कलकत्ता 27 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विशित है रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय श्रार० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 25 मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात अधिक है और अन्तरक (बन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिबत उद्वेष्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने भे सृविधा के लिये; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) डे अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :-- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उमत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

ा ग्रामोका मार्केटिय नि∞।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- नव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकींगे।

स्वष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमृत्यो

मकान नं० 10 डि॰ राजहंस नथा 6 हेस्टिंग्स पार्क रोड प्रालिपुर, कलकत्ता 27।

> सि० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज ^{II}, कलकत्ता

नारीख: 8-11-1982

प्रह्म आई. टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 ग्रगस्त 1982

सं० जी० ग्राई० श्रार० संख्या एन० 49/ग्रर्जनः——यतः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुट. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सख्या श्राराजी बक्फ है तथा जो मेहदीगंज लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक मार्च 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वरयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों., मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--13--356 GI/82

- श्री सैयद महमद हुसैन श्राफाक रिजर्वः । (श्रन्तरक)
- 2. नेणनल सहकारी थ्राबास समिति लि० मेहदीगंज लखनऊ।

(भ्रन्तरिती)

वक्फ

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सध्पत्ति है:)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्राराजी 88796 स्कवायिफट मेह्वीगंज लखनऊ में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण मेलडीड नं 37-जी फार्म नं 2742/62 में विणित है जिसका रिजस्ट्रेशन सब रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में माह मार्च 1982 में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन क्षेत्र, ल**ख**नऊ

दिनाँक 5-8-1982

प्ररूप आई. टी. एस. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्धालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1982

मं० जी० श्राई० श्रार० मंख्या एस० 243/ग्रर्जनः---थतः मृक्षे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्तु अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट है तथा जो उदयपुर खास बरेली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्क प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बरेली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन विनांक 12 मार्च 1982।

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप में किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण में हुई किसी आप की बाबन, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित क्यीक्तयों, अर्थान :---

1. श्री राम भसीन।

(श्रन्तरक)

श्रीमती सन्तो किल्लो पत्नी बलवन्त सिंह।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

अनुसूची

श्राराजी पैमाईशी 500 वर्ग गज उदयपुर साम बरेली में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलाई ह य फार्म 37-जी॰ संख्या 3210/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार बरेली के कार्यालय में दिनांक 12-3-1982 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, ल**ख**नऊ ।

तारीख: 16-10-1982

प्रस्त्य धारह². ट्री. एस. एस. - - - ----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक आमकर आमुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, 57-राम तीर्थ मार्ग लखनऊ,

लखनऊ, दिनाम 23 ग्रगस्त 1982

सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या एम० 140/ग्रर्जन:---ग्रतः मुझ, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या बिल्डिंग नं० 117 है तथा जो माडल हाउस लक्ष्मी सहाय रोड लखनऊ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 17 मार्च 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (स) एंसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिधियम की भारा 269-म की उपधास (1) के अभीन निम्निसित न्वीनतयों, अर्थात् :--- भी तारा दत्त पान्डेय क्वारा स्व० उनके पुत्र डा० जे० के० पान्डेय।

(भ्रन्तरक)

2. श्री महेश कुमार सिंघल।

(भ्रन्तरिती)

 उपरोक्त श्रन्तरक (बह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है:)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

· उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अधिष, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीत,र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

दोकिसा बिल्डिंग नं० 117 4150 स्कयारिकट जोकि माडल हाउस (लक्ष्मी सहाय रोड) लखनऊ से स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडोड व फार्म 37-जी संख्या 1256/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 17-3-1982 को किया जा जुका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र; लखनऊ।

तारीच: 23-8-1982

भोहर:

प्ररूप, आई. टी. एन. एस. ----

भागकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 23 अगस्त 1982

सं० जी० भ्राई० श्रार संख्या एस० 239:—यतः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या प्लाट न० बी-4 है तथा जो ईरोड महानगर इक्सटेंशन स्कीम लखनऊ में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक 26 मार्च, 1982

को पूर्वो क्ल संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ए से दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस्त उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब् उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री हरगोविन्द प्रसाद श्रीवास्तव, श्री सुरेन्द्र प्रसाद श्री वास्तव पुत्र श्री सन्त प्रसाद श्रीवास्तव।

(भ्रन्तरक)

- 2 1 श्री श्याम सुन्दर सिवन पुत्र लाला भ्रलाई। रामजी
- 2. श्री योगेन्द्र प्रमाद सिंधल]
- 3. श्री राकेश प्रसाद सिंघल I
- 4. श्री वीरेन्द्र कुमार सिंघल । पुत्र श्री ग्याम सुन्दर
- श्री सुरेश कुमार सिघल

(श्रन्तरिती)

3. स्वयं

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है:)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन् को सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त फब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनिय के के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

लीज होल्ड प्लाट न० बी-40 8482 स्कूथेरिफट जो कि ई रोड महानगर एक्स्टेंशन स्कीम लखनऊ में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण मेलडीड व फार्म 37-जी मृख्या 1346/82 में विणित है जिसका पजीकरण सब रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 26-3-1982 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद, मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 23-8-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज, शिलाग

णिलांग, दिनांक 5 जुलाई 1982

सं० ए० 259/ए० एस० मी०/82-83/158-68 — यतः मुझे, ई० जे० मावलीग

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दाग स० 1221/1848 श्रौर पट्टा सं० 593 (पुराना) 740 (नया) है तथा जो धुन्नड़ी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय धुन्नड़ी में, रजिस्ट्री करण, श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 11-3-1982

को पूर्वों क्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जनगरण से हुई किसी शाम की नावत उकत अधि-विवय के अधीन कुद की के अस्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; अदि/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्रय दनुजदलानी चौधुराणी, स्व० रणजीत नारायण चौधुरी बार्ड मं० 1 धुबड़ी की पत्नी (अन्तरक)
- 2. श्री रजत नारायण चौधरी, स्व० रणजीत नारायण चौधुरी बार्ड मं० 1 धुबड़ी के सुपुन्न (अन्तरिर्तः)
- 3 श्री कालीपाद पाल, स्व० श्रीवास चन्द्र पाल के सुपुत्र।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपित्त के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हुए।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का भाग 1 (एक) कट्टा 1/2 (साढे ब्राट) लखां जो दाग सं० 1221/1848 ब्रौर जिसका पट्टा सं० 593 (पुराना) 740 (नवा) बस्ती सं० 1 धुबड़ी जिला गवाल पारा में स्थित है।

ई० जे. भावललोंग, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज शिलोंग।

नारीख: 5-7-1982

, मोहर:

प्ररूप० माई० टी० एन० एस०-----

भायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 5 जुलाई 1982

मं० ए-260/ए० एस० बी०/82-83/173-82'---यत: मुझे, ई० जे० मावलींग

आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संव दाग मंव 2913 है तथा जो धुबड़ी में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में, वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय धुबड़ी में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम. 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 11 मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रस्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छित्रत बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत भ्रधिक है भौर धन्तरक (अन्तरकों) ग्रोर अन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्थित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क्क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बावत उक्त आर्थ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

ततः अब् उक्त् अधिनियम की भाग 269-ग के बनुसरण मंं, में उक्त अधिनियम की भाग 269-म की खपशारा (1) के जूधीन, निम्नसिणित व्यक्तियों, वर्षाम् ः—

- शै अप दमुजबसानी जीधुराणी, स्व० रंजीत नारायण चौधरी, बार्ड सं० 1 धुबड़ी की पत्नी। (अन्तरक)
- 2 श्री रजत नारायण चौधरी, स्व० रंजीत नारायण चौधरी वार्ड सं० 1 धुबड़ी के सुपुन्न।

(अन्तरिती)

3. श्री प्रमथा रंजन पाल, स्व० श्री वास चन्द्र पाल, द्वारा मैंसर्स महामाया भण्डार, चौक वाजार, घुबड़ी के सुपुत्त।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

ती वह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिख कार्यवाहियां सक्ता हुं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बग्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूच्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस् अध्याय में ब्रिया ग्या हैं।

अनुसूची

जमीन का माप 1 (एक) कट्ठा 8 (साढ़े आठ) जैसा जो दाग सं० 1221/1848 और जिसका पट्टा सं० 593 (पुराना) 740 (नया) बस्ती सं० 1 धुबड़ी टाउन जिला गवालपारा में स्थिन हैं।

> ई० जे० मावलींग सक्षम प्राधिकारी, सहायकं श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, णिलांग

दिनांक: 5-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीब सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराभाद

हैदराबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1982

मं० भ्रार० ए० मी० नं० 279/82-83:—मतः मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मस्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० 2-2-120 है जो एम० जी० रोड सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णक्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उमित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उमित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे शश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिफल निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक विक कर कर से करित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिये और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

शतः त्रवं, उक्त जिभिनियमं, की भारा 269-ग के जनसरण में, भें, चेक्त अभिनियमं की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थातः— 1 श्री रातान कुमार राटी, पिता लक्ष्मी नारायण राटी 61-ए० एम० जी० रोड, सिकिन्दराबाद।

(भ्रन्तरक)

2 मैंसमं सूरशोदाया श्रमोसियेट, 62-ए० ए.म० जी० रोड, सिकदराबाद मानेजिंग पार्टनर श्रीमती फूल कनवर काबरा पिन श्री एस० एल० काबरा, 3-2-853, चित्राकूट भवन, काचिगूडा, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा,
- (त) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन को तारीत से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त अन्दों और पदों का, जो उनत नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 2-2-120 एम० जी० रोड, सिकन्बराबाद मे बिस्सीर्ण 56 वर्ग गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 274/82 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी ॄसिकन्दराबाव।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम भ्रधिकारी, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद।

तारीख 3-11-1982

प्ररूप आहर्ष. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 नवस्बर 1982

सं० म्रार० ए० मी० नं० 280/92-83 —यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरिता, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 2-2-120 है, जो एम० जी० रोड़ सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1982

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरि। की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीकत उम्पत्ति का खिलत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (मन्दरकां) और अन्तरिती (मन्तक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाय गया प्रतिफल, निम्नकिश्वित उद्देश्य से उना प्रान्तरण लिखिन में बान्तिविक रूप से किया नहीं किया गया है ——

- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (क्र.) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना आहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- श रतन कुमार राटो, पिताज श्री लक्ष्मी नारायण राटं।, 61-ए महात्मा गांधी रोड, सिकन्दराबादा। (श्रन्तरक)
- 2. मैंगर्म सूरयोद्वाया असोसियेटम, 62-ए एम० जी०. रोड, मानेजिंग पार्टनर श्रीमती फूल कनवर काबरा, पित शंकर लाल काबरा 3-2-851 चित्राकूट, काचि गृदा, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करतो हूं।

उक्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिन्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 2–2–120 महात्मा गांधी रोष्ठ सिकन्दराबाद में विस्तीण 48.88 वर्ग गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 288/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता म्रधिकारी मिकन्दराबाद।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 3-11-1982

प्रकृप भाष् . टी . एम . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भागत अरकार

कार्यलय, सहायक आयक्षर आग्वन (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हँदराबाद

हैबराबाद, दिनांक 3 नथम्बर 1982 श्रार० ए० सी० नं० 281/82—83—यन: मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार, 'उकत अधिनियम', जहाँ गया है), की धारा 269-स के गधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जियका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० 2-2-132 है, जो एम० ती रोड ,सिकन्दरा-बाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सिंकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का वारण है कि प्रथापदीति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तिबक रूप से किथस नहीं किया गया है:--

- (का) कत्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वाणित्व में कमी करते मा तसमें भवने में सुनिधा के जिस और /बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्थियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 14--356GI/8?

(1) मैं स्पेर्स काबा कंपनी, 61, महात्मा गांधी रोड, सिकन्दराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्स यांद्रा इंडस्ट्रीयल वर्कन, सी-2 इंडस्ट्रीयल एरटेट, पोस्ट बाक्य नं० 20, काडापा-516004 (श्वन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

श्राफिस नं० 207 बिर्लंडिंग नं० 2-2-132 से 135, 135/1, 135/2 स्त्रौर 136 से 139 महात्मा गांधी रोड़, सिकन्दराबाद में विस्तीर्ण 52.52 वर्ग गज रिजस्ट्रीकृत बिलेख नं० 205/82 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी मिकन्दराबाद।

एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 3-11-1982

प्ररूप आइ . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1982

निर्देश सं अप्रार० ए० सी० नं० 282/82-83—यत: मुझे, एम० जगन मोहन,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० जमीन हैं, जो तोकाटटा विलेज सिकन्द्राबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मारेडपाल्ये में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मार्च, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए उन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पृन्द्र प्रतिकात से विभिन्न है बार जन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्ति शित्यों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया पित-कल के म्लिंक्त उद्भार से उसका जन्तरण कि सिंप तथ पाया गया पित-कल के म्लिंक्त उद्भार से उसका जन्तरण कि सिंप तथ पाया गया पित-कल के म्लिंक्त उद्भार से उसका मिल्ल के मार्थित के साम है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) बी॰ दानाय्या और 7, जि॰ पी॰ ए० वि॰ प्रेमा-नानदम, पिता, सोमालिंगम, चिन्ना तोकाटटा विलेज, सिकन्द्राबाद कंटोनमेंट ।

(भ्रन्तरक)

(2) क्षी मालानी कोन्नापरेटिय हाऊसिंग मोसायटी लिमिटेड टी० ए० बी० 448, 1-10-316 बीपूजी नगर, सिकन्द्राबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस मुक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उका स्थावर सम्बन्धि में हितका किमी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहरू अभी के पास लिखि। में किए जा मकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रन्सूची

जमीन एस० नं० 83 चिन्ना तोकाटटा विलेज सिकन्द्राबाद कंटोनमेंट विस्तीर्ण 3000 वर्ग गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 616/82, रजिस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी मारेडपारुली।

> एम० जगन मोहन, मक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

देनकि : 3-11-1982 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिसांक 3 नवम्बर, 1982 निर्देश स० ब्रार० ए० सी० नं० 283/82-83--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० जमीन है जो चिन्ता तोकाटटा सिकन्द्राबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मारेडपाल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन, मार्च, 1982

को प्रशंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिगितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल जिम्मिति उद्देश्य में उक्त अंतरण जिम्मित में वास्तिवक मूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था छिपान में सिवध के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण ম', में', उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :-- (1) बी॰ दानाय्या और 7, जी॰ पी॰ए॰ बि॰ प्रेमानानदम पिता सोमालिंगम, चिन्ना तोकाटटा बिलेज, विकन्दा-बाद कंटोनमेंट ।

(ग्रन्तरक)

(2) मालानी कोश्रापरेटिव हाऊसिंग सोसायटी टि॰ ए॰ बी॰ 448 1-10-316 बापूजी नगर, सिकन्दाबाद।

(प्रन्तरिती)

का यह मूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्त्सम्बनी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मं किए जा सकेगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसा अध्याया में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन एस न० 83, विस्तीर्ण 3000 वर्ग गज चिन्ना तोकाटटा गांव, सिकन्द्राबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 577/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी मारेडपाल्ली ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदरागाद

दिनांक: 3-11-1982

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचन।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 3 नवम्बर 1982

निर्देश स० प्रार० ए० सी० न० 284/82-83-यतः मुक्षे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 पा 43) (जिसं इसमी इसमी परकात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारी का, नगावर के लिए का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी स० मंजिल है, तथा जो हबमीगुड़ा सिकन्द्राबाद मे स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनाक मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रयोग नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की, अनुसरण बों, बों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) को अधीन, निम्नलिणित व्यक्तिया, अर्थात ——

- (1) श्री एन० डी० रावाला, मनेजिग पार्टनर मैंसर्स मुनायन, 3-3 काकातीया नगर, हबसीगृडा, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- (2) श्री वी० के० रावी, फ्लैंट न० 17 पदमाराव नगर, सिकन्दाबाद। मंजिल न० 4, 6-18 सैंटिस्ट कालोनी, हबसीगुडा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्स सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन को अविधिया तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, हो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसन्ती

मंजिल नं ० 4 6-18 सैंटिस्ट कालोनी हबसिगृडा हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 1112/82 रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी वृष्पाल ।

एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

दिनाक: 3-11-1982

थ्रापकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ग्रार० ए० मी० नं० 1285/82-83---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसन इसके रमचान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सल्लम प्रधिकारी को, यह विश्वाम करते का जरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्हा उचि । बाजार पटा 25,000,-इस्थे से अधिक है

स्रोर जिसकी स० पर्लट है, जो हवसिगुडा सिकन्द्राबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वांक्त उम्मिति ६ उनिता तातार सूत्य से इस के दूरप्तात प्रतिक्षत्र के लिए अन्तरित भी गई है यीर मुझे यह निकार करते का कारण है कि यथापूर्वांक्त समाति का उनित बाजार मूल्य, उसके दूरप्रमान गांतेकत स. ऐसे दूरप्रमान प्रतिकल छा पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (सन्तरकों) प्रोर अन्तरिती (अन्तरितियां) क राज ऐसे अन्तरण के जिए तय पाता गया प्रतिकत निम्नलिखन उद्देश्य क उक्त प्रन्तरण लिखित में अस्तिक क्रम से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसो आय की बाबस, उक्त आधि-नियम के असीन कर दने क अन्तरक क दायित्व में कमा करने या उससे वजने में मुविधा के लिए; भीर/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिनाने में भूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनूसरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) मैंनर्स मुनायन, मर्नाजग पार्टनर श्री एन० डो•राला एक/4, 3−3 क्षाकातीया नगर, हमसिगूडा, हैदराबाद ।
- (2) श्रो निरमाला पारदासारादी, पित श्री टी० एस० पी० माराती 12-10-92/2, सीताफनमंडी, सिकद्बाबाद। (अन्तरिसी)

का यद् सूचना जारी करके पूथीवन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करना हूं।

खका समानि के अजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप 1 -

- (क) इंग नूचना के राजनत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अवधि या नश्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ने 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाध्य होती हो, के भीतः पूर्योक्त व्यक्तियों ने से किना व्यक्ति द्वान.
- (ख) उप मूलता के राजपत्र में अकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में गित्र में किंगे।

स्ववदीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदों का, जो उन्त अधि-नियम, के ग्रह्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ड होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 3 16-जी नं० जमीन में एस० नं० 221/1 ग्रौर 222/2 नाचारम, हबसिगुडां, श्रार० ग्रार० जिला रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 1113/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी वृष्पाल।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 'हैदराबाद

विनांग: 3-11-1982

मोहर्ः

प्रस्तृ बाइ', टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूच्ना

भारत सुरुवार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 3 नवम्बर 1982 निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 286/82—83—यन: मुझे, एम० जगन मोहन,

क्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु²), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० जमीन है, जो मादिनागुडा, श्रार० श्रार० जिला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रीधकारी के कार्यालय, श्रार० श्रार० जिल्ला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च, 1982 को पूर्वों कर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के द्ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके द्ध्यमान प्रतिफल से, एसे द्ध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की थावत, उनत अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवा के लिए;

अतः अतः, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्रि, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियाँ, अधीत् ए—

(1) श्री डी॰ चगन लाल, पिता, रामचन्द्र, घर न० 5-9~
 1054/55, हैदराबाद और 4 हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) एम०/एस० बुदय को० श्रापरेटिव हार्कासम बिस्डिंग मोसायटी लिमिटेड, प्रेसिडेंट श्री के० कोटेस्वारा राव, 2-226/1, फतेनगर, हैंदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त प्रम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भा धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारी ज से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनते श्रीधनियम, के अध्याय 20 के में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा औं उस अध्याय में दिया गया हैं.।

अनुसूची

खुल्ली जमीन सर्वे नं० 48 विस्तीर्ण 4 एकरस माविना-गुडा, ार० ग्रार० जिला, राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2210/82 राजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी श्रार० श्रार० जिला में है।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनाक . 3-11-1982 मोहर: प्रकार जार्ड. टी एन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प्र (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यातय , महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1982

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० न० 287/82-83--यतः मुझे. एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जमीन है, जो मारेडपाल्ली सिकंद्राबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एके अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिम्बित मे वास्तविक कप में कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण में हर्ज किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में मृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा पकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था. खिपाने में मविधा के लिए।

अगः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभिन, निमालिसिन व्यक्तियों, अर्थात् '--- (1) श्री शीनल प्रसाद श्रीवास्तवा, पिना गुलाव राय श्रीवास्तवा, 8-2-401, रोड न० 5, बंजारा हिल्स, हैंदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्म राबी कोम्रापरेटिव हार्ऊासग मोमायटी लिमिटेड टी० ए० बी० 22, वकालत दार के० म्रणोक कुमार, 1-3-899, कावाडीगूडा, हैंदराबाद। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं प्याक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्वध्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सुची

जमीन विस्तीर्ण 14 एकरस 31 गुंटास नं० 74/3 ईस्ट मारेडपाल्ली, सिकंद्राबाद रिजम्ट्रीकृत विलेख नं० 1433/ 82 रिजम्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी हैंदराबाद ।

> एम० जगन मोहन, मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 3-11-1982 मोहर

प्रकप वाइ. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1982 निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 288/82-83---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं घर है, जो स्टेणन रोड वारंगल में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्ररपेरा पाल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, श्रिधीन, दिनांक मार्च, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, एसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-रिक कप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाग की गायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय भायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

(1) ई० रामा रेड्डी श्रीर श्रदर्स, केसामोचम, माहाफड, वारंगल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बी० पुरुषोत्तम रेड्डी. श्री बी० नरेन्द्रा रेड्डी घर नं० 8-9-1, स्टेशन रोड, बारंगल। (अन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषेक्ति ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की, तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में द्वित-बद्ध किसी अप्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्माक्षरी के गाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हूँ।

असस ची

घर का एक भाग नं० 8-9-1 स्टेशन रोड, **वा**रंगल, रजिस्ट्रीकृत त्रिलेख नं० 2178/82 रजिस्ट्रीकर्ना <mark>प्रधिकारी</mark> भ्रारंपेना पल्ली ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेज, टैंदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन निस्नृलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

दिनांक : 3-11-1982

धारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1982

निर्देश सं० द्यार० ए० सी० नं० 289/82-83---यत: मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परेषान 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं 12-2-823/ए/28 है, जो मेहीदीपटनम हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कराताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च, 1982

कां पूर्विक्स संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पारा गया प्रतिफल, निम्निलिखन उच्चेश्य से उस्त अन्तरण लिखन में वास्तविक हुए से कृष्टित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तन अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थान छिपाने में स्पिधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, सक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :——
15-356 GI/82

(1) श्रीमती कोसर रिजया सुलताना, घर नं० $12-2-823/\sqrt{28}$ महिदीपटनम, हैदराबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रमतुल फातिमा, पति श्री श्रणफाक श्रह्मद खान घर नं 12-2-823/ए/28, मंतोषनगर, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हू।

उक्त संपतित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अत्रीध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्ववरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावाा संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकरें।

स्पद्धीक रणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

घर नं० 12-2-823/v/28 संतोष नगर, मेहिदीपटनम, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 624/82 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी कैरातावाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 3-11-1982

प्ररूप काई. टी एन. एम -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ब्रायक्त (निरीक्षण)

- भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 3 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ए० सी० नं० 290/82-83—यतः मुझे, एस० जगन मोहन.

कायक र मिधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उणित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 10-2-6 है, जो ए० सी० गार्डम हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल फल निम्मिलिखित उद्याध्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तिवक इस्प से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्टिया के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-६ की उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिखित व्यक्तिमों, अर्थात् :---

- () शीमनी सृजनानुस्तीमा बेगम गौर शी मोहसिस घर नं० 11-4-627, ए० सी० गार्डस, हैदराबाद । (ग्रन्तरक)
- (2) (1) ध्रार० पदमा राजू ग्रांर ग्राट, सब पार्टनरस स्द्राराजू बिल्डमें में 418/3 श्रार० टी० संजीवा-रेड्डीनगर, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिए, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 10-2-6 ए० सी० गार्डस, हैदराबाद विस्सीर्ण 800 वर्ग फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2071/82 रजिस्ट्री-कर्त्ता ग्रिधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 3-11-1982

प्रात्स्य आर्द्धः टी. एन एसः -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 3 नवम्बर 1982

निर्देश मं० श्राप्त ए० सी० न० 291/82-83---यत मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० प्लाट है, जो पजागुट्टा हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च, 1982

को पूर्विक्त सपिता के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थान छिपाने में स्पृतिधा के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुमरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (!) के अधीन, निम्नलिक्त व्यक्तियों, अर्थत् —

- (1) श्रीमती एस० वानाजा, पित एस० वेंकटराम रेड्डी चेरूकुपाल्ले विलेज, जाहीराबाद तालूख, मेदक जिल्ला। (श्रन्तरक)
- (2) डाक्टर श्रीमती सुहासिनि विक्रम सिंहारेड्डी, घर न० 28.3/ए० सी० ए० बी० ब्लाक्स, श्रागापुरा, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

का यह मूचना जारी करके पूर्वोक्स सपौत्त के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सर्पातत के अर्जन के सबध मा कार्ड आक्षंप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पूर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना क राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावा। संपत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखिन मो किए जा सकर्षा।

स्पष्टीकरणः--इसमं प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उन्स अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 31 (2 भाग) सर्वे न० 127, 134 श्रौर 141 पजागुटटा, कैराताबाद, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2006/82 र्राजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

विनांक : 3-11-1982 मोष्टर प्ररूप आर्घः टी. एन. एस. -----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भाषीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हदराबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1982

निर्देश स० ग्रार० ए० मी० न० 292/82-83---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

भ्रायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात 'उक्त श्रिधिनियम' क्ह्या गया है), की घारा 269-ख के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति; जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- हपये संभिधिक है

श्रौर जिसकी स० मंजिल है, जो कैराताबाद हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए प्रन्तरित की गई है और मुखे यक विश्वास करने का कारण है कि यथानुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रश्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरितो (अन्तरितिभों) के बीच ऐसं प्रन्तरण क निए तम पारा गया प्रतिफल, जन्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण ये हुई किसी श्राय की बाबत **एवत श्र**िष्ठ-नियम के श्रिष्ठीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिखा और/पा
- (ख) ऐसी किसी प्राय ना किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के शिए।

अतः सम, उसन प्रश्निनियम की बारा 269-व हे अनुसर्ग में, में, उस्क प्रश्निमय की धारा 269-व की उनवारा (1) हे भूषीना, निम्नुलिखित् स्मृतिस्यों, नुषति :— (1) एम०/एम० ज्ञाजाहात अत्रार्टमेंटम, घर न० 6-2-974 कैरानायाद, हैदराबाद।

(श्रन्तरक)

(2) श्रोमती हालोमा बी०, माजन न० 302 शाजहान श्रापार्टमेटस, घर न० 6--2-974 कैराताबाद, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह यूचना जारो करके युवॉक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए क्रयंवाहियों करता हूं।

उनन सम्मति ह प्रजेत ह पश्चन्त्र में कोई भी ब्राजेंग :---

- (क) इस पूचना के राजाल में पक्ताशन की नारीख से 45 दिन की प्रविध पानिस्थांची व्यक्तियों पर सूचना की रामी के 3) दिन ही अपक्ति, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होनी हो, के सीचर पूर्वीका अविकादों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में अकायन की तत्रोच स 45 विन के मीतर उक्त क्यांबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ क्यन्ति द्वारा, श्रधोहरूनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

भगव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पटो का, वो उक्त छिन नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, तो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनसची

मंजिल नं० 302 शाजाहान श्रपार्टमेंटस, कैराताबाद, हैदरा-बाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2488/82 रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, **हैदरा**बाद

दिनांक: 3-11-1982

प्ररूप आर्च.टी.एन एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक उनवम्बर 1982

निर्वेश म० ए० मी० न० 293/82-83-यत मुझे, एम० जगन मोहन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी म० 6-3-1219/1 है, जो बुमा नगर बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजम्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजम्हीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, मार्च, 1982।

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित वाजार मूल्य सं कम के ख्रयमान प्रतिफ ल के लिए अतिरित की गई है और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल सं, एसं द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री हार्बाबुछ्छीन खान, जी० पी० ए० शाहानाज, बेगम, न० 6-3 131/1 वृशा नगर, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती पाहोदा बगम पात ए० समाद, 6-3-577 हारा विल्ला, कैरानाबाद, हैदराबाद। (भ्रन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त कम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा काए भी आक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को जनिध शा तत्सवाधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ना २० चिन की अपिश को भी अविध बाद मो समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मा स किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए, जा राकोंगे।

स्पष्टीकारण — इसमा प्रयुक्त राज्या से पदा का, जो खकत अधिनियम, को अध्याय 20-क मा परिभाषित हुँ, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर न० 6-3-1219/1, बुमा नगर, बेगमपेट, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 1635/82 र्राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन, मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज, हैदराबाद

दिनाक 3-11-1982 मोहर: प्ररूप शाई० टो० एत∙ एस०---

श्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 हा 43) हा धारा 269-च (1) ह श्रवीन रूपा

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्णक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाक 5 नवम्बर 1982

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 294/82-83--यतः मुझे एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269 ख क अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का सारण है कि स्यावर प्राति, जिन्हा उचित्र वाजार मूल्य 25,000/- व व से अधिक है

श्रौर जिसकी स० 38.4/ए है, जो दरगामिट्टा नेल्लूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नेल्लूर मे भारतीय रजिस्ट्रीकर्रण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक मार्च, 1982

को पूर्शनित गर्भो के अधित बाजार भूस्य से जम के द्रायमान प्रतिफल के लिए धन्तरित को धर्ड है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि गयापूर्वाकत सम्मत्ति का अधित बाजार मृस्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिजत से प्रविक है और धन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित धहें हम से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप में कथित नहीं किया गया है !--

- (क) अन्तरण नं हुई किया आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (छ) ऐसी किसी जार नहीं किसी जार अन्य आस्त्रयों की, जिन्हें भारतीय प्रायंकर अधिनयम, 1922 को 1922 को 11) या जनल अधिनियम, या धन-कर मीधिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए का, छिपाने में सुविधा के सिए;

श्रतः अव, उन्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपभाषा (1) के अधीन, निक्निसिखित व्यक्तियों सर्थात् --- (1) श्री जिन्ना सुब्बारायदु, पिता सुब्बाय्या अतिनोटा श्रगराहारम, नेव्लर ।

(সংবাংকচ)♥️

(2) श्रीमती सी० एत्र० वसतासेना, पति कृष्णारेड्डी मुद्दीवरती पालेम इदुक्र्पेट ताल्क, नेल्लूर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचन। जारी करके प्वीकृत सम्पति के अर्थंन के लिए कायवाहिया करता हु।

षका पर्सा ० अर्थाक स्त्रधामे कोई भी आक्षत्र :---

- (क) इस सूचना के शानाज में प्रकाणन को तारीख सा 4 ९ दिनकी अवधि पातत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि याद में समाप्त दोती हो, के भीतर पूर्वोका व्यक्तियों में से किसी करित केटरा
- (छ) इस सूजना है राजपन में गकाणन की नारीज से कुठ दिन के गत्तर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य ३५ रत ११रा, प्रशोहस्ताक्षरी क गम लिखित में रिक्का धकाँ

स्वष्टोकरण • -इनां प्रमुका गक्तों और पदों का, जो जक्ता चित्रियम के जहपाद ११-क में परिभाषित है. रक्षी पूर्व होता, ए उस आगाय में दिय गया है ?

अनुसूची

घर न० 384/ए० दरगा⁶मटटा वार्ड न० 24 तेरार न रिजस्ट्रीकृत त्रिलेख न० 1154/82 रिजस्ट्रीकर्ला अधिकार् नेल्लूर ।

> एम० जगन मोहन् सक्षम अधिकौँर महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज, हैदराः::

दिनांक: 5-11-1982

ार्य आहे. हा त्न त्य - ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक आयकर आपृक्त (निरीक्षण) श्रार्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1982 निर्देश मं० ए० मी० नं० 295/82~83—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राध्यकारों की, यह विश्वास करने का मारण है कि स्थावर सम्पति जिम्मका किन बाजार प्ल्य 25,000/- रहा से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० 368/ए है, जो कृष्णापटनम नेल्लृर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नेल्लूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक, मार्च, 1982

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंगे ज्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात अधिक है और अंगरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिचित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है, ---

- (क) अन्तरण में ह्रुष्ट किसी आय की नाबन, उक्त क्षितियम के अधीन कर शत के प्रत्तरक के दायिस्त्र में कभी करने या उससे वचन सास्त्री शा क निष्; और/या
- (स) एली किसी आय या किसी धन या अन्य अर्पन्तयों को, जिल्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम . 1922 (1922 को 11) या अक्त अधिनियम . या धनकर अधिनियम . 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरियों द्यारा प्रकार नहीं दिया प्रया था या किया जाना अहिए था कियाने भी राजिया को लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कं गी, उक्त शीर्धनियम की धारा 266-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्नीनियत व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री एम० रामालिगारेड्डी श्रौर 2. दरगामिठ्ठा नग्स्र ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती डी० पदमावती, पति नारासिहाराव. डी० दाकशायानी पती श्रीरामाचंद्रा गुप्ता, पेद्धाबाजार, गेल्लर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

घर नं० 368/ए क्रुष्णापटनम रोड, नेल्लूर रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1006/82 रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी नेल्लूर ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

दिनांक . 4-11-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1982

निर्देश स० श्रार० ए० सी० नं० 296/82-83--यत मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधिन सक्ष्म ए। धिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० जमीन हैं, जो नेल्लूर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्यूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय, नेल्लूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक मार्च, 1982

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों के सपित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एक दृश्यमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्त्रिक हम से किथत नहीं किया गया है.—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अभिनियम को अभीन कर दोने के अन्तरक को दाधित्व में कमी करने या उसमें अचने में सुविधा को लिए; और/या
- (स) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—— (1) श्रब्दुल सार्याद खान, पिता श्रब्दुल मजीद खान हारालालिस वीधी, नेल्लूर ।

(ग्रन्तरक)

(2) दुव्बूरि बालारामिरेड्डी दुव्बूरि नारायनरेड्डी दुव्यूरि सुदाकर रेड्डी माल्लाम, नेल्लूर जिल्ला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपरित के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए वा सकेंगे।

श्चिष्टिकरणः — इतमें प्रयुक्त कक्दों और पदों का, दो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उसु अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

जमीन नेल्लूर में न० 577/2 विस्तीर्ण 31 सेटस रजिस्ट्री-कृत विलेख न० 874/82 रजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी नेल्लूर।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, हैदराबाद

दिनाक : 4-11-1982

मोहरः

प्ररूप आईं.टी.एन.एम -

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 नवम्बर 1982 निर्देश सं० ए० सी० नं० 297/82-83—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पद्भात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० जमीन है, जो नेल्लूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नेल्लूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक, मार्च, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह अतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिमिन में वास्तविक कृप से कथित नहीं किया ग्या है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स्) ऐसे किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कें अधीन निम्नलिखित स्वावित्तयों, अर्थात् .---16--356 GI/82 (1) भी प्रक्ष्युल गजीय साम, पिता अहगद ग्रानी खान, हारालालिम, बीधी, नेल्लूर ।

(भ्रन्तरक)

(2) डा० बालाराम रेड्डी, (2) डी० नारायण रेड्डी (डी० मुदाकर रेड्डी, माल्लम, नेल्लूर जिल्ला। (ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्म्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

नेल्लूर टाऊन में नं० 577/2 विस्तीर्ण 31 सेंटस रजिस्ट्री- कृत विलेख नं० 875/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी नेल्लूर ।

ग्म० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनाक : 5-11-1982 मोहर: प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1982

निर्देश मं० ग्रार० ए० मी० नं० 298/82-83—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जमीन है, जो नेल्लूर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, नेल्लूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :-- (1) मोलाम्माद नाजारूश्विसा बेगम, पति मोहम्मद बदरूद्दीन हारालालिम वीधि, नेल्लूर ।

(भ्रन्तरक)

(2) डी॰ बालारामरेड्डी (2) डी॰ नारायण रेड्डी (3) डी॰ सुदाकर रेड्डी, माल्लाम, नेल्लूर जिल्ला। (भ्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्युष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुकी

जमीन नेल्लूर में नं० 577/2 विस्तीर्ण 31 मेंटस रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 870/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता स्रधिकारी नेल्लूर।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-11-1982

प्र**क**प चाई• दो० एन• एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1982

निर्देश सं० स्नार० ए० सी० नं० 299/82-83--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-खं के प्रधीन समम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित्र बाजार मून्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जमीन है, जो नेल्लूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नेल्लूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक मार्च, 1982।

में पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तयपाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीवित्म कं ध्वीत कर देते कं सम्सरक के दाविश्व में करने या उससे बचने में सुविद्या के खिए धीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अव, उक्त अधिनियम, की धारा की 269-गके धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिलिखिस व्यक्तियों, धवांत !--- (1) श्रीमती सय्याद बाशीरून्नीसाबेगम, पति दस्तागिरी हारानालिम बीधि, नेल्लूर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री डी० बालाराम रेड्डी (2) डी० नारायणरेड्डी (3) डी० सुदाकर रेड्डी, माल्लाम, नेल्लूर जिल्ला। (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्बन्ध के धार्वन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस स्चना के राजरेंद्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्नोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदा का, जो छक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिचाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस घण्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन नेल्लूर में नं० 577/2 विस्तीर्ण 31 सेंटस रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 869/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी नेल्लूर।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

दिनांक 4-11-1982 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स् (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 4 नवम्बर 1982

निर्देश स० श्रार \circ ए \circ मी \circ न \circ 300/82-83--यत मुझे, एम \circ जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

श्रौर जिसकी स० 1227/13—सी है, जो नेल्लूर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, नेल्लूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक, मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समित का जाचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रनिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् —

(1) श्री पी० मुब्बारामाय्या, पिता मुब्बाय्या मोधन नगर, नेल्ल्र ।

(সা 77 ক)

(2) श्री श्रार० जगन मोहन राव, पिता सूरयाराव पौगा तोटा, नेल्लूर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हिल- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसुधी

घर नं० 1227/13-सी० साधाना नगर नेल्लूर रजिस्ट्री-कृत विलेख न० 1187/82 रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी नेल्ल्र।

> ण्म० जगन मोहन, सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज हैदराबाद

दिनाक 4→11-1982 मोहर प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृपना

भारत् सरकार

कार्याल्य, सुहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ए० सी० न० 301/82-83---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० घर है, जो तिरूपाती में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, चित्तूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक ग्राप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्मिति के उदित बाजार मन्य से कम दृश्यमान प्रतिसल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (पन्तरका) और पन्तरिशं (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम गाया गया प्रतिकल, निम्निलिखन उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण निक्षित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) ग्रन्तरम सं १६ किना श्राया का वाबन, उका श्रिक्तिन नियम, के अधीन कर बंने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसा आय या जिसी धन या प्रत्य श्रीमास्तियों
 को, जिस्हें भारतीय आयज्य प्रधिनियम 1922
 (1922 का 11) या उस्त अग्निनयम, या धनकर प्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ प्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः भव, उका प्रधिनिया को भारा 269-म के अनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिधि अधिन्यों अर्थीत्:—

- (1) पी० राजेश्वरी, पिता पदमानाभन, 553 बालाजी कालोनी, तिरूपती, (2) बी० पदमावल्लीयाम्मा, पित सुंदाराभाश्यम नायडू, 15-गंगानगर, मद्रास-24 (श्रन्तरक)
- (2) एम० चंद्राबाबू नायडू, पिता एम० कृष्णानायडू 32 19 वार्ड, तिरूचानूर रोड, तिरूपाती। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी से 45 विस की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर संपत्ति में
 हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी
 के पास निश्चित में किए जा सकेंग ।

स्वकारिकरण :--- इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, को उक्त भविनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्ष होगा जो उस भव्याय में विया गया है।

श्रनुसूची

घर न० 2-मी 19 वार्ड तिरूचानूर गेड, तिरूपाती रजि-स्ट्रीकृत विलेख नं० 1777/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी चित्तूर।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 4-11-1982

प्रकृप आहाँ, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, बिहार पटना पटना, दिनांक 9 नवम्बर 1982

निदेश सं० III-607/भ्रर्जन/82-83---यतः मुझे, प्रबोध

कुमार दूबे

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्तत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपन्ति जिसका उद्याद बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 408 खाता मं० 144, मौजा भगतडीह सं० 139 है तथा, जो मौजा भगत डीह थाना एवं परगना झरिया, जिला धनवाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी के कार्यालय धनवाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाक 30-3-82

को पूर्वों क्त संपर्तित के उन्तित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का प्रंप्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिवक रूम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः मन, उन्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ध के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) कुमारी मनीबाई सेथिया जौजे—एवं खटाऊ माभजी सेथिया निवासी—खटाऊ सेथिया बंगलो, बस्ताकलां पो० धनसार, थाना झरिया जिला-धनबाद (श्रस्तरक) (2) सरवार गुरबचन सिंह दुग्गल वल्द स्व० गोपाल सिंह दुग्गल निवासी—-बस्ताकलां, पो० धनसार थाना-झरिया, जिला—-धनबाद।

(श्रन्तरिती)

- (3) (1) श्री एस० एन० माथुर डिप्टी कमिश्नर ग्राफ सेल्स टैक्स
 - (2) श्री राजबली सिंह सुपरिण्टेण्डेण्ट ग्राफ सेल्म टैक्स
 - (3) श्री कामेण्वर सिंह
 सुपरिण्टेण्डेण्ट श्राफ सेल्स टैक्स
 श्री गुरबचन सिंह दुग्गल बल्द स्व० गोपाल
 सिंह दुग्गल (श्रव मकान मालिक)
 सभी निवासी---बस्ताकला
 पोस्ट---धनसार, थाना झरिया
 जिला---धनबाद
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकर्णः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

जमीन मय पक्का मकान जिसका रकबा 77 कट्टा 12 छटांक एवं 2 स्वयायर गर्ज है तथा जो मौजा भगतडीह थाना/परगना— झिरया जिला धनबाद में स्थित है — तथा जो पूर्णरूप में विसका सं० 4026 दिनांक 30—3—82 में विणित है एवं जिसका निबन्धन जिला प्रवर निबन्धक पदाधिकारी धनबाद के द्वारा मम्पन्न हुम्रा है।

प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना ।

दिनाक : 9-11-82

गोहर:

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, पुणे

पुणे, दिनांक 18 श्रक्तूबर 1982 निर्देश सं० सी० ए० 5/767/एस० श्रार०/करवीर/82-83--यतः मुझे, शशीकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रठ. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० सी० टी० एस० सं० 249/ए० प्लाट नं० 1/51 नागला पार्क, कोल्हापुर है तथा जो कोल्हापुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में भ्रौर पूर्णक्ष्प से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक करवीर में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12-3-1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिम्हितियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण ग्रेंग्रें, तक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) क्रेअधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थास्:—-- (1) श्रीमती सुशीला वालासाहेब नाईक 14, ई बार्ड, विशालगढ़ हाउस । न्यु पैलेस, कोल्हापुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री चीफ प्रमोटर श्री ग्रार० बी० छुटानी मधुकुंज को० आप हार्जिसग सोसायटी लि०, 1/51, वार्ड ई, नागला पार्क, कोल्हापुर।

(भ्रन्तरिसी)

को यह सुमना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पान्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्युष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

वन्स्ची

जमीन का खुला टुकड़ा सि० स० सं० 249/ए, प्लाट नं० 1/51 नागना पार्क कोल्हापुर ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 854 जो 12-3-82 को द्रय्यम निबन्धक करवीर के दप्तर में लिखा है)।

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 28-10-82

प्रकृष् अरहाँ. टी. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत् स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, बंगलूर
बंगलूर, दिनांक 14 जून, 1982

निदेण मं० 433/82-83—यतः मुझे, श्रीमती मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० मर्वे नं० 71/2ए (ए) है, तथा जो हिरियूर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 4-3-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरिग्तियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) डाक्टर मार० रंगय्या
 - (2) श्रीमती जयम्मा
 - (3) श्रीमती मान मुद्दम्मा निवासी——हिरीयूर

(अन्तरक)

(2) श्री हनुमन्तप्पा पुत्र श्री ग्रोधो निगप्पा चित्रदुर्गा

(भ्रन्यरिर्तः)

कां यह सूचना जारी करके पृथों क्त सम्पृत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाकतियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

(दस्तावेज मं० 2141/81-82 दिनांक 4/3/82 हिरीयूर में रहने का भूमि सर्वे नं० 71/2 v(v) 10.34 गुंठा।

मंजु माधवत सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज, बंगलूर ।

दिनांक: 14-6-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महामक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, बंगलुर

बगलूर, दिनाक 15 सितम्बर 1982 निदेश स० 455/82-83/एक्बी०/श्रो--यतः सुझे, श्रीमती मजु माध्रयत,

आयंकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. में अधिक है

ष्ट्रौर जिसकी स० मुनसफिक न० 1348 × 1351 है, तथा जो कडूर मंगलूर रोड चिकसगलूर में स्थित हे (ध्पीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची म ग्रौर पूर्ण रूप स वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, चिकमगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाक 2029/18-3~1982

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने में सर्विधा के लिए; और/या
- (ख) एने किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थातः ---17—356 GI/82

- (1) श्री एच० के० प्रसन्न कुमार
 - (2) श्री एम० के० विजयकुमार
 - (3) श्री माचे के सचिदानन्द
 - (4) श्री माच के महादेव मोनी श्राफ लेट माच के० चन्द्रशेखर निवासी 428, 12वा० काम ।

वेम्ट भ्राफ चोरड रोड राजाजी नगर बेगलोर (भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० के० सुब्बय्या पुत्र श्री पी० एस० कुट्टाप्पा निवासी कटूर मंगलोर रोड चिकमगलूर--577101

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहम्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2029/81-82 दिनांक 18-3-1982 वस्टर्न से कटूर मगलोर रोड चिकमगलूर में रहने का प्रापर्टी मृनिसफ नं० 1348 (पुराना नं० 1193) खाता नं० 1351 (पुराना नं० 947, 948 श्रौर 968)

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 15-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - --

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 16) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 सितम्बर 1982

निर्देश सं० 454/82-83--यतः मुझे श्रीमती मंजु माधवन्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुः से अधिक है

श्रीर जिसकी सं भृतिसपल खाता नं 2188 है, तथा जो द्वितीय कास, पार्क रोड, नाण्यरन एक्सटेंन्यन हासन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय, हासन में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 2987 दिनांक 30-3-1982

को पूर्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अभ्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269म की उपधास (1) क्रे जधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री आय जनार्धन प्रभु डेवलपमेंट ग्राफिसर, यूनाइटेड इण्डिया इन्स्यूरेंस कम्पनीः, लिमिटेड हासन ।

(अन्तर्क)

(2) श्री बालचन्द्र
पुत्र के० सी० करीगोड
भोसले होसहर्ल्या पोस्ट हासन तालुक

(श्रन्तरितं।)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

भनुसुची

(दस्तावेज सं० 2987/82-83 दिनांक 30-3-1982) प्रापर्टी म्यूनिसपल खाता नं० 2188 द्वित्य कास पार्क रोड, नौर्वन एक्सटेंशन हासन में रहने वाला प्रापर्टी (धर)

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलुर

विनांक : 15-9-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 30 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० 34608-यतः मुझे, मंजु माधवन,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- का से अधिक है

श्रांर जिसकी सं० 45 तथा 46 है, तथा जो मेन रोड, टाटा सिल्क फार्म, वसवंगुडी बेंगलूर में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, जेयनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, दिनांक 20-3-1982 को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अनत्रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्रिथत नहीं किया गया है:---

- (क) अनत्रण से हुई किसी आय की बाबत, उनते अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एेमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रा जगन्नाधथन
 34, 20वां मेन रोड
 _II ब्लाक
 राजाजी नगर, बेंगलूर-10

(ग्रन्सरक)

(2) डि॰ सुब्बरमन्या डि॰ जेयरामनायडु 26, 11 शाप स्ट्रीट टाटा सिल्क फार्म बसवगुंडी, बेंगलूर-4

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त संपीत्त के अर्जन के संबंध में कोई आक्षंप : --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरणः--इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मी विया गया है।

अन्सूची

(दस्तावेज सं० 5461 दिनांक 20-3-82) रोड नं० 45 तथा 46, II मेन रोड, टाटा मिल्क फार्म बसवगुंडी; बेंगलूर-4

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग, बंगलूर ।

दिनांक : 30-10-82

प्रारूप आई° टी.एन.एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज, बंगलूर

बगलूर, दिनांक 2 नवम्बर 1982

निर्देश सं० 34348--यतः मुझे मंजुमाधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रूठ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1, है, तथा जो बिन्तमंगला लेगौट, डिफेंस कालोनी बेगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 27-4-1982

को पूर्वोक्त मपित का उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त नंपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप में किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अनररण से हुई िक मी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांज्नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सूबिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयो, अर्थात् :---

(1) श्रावंट यूस्टेस मार्टिम 265, डिफेस दालोनी इन्दिरा नगर बेगलूर-38

(प्रन्तरक)

(2) श्रां श्रर्जुन श्रहूजा 4, पापन्ना रोड, बेंगलूर ।

(भ्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पृथीवत गणित के अर्जन के लिए कार्यवाहिणा करता हु।

उक्त सपित्त के अर्जन के सबध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस म्चना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जा भी अतिधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति वृवारा,
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपतित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकीं।

स्पच्छीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

(बस्तावेज सं० 273 बिनांक 27~4-82) 7, विक्रमंगला लेश्चकर, इन्दिरा नगर, बेगल्र।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सह।यक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 2-11-82

प्ररूप माई० टी• एव• एस० -

आयाप अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा १६९-घ (1) के अधीन मुचन

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बेगलूर

बेगलूर, दिनाक 3 नवम्बर 1982

निर्देश सं० 34896—यत. मुझे, मजु माधवन, आरहर स्वितियम, 1961 (1961 हा 43) (जिर इममे इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' हहा गया हैं), ही घारा 269-ख हा अधीन मक्षम गाधिकारी को, यह विश्वाम हरने का हारण हैं हि स्थावर गंगीत जिसका उचित बावार मूका 25,000/- के से प्रधिक है

स्रीर जिसके। स० 31 (पुराना नं० 273) है, तथा जा II ब्लाक, जेयनगर, वेगलूर में स्थित है (स्रीर इससे उपावद्ध स्रनुसूने। में स्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), रिज्स्ट्रेलिती श्रिधकारी के कार्यालय, जेयमगर में रिजर्ट्सेकरण स्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्राधन, दिनाक 14-5-1982

को पूर्वा क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभूभा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्रो अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात :-- (1) एम० लक्ष्मण
 2, लक्ष्मी रोड,
 ४ ऋाम, शाति नगर,
 बेंगलूर-27 ।

(अन्तरक)

 (2) श्री एम० झटणा रेड्डी
 1113, 25 मन,
 फिम, जे० पि० नगर बेगलुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करण '--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त श्रष्टिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

मनुस्ची

(दस्तावेज सं० 548 दिनाक 14/5/82) 31 (पुराना नं० 273) II ब्लाक, जैयनगर बेंगलूर ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निराक्षण) स्नर्जन रेज, बेगलूर

दिनांक: 3-11-82

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 नवम्बर 1982

निर्देश सं० 34377—यतः मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकात प्रकात अधिनियम कहा गया है) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसका सं ० 1030 है, तथा जो नवां ब्लाव, 27 लन, जयनगर, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूर्च: में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार। के कार्यालय, जयनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 15-5-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और बुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) जन्सरण से हुई किसी आय की बाबत उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्सरक के दायित्व में कमा करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, वा धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बहः बब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण भी, भी, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) भी अभीन निम्नलिसित व्यक्तियों, वर्षात् :—— (1) श्री एम० पुट्टस्वामी 1030, 27वां लेन, नवां ब्लाक जयनगर, वेंगलूर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शंसुनिसा
1, हंसा साहब लेन,
लालबाग रोड
बेंगलूर-4

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधियाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त स्पिन्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्प्यक्षिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पदों का, जो उक्छ जिभिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया न्या है।

अनुसूची

(दस्तावेज मं० 557 दिनांक 15-5-1982) सं० 1030, नवां, ब्लाक, 27 लेन , जयनगर बेंगलूर ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 3-11-82

प्ररूप् आर्ड.टी.एन्.एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, बेंगलुर

बेंगलूर, दिनाक 2 नवम्बर 1982

निर्देश स॰ 34220--यन मुझे, मण् माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 21. है, तथा जो स्यूसियम रोड, बेंगलूर -1 में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-3-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया ग्या ही .——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-गंके अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घंकी उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रार० कषा देवी 5, भ्यूसियम, रोड, बेगलूर-1

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नन्दिनी रामेश्वरराव नं० 3-5-820 हैदरगुड़ा हैदराबाद ।

(श्रन्तिर्ताः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त अव्यो और पदो का, जो उक्त अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

(दस्तावेज सं० 3722 दिनांक 5-3-1982) 21, स्यूसियम रोड, बेंगलूर -1

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायक्त श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, बेंगसूर

दिनांक: 2-11-82

प्रकृष आहू . टी. एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलुर, दिनाक 2 नवम्बर 1982

निर्देण गं० 35889--यतः मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-रा. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 21, है, तथा जो म्यूनियम रोष्ट, बेंगलूर -1 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुमूकी में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीलर्ता श्रीधकारी के कार्यात्म, जिल्ला, नगर में रजिस्ट्रीलरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीत, दिनांक 5-3-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, जिम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

(1) श्रामना स्नाप्त ऊषा देव।
5, स्यूमियम रोड,
वेगलुर ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स मानसा प्राइवेट ट्रस्ट 5, स्यूसियम रोड, वेंगलुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :-

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषाँकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस त्याना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त दक्षिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

(इस्तावेज में० 3721 दिनांक 5-3-1982) 21, म्युसियम रोड, वेंगलुर-1

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्राय्कत (निरीक्षण) सर्जन रोंज, बंगलुर

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, मौँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक: 2~71-82

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, धिनांक 2 नवम्बर 1982

निर्देश सं० 35882--यतः मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 21, है, तथा जो म्यूसियम रोड, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्चः मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्राकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रा-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक 3-5-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एमें दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सूविधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनियित व्यक्तियो, अर्थास् :--8-- 356GI/82

(1) श्रीमती श्रार० कथा देवं:
5, स्यूसियम रोडः,
बेंगलूर--1

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स श्रम्बर इण्टरप्राइसैंस 57, छाझिया लेश्चबुट, कुमारकृपा रोड, बेंगलुर⊷1

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुंू।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

म्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

(दस्तावेज सं∘ 357 दिनाक 3→5→82) 21, म्यूनियम रोड, बेंगलूर -1

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी महायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक: 2-11-82

प्ररूप आइ. टी. एन. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (!) क अति मृचन।

भारत सरकार

काय लिय सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जनः रेटः बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांकः 25 अन्तूवर 1982

निर्देश सं० 34265--यतः मुझे, मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राध्कारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 22, भूमि की सं० 303/22, है, तथा जो 39 कास, VIII ब्लाव, जेयनगर, बेंगलू ---11 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचे: में ग्रौर पूर्णस्प ने विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के वार्यालय, जेयनगर में २०१८ ट्रवरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 वा 16) के अब न, दिनाक 8--4--

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अतरको) और अंतरिती) (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गयो प्रति-फन निम्नलिखित उददृश्य स उक्त अल्लाम स्वाप्ति के बाम्ताबक हूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के प्रधान कर दान के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या समय इक्स के मिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयाजनार्थ अन्ति रती द्वारा प्रकट नहीं किहा ग्या भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) एच० लक्ष्मण राव मने नं० 303/22, 39 ऋास VIII ब्लाक जेयनगर, बेंगलूर -560011

(ग्रन्तरक)

(2) सबीद म्रहमद प्रतिनिधि करने वाले श्राः सबीद हुसैन 10, मागदी रोड, बेंगलूर-23

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जों भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिद्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

(दस्तावेज सं. 97/82-83 दिनांक 8-4-82) पुराना नं० 303, स्रब 22 (भूमि की सं० 303) 39 काम VII_{1} ज्ला ह, जेयनगर, बेंगलूर-11

> मंजु माधवन मुक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, बेंगलुर

दिनांक : 25-10-82

प्ररूप आई० टी० एन० एस∙----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 नवम्बर 1982

निर्देण स० 33801/81-82—यत मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 332, है, तथा जो । स्टेज, बिन्न मंगला एक्स्टेशन बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्णस्प में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक 11-3-1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूच्य में कम के दृश्यमात अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करन का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल में एम दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रशिषत से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिति (जारितियो) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया जिक्ति, निम्तिखित उद्ध्य स उचत प्रन्तरण निम्ति से जारिकत में जारतिक क्या स कथित ही किया गया है :--

- (क) अन्तरण वे हुई किसी जाय की वावत, अवस्तु अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिख्य में कमी करने या उससे वचन में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एंसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ उन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिक्षा के लिए,

भतः मस्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियत व्यक्तियों, अर्थातः :—

(1) म्रनमुया राजगोपाल 8th क्रास VII मेन मल्लेशरम, बेगल् /-560003

(भ्रन्तरक)

(2) जान जे० मंजूराम13, घन्ना नगर, मद्रास-600040

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया कारता हु।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की कर्ताध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविध, जांभी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति व्यक्तियां
- (क) इस सृक्षमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक रणः --- इस्म प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

(दस्तावेज सं० 3798 दिनाक 11-3-1982) भूमि का नं० 332, [स्टेज. बिन्न मंगल, एक्स्टेंशन, बेंगलूर

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 2-11-82

प्ररूप आई. टी. एन एस ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहग्यक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 15 अक्तूबर 1982

म्रादेश स० राज/सहा० म्रा० मर्जन/1370---यत मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' महा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

25,000/-र. से अधिक हैं
श्रीप जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो प्रलवर में स्थित हैं) श्रीप इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय श्रलवर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक 1 मार्च, 1982 को पूर्वों क्त संपत्ति के जिबत बाजार मूख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और म्रू यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वों क्त सपत्ति का जिनत बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्वों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिंखत उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण सिस्तित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबस, उक्त अधिनिय्म के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मर्वश्री जगनसिंह, राज सिंह पुत्रान श्री रामदयाल सिंह, नि० प्रलवर ।

(मन्तरक)

(2) मोदी ग्रलकेलीज एण्ड केमीकल्स लिमिटेड, ग्रलवर (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दभ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि 7 बीघा 17 बिस्वा स्थित ग्राम गोलेटा जिला भलबर जो उप पजियक भ्रलवर द्वारा कम सख्या 1595 विनांक 1-3-82 पर पजिबद्ध विकथ पत्र मे श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपुर

दिनाक 15 भ्रक्तूबर, 1982 मोहर प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 15 श्रक्तूबर 1982

म्रादेश मं० : राज/सहा० ग्रा० म्रर्जन/1371---यत. मुझे, मोहन सिह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुट. से अधिक है

त्रीर जिसकी सं क कृषि भूमि है तथा जो ग्रलवर में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध श्रनुमूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रलवर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनाक 1 मार्च, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है: :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री साईदत्ता, बनारसी, केश्मीरीलाल पुत्रान श्री सांहनलाल निवासी——गोलेटा

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स मोदी एलकेलीज एण्ड केमीकल्स लिमिटेड, ग्रलवर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृष्टना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृष्टना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

स्यव्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्त्ची

कृषि भूमि 9 बीघा 5 बिस्वा स्थित ग्राम गोलेटा जिला ग्रनवर जो उप पंजियक, ग्रनवर द्वारा कम संख्या 1597 दिनांक 1 मार्च, 82 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है ।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 15-10-82

मोहर 🗄

प्ररूप आई टी.एन.एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपुर

जयपूर दिनाक 15 अक्तूबर 1982

ग्रादेश म० राज०/महा० ग्रा० ग्रर्जन/1378—यत मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुठ से अधिक है

स्रीर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो सलवर में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में धौर पूर्णरूप से विणत हैं) रिजस्ट्री-कर्ता स्रिधकारी के कार्यालय स्रलवर में, रिजस्ट्रीकरण स्रिधितियम 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन दिनाक दिनाक 1 मार्च 1982 को पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार सूल्य से कम के दश्यमान

प्रितिक्तल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल ता, एमें दश्यमान प्रतिफाल का पद्ग प्रतिकात से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर पाया गर्म प्रतिफाल निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप म कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उन्स अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूबिधा के लिए;

(1) मोहनलाल पुत्र श्री मगल मेन निवासी—गोलेटा, नह० राजगढ ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स मोदी एलकालीज लिमिटेड, ग्रलवर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सपित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सब्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारौस से 45 दिन की अविध या तत्समधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन्न मा प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति मे हिल्बद्ध किसी अना व्यक्तिया द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास नियित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण — इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिरण गया है।

श्रनुसूची

कृषि भूमि 7 बीघा 11 बिस्वा स्थित ग्राम गोलेटा जिला श्रलवर जो उप पाजियक श्रलवर द्वारा क्रम सख्या 1596 दिनाक 1 मार्च, 1982 पर पाजिबद्ध विक्रय पत्न मे श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपुर

अत अब, उक्ष अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे-, मै, उक्ष अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिखित व्यक्तियों, अधित्:—

दिनाक 15 ग्रक्तूबर 1982 मोहर प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, अयपुर

जयपुर, दिनांक 16 श्रक्तूबर । 1982

श्रादेश मं० : राज०/महा० ग्रा० अजन/1433- -ग्रनः मुझे, मोहन सिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के परेचान् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

स्रोर जिल्ला सं० प्लाट है तथा जो अयपुर में स्थित है. (स्रार इससे उपाबड़ अनुसूच: में स्रार पूर्णस्य से विणित है), रिअस्ट्र कर्ता स्रीध-कारा के कार्यालय अयपुर में, रिअस्ट्र करण स्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के स्राधान, दिनाता 3 मार्च, 1982

को पूर्वाक्त सपिति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल म, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन, उन्कत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनसे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (म) ऐसी किसी अग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आगकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा शकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उच्न अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्सरण मी, भी उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री जिवराज सिंह पुत्र सूरज सिंह निवास,—डागरथल हाउस, मोनी ड्गरी, रोड, जयपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमतः निरूपमा मेहता पत्नि गोपाल मेहता निवास:---5 ए/15 संगत्ना कालोना, जुह्र रोड, भान्ताकृत, बस्बई ।

(श्रन्तरितंः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर्य के एम लिखित में किए जा सकर्य।

स्पष्टीकरण.--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

डागरथल हाउस में प्लाट का भाग, मोतः दूगर् रोड, जयपुर जो उप पंजिय हे, जयपुर द्वारा कम संख्या 380 दिनाह 3 मार्च, 82 पर पंजिबद्ध विकय पद्य में ग्रीह विस्तृत रूप में विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारः सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज, जयपुर

दिनांक : 16 श्रक्तूबर, 1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 ग्रक्तूबर, 1982

स्रादेश सं० : राज०/सहा० द्या० स्रर्जन/1432---यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो जयपुर में स्थित है, (प्रीर इससे उपाबद्ध प्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप सं वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्राकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 3 मार्च, 1982 को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) गिवराज सिंह पुत्र कंवर सूरज सिंह निवासी—--डांगरथल हाउस, मोती डूंगरी रोड, जयपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रां ग्रजय मेहता पुत्र श्री चंचल राज मेहता ए--38, गंगवाल पार्क, मोतः डूंगरी रोड, जयपुर ।

(ग्रन्तर्रितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमं प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित ह्री, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्पी

डांगरथल हाउम में प्लाट का भाग, मोर्ता इंगरी रोड, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 381 दिनांक 3 मार्च, 82 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में भ्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नित्यित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनोक : 16 श्रक्तूबर, 1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जयपुर जयपुर,दिनांक 16 श्रक्तूबर 1982

श्रादेश सं० : राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1431---यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्ति बाजार मृत्य, 25,000/- रा. से अधिक है

और जिमक सं मकान है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर हमसे उपाबद अनुमूची में श्रीर पूर्णस्य में विणत है), रिजस्ट्रं नर्ता स्रिक्ष हों। के कार्यालय, जयपुर में, रिजस्ट्रं करण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, दिनांक 3 मार्च, 1982 को पूर्वे वित सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफान के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफान से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए हय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में बास्तिबक हूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, यर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विकास जाना चाहिए था, खिपाने में सिवधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :——
19—356GI/82

- (1) श्री: गिवराज मिह पुत्र सूरज सिह निवासी:——डांगरथल हाउस, एम० डी० रोड, जयपुर (ग्रन्तरक)
- (2) श्रामता निरूपमा मेहता पत्नि श्रा गोपाल मेहता निवासी—5 ए/15 संगीता कालोनी, जुहू रोड, णान्ता कुज, बम्बई ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वा क्या सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स' 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाब्द सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकोंगे।

स्वय्दोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आहेर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

डांगरथल हाउस में प्लाट का भाग, जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम मंख्या 398 दिनांक 3 मार्च, 82 पर पंजिबद्ध विऋय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निर्रक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 16-10-1982

प्रकप नाइ.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-ष (1) के अभीन स्चना

क्राप्ट राज्य

कार्याजय, सहायक बायका बायका (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० भ्रा० भ्रर्जन/1430—यत मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उपित बाजार मूस्य 25,000/-रा से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० बी०-19 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक 15 मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिकल सो, एसे रूरयमान प्रतिकल का पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति विक रूप में किथत नहीं किया गया है---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की वाबत, अनत् वीधीनयम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे क्यने में स्विधा के सिए; बाइ/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ की, चिन्हुं भारतीय आय-कर जिंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, विश्वा के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किया सुदिव्या के विष्कृ

(1) श्री नारायण दास पुत्र स्व० श्री भोजराज गोरवानी निवासी जयपुर

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स लक्ष्मी कार्पोरेशन, 23, कृष्णा निवास, न्यू सिल्क बाजार, कालका देवी, बम्बई ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपरितृ के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वृर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बासोप्:--

- (क) इस स्वता के राज्यम में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्द व्यक्तियों में से टैंकसी व्यक्तियु इवाग्र ?
- (ब) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वभोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्लाट न० बी-19 (म्राधा भाग) राजा पार्क, जयपुर जो उप पजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 578 दिनाक 15-3-82 पर पजीबद्ध विकय पत्न मे भ्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुभ्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपुर

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थात् :--

दिनांक : 15--10-1982

प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

आयकर प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) की आरा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 ग्रक्तूबर 1982

निर्देश स० राज०/सहा० भ्रा० भ्रर्जन/1374--यत: मुझे, मोहन सिंह,

मानकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षन प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- कु से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० ई-29 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक, 16 मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घरनरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल ने ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चक्त प्रतिशत प्रधिक है और श्रन्तरक (भन्तरकों) भौर भ्रत्यरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रत्रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण से हुई किनी प्राय की बाबन, बनत प्रश्चितियम के भ्राधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करके ए उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) एसी किसी प्रतिया किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें रारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुर्वधा के लिए;

अपतः अ्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मों, ठक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्रीमती चैन कुमारी, 29 ई, लाजपत मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गुलाब कोठारी, मिलाप कोठारी, मुख्तारश्चाम श्रीमती मंजरी सिंघवी, 6 हाथी बाबू का बाग, जयपुर ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके प्वेक्ति समात्ति के ग्रजंन निए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधिया तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी प्रविधि बाद में सनाध्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वाननयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टी करण:--इनमें प्रयुक्त गड़नें और पदों का, जो उक्त अधिनियम के घड़याय-20क में परिभाषित है, बही सर्च होगा को उस सहयाय में दिया क्या है।

अतसची

प्लाट नं० ई-29, लाजपत मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 753 दिनांक 16 मार्च, 1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में भ्रौर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, जयपुर

दिनांक: 19-10-1982

मोहरः।

प्रकृप प्राई० दी • एन • एस • ----

मापक्षरम्मानिमन, 1981 (1991 क' 43) की घारा 269-च (1) हा खान मुक्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1427—यतः मुझे, मोहन सिह,

स्रापकर अधिनियम, 1931 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीत सञ्जन प्राधिकारो को, यह विश्वाप करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिस ना उचित बाजार मृण्य 25,000/-इ० से प्रधिक है

ग्नौर जिसकी सं० ष्लाट नं० 90 ए० है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्नौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जयपुर मे, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, विनांक, 13 ग्रीजैल, 1982

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मून्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य; उसके दृश्यमान प्रतिकार से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिगत से मधिक है भीर प्रश्नारक (भ्रम्तरकों) और पन्तिकी (पन्तिसिंगों) के बीच ऐसे प्रन्तरक के लिए तय पाया जया प्रतिकार, निम्नीयित उद्देश्य से उना प्रन्तरण लिखित में वास्तिक है सो तिया गया है।——

- (क) अन्तरण में हुई किसो अन्य को बाबत उक्त विधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या खससे बचने में सुविचा के लिए; कौर/या
- (ख) ऐना किसी आप या किसी धन या अस्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1322 (1923 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिपाने में सुविधा के लिए।

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्निसिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ---

(1) श्री शिशपाल निवासी डी-90 ए, कृष्णा मार्ग' बापूनगर, जयपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री उगम राज महनोत निवासी डी-197, मोती-मार्ग, वापूनगर, जयपुर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः --

- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की सारीख ते 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवित, जो भी अवित्र बाद में सनाष्त होती हो, के भोतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का स 45 दिन के भीतर जन्त स्थायर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिषकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे विया गया है।

मनुसूची

प्लाट नं० डी-90 ए, कृष्णा मार्ग, बापूनगर का पूर्वी भाग जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 809 दिनांक 13-4-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवर्णित है ।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) पे ग्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 15-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आ**यक्त** (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

निर्देश सं०: राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1428--यत: मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० डी-90 ए है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 13 श्रिष्ठल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री शिषपाल निवासी डी-90 ए, कृष्णा मार्ग, बापूनगर, जयपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मीम कंवर पत्नी श्री उगम राज महनोत निवासी डी 197, मोती मार्ग, बापूनगर, जयपुर (श्रन्तरिती)

को यह म्चना जोरी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अंन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

प्लाट नं० डी० 90 ए० कृष्णा मार्ग, बापूनगर जयपुर का पश्चिमी भाग जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 810 दिनांक 13--4-1982 पर पंजीबद्ध विकय पत्न मे ग्रौर विस्तृत रूप से विवर्णित हैं।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 15-10-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1982

निर्वेश सं० राज०/सहा० आ० प्रर्जन/1435--यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० बी-20 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 30 भ्रप्नैल, 1982

को पूर्वोक्त संपिति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहर्द्ध किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री गोपाल लाल जागड़ा निवासी कांटियों की पीपली, नग्गा मिया की मस्जिद, हरीनारायण नाई का मकान, घोसियों का रास्ता, घाट गेट, जयपुर (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती राम प्यारी पत्नी राधे स्थाम श्रग्रवाल, प्लाट नं० बी-20, लक्ष्मीनारायण पुरी, जयपुर-(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्षत स्थावर संपत्ति में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष,री के पास लिसित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं ० बी-20, लक्ष्मीनारायणपुरी, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 935 दिनांक 30 श्रप्रैल, 1982 पर पंजीबद्ध विऋय पन्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 16-10-1982

मोहर 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 भ्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1425—यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० गोदाम नं० 11 है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 30 श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथत नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एेमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री जसवन्त राय पुत्र श्री हुकुमत राय खती, 15 ए तर्कदत्ता रोड, कलकत्ता वर्तमान निवासी 7 बी, श्रजन्ता ग्रपार्टमेंट, गुरू सान्डे रोड, कलकत्ता । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रेवती देवी श्रग्नवाल पत्नी गोरधनदास श्रग्नवाल, बी-6, गोविन्द मार्ग, श्रादर्श नगर, जयपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्षं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण: —-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित ह⁴, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

गन्स्**ची**

गोदाम नं० 11, (म्राधा भाग) ट्रांसपोर्ट नगर, ट्रक स्टेण्ड, स्रागरा रोष्ट्र, जयपुर जो उप पजीयक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 940 दिनांक 30 स्रप्रैल, 1982 पर पजीबद्ध विश्वय पत्न में स्रोर विस्तृत रूप में विवर्णित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 15-10-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 भ्रवतूबर 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1438—स्यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी मं० प्लाट नं० मी०-61 है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यात्य बम्बई में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक, 11 मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में स्विधा के लिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री डी० बी० खाडे कोर्ट रिसीवर एन० एच० सी० स्यूट नं० 718/1972 द्वारा मैसर्स एस० श्रार० नागपाल एंड सन्स वर्सेम हरीश व्यास एंड श्रदर्स (श्रन्तरक)
- (2) श्री प्रेम चन्द जैन, श्रीमती निर्मला देवी एवं श्री राजेण जैन, ई-3, गोखले मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूस्ची

प्लाट नं॰ मी-21, सवाई जय सिंह हाईवे, जयपुर जो उप पंजियक, बम्बई द्वारा ऋम संख्या 2052/80 दिनांक 11 मई, 1982 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में स्रौर विस्तृत रूप से विर्वर्णित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जयपुर

दिनांक: 19-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, न्यपुर

जयपूर, दिनांक 16 अक्तूबर 1982

निर्देश स० राज०/सहा० ग्रा० श्रर्जन/1436—यत. मुझे, मोहन सिंह,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गणा है), तरी धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिरका उचित बाजार मृल्य 25,000/-क. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० वी-199 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिष्ठित्वयम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 12 मई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेशों से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तिवक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्य मो कसी करने या उससे बचने मो स्विधा के लिए; अर्गेर/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्यु आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विथा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की भाग 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 20—356G1/82 (1) श्रीमती णान्ता कुलश्चेष्ठ पत्नी श्री सुधिन्द्र कुमार, बी-199, बापूनगर, जयपुर।

(अन्सरक)

(2) र्था गिरराज प्रसाद एव गोरधनदास पुक्षान श्री वद्री नारायण बी-199, बापूनगर, जयपुर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त बब्दों और पद्यों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्लाट नं बी-199, बापूनगर, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 990 दिनांक 12 मई, 1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न श्रौर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जयपुर

दिनांक: 16-10-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1982

निर्वेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1429--यत: मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधिन स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 2 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 18 मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अंतरण मे हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उसमे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :-- (1) श्री चतुरमुज पुत श्री ध्याम दास सिधी, मोती कटला, जयपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वेद प्रकाण गुप्ता पुत्र लाला रिधमल निवासी नवगृहकी बगीची, सांगानेरी गेट के बाहर, स्रागरा रोड़, जयपुर

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्ये:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सभ्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

णौरूम नम्बर 2, इन्द्र बाजार, जयपुर जो उंप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 998 दिनांक 12-5-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र मे श्रौर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 15-10-1982

प्ररूप बाह . टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 अक्तूबर 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1423—यत. मुझे, मोहन सिंह,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् उक्त प्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी मंख्या प्लाट नम्बर ए-96 है, तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक 22 मई, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तविक रूप म किश्त रहीं किया गया है.——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आयं या किसी अन् या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अ्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;——

- (1) श्री गोपीनाथ पिल्लई पुत्र श्री गोपाल पिल्लई जी० पी० ए० कुमारी थनकम्मा पुत्री श्री केशव पिल्लई, मी-7, रायनिबला, मधुबन, उदयपुर (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सूरज देवी पत्नी श्री गोपीनाथ एवं सरोज देवी पत्नी श्री प्रदीप कुमार, पाटनी भवन, घीवालों का रास्ता, जयपुर

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के सिए कार्यवाहियो करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजएक में प्रकाशन की तारीख के 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं ० एँ-96, जनता कालोनी, धागरा रोड, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1044 दिनांक 22 मई, 1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में भ्रौर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपूर

दिनांक: 11-10-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260 का 1) के लिन सम्बन्ध

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० भ्रा० अर्जन/1426—यत. मुझे, मोहन सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नागी, िसफा स्थित राजार मृह्य 25,000/रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० गोदाम नं० 11 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1982

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स ह इ दिला जाय का दावत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसस बन्न में सृदिता के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा दीनिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निजिखित व्योवितया, अर्थात :-- (1) श्रीम्त चन्द अग्रवाल पृत्र श्री गोरबन दास प्रज्ञवाल मुख्तारस्राम श्री जसवन्तराज, निवासी प्लाट नं 15 ए, तर्कदत्ता रोड कलकत्ता वर्तमान 7 बी० श्रजन्ता अपार्टमेंट, गुरू मान्डे रोड, कलकत्ता।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमता रवन्ती देवी पत्नी श्री गोरधनदाम ग्रग्नवाल, बी-8, गोविन्द मार्ग, ग्रादर्भ नगर, जयपुर

(ग्रन्तिरती)

का यह सूचना जारी करकं पूनों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया सुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहम्ताक्षरी के पाम निस्ति में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गोदाम नं० 11 का श्राधा भाग, ट्रक स्टेण्ड श्रागरा रोड, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1240 दिनांक 1 जून, 1982 पर पजीबद्ध विकय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप में विवर्णित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 15-10-1982

भोहर.

प्ररूप साई० टी० एन० एप०----

भायकर **अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** की धारा **269-व (1) के भं**धीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, जयपूर

जयपूर, दिनाक 16 श्रक्तूबर 1982

निर्देश मं० राज०/सहा० श्रा० स्रर्जन/1437--यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर श्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंग्वात् 'उक्त श्रिवित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिमका उचित बाजार मूक्य 25,000/- ६० में श्रीविक है

ग्रीर जिसकी सं० म० नं० 430 से 432 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रीर इसमें उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिशीन, दिनांक 1 जुन, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है मीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफास से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफान का पन्द्रह प्रतिशात से भाषिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफान, निम्नलिबित उद्देश्यों से उक्त भन्तरण लिखिन में वाक्तविक रूप से किथा नहीं किया गया हैं।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त आधि-नियम के प्रधीन कर वेने के अन्तरक के दायित में वानी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठितयमं, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्विधा के चिए।

जतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री ब्रह्मानन्द गोम्वामी पुत्र वेतनगिरी गोस्वामी निवासी मकान न० 430 से 432 मोती डूंगरी रोड, जयपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) डाक्टर सुनीता जैन पत्नी डा० कमल कुमार जैन निवामी के-3 बी श्रादर्श नगर, जयपुर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनन सम्पत्ति के ग्रानेन के सम्बन्ध में कोई प्राक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपंज में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि गाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दारा;
- (ख) ्स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जन्त स्थावर सम्पन्ति में दितबद्ध किसी जन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंबे.

स्वर्तीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्तों का, जो उक्त अधि-. निवम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 430 से 432, गली गोधान, मोती डूंगरी रोड, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 1136 दिनांक 1 जून, 1982 पर पंजीबद्ध विऋय पत्र में ख्रौर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनाक : 16-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 16 श्रक्तूबर 1982

निर्देश स० राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/1434—यतः मुझे, मोहन सिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमं इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० प्लाट नं० 2 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 15 जून, 1982

को प्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :---

- (स) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) प्रेसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आय-फर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अप्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री प्रमोद तिवाडी पुत्र श्री गंगाप्रसाद तिवाडी, पुलन्दर का बाग, मोती ङ्गरी रोड, जयपुर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नरेन्द्र नाथ कपूर पुत्न श्री हरीराम कपूर, 21. गोविन्द मार्ग, मोतीङ्गरी रोड, जयपुर (श्रन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीलं से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2, मोती डूगरी रोड, जयपुर जो उप पजीयक, जयपुर द्वारा क्रम सख्या 1361 दिनाक 15 जून, 1982 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज, जयपूर

दिनाक: 16-10-1982

प्ररूप माई• शै० एन• एस•--

आयकर **प्रधिविय**म, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, नागपूर

नागपुर, दिनांक 6 सितम्बर 1982

निदेश सं० नि'० म० भ्रा० श्रा०/भ्रजेन/188/82—83—यतः मुझे, एम० व्हि७ श्रार० प्रसाद

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 288-छ क प्रधीन सलाम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, 'जगका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये संअविक है

मौर जिसकी सं० मकान नं० 901 है तथा जो प्लाट नं० 57, हिल रोड, वार्ड नं० 70 शिवाजी नगर, में स्थित है (मौर इससे उपाध्य धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय 1265/1982 में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 2-3-1982 को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार पुत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल न, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छन्न प्रतिशत भिष्क है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ प्रयाग्या प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप में कथित नहीं कियाग्या है।

- (क) अप्तरण से हई किसी श्राय की बासत उसत प्रांधनियम क प्रधीन कर देने के अन्तरक के ट्रायिस्व में अपनी करने या उथसे बचने में स्थिका के निए; और/या
- (ख) ऐसी निसी प्राय पा किसी धन या घन्य अा तियों की जिन्हें भारताय आयकर धीं धानयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धीं धानियम, या धन-कर धीं धीं सिया, 1957 (1957 का 27) क पयोजनार्थ जन्तिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

ग्रतः अब, उबन अधिनियम की धारा ४६५-ग के अनुमरूण में, मैं, उबस धांबिनियम की धारा २६५-४ की उपधारा (1) के श्रद्धीन, निम्नलिखिन क्यबितयो. अर्थास् 1(1) श्री जवाहरलाल घटर्जी द्वारा श्री श्रार० के० चटर्जी करे टाऊम, धरमपेठ, नागपुर।

(अन्तरक)

(2) मैं० काचन को-म्रॉपरेटिव हार्जासग मोसायटी लिमिटेड, नागपुर मेक्टेरी: – म्रो० ए० व्हि० गिजरे, लक्ष्मी भवन के पीछे धरमपेट, नागपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी कर के पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्रेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी श्रवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्कित अपिक्तयों में से किसी त्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाभन की तारं के से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों और पदों का, मी उनत अधिनयम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, वही ग्रयं होगा जो तम अध्याय में दिया गया ।

अमुसूची

मकान नं०901 जो कि कार्निए प्लाट नं० 57, हिल रोड, वार्ड नं० 70 शिवाजी नगर, नागपुर में हैं। एरिया: 15004 स्क्वेग्रर फिट है।

> एम० व्हि० भ्रार० प्र**सा**द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

दिनाक : 6-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

श्रायकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन मुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, नागपुर-10

नागपुर, दिनांक 10 सितम्बर 1982 फा० सं० निदेश सं० श्रा० श्रा० /श्रर्जन/192/8283—यतः

मुझे, एम० व्ही० ग्रार० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 1329/1982 है तथा जो ब्लोक नं० सी० नक्षक प्लाट नं०.12 शीट नं०2 बी० क्लार्क टाउन नागपुर में स्थित-हैं(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर डाक्यूमेंट सं० 1329/1982 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-3-1982

को पृथेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यभान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे एड विष्वास करने हा कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल में, लेच दृष्यमान प्रतिफल में, लेच दृष्यमान प्रतिफल ना पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (प्रकारकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच में प्रवारण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है।——

- (क) प्रश्नरण से हुई किसी धाय की वाक्त उक्त चिटि नियम, के ध्रधीन कर देने के ध्रश्तर्क के दायित में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ध्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घर या प्रन्य ग्राहित हो को, जिस्हें भारतीय आयक्तर श्रीविनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त प्रविनियम, या धन-कर ग्रीविनियम, 1957 (1957 वा 27) के भयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने पे मुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उन्त भ्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं उन्त प्रिष्ठिनियम की धारा 269-व की उपवादा (1) के अधीन निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मे॰ गिरीश को॰ प्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड सी॰-II रोड नागपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुरेश सन्तराम दास कडबी चौक नागपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उनन तस्पत्ति हे प्रजैन ह सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेत्र २०००

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भी जर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस मूत्रता के राजगत्त में प्रकाशन को तारीख से 45 दित के भीतर जन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्यब्दीकरण:---इनमें प्रमुक्त सन्दों स्रोर पढ़ों का, जो उक्त धानि-नियम के सम्यास 20-क में प्ररिमाणित हैं, बहार्गहागा, जो उर प्रध्या में दिया गरा है।

अनुसुची

ब्लाक नं० सी०नक्षुक प्लाट नं० 12 शीट नं० 2 बी० क्लाकें टाउन नागपुर ।

> एम० व्ही० **भ्रार० प्रसाद** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपूर

दिनाक : 10-9-1982

प्रकप बाई • टी • एन • एस • ----

आयक**र बाधि**नियम, 19**6**1 (19**6**1 का 43) की घारा 269-घ(1) के **बधी**न सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, नागपुर नागपुर, दिनाक 10 सितम्बर, 1982

निदेश सं० 9 ए० सी०/एक्बी०/191/१2-85--यत मुझे. एम० व्ही० ब्रार० प्रसाद,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसका मं० । 328/1482 है जो ब्लाक नं० डी ० नसूद प्लाट नं० 12 मीट नं० 2 बी० क्लाक टाउन में स्थित है

(ग्रौर उसके उपाबढ़ ग्रन्सूची म

स्रोर पूर्णं रूप स विणित है, रिजिस्ट्रोकर्ता स्रिधिकार' के रायालय न(गपुर (डाक्यूमेट मं० 1328/1982 में भारतीश रिजिस्ट्रीकरण स्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन, दिनाक 5 - 3--1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में बास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्ष्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात :--21-356GI/82

(1) मे० गिरीप को० ग्रापरेटिव हार्डामग मोभायटी, लिमिटेड भी०-11 रोड, नागपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री कन्हैयालाल सन्तरामदास कडवी चौक, नागपुर ।

(श्रन्तारती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपस्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हुंू।

उक्त सम्वत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधिया तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवित बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशत की तारीख से
 45 दिन के भीतर उनत स्थावर संपत्ति में
 हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति हारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी
 के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्माद्यी हरण :--इनमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का जो 'छक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अयं होगा, जो उस महत्यान में दिया गना है।

अनुसूची

ब्लाक नं० डी॰ नमुद प्लाट नं० 12 शीट नं० 2—बी क्लाकें टाउन नागपुर ।

एम० व्हा० स्नार० प्रसाद सक्ष्म प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजंन रेज, नागपूर

दिगात 10-9-1982 मोहर

प्रस्प वार्ड. टी., एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मु (1) के सभीत सुचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भर्जंन रेंज, नागपुर नागपुर, दिनाक 10 सितम्बर 1982

निदेश स० 9 ए०सी०/एक्बी॰/193/82-83—यतः मुझे, एम० व्हि० ग्रार० प्रसाद,

मायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृ्ल्य 25,000/- रु से अधिक है

प्रीर जिमकी स० 1938/82 है जो नझुला प्लाट नं० 617, कामठी राड, नागपुर में स्थित है (ग्रीर उसके उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप सं वर्णित है), रिजिन्द्री किशी श्रीधकारी के कार्यालय नागपुर डाक्यूमेट सं० 1934/82 में रिजिस्ट्रेम्टरण श्रिष्टिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 31-3-1982 को पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (उन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के बायित्व मे कमी करने या उससे बचने से सुविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी आये या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

ग्रतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ज्धीन, निम्नित्खित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) (1) श्रीमती रामसाकी पी० गुप्ता
 - (2) श्रीमती श्रनिता परनी घनश्यामदास सिसारीया
 - (3) श्रीमती ममता ए० ग्रग्नवाल सभी रा० कानपुर ।

(भ्रन्तरक)

- (1) (1) श्रा सुरेश ज्ञालचंद वासवानी
 - (2) श्रो ज्ञानचद गगनास वास्त्रानी
 द्वारा जीवन ज्योति को० ग्रा० हाउसिग
 सोसायटी द्वारा थडबी चौक नागपुर ।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत संपृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

नमुल प्लाट नं० 617, मामकी रोड, नागपुर।

एम० व्ही० झार० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर शायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक : 10-9-1982

मोहर ≴

प्ररूप आर्ह, टी. एन. एस.----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, नागपुर नागपुर, दिनोक 27 सितम्बर 1982 निदेश सं० ग्राई एसी०/एक्वी०/195/82-83—यतः मुझे, एम० ऋह० ग्राए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रः से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं 1910/82 है, जो नमुल प्लाट न 151 तथा 152 एरिया 11446 वर्ग फुट नार्दन पोर्शन श्रपीजिट भगलवारी बाजार सदर नागपुर में स्थित है (ग्रौर उसके उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्याक्ष्य, नागपुर (डाक्यूमेंट सं एन जीं पी०/1910/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 30-3-1982

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्झह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथु पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) डा० भगवती किशोर सरन ग्रौर श्री ध्रुव किशोर पुत्र बी० के० सरन, सभी सदर, नागपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) नण्ड को० भ्रापरेटिव हार्जासंग, सोसायटी लि० नागपुर द्वारा चेयरमेंन श्री प्रताप दयाराम देवानी रा० गरीपर का नागपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हां, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

नसल प्लाट नं० 151 ग्रौर 152 एरिया 11446 वर्ग फुट नार्दन पोर्शन श्रपोजिट मंगनवारी बाजार, सदर नागपुर ।

> एम० व्हि० ग्रार० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपूर

विनांक: 27-9-82

प्रस्प बाइ . टी. एन. एस. ------

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मभीन सुमना

भारत सरकार

कार्वालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनाक 27 नवम्बर 1982

निदेश म० स्नाई०ए०मी०/एमवी०/197/82-83--यतः मुझे, एम० ह्वी० श्रार० प्रमाद,

जायकर जिसिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- कि अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. सं अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 1884/82 है, जो ईस्टर्न नोर्शन हाउम नं० 102 शीशी नं० 261/2 मौजा लेण्ड़ा रहाटे कालोनी, नागपुर में स्थित है (श्रौर उसके उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण म्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नागपुर (डाक्यूमेंट स० 1884/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-3-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दशमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापृयोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्पृ से किथत नहीं किया ग्या है:—

- (क) विष्युरण से हुई किसी आम की साबस लक्त ऑध-नियम की अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा को लिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भो, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्चित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रीमती इन्दिरा वाई परनी स्व० पूर्णचन्द्र बुटी रहाटे कालोनी, नागपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) में ० गिरीप को ० ग्रापरेटिव हार्डीमंग मोसायटी लि० चेयरमेन श्री जसकीर सिंह ग्रानन्द सेन्ट्रल एवेन्यू, नागपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु∵।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र माँ प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति माँ हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखिन मों किए जा सकारो।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभावित है, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

ईम्टर्न पोर्शन श्राफ मकान नं० 102 शिर नं० 261/2, मौजा लेण्ड्रा, रहाटे कालोनी, नागपुर एरिया 25014.50 चौ० फूट ।

एम० ह्वी० स्रार० प्रसाद सक्षम श्रधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, नागपुर

दिनाक : 27-11-1982

प्ररूप धाई •टी • एन • एस •----

श्राय**कर धवि**नियम, 1961 (1961 का 43) की घार। 269-म(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 29 सितम्बर 1982

भागकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त प्रक्रितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाप्तर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० में प्रधिक है

श्रौर जिसकी स० 128. भादकोबा है। तथा जो अनकलेण्यर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रनकलेश्लवर में रिजस्ट्रीकरण श्रीविनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मार्च, 1982

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिश्चत से प्रधिक है और अन्तरक (सन्तरकों) और अन्तरिती (सन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के निए, तय पाया गया प्रतिफल खिन निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिक छप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण में हुई किसी आय की वाबन उक्न अधि-नियम कं अधीन कर देने के धन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसो प्राय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) बालु भाई मधुभाई पटेल भादकोद्रा, ता० लनकलेश्वर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सैनाथ इनवेस्टमेट्स ग्रीर ट्रेड प्राइवेट लिमिटड कार्पाडया चेमबर्स वास्वे—9

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के **प्रजे**न के लिएकार्यवाहियां करनाह।

उनन सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना क राजाच में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उका स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्वज्हीकरण .—-इननें अवृत्त जन्दा प्रौर नदां का, जा उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रांशीका, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो भादकोद्रा--एस० नं० 128 मार्च, 1982 मे रजिस्ट्री की गयी हैं।

> ग्रार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-॥ ग्रहमदाबाद

दिनाक : 29-9-82

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज,-II, श्रहमदाबाद

श्रहमवाबाद, विनांक 29 सितम्बर 1982

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 1882/एक्की०-23/II/82-83--श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्तु अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पक्षि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 195 है। तथा जो गाडखोल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रनकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 1982

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिन्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री ईश्वर भाई नरोत्तम भाई पटेल गाडखोल, ता० अनकलेश्वर ।

(भ्रन्तरक)

(2) दी रजना एण्टरप्राइजेस जे० पी० कालेज के सामने । भाष्ट्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किये जा सकेगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस० नं० 195, गाडखोल, मार्च, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> श्नार० श्नार० शाह सक्षेम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज∎II श्रहमदाबाव

दिनांक : 29-9-1982

प्ररूप आर्द्ध टी एन एस ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 29 सितम्बर 1982

निवेश सं० पी० श्रार० न० 1885/एक्वी०-23/II/82-83--श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/-रः में अधिक है

श्रीर जिसकी स० 156/138 हुग्री है तथा जो श्रोच में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रोच में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक मार्च, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एमे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मिनियमित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. (1) बाई फालमा, ग्रहमद ग्रममाल एली का विधवा
 - (2) जुबेदा, श्रहमद श्रममाल एली की पुत्री
 - (3) वाली भाई ग्रहमद ग्रममाल ऐली
 - (4) हाजी ग्रब्दुल्ला ग्रहभद ग्रसमाल ऐली
 - (5) बाई ग्रामय ग्रहमद ग्रममाल ऐली ज्यी, त० क्रोच।

(भ्रन्तरक)

2. गली शास्त्रीनगर को० श्रो० हाऊ० सोमायटी का प्रमोटर श्री हर्षद भाई एम० पटेल 7-2, बुद्धदेव मार्किट,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मिलकत जो एस० नं० 156/138, बुंग्री, मार्च, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है ।

 श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद

दिनांक: 29-9-1982

प्ररूप ब्राई० टी∙ एन•एस•---

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269थ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋजीन रेंज-II, ऋहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 26 सितम्बर 1982

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- इपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 73 (पी०) श्राली है तथा जो ब्रोच में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ब्रोच मे रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक मार्च, 1982

को प्रशंक्त सम्परित के उषित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्तर प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (अ) श्रन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य खास्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत भिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुस्रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 (1) गायत्री थ्येटर्स ट्रेडर्स के द्वारा बेचर भाई पुरुषोत्तम दाग जोणी, पाच बेत्ती,क्रोच ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रध्यक्ष. पारी को० स्रो० हाऊ० मोमायटी, श्री कामम भाई, पीच भाई ईतवाला, डानडीया बाजार । कुमभार फलीया, बोच ।

(ग्रन्तरिती)

को यह प्रता गारी करक (वीसा वस्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उना सम्बत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख़ से 45 दिन की प्रविध या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन से 30 दिन की भ्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यकित द्वारा;
- (ख) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख में 45 दिन के भीतर अन्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रव्हो करण:--इसमें प्रयुक्त णध्दों ग्रीर पदीं का, जो उक्त ग्रिष्ट-नियम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित हैं, वहीर अयं होगा, जो उन अध्याद में विदार गया है '

अनुसूची

मिलकत जो एस० नं० 23 (पी०) स्राली, मार्च, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> न्नार० आर० णाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II श्रह्मदाबाद

दिनांक: 26-9-1982

प्ररूप आर्धः हो . एन . एम . --------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, श्रहमसाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 27 सितम्बर 1982

निदेश मं० पी० ग्रार० नं० 1696/एक्वी-23/H/82-83-- श्रतः, मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रु में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1833, माजुरा, सूरत है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मल्य में कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण में हुइ किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सविधा के लिए. और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

(1) देवजीभाई माधव भाई परमार 'श्रीजी निवास' दोबी झेए, नानपुरा, सूरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती जेकोरकेन ईश्वरलाल मेहता सूम भाखाडा/ णामपा बाजार, सूरत ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचन के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील में 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हा, के भीतर पूर्वेक्त कर्ण त्यों में या किसी त्यक्ति दर्शनायों में या किसी त्यक्ति दर्शनायों में या किसी त्यक्ति दर्शनायों में या किसी त्यक्ति दर्शनायों
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन को तारीच सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षणी के
 शास निस्तित में किए जा सकारो।

स्पष्टीकरणः——इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उजक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय सें दिया गया हैं।

भन्स्ची

मिलकत जो एस० नं० 1833, मजुरा, मार्च, l 1982 में रिजस्ट्री की गयी है।

न्नार० श्रार० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद

दिनांक 27-9-1982 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

पायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-11, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 27 सितम्बर 1982

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1897/एक्वी०--23/II/82--83---श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

श्रायकर अश्विनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त चिश्विम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- घ० से अश्विक है और जिसकी सं० नोद नं० 310 श्रीर 312, वार्ड नं० 10 है। तथा जो सूरत मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णक्प से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिसत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिसत बाजार मूल्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अग्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित जहेंग्य से अन्त अन्तरण निजित में वास्तविक रूप से कवित नहीं। किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत एक्ट अधि-नियम के प्रधीन कर देने के शन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सूत्रिया के लिए; भौर/या
 - (का) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या घन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिख्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री श्रीज मानलाल मगनलाल जी, महाराजा, मोती हाबेली, मोटा मन्दिर, मूरत ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती मनोरमा मुब्बराई शर्मा, गिरिराज भवन, माढा मन्दिर सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विश्व के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थळिकि एण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

अनुसूची

मिलकत जो नोद नं० 313 भ्रौर 312, वार्ड नं० 10, सूरत, मार्च, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> श्रार० श्रार० णाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II श्रहमदाबाद

दिनांक . 27-9-82 मोहर . प्ररूप आई. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनिमम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिनांक 27 सितम्बर 1982

निदेश सं० पी० भ्रार० न० 1898/ एक्बी०-23/II/82-83—भ्रत: मुझे, भ्रार० भार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी स० नोद नं० 2968. वार्ड नं० 7, पारसीवार्ड है। तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सूरत, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह ित्रवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1)

के अभीन निम्नलिखित न्यन्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री नारगीशमाणु धारवैश्वर कापाडीला, सैयवपुरा, पारसीवार्ड, सूरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) सावजी भई लावजी भाई मैयदपुरा, पारसीवार्ड, मूरत ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

मिलकत जो नोंद नं० 2968, वार्ड नं० 7, सैंयदपुरा, पारसीवाडा मार्च, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> श्चार० म्रार० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद

दिनांक : 27-9-1982

मोहर 🗄

प्रस्प बाद्वे टी एन एस.-----

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्चना

ारो सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज,-।।, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 27 सितम्बर, 1982

निदेश स० पी० भ्रार० न० 1899/एसवी०-23/II/82-83—श्रतः मुक्के, श्रार० श्रार० शाह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा में अधिक है

श्रौर जिसकी स० 23 (पी०) खटोद्रा सूरत है। तथा जो सूरत में स्थित है (श्रौर इसस उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सूरत म रजिस्ट्रीकरण श्रिश्रित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्ये से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और स्क्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृश्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अतरको) और अतिरित्ती (अन्तरिंगियों) के बीच एसे अन्तरण क लिए तय पाया गया जीत-प्रानम्बातिष्ठत उद्दर्भ प उक्त बन्तरण विश्वित में तिस्तरिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने भे अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; ग्रीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण बो, अर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 259-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् .--

- (1) (1) श्री ग्ररविन्द कुमार भीम भाई देशाई
 - (2) लेताबेन, श्ररविन्द भाई भीमभाई की पत्नी, संग्रामपुरा मेलीन रोड, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्रतमानंद इण्डस्ट्रीयल को० श्रो० मर्विस सोसायटी । हरीपुरा, स्वाला टेकरो । सुरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्षित से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविधि भाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृवक्ति व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति सवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपरित में हित-दर्भ किलं या न्यांच्य ह्यारा प्रभादस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जो सकरेंगे।

म्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में इरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस० न० 23 (पी०) खटोद्रा, मार्च, 1982 मे रजिस्ट्री की गयी है।

> श्चार० ग्रार० ग्राह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद

दिनाकः : 27-9-1982

मोहर

प्रस्प आई' टी एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेज~ , ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 27 सितम्बर, 1982

निदेश स० पी० श्रार० न० 1900/vक्वी०—23/H/82—83—श्रत मुझे, श्रार० श्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- इस अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सपितत, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० टैप ए, ब्लाक-9 प्लाट न० 1, है तथा जो उधना, उद्योगनगर, सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक मार्च, 1982

को पूर्वाक्त सपित्त के उषित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धानत, उक्क जिमिनियम के अधीन कर बोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूजिधा के निए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत अब उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् .— (1) श्रीमती मोफीलाबाई ए० सूरसवाला, 18, मैफी जुबीली म्ट्रीट/ यूसुफली, दूसरा मजिला , बाम्बे ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री चन्द्रलाल गोविन्दणी पाञ्चाल बी०-40,393 खटोद्रा हाउसिंग सोसायटी, खटोद्रा, सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्मरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की ताशील से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्यष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

मिलकत जो उधना, उद्योग नगर टाईप ए, ब्लाक-9, प्लाट-1, मार्च, 1982 में रिजिस्ट्री की गयी है।

> श्रार० श्रार० शाह मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-11 श्रहमदाबाद

दिनाक 27-9-1982 मोहर प्ररूप आर्च, टी. एण एस. -----

आयकर अधिनियम', 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च्

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, विनांक 27 सितम्बर 1982

निदेश नं० पी० श्रार० न० 1901/ए ह्री०-23/II/82-83—श्रत. मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० नोद नं० 3276-ए, वार्ड न० 1, है। तथा जो काजी मैदान, गोपीपुरा, सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:——

- (स) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् —— (1) भी वयन्तीलाख चीमनमाल शाह महाबीर भुवम, गोपीपुरा, काजी मैदान । सूरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रनीलाबेन श्रशोककुमार जोगानी, 76, सारदार नगर सोसायटी, मुमुल डयरी रोड, सूरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदो का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

मिलकत जो प्लाट न० 2, महावीर भुवन, वार्ड नं 1, काजी मैदान, मार्च, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> श्रार० श्रार० शाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज —II श्रहमदाबाद

दिनांक : 27-9-1982

मोह्रर:

प्रकृत वार्षः ही प्रकृत्या ,------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

ज्ञारत प्रत्यक्त

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिण)
अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 27 सितम्बर, 1982

निदेश मं० पी० स्नार० नं० 1902/एक्बी-23/II/ 82-83--झतः मुझे, आर० स्नार० शाह,

वायकर विभिनिषम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-वृ के वभीन सक्षम प्राप्तिकारों को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी मं० ग्रार० एस० नं० 442, एच०-1, है तथा जो कटारनाय में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण-रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकरी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च, 1972

को पूर्वो क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवं, उक्रत अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं., उक्रत अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री पराग भाई जगजीवन भाई पटेल । श्ररविन्द भाई प्राणजी भाई पटेल श्रौर विनोद भाई पटेल के० कृलमुकत्तयोर । हारीपुरा, हाट फालिया । सूरत ।

(अन्तरक)

(2) मेसेस शान्ती बिल्डसं श्रौर श्रोरगनैसर्स, हरीपुरा, गीकान्ता सूरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप --

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि भा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थागर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस० नं० 442 एच० 1, कटारगाय, मार्च, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> श्चार० श्चार० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्चर्णन रेंज-II, श्चक्षमदाबाद

बिनांक : 27-9-19**8**2

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज--II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 27 सितम्बर, 1982

निवेश सं० पा० धार० नं० 1903/एक्वी०-23/II/82--83--यतः मुझे, भ्रार० ग्रार० शाह,

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पच्चातु 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण ही कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/~ फ. से अभिक ही

ग्रीर जिसकी सं० नोद नं० 528--2-ए, वार्ड नं० 1, है तथा जो नानपुरा, सुरत में स्थित है (घीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण सप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत मे रजिस्द्वीकरण अधिनियम . 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के ात बाजार भूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नसिवित उद्यादेव से उक्त अंतरण लिखिल भी वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुक् किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था मा किमा जाना चाहिए था, किपाने में सविधाके लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन निम्नलियित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) मोहमेदाली शेख समस्दीन शामस मानसील, ग्रसवागेट. मुरत ।

(श्रन्तरक)

(2) मन्तीक एपर्टमेंट्स को० स्रो० हा० सोसायटा का प्रमोटर डा० सुरेशचन्द्रा गुलाब चन्द शाह, 88, नीलकनत सोसायर्टः/ सुम्ल डेयरी रोड, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मुक्ता की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

मिलकत जो नोंद नं० 528 'ए' वार्ड नं० 1, नानपूरा , मार्च, 1982 में रजिस्ट्री का गया है।

> श्रीर० श्रीर० शाह सक्षम प्राधिकारः महायक भ्रायकर भ्रायक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज~∐ ग्रहमदाबाद

दिनांक : 27-9-1982

प्ररूप आईं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन नेज-II, स्रहमदाबाद

श्रह्मदावाद, दिनाक 27 सितम्बर 1982

निदेश सं० पा० ग्रार० 1904/एक्वा०-23/11/82-83--यतः मुझे, ग्रार० श्रार० शाह्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. में अधिक है

श्रीर जिसका सं शोध नं 40, प्लाट नं 28, है तथा जो रेशम-वाला मार्किट, सूरत में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबह अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्राकर्ता श्रधिकारा के कार्यालय, डेलही में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, दिनांक मार्च, 1982

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यथने में सूब्धा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में अविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 23 -356G1/82

- (1) श्राः पोखरदास, के द्वारा श्राः भजनलाल 4410/15, बागला काला, नानः सादाक, डेलहं। । (ग्रन्सरक)
- (2) श्रा तेज भवन चौधरी,252, सकशन-18, पानचकाला पानचकाला--134109 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्य-वाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध , जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है.।

वन्स्ची

मिलकत जो रेशमवाला मार्किट शोप नं० 46, प्लाट नं० 28, डेलहीं रजिस्ट्रार के कार्यालय में मार्च, 1982 में रजिस्ट्री की गर्यो हैं ।

> ग्रार० ग्राह् पाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 11 ग्रहमदाबाद

दिनांक : 27-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) की अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 27 गितम्बर 1982 निदेश मं० पा० श्चार० मं० 1905/एक्वं१०~23/II/82— 83~-यतः मुझे, श्चार० श्चार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित वाजार गृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीन जिसकी मं० 2288-9 (पा०) हे तथा जो गोद दोद रोड, सूरत में स्थित है (श्रीन इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्राकर्ता श्रीधकारा के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उन्तर अन्तरण कि सिक्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रा सोमा भाई नाथु भाई पटेल पोगट नवागाम, त० चोरयासी, गुरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) (1) श्री दिलीप कुमार मोहनलाल गेजर (2) श्री कैलाश दिलीपकुमार गेजर । गजर कामपैणड, फालसावाडी, मुरत ।

(अन्तरितो)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप '--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिगित में टिए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह³।

अनुसुची

मिलकत जो एस० नं० 228-9 (पी) गोद दोद रोड, सुरत, मार्च, 1982 में रिजर्म्ट्रा की गयी है।

> त्रार० ग्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–II श्रहमदाबाद

दिनांक : 27--9--82 मोहर : प्ररूप आहे. डी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज-II, श्रहमदायाद

अहमदाबाद, दिनावः 27 मिनम्बर, 1982

निदेश स० पा० आर० नं० 1906/एक्की०-23/11/82-83---यनः मुझे, स्थार० स्रार० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

योर जिसका संव 115~ए थ्रांट 115/1, टांव पांव एसव-9, है तथा जो सजूरा, सूरत में स्थित है (श्रोर इसमें उपाबद्ध अनुस्वा में श्रीर पूर्ण एप से तिणा है), रिजस्ट्रावर्ता अधिकारी के कार्यालय, बाम्बे में रिजस्ट्रावरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवान, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. (1) नवाव मेन सुलतान श्रलभखान साहेब
 - (2) र्श्वामता नाबाबसादी माहसादा बेगाम साहब
 - (3) श्रीमती नवावभादा सीनकीमा लादी वेगाम बेला कोर्ट डी० जे० रामचानसीण, वाम्बे-339

(ग्रन्तरक)

 भेनर्स गत्यम प्रमोसियेट्स श्री तुपार रेभेश्चन्द्रा देसाई,
 2,1094, छावाला स्ट्रीट,
 साग्रामपुर, सुरत ।

(भ्रन्तिरतीः)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, क्षे अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

मिलकत जो एस० नं० 115-ए ग्रीर 115/1, टा० पी० एस०-9, मजुरा बाम्बे रजिस्ट्रार के कार्यालय में मार्च, 1982 में रजिस्ट्रा की गर्या है।

प्रार० ग्रार० ग्राह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-11 ग्रहमदाबाद

दिनांक : 27-9-1982

प्ररूप आर्द्दी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-ग्रा, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 27 सितम्बर 1982

निदेण सं० पी० श्रार० नं० 18907/ \overline{p} नवी-23/11/82-83--श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० टीका नं० 50, एस० नं० 643-644, एस नं० 2272 है तथा जो नवसारी में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मार्च, 1982

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मणी भाई धया भाई पटेल रक्षाकर्ताः —
 - (2) फ्राब्यस्क बच्चा चेतुभाई दया भाई पटेल, ग्रीर
 - (3) कीरण कुमार धयाभाई पटेल
 - (4) ईश्वरभाई नाराण भाई पटेल, रेतुलकुमार ईश्वर भाई का रक्षाकर्त्ता ग्रौर खुद नवसारी ।

(भ्रन्तरक)

शिवणक्ती नं० 2 का प्रमुख,
 को० श्रो० हा० सोसायटी,
 भाणजीभाई रावुजी भाई पटेल ।
 नवसारी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त इंब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो टीका नं० 50, एस० नं० 643-644, सर्वे नं० 2272, नवसारी, मार्च, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> ग्रार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–II, ग्रहमदाबाद

दिनांक . 27-9-1982

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 24 सितम्बर 1982

निदेण स० पी० स्नार० न० 1908/ग्मवी-23/II/82-83—स्रत. मुझे, स्नार० प्रार० णाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 कि से अधिक है

भौर जिसकी सं० 46 (पी) बिजलपुर है तथा जो तबसारी में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकर्कण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मार्च, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-बिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविभा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, बन्धरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— (1) श्री कीरित कुमार रामजी भाई नायीक पार पार फालया, नवसारी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मावजी भाई जीवराज भाई पटेल । एक्चार रास्ता, नवसारी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कर सम्पोत्त के अर्जन के ट्रिलए कार्यवाहियां करना हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप: ~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस० नं० 46 (पी०) बिजलपुर, नवसारी, मार्च, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> श्चारं० श्चार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्चायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-II, श्वहमदाबाद ।

दिनाक : 24-9-82

प्रकप बाइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 25 सितम्बर 1982

निदेश सं० पी० श्वार० नं० 1909/एक्वी $-23/\mathrm{H/8}2-83-\mathrm{श्राः}$ मुझे, श्वार० श्वार० शाह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० 341, छाप्रा, है तथा जो नवसारी में स्थित है(ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक मार्च, 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रशिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक हप से कि शित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः अव, उन्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण मों, मौं, उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तिसमों, अर्थात्:---

- 1. (1) गोपाल भाई सुखा भाई रात्तोड
 - (2) ताकोर भाई सुखाभाई रात्तोड बालती घर छाप्रा रोड, नवसारी।

(ग्रन्तरक)

2 श्री रगुनाथ जी गोपाल जी नायीक गांव—डाम भेर । त० नवसारी ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशाँकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भर्णन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनवृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो छाप्रा एस० नं० 341, मार्च, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है ।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद ।

दिनांक : 25-9-1982

मरूप जाइ. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ष (1) के अधीन स्**चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनाफ 27 सितम्बर 1982

निदेश स० पी० ग्रार० न० 1910/एक्बी०-23/l1/82-83-म्ब्रत मुझ श्रार० ग्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इरामें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए में अधिक हैं

यौर जिसकी में 67 68 छाप्रा हे तथा जो नवसारी में स्थित ह (शौर मिस उगावज प्रनुस्ची में प्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजर्स्ट्रेकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाक मार्च, 1982

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्मान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हुई:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्सियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

(1) स्रमबाबेन भाणा भाई रामजी भाई उभे छानाभाई, ज्ना बानदारी महलो, नत्रसारी ।

(ग्रन्तरक)

(2) भेनका भाई सोमा भाई मण्डल ग्रोजा माछीवार्ड, न० नवसारी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्मचिश व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार,
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टोकरण:--इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

मिलकत जो एस० न० 67-68, छाप्रा, नवसारी, मार्च 1982 में रिजस्ट्री की गयी है ।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज-II अहमदाबाद ।

अत अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्मरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात्:---

दिनाक 27-9-82 मोहर .

प्रकार बाह्यं.टी. एन. एस्., ------

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज -II श्रहमदाबाद

श्रहमदबाद दिनांक 27 सितम्बर 1982

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 1912/एक्वी-23/II/82-83---श्रनः मुझे भ्रार० श्रार० शाह

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 3329, 3330 है तथा जो नवसारी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुइ किसी नाय की वानत, उक्त जिथिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपानं में सृविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधित् :--- (1) श्री जथंती लाल ठाकुरदास देमाई मधुसूदन ठाकुर दास देसाई सूरन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मकनजी कीका भाई मिस्त्री राम भाई मकनजी मिस्त्री वासनजी मकनजी मिस्त्री कुमयाखर्ड, पटेल मुहल्ला नवसारी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थान के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः – इसम^न प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस० नं० 3329, 3330 नवसारी, मार्च 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> श्रार० श्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायककर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II श्रहमदाबाद

दिनोंक : 27-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यां नय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबांद, दिनांक 1 ग्रक्तूबर 1982

निदेश सं० पी० भ्रार० सं० 1913/एक्बी०-23/॥/82-83--श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृल्य 25,000/-रः. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 332 (पी) है तथा जो चाला में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पारडी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च 1982

1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक मार्च 1982 को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निनिषित व्यक्तियों, अर्थात् :---24--356 GI/82 (1) श्री मन्दुल मसीस सुलेमान मोहिय चाला, त० पारडी ।

(ग्रन्सरिती)

(2) श्री कासनजी लल्लू भाई देसाई भाला, त० पारडी ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के एजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकिरण: -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

मिलकत जो एस० नं० 332 चाला, माच 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> श्नार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~II श्रहमदाबाद ।

दिनांक: 1-10-1982

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आय्क्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज - [], श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 1 अक्तुबर 1982

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1914/ एक्वी०-23/।1/82-83 श्वतः मुझे, ग्रार० श्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिपकी स० सी० एस० नं० 422 426 (पी), 427, 442, 443 (पी), 447 चाला है तथा जो चाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री- कर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय पारटी में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च 1982

में पृवंदित गम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोदित सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके कृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे कृष्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अत्तरक (अन्तरका)' और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तविक रूप किथा नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में म्विधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी पन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में नदिधा के लिए;

कत. अद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीग, निम्मलिखित व्यक्तियो, अधीत :--- (1) 1. स्वास्तिक लैंड डैवलपमेंट कारपोरेशन भागीदार श्री माणेकलाल भगवानदास रेशमवाला श्रीर दूसरे कोटसफील रोड, सूरत। 2 भागयोदया लैंड डेवलपमट कारपोरेशन भागीदार श्री खेमचन्द मगनलाल शाह श्रीर दूसरे। चाला, त० पारडी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बाबामीथा गुलाम मोहम्मद डामन ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपण भे प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-दद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नाला—एस० त० 422, 426, 427, 442' 443, 447 (पी) मार्च 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> श्राग्० श्राग्० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज –II श्रहमदाबाद

दिनांक: 1-10-1982

प्रक्रम नाहाँ, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-II, भ्रहमधाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 1 भ्रक्तूबर 1982

निदेश सं० पी० द्यार० नं० 1915/एक्वी-23/॥/82-83---ग्रत मुझे, प्रार० ग्रार० भाह

श्रायकर श्रीवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिए इसमें इसके पश्चार 'उनर प्राधित्यम' कहा गया है), की धारा 269-त्व क ग्राधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास नरने का करण है कि -थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक है

भौर जिसकी सं की एस को 422, 426, 427, 442, 443 तथा 447 (पी) छाला है। तथा जो छाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मारडी में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एमें दश्यमान प्रतिफल का प्रंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोलिकत उदरिय स उस्त जन्त ण जिल्लित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (म) एसं। किसी प्राथ से नित्तम ता था अन्य आस्थि की जिन्हों भारतीय आय-कर ऑधिनियम, 1972 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) स्वास्तिक लैंड डवलपमेट कारपोरेशन : भागीदार श्री माणेकलाल भगवानदास रेशमवाला श्रीर दूसरे कोटीसफील रोड, सूरत ।
 - (2) भागयोदय लैंड डयलपमेट कारपोरेशन भागीदार श्री खेमधन्द मगनलाल गाह ग्रौर दूसरे चाला, त० पारडी ।

(अन्तरक)

 जम्नेश कन्स्ट्रेक्शन कम्पनी डमन । (श्चन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तिया पर स्वना की तामील से 30 दिन की अर्ताध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्मध्दोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो छाला सी० एस० नं० 422, 426, 427, 442, 443, 447 (पी) मार्च 1982 में र्राजस्ट्री की गयी है।

भ्रार० भ्रार० मार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद

दिनांक : 1-10-1982

_ -

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रर्जन रेंज-।।, भ्रहमदाबाद

जयपुर, दिनांक 11 म्रक्तूबर, 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1916/एक्वी०-23/।।/82-83—श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 422, 426, 427, 442, 443, 447 (पी) है तथा जो छाला, पारडी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, पारडी में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी अपने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) स्वास्तिक लैंड डबलपमेंट कारपोरेशन भागीदार श्री मानेकलाल, भगवानदास रेशमवाला ग्रौर दूसरे, कोट सफील रोड, सूरत ।
- (2) भागयोदया लैंड डबलपमेंट कारपोरेशन, भागीदार श्री खेमचन्द मगनलाल शाह और दूसरे छाला, त० पारडी ।

(भ्रन्तरक)

- 2 (1) श्री गुलामली वोहम्मद सपान ।
 - (2) श्री काशीम मोहभ्मद सपान।
 - (3) श्री हमीद मोहम्मद सपान।
 - (4) श्री लीयाकत मोहम्मद सपान । कनसारा, त० उमरगाम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धकिरणः -- इसमें प्रयूवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो सी० एस० नं० 422, 426, 427, 442, 443, 447, चाला, मार्च 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

ग्नार० ग्नार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज -11,

श्रहमदाबाद ।

दिनांक: 1-10-1982

त्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 1 ग्रक्तूबर, 1982

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 1917/एक्वी-23/11/82-83—श्रत: मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात जिसे त्रिमां कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से बिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मी० एम० नं० 422, 426, 427, 442, 443, 447 (पी) है तथा जो चाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रमुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, पारखी में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनाक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थन या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

- (1) स्वास्तिक लैंड डवलपमेंट कारपोरेशन
 भागीदार श्री माणेकलाल भगवानदास रेशमवाला
 श्रौर दूसरे, कोट साफील रोड,
 सूरत ।
 - (2) भागयोदय लेंड डवलपमेट कारपोरेशन, भागीदार श्री खेमचन्द मगनलाल शाह श्रौर दूसरे। चाला, त० पारडी।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती पुष्पाबेन विजयकुमार शाह, वापी, त० पारडी ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

अन्**स्पी**

मिलकत जो छाला—सी० एस० नं० 422, 426, 427, 442, 443, 447 (पी) मार्च, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

भ्रार० मार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-II, महमवाबाद

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

विनांक : 1-10-1982

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, विनाक 1 श्रक्तूबर, 1982

निदेश स० पी० ग्रार० न० 1918/एक्वी-23/।।/82-83-ग्रात मुझे, श्रार० श्रार० शाह, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० सी० एस० न० 4864, बुनदेर रोड, है तथा जो वलसाड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, वलसाड में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक मार्च, 1982

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उव्योदय से उक्त बन्तरण सिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या '
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान में सुविधा के लिए;

मत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री जाल भाई जमशेवजी गेजर
- (2) श्री धरछशा जाल भाई गेजर
- (3) श्री भकत्तवारवेन जाल भाई गेजर
- (4) श्री ग्रालमे जालभाई गेजर
- (5) श्री रामनलाल पुरुषोत्तम दास मिस्त्री, बनदेर रोड, वलसाड ।

(अन्सरक)

 श्री महेन्द्र भाई बेलवनतराई देशाई भागीदार, द्वारा मेसर्स गाणडा भाई मोरारजी, बलसाड ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी व रके पूर्वेक्त सम्पित् के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सपस्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूबाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (स) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारोध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण.— इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

मिलकत जो सी० एस० न० 4864 (पी) बानदेर रोड बलसाड, मार्च, 1982 मे रजिस्ट्री की गयी है।

> भार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सद्दायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन र्रेज-II, श्रहमदाबाद

धिनांक 1-10-1982 मो**ह**र.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।।, महमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 12 श्रक्तूबर, 1982

निदेश स० पी० श्रार० नं० 1919/एक्वी—23/॥/82—83—-श्रत मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयंकर अधिनियम, 1961' (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नं० 2 श्रीर 4 है तथा जो फातेहगन्ज, बडौदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रतुमूची में श्रीर पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बडौदा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 16— 3~1982

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गर्ड हैं और मुभे यह विक्वाम करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरातियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अंतरण से हुई िक सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विश्य के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में , मैं, उक्त अधिनियम की पारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) मेसर्स वीलासबेन क्लमनड खमभासा, फतेहगन्ज, बडौदा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सीलास भाई तुलसी भाई फ्रिस्टियन, परुल एपार्टमेंट को० ग्रो० हा० सोसायटी । फतेहगन्ज/बड़ीदा ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अलिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति रवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रय्वत शब्बों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका माप 786-1 घोरस वार में फतेहगन्ज में स्थित है। जो सब रजिस्ट्रार, बडौदा के कार्यालय में तारीख 16-3-1982 में यथाविधि रजिस्ट्री की गयी है।

> श्चार० श्चार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज –॥, श्चहमदाक्षाद

दिनांक : 12~10-1982

प्रक्ष आहूर. टी. एन. एस.-----

भ्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भ्राप्तीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 श्रवट्बर 1982

निदेश सं० पी० आर० न० 1920/एक्बी-23/।।/82-83---अतः मुझे, आर० आर० णाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- राज्य से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० ग्रार० एस० न० 1477/3+4 टी० पी० 2, एफ पी० न० 546/1, है नथा जो श्रानन्द में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुसूची श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, ग्रानन्द में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक 2-3-1982 को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बान्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त आंध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी स्राय या किसी घन या अन्य स्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय स्नाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदन श्रिष्टिनयम या श्रन-कर श्रिष्टिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रन्तिरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिलान मे सुविधा के लिए;

(1) श्री राम भई लाखा भाई पटेल श्रानन्द, जोल्लो केयिरा।

(भ्रन्तरक)

(2) डा॰ रामनलाल भ्रमबालाल पटेल । छीखोट्रा, त॰ भ्रानन्द, जिला—केरिया ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्प सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना, की तामील से 30 दिन की भ्रविध; आरे भी भ्रविध बाद में समाष्ट्र होती हो, के भीतर पूर्वीवत ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे :

स्वष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रिष्ठ-नियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही अप होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

मिलकत जो श्रार० एस० न० 1477/3+4 टी० पी० 2 एफ० पी० न० 546/1 जिसका माप 1119-19-65 चौरस मीटर पर स्थित है। जो सब रिजस्ट्रार ग्रानन्द के कार्यालय मे तारीख 2-3-1982 में रिजस्ट्री की गयी है।

श्नार० श्नार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज–II, श्रहमदाबाद ।

नतः नवः, उन्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उन्त अधिनियमं की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः :—

दिनाक . 13-10-1982

मोहरु 🖫

प्रारूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, -॥ ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 13 स्रक्तूबर, 1982

निवेश मं० पी० भ्रार० नं० 1921/एक्ट्री-23/॥/82-83---श्रतः, मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विष्याम करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं श्रारं एसं नं 539/5 है तथा जो पालनपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णच्य से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पालनपुर में रिजस्ट्रीकरण 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 16-3-1982 को पूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसं दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अनत्रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अनत्रण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एमी किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूबिधा के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलियित व्यक्तियों, अर्थत् ;→-- 25—356GI/82

(1) श्री मुमान यूसुफ फातेमोहम्मद श्रौर दूसरे गुवीली गनजीपुर। । पालनपुर, जिला बेनासकानना ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भरत कुमार कंणवलाल जोगानी श्रीर दूसरे। वास्वे। श्री श्रशोक कुमार कंणवलाल जोगानी ग्रीर दूसरे। मदास।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वेंक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संतंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्विक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपतित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उन्म अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन जो पालनपुर, म्रार० एस० नं० 539/5 पर स्थित है। जिसका माप 28832 चौरस फुट है। जो पालनपुर सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 16-3-1982 में नं० 711 पर रिजस्ट्री की गयी है।

> भ्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जेन रेज II श्रहमदाबाद ।

दिनांक : 13-10-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुखना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज --।।, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 13 श्रक्तूबर 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1922/एक्वी०--23/।1/82--83----ग्रतः मुझे, ग्रार० श्रार० शाह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25000/- रह. से अधिक है

धौर जिसकी सं० धार० एस० नं० 624/1, 630/3, 631/3, 538/3 है तथा जो पालनपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में धौर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय पालनपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 20-3-1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकन अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों., मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- श्री मुमान यूसफ भाई फातेमोहम्मद श्रौर दूसरे, ताजपुरा, पालनपुर, जिला—चेनामकानना ।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री घ्रशोक केशवलाल जोगानी मद्रास ।
 - (2) श्री भरतकुमार केशवलाल जोगानी बाम्बे-6

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन जो पालनपुर श्रार० एम० नं० 624/1, 630/3, 631/3, 538/3, , जिसका माप 5364.03 चौरस मीटर पर स्थित है। जो पालनपुर सब रिजस्ट्रार के कार्यालय बिकी- $\frac{1}{2}$ खत नं० 749 पर तारीख 20-3-1982 में रिजस्ट्री की गयी है।

ग्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।।, श्रहमदाबाव

दिनांक : 13-10-1982

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-॥, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1982

निदेश स० पी० ग्रार० नं० 1923/एक्वी-23/।।/82-83 ग्रतः मुझे, श्रार० ग्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सेक्टर नं० 21, प्लाट नं० 219 है तथा जो गांधीनगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण-रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 3-3-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयुकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

अत. अब उक्त जीधीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) श्री मोहमेव साहीद ग्रब्दुल खालिक गोयिख, श्रमीर मंजिल मानग्रोल, जिला—जूनागढ़।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री माजीदखान हाजीखान पाठान सेक्टर 29-470/1, गांधीनगर ।

(म्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स' 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो सेक्टर नं० 21 , प्लाट नं० 219 , जिसका माप 200 चोरस मीटर पर स्थित हैं, तरीख 3-3-1982 में गांधीनगर सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गयी है।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–॥, श्रहमदाबाद ।

दिनांक: 12-10-82

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-।। श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1982

निदेश सं०पी० ग्रार्० नं० 1924/एक्बी—2 3/II/82—83—— श्रतः मुझे श्रार्० ग्रार्० शाह

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 252, 232, 252-233, 252-234 है तथा जो कलोल में स्थित है (श्रीर समें उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्णक्य से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलोल में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 4-3-1982

को पूर्णक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिषत बाजार मृल्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण दो लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिमित में वास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मे., मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री केणवलाल नानचन्द दास कल्याणपुरा कलील जिला—मेहसाना ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री स्रशोक कुमार मणेकलाल सरधव त० गांधीनगर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयाकत शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो कलोल में एस० न० 252-232, 252-233, 252-234 जिसका माप 7260 चोरस बार पर स्थित है। तारीख 4-3-1982 में न० 64 पर सब रिजस्ट्रार कलोल के कार्यालय पर रजिस्ट्री की गयी है।

ग्रार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-॥ श्रहमदाबाद ॥

दिनाक 12-10-1982

प्ररूप बार्ड .टी . एन . एस . ------

बायुकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-।। श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 12 श्रक्तूबर 1982

निर्देश मे० पी० ग्रार्ग्य 1925/एक्वी० $-23/\Pi/82-83--$ श्रतः मुझे, ग्रार्ग्य श्रार्थ शाह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 671 श्रौर 672 टी० पी० एस० एफ० पी०-31 है तथा जो कलोल में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय कलोल में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाक 2-3-1982

को पूर्वोक्स संपित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलियित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के स्लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निभ्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्री सैयद ईमामी यानाजुमीया कलोल जिला—मेहसाना ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री उमीया पार्क को० ग्रो० हा० सोसायटी के द्वारा श्री मावजी भाई नाराण भाई कलोल । . जिला—मेहसाना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन को तारीक्ष से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि हो से समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- व्यथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

जमीन जो कलोल श्रार० एस० नं० 671 श्रौर 672 टी० पी० एस० एफ० पी०-31 जिसका माप 4488.58 चौरस वार पर स्थित है सब रिजस्ट्रार कलोल के कार्यालय में तारीख 2-3-1982 जिसका नं० 631 पर रिजस्ट्री की गयी है।

> श्चार० ग्रार्० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊸।। ग्रहमदाबाद ।

दिनांक 12-10-1982 मोहर . प्रकार आही. जी एन एस , ---------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ध (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज-॥, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 13 श्रक्तूबर 1982

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1926/एनवी०-23/॥/82-83--ग्रतः मुझे, ग्रार० भार० माह भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक हैं और जिसकी स० 100 है तथा जो कोया में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता

अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-3-1982 को पूर्वोंकत संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्सरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री रसूल भाई जिल भाई कोबा जिला—गांधीनगर ।

(ग्रन्तरक)

(2) रीटस को० श्रो० हो० सोसायटी द्वारा भरत कुमार वल्लभा भाई पटेल पटेलवास चानदलोडिया । श्रहमदाबाद ।

(म्रन्सरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृवाकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त क्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्याक्षरी के पाम लिखित में किए आर अकींगे।

स्पष्टीकरण.---इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन जो कोबा एस० नं० 100 जिसका माप 2 एकर्स श्रीर 28 गुठा पर स्थित तारीख 19-3-1982 में नं० 501 पर सब रजिस्ट्रार गांधीनगर के कार्यालय में रजिस्ट्री की गयी है।

> श्रार० श्रार० णाह सक्षम प्राधिकारी ग्रहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–।। श्रहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्मलिखित व्यक्तियो, अधीत

दिनांक : 13-10-1982

प्ररूप आहुँ, टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन मूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-॥, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 19 श्रक्तूबर 1982

निवेष सं० पी० ग्रार० नं० 1927/एक्बी-23/॥/82-83--श्रत: मुझे, श्रार० श्रार० शाह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी० एस० नं० 1571 एफ० पी० 1682 है। तथा जो बल्लभ विद्यानगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रीर पूर्णेरूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रानन्द में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 (का 16) के श्रधीन, दिनांक 11-3-1982

को पूर्वों के सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किश्वत में वास्तविक इप से किथ्य नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सविधा के लिए;

मतः सम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री संजय कुमार श्रामभाई पटेल श्रीर दूसरे, भाईलाल जी -नी,---खडकी, बकोल, त०--श्रानन्द ।

(ग्रन्तरक)

(2) डा० गुणवनतराई प्राणलाल देवे, सोजीक्षा, त०--पेटलाड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्ताक्षरी के पास जिस्तिन में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

प्लाट के साथ मकान जो सी० एस० नं० 1571, बल्लभ विद्यानगर प्लाट जिसका माप 420-22 चौरस मिटर पर श्रौर कन्स्ट्रक्शन $155.40 \pm 155.40 = 310.80$ चौरस मीटर पर स्थित है, तारीख 11-3-82 श्रौर 1-4-82 में जिसका नं० 850 श्रौर 1174 पर रजिस्ट्री की गयी हैं।

श्रार० स्रार० णाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) ग्रेजन रेंज-॥, ग्रह्मवाबाद ।

दिनांक 19-10-1982

प्रारूप आर्ड.टी एन.एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जेन रेंज-।।, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 23 ग्रक्तूबर, 1982

निवेश सं० पी० श्रार्ग्ण नं० 1928/एक्की०-23/11/82-83—श्रत: मुझे, श्रार्ग्ण श्राह्ण,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० नोंद नं० 322, वार्ड नं० 1 नानपुरा है तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सूरत मे रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च, 1982

का पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपतित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्कत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए।

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियत व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री रनछोड भाई नगाभाई पटेल
 - (2) लक्ष्मीयेन रनछोट भाई पटेल ।
 - (3) योगी कन्स्ट्रक्शन कम्पनी भागीदारो प्रकाश रनछोड भाई पटेल, इन्छ हीस, जानपुरा, सुरत ।

(श्रन्तरक)

- (2) नारायनसधन को० ग्रो० हौ० मोसायटी का प्रमुख ग्रौर सचिव ---
 - (1) मन्भाई भाई छन्द भाई पटेल ।
 - (2) बाबू भाई भवान भाई पटेल । 1/322, पोपट मोहल्ला, नानपुरो । सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मपतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय मे दिया

अनुसूची

मिलकत जो नोंद न० 322, बार्ड नं० 1, नानपुरा मार्च, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है ।

> ग्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I], श्रहमदाबाद ।

दिनांक 23-10-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 23 अक्तूबर, 1982

निदेश स० पी० ग्रार० न० 1929/एक्बी०-23/11/82-83—ग्रन: मुझे, ग्रार० ग्राह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी में नोद के 350, वार्ड के 11 पानडोलें पोल है तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इसस उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, सूरत में रिजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधन, दिनाक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूजोंक्त मपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप में किथा नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मो सूविधा के लिए और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने म स्विधा के लिए;

अतः अवः, जवतं अधिनियमं की धारा 269-ग को, अनुतरणं मों, मों जक्त अधिनियमं की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित्:---26---356 GI/82

- (1) श्रीमती यशवन्तीतीबेन हसमुखलाल हवेली मोहल्ला, नवसारी ।
 - (2) श्री हनसाबेन श्ररविन्दलाल चन्दुलाल पेतछाल, मैयधपुरा, सूरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सूर्यकान्त रमनलाल शाह बेगामपुरा, छावली शेरी मुरत ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुः।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुखना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- ब्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकरा

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दां और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनसची

मिलकत जो नोद नं० 350, वार्ड नं० 11, नानावत, मार्च, 1982 में रजिस्टी की गयी है।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–।।, श्रहमदाबाद

तारीख: 23-10-1982

प्ररूप बाइ टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**प**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाराक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रजन रेंज-], श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 4 नवम्बर, 1982

निदेश सं० पी० श्रार० न० 2160/एक्वीं-/23/।/82/—83 श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 220 भुज नगर पालिका है तथा जो कोट के बाहर वानीयावाड नाका बीच, भीडनाका में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भुज में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-3-1982 को पूर्वें कित सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्निचित उदद्रश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण में हुए किसी आय की बाबत, उक्त आधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुनिश्वित व्यक्तियाँ, सुथीत्।ः— (1) श्री श्रमृतलाल दलीचन्द महेता की ग्रोर में पी० ए० एच० कनककुमार ए० मेहता, विजयनगर प्लोट नं० 186 श्रम्पताल रोड, सिद्धचल भुज ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सोनारा ग्रब्दुल सत्तार ग्रादमश्रली ग्रीर इस्माल ग्रादमश्रली पोस्ट-सुथरी । तालुका-भ्रवडासा, कच्छ ।

(भ्रन्तरिनी)

का यह सूचना आरी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिल्कत जिसका सब रजिस्ट्रार भुज रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 3237 छौर 3238/30--9--81 है ।

> श्चार० ग्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी यहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज I ग्रहमदाबाद

दिनांक ' 4-11-82

मोहर 🗄

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, श्रहमदात्राद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 4 नवम्बर, 1982

निदेश सं० पी० श्रार०न० 2159/एक्व(--23I/82-83--श्रत: मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्रार० एस० नं० 1488 पैकी प्लोट नं० 1 तथा 6 ए, बी-50, जी० ग्रार० डी० सी० हैं तथा जो जामनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णक्य में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जामनगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 18-3-1982

का पूर्विक्त सम्पिति के उचित वाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुफें यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापर्विक्त सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एसं दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरातियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिषित उद्दश्य स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप स किथान नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण मंह्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

(1) श्री शभुनाथ गोपीनाथ पौल द्वारा राजलक्ष्मी गेटल प्राइवेट लिमिटेड, बी-50, जी० श्रार० डी० मी० जामनगर।

(भ्रन्तरक)

(2) राजलक्ष्मी मेटल प्राइवेट लिमिटेड वी-50, जी० श्रार० डी० सी० जामनगर।

(भ्रन्तरिती)

का यह मूचना जारों करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: -- इसम प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क म परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैंक्टरी मकान श्रौर जमीन जो जी० श्रार० डीं० मी० जामनगर मे स्थित है तथा सब रिजस्ट्रार जामनगर रिजस्ट्रीकर्ता बिकी-खत न० 831 श्रीर 832/18-3-82 में मिल्कत का पूर्ण वर्णन दिया गया है ।

> ग्रार० श्रार० शाह मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क, अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग(1) के अधीन, निम्निजिमित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनाक ' 4-11-82

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) $\mathbf{श्रर्जन}\ \mathbf{रेज-I},\ \mathbf{श्रहमदाबाद}$

ग्रहमदाबाद, दिनाक 4 नवम्बर, 1982

निदेश म० पी० श्रार० न० 2158 एक्वी 23/4/82-83---ग्रतः मझे श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० सर्वे न० 1249, 1247, 1248 है तथा जो रनजीत सागर रोड, जामनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे श्रीर पूर्णच्य मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जामनगर मे रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक 24-3-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्ममान, प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मे कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलीसत व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) हर्षद टेडीयरल्म मिल्म प्राइवेड लिमिटेड । रनजीत सागर रोड, जामनगर---361005 ।

(अन्तरक)

(2) दी बोम्बे डाइग एण्ड मेन्यु०, कम्पनी लिमिटेड, नेवील हाउस, जै० एन० हरेडिया मार्ग, बल्लार्ड एस्टेट, बाम्बे-400038।

(ग्रन्तरिती ्

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त मपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू ।

जक्त सम्पत्नि के अर्जन के संबंध मा काई भी आक्षप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धा व्यक्तियों पर सूचना की तामील म 30 दिन की अविधि, जो भी अाधि वाद में समाप्त होती हैं, वे भीतर पर्वाकत व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति व्याक्ति
- (स) इस स्चना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यार नथांहस्ताक्षरी के पास लिखित मा किए जा सकेंग्रे

स्बद्धीकरण --इसमं प्रयुक्त शब्दा और पदां का, जा उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अमूस्यो

मिल्कन जो रनजीत सागर रोड, जामनगर मे स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार जामनगर रजिस्ट्रीकर्ना बिकीखन न० 886/24-3-82 है ।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज–। श्रहमदाबाद

दिनाक : 4-11-82

प्ररूप आर्द्द. टी. एन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) क अधीन सूचना

भारत सरकार

निदेश स० पी० श्रार० न० 2161/एक्नी-23/I/82-83--श्रत मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात 'उधत अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अभीन सक्षम प्राणिकारी का, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर मध्यसि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. स अधिक है

श्रीर जिसकी से भूज स्थानिसपितिटी सर्वे ने 364/48 है। तथा जो 88 फलीया. मुडी यरा फली, भुज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णस्य से बिणत है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रीकारी के कार्यालय. भूज में रिजस्ट्रीकरण श्रीकियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिक्षीत दिनाक 12-4-1982 का पूर्वीक्त सपृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितीया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से किथत नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण म हर्द्ध किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व म कमी करने या उसस बचन में सूर्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अत अय, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग क अन्मरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तिया, अर्थातु .-- (1) श्री रमेशचन्द्र गिरजाणकर भट्ट 88 फलीया भज (कच्छ)

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री कन्हैयालाल जेठालाल कोठारी ग्रीर
 - (2) श्री गोविन्द कुमार जेठालाल कोठारी भीड फलीया, भूज ।

(ग्रन्तरिती)

का यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि का तत्मम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तिया में से किसी व्यक्तित द्वारा,
- (स) इस स्चना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति मा हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: --इममें प्रयुक्त शब्दा और पदां का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

मिल्कत श्रौर मकान जिसका सब रजिस्ट्रार भुग रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन न० 3993/5-1-82 मार्च, 1982 में हुस्रा है।

> श्रार० श्रार० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज । ग्रहसदाबाद

दिनांक 4-11-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) $% \left(\frac{1}{2} \right) = \frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} \right) \left($

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 नवम्बर, 1982

निदेश मं० पी० श्रार० न० 2162 राक्वी-23/I/82-83----श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

न्नायकर म्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० सर्वे नं० 149.2 पैकी 7018 वर्ग यार्ड है तथा जो उसा जंक्णन सकीम, फैक्टरी बिल्डिंग, गोडाउन ग्राफिस में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, गठडा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीनं, दिनाक 26-3-1982

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री जयन्त कुमार हेमचन्द भाई पारेख दसा जंक्णन, गठडा के ज नजदीक जिला—भावनगर। (ग्रन्तरक)
- (2) गुजरात को० ग्रो० श्रोइल गीड्स गोरस फेडरेशन लिमिटेड । नीलम बाग पेलेस भावनगर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिल्कत जो प्रभात स्रोबल इन्डस्ट्रीज नाम से मणहर हे फैक्टरी विल्डिंग जो ठमा भावनगर में स्थित है तथा सब रिजस्ट्रार गठडा रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेशन न० 265/26+3-82 है।

> स्रार० स्रार० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज । स्रहमदाबाद

दिनांक : 5-11-82

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घार। 269-घ (1) के अशोर गुवनः

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 8 नवम्बर, 1982

निदेण स०.पी० श्रार० न० 2163/एक्वी-23/ा/82-83,— श्रत. मुझे, श्रार० श्रार० भाह.

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट न० 948, वार्ड न० 5 सीटी सर्वे न० 4860 है। तथा जो लीसहोल्ड प्लोट, गीता चौक, नोर्थ कृष्णनगर में स्थित हे (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, भावनगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनाक 29-3-82

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है प्रोर अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पात्र। गया प्रतिफल, निम्नतिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) प्रनारण में हुई किमी ग्राय की बाबत, उक्त प्रांधनियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दा।यह म कभी करने या उससे बचने में सुविध। क लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी श्रन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राप्त-कर श्रीधिनियम, 1922 (1923 का 11) या उक्त अधिनियम, या श्रत-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्नरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा क लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-भारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जादव भाई गोविन्द भाई ग्रीर श्रन्य गाव—उगामेज तालुका भावनगर ! जिला—भावनगर । श्री कालू भाई ठाकरसी गाव कल्यानपुर जिला—भावनगर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भीखाभाई जेराम भाई नरोला प्रमुख, न्यू भाग्योदय श्रपार्टमेट को० ग्रो० हा० सोमायटी लिमिटेड । 118, सरानी मोमायटी । भावनगर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूजता के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख सें
 45 दिन की अविधि या नरसम्बन्धी व्यक्तियो पर
 सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 उपक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न मे प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो भ्रौर पदों का, जा उक्त प्रश्रितियम क प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी प्रयं होगा, जो उस यध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिल्कत जिसका सब रिजस्ट्रार भावनगर रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रे-णन नं० 707/29-3-82 है ।

> ग्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-। श्रहमदाबाद

दिनांक: 8-11-82

प्रकृष आहुर्. टी. एन . एस . --------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर-आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-1, स्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 नवम्बर, 1982

निदेश सं० पी० श्रार० न० 2164/एक्की-23/I/82-83 --श्रत मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० सर्वे नं० 336 पैकी 50570 है तथा जो पालीनाना सकीम केणरिया रोड, पालोताना में स्थित है (धौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में घौर पूर्ण रूप में तिणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पालीनाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्प्रीस, दिनांक 23-3-1982

को पूर्वोदल सम्मित्त के उचित वाजार मूल्य में कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अल्गिरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, इसके दर्यमान प्रतिफल सं, एमे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई िक सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात्:—

- (1) श्री जयसुखलाल धानाचन्द त्रारा ग्रीर यन्य वोरा शेरी, दानापीठ पालीताना । (श्रन्तरक)
- (2) श्री णान्तीलाल कपूरचन्द मेहना भागीदार श्रादिक्वर कारपोरेशन नलेटी रोड, पालीताना जिला--भावनगर । (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त नव्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्ये :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोदन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध .किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 16501 वर्ग यार्ड है जो प्राली-ताना स्कीम सर्वे नं० 336 पैकी 50570 पर स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार पालीताना र्राजस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371/23-3-832 है।

> म्रार० म्रार० गाह मक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, भ्रहमदाबाद

दिनांक : 8-11-82

प्रस्य बाह् .टी.एन.एस.-----

आयकः प्रशितियम, 1961 (1961 का 43) की आशा 269-व(1) के प्रशीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 8 नवम्बर, 1982

श्रीर जिसकी स० सर्वे नं० 407 पैकी वार्ड नं० 14, शीट नं० 110, है तथा जो पारमी अगीयारी के नजदीक प्रद्युमननगर राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 26-3-1982

मो पर्वाक्त सम्पति के उचित बाजार मत्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और अफ़े यह विश्वास करने का कारण है कि यथ्यपूर्वीकत संपति का उचित राजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल हे, एसे द्रश्यमान प्रतिशत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिश्वित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्नविक हम से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने सामसे अपने मामिशा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः गव. उन्नत अधिनियम की धारा 269-य की जनसरण मो, मौ लक्ष्म थिधिनियम की धारा 269-य की जपधारा (1) के अधीन निम्नलिमित क्युन्यितयों, अर्थान:-27—356GI/82 (1) श्रीमती रटतनकुंबर्षा नानभा बाघेर प्रशुमननगर, मोती टोकी रोड के नजबीक राजकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री किशोर भाई जे० दोशी न्यू रचना डवलपर्स के भागीदार के०/ग्राफ मौराष्ट्र सेलर्स ढेबर भाई रोड, राजकोट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवेक्ति सम्मस्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की मामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति इंडाग;
- (ल) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितब्ष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास निहत में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण—--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्**स्ची**

जमीन के साथ मकान जिसका जमीन का क्षेत्रफल 513-5 1/2 वर्ग यार्ड और जो पारमी श्रगीयारसी के नजदीक, राजकोट में म्थित है तथा सब रजिस्ट्रार राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 1238/1982/20-3-82 है।

> श्रार० क्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज । ग्रहमदाबाद

दिनांक 8-11-1982

संघ लोक सेवा भायोग

नोटिस

भ्रनुसूचित जाति/भ्रनुसूचित जन जाति के उम्मीदवारों के लिए ग्रेड-I (श्रवर मचिव) मीमित विभागीय प्रति-योगिता परीक्षा 1983

नई दिल्ली, दिनांक, 4 दिसम्बर 1982

सं० एफ० 25/1/82 प० 1 (ख) — भारत के राजपत्न दिनांक 4 दिसम्बर, 1982 में गृह मंत्रालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के श्रनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाग्नों के ग्रेड-I की चयन सूचियो में श्रनुसूचित जातियों और श्रनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए श्रारक्षित रिक्तयों के सामने श्रौर नाम जोड़ने के लिए संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर तथा विवेश स्थित कुछ चुने हुए भारतीय मिणनों में 26 श्रप्रैल, 1983 से एक सम्मिलत सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा ली जायेगी।

श्रायोग यदि श्राहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है । यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिये उनकी पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जायेंगे तो भी श्रायोग परिस्थितवश किसी उम्मीदवार को श्रपनी विवक्षा पर श्रलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उस परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारों दे दी जायेंगी (नीचे श्रनुबन्ध का परा 7 देखिए)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के म्राधार पर जिन सेवाम्रों में भर्ती की जानी है उनका तथा उन सेवाम्रों में उपलब्ध रिक्तियों की मनुमानित संख्या का विवरण इस प्रकार है:

वर्ग—1

के**न्द्रीय सचिवा**लय सेवा का ग्रेड–ा सरकार ने रिक्तियों की सूचना नहीं **दी** है ।

वर्ग-11

भारतीय विदेश सेवा, शाखा "ख" 4(प्र० जा० के लिए 3 तथा के सामान्य संवर्ग का ग्रेड 1 प्र०७० जा० के लिए 1)

उपर्युक्त संख्यात्रों मे परिवर्तन किया जा सकता है

- 3. उम्मीदवार प्रपने ब्रावेदन पत्न में उस वर्ग का स्पष्ट रूप से श्रवण्य उल्लेख करें जिसके लिए वे प्रतियोगिता में भाग लेना चाहते हैं।
- 4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों संलग्न आवेदन पत्न पर सचिव, सघ लोक सेवा श्रायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली—110011 को श्रावेदन करे निर्धारित आवेदन पत्न तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण सिवव, संघ

लोक सेवा भ्रायोग, घौलपुर हाउस, नई विल्ली-110011 से प्राप्त किये जा सकते हैं।

टिप्पणी — उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती हैं कि वे अपने आवेदन पत्न अनुसूचित जाित तथा अनुसूचित जन जाित के लिए ग्रेड — [(श्रवर मचिव) सीमिति विभागीय परीक्षा 1983 के लिए संलग्न निर्धारित आवेदन—पत्र पर ही प्रस्तुत करें। अनुसूचित जाित तथा अनुसूचित जन जाितयों के लिए ग्रेड— [(अवर सचिव) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 1983 के लिए निर्धारित आवेदन प्रपत्न में अलावा अन्य आवेदन पत्न पर प्रस्तुत आवेदन पत्नों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन पत्न आवश्यक प्रलेखों के साथ सिषव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली—110011 को 17 जनवरी, 1983 (17 जनवरी 1983 से पहले की किसी तारीख से अमम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मिणपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पिति जिले, अंडमान और निकोबार बीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले मे 31 जनवरी, 1983) तक या उससे पहले अवश्य भिजवा दिया जायें। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्न पर विचार नहीं किया जाएगा।

असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, तिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पिति जिले या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिये कह सकता है कि वह 17 जनवरी 1983 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोर्म, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर के लहाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पिति जिले अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था।

टिप्पणी: -- जो उम्मीदबार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले प्रावेदन की प्रस्तुति हेनु प्रतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें श्रावेदन पत्र के संगत कालम में प्रपने पतों में ग्रानिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (श्रर्थात् ग्रसम, मेघालय, जम्मू, तथा कश्मीर राज्य का लहाख प्रभाग ग्रादि) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए ग्रन्यथा हो सकता है कि उन्हें ग्रानिरिक्त समय का लाभ न मिल सके।

> बी० एस० जैन, उप स**चिय** स**म** लोक सेवा द्यायोग

श्रनुबन्ध—^I उम्मीदवारों को श्रनुदेश

 उम्मीदवार ग्रावेदन पत्र भरने में पहले नोटिस ग्रौर नियमावली को ध्यान में पढ़कर यह देख में कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं । निर्धारित गर्तों में छूट नहीं वि जा सकती हैं ।

श्रावेदन पत्र भेजन से पहले उम्मीदबार को नोटिस के पैरा 1 में दिये केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक हो, अन्तिम रूप से चुन लेना चाहिए।

'उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र मे परि-वर्तन से संबद्ध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नही किया जायेगा किन्तु यदि कोई उम्मीदवार श्रपने उस केन्द्र मे परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु श्रपने श्रावेदन मे निर्दिष्ट किया था तो उसे मचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग को इस बात का पूरा श्रौचित्य बताते हुए एक पन्न रिजस्टर्ड डाक से श्रवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यो चाहता है। ऐसे श्रनुरोधो पर गुणवता के श्राधार पर विचार किया जायेगा किन्तु 26 मार्च 1983 के बाद प्राप्त ग्रनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

यदि कोई उम्मीदवार किसी विदेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता हो तो उसे अपनी पसन्द के कमान्सार दो अन्य भारतीय मिशन (वह स्वय जिस देश में है उससे भिन्न देशों में स्थित) के नाम भी वैकल्पिक केन्द्रों के रूप में देने चाहिए। श्रायोग यदि चाहे तो, उम्मीदवार को उसके द्वारा उल्लिखित तीन मिशनों में में किसी एक में परीक्षा में बैठने के लिये कह सकता है।

2. उम्मीदवारों को आवेदन प्रपक्त तथा पावती काई अपने हाथ से स्थाही या बाल पाइट पैन से ही भरने चाहिए । अधूरा या गलन भरा हुआ आवेदन पत्त, अस्वीकार कर दिया जाएगा ।

उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आवेदन पत्नों को भरते समय भारतीय अंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप का ही प्रयोग किया जाना है । वे इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आवेदन पत्न में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट भौर सुपाठ्य हों । यदि प्रविष्टियां भ्रपाठ्य या भ्रामक होंगी तो उनके निवर्चन में होने वाले भ्रम तथा संदिग्धता के लिये उम्मीदवार उत्तरदायी होंगें ।

उम्मीदवारों को यह भ्रौर ध्यान रखना चाहिए कि श्रायोग भ्रावेदन पक्ष में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पक्ष श्रादि स्वीकार नहीं करेगा । इसलिए उन्हें श्रावेदन पत्र सही रूप से भरने के लिये विशेष सावधानी बरतनी चाहिए ।

उम्मीदवार को श्रपना आवेदन पन्न सम्बद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत ही भेजना चाहिए जो संगत प्रविष्टियों का सत्यापन करके द्यावेषन पद्म के मन्त में दिये गये पृष्ठांकन को भर कर द्यायोग को भेज देगा ।

- उम्मीदवार श्रपने श्रावेदन पत्न के साथ निम्नलिखित प्रमाण पत्न श्रवश्य भेजें ।
 - (i) उम्मीदवार के हाल ही के पासपीर्ट श्राकार (लग-भग 5 से० मी० × 7 से० मी०) के फोटो की दौ एक जैसी प्रतियां जोकि एक श्रावेदन पक्ष पर श्रीर दूसरी उपस्थिति पत्नक में निर्धारित स्थान पर चिपकाई गयी हों । उम्मीदवार को फोटो की प्रत्येक प्रति पर सामने की श्रोर स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए ।
 - (ii) लगभग 11.5 से० मी० × 27.5 से० मी० भ्राकार कें बिना टिकट लगे हुए दो लिफाफे जिन पर श्रपना पता लिखा हो ।
 - (iii) विधिवत् भरा हुम्रा उपस्थिति पत्नक (म्रावेदन प्रपन्न के साथ संलग्न)

"उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि श्रावेदन पत्न के साथ संलग्न उपस्थिति पत्नक पर वे श्रपने नाम तथा परीक्षा केन्द्र के श्रलावा कोई श्रन्य प्रविष्टि न करें ।

- 4. उम्मीदवारों को चेतायनी दी जाती है कि वे ग्रायेदन पत्र भरते समय कोई झूठा क्यौरा न दें ग्रथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं ।
- 5. म्राबेदन पत्न देर से प्रस्तुत किये जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि म्रावेदन प्रपत्न को भ्रमुक तारीख को भेजा गया था । भ्रावेदन प्रपत्न का भेजा जाना ही स्वत: इस बात का सूचक न होगा कि उसे पाने वाला परीक्षा में बैठने का पान हो गया है ।
- 6. ग्रायोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक ग्रावेदन पत्न की पावती दी जाती है तथा श्रावेदन पत्न की प्राप्त के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को श्रावेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार को उच्त परीक्षा के श्रावेदन पत्न प्राप्त करने के लिये निर्धारित ग्रंतिम तारीखां से एक मास के भ्रन्दर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल श्रायोग से पावती हेतु सम्पर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी गई है अपने श्राप यह अर्थ नहीं है कि श्रावेदन पत्न सभी प्रकार पूर्ण है और श्रायोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

• 7. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को उसके श्रावेदन पत्न के परिणाम की सूचना यथाशी द्र दे दी जाएगी । किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जायेगा यदि परीक्षा से शुरू होने की तारीख मे एक महीने पहले तक उम्मीदवार को श्रपने श्रावेदन पत्न के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा श्रायोग से कोई मुचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे श्रायोग से तत्काल सपर्क स्थापित करना वाहिए । यदि उम्मीदवार ने ऐसा नही किया नो वह श्रपने मामले म विचार किये जाने के दावे में विचन हो जाएगा ।

- 8 परीक्षा में सम्मिलित होने के लिये उम्मीदवारों को संघ लोक मेवा आयोग से कोई याता भक्ता नहीं मिलेगा।
- 9 धावेदन पत्न से सम्बद्ध पत्न व्यवहार आवेदन पत्न से सबद्ध सभी पत्न धादि मिचव, सब लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, की भेजे जाय तथा उनमे नीचे लिखा ब्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाये
 - (1) परीक्षा का नाम
 - (ii) परीक्षा का महीना और वर्ष
 - (iii) उम्मीदवार की श्रावेदन पजीकरण सख्या/रोल नम्बर श्रथवा जन्म तिथि यदि श्रावेदन पजीकरण सख्या/रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है ।
 - (iv) उम्मीद्वार का नाम (पूरा नाम बडे अक्षरो म)
 - (v) आवेदन पत्न मे दिया पत्न व्यवहार का पता

- ध्यान दे (¹) जिन पत्नो प्रादि में यह ब्यौरा नहीं होगा सभवा उन पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।
- ध्यान दे .——(11) परीक्षा समाप्त होने क बाद यदि उम्मी-दबार में काई पत्न/मूचना प्राप्त होती है ग्रीर उसमें उसका पूरा नाम श्रीर ग्रमुक्रमाक नहीं लिखा है, तो उस्पार ध्यान नहीं दिया जायेगा ग्रीर कोई कार्य-वाई नहीं की जायेगी ।

10 पतं में परिवर्तन — उम्मीदिवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवदन पत्न में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्न आदि, आवस्थक होने पर उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करे। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 9 में उल्लिखित ब्यौर के साथ यथाशीझ दी जानी चाहिए यद्यपि आयोग ऐस परिवर्तनो पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है फिर भी इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

एच० एस० बिसवास स्रवरसचिव

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 4th November 1982

No A 32014/4/80-Admn II—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri R P Singh, a per manent Estate Supervisor of this office, to officiate as Estate Manager and Meeting Officer in the scale of Rs 650-30 740-35-810-EB-35 880-40 1000 EP 40 1200 on ad hoc basis for a period of three morths with effect from 25 10-1982 to 24 1 1983 or until further orders whichever is earlier

2 Shi R P Singh should note that his differ appointment to the post of Estate Managar and Meeting Officer will not automatically entitle him for regular absorption or for seniority in the grade

I (KAMBOJ, Section Officer for Secy Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS OFFICE OF THL DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi 110003, the 12th November 1982

No E 32015(1)9/73-PERS—On retirement on attaining the age of superannuation, Major R C Ramaiah relinquished the charge of the post of Asstt Inspector General, (SZ), CISF, Madras with effect from the afternoon of 30th September, 1982

2 On re-employment Major R C Ramaiah assumed charge of the post of Asstt Inspector-General (SZ), CISF, Madras with effect from the forenoon of 7th October, 1982

No E-16016/3/79-PERS—On retirement, on attaining the age of superannuation Shri H L Jham relinquished charge of the post of Assistant Director (Accts) with effect from the afternoon of 30th September, 1982

SURENDRA NATH, Director General

DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 8th November 1982

No.18/4/77-AII.—The Director of printing is pleased to appoint the following officers in substantive capacity in the glady of Assistant Manager (Technical) with effect from the date shown against each —

S No.	Name of Officer	Date of appointment in substantive capacity				
1	2	3				
S/Shr	1					
1. K V.	Gangadharan	5 1 1978				
2. G. V. Sundaram		5 1 1978				
3. B S	Chaudhurı	17. 11 1979				
		S JAYASANKAR				

Deputy Director (Administration)

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002 the 16th November 1982

No 26/C~A~I/22~71 —On his attaining the age of superannuation Shri J C Gupta I, Audit Officet (Commercial) serving in the office of the Member, Audit Board & Ex-Officio

Director of Commercial Audit, New Delhi has retired from service with effect from 31 10 1982 (AN)

M A SOMESWARA RAO,

Jt Director (Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 11th November 1982

No Admi I/8 132/82 83/305—Sri A Y F R Qureshi Accounts Officer Office of the Accountant General, Andhra Pradesh Hyderabad retired from service on 31-10-82 (AN)

The 12th November 1981

No Admn I/B-132/82-83/307—The Accountant General Andhra Pradesh has been pleased to promote the following Section Officers in the Office of the Accountant General Andhra Pradesh, Hyderabad to officiate as Accounts Officers in the scale of Rs 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date noted against their names until further orders

Name	Date of assumption of charge	
S/Shr1		
1 MSR Krishna Sastry	15-10-82 (A,N)	
2 V V Satyanarayana	18-10-82 (F N)	
3 T C Narayanan	15-10-82 (A N)	
4 E Kesavan Nambiar	16-10-82 (F N)	
5 Y V Hayagriva Rao	22-10-82 (F N)	
6 K Venkateswara Rao-I	18-10-82 (F N)	

The promotions are ordered are without prejudice to the claims of their seniors if any and also subject to the result of the writ petitions pending in the Andhra Pradesh High Court Supreme Court

B. MASON, Sr Deputy Accountant General (Administration)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I MADHYA PRADESH

Gwalior, the 15th October 1982

No OEI/GOs Promotion/304—The Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to promote the following permanent Section officers as Accounts Officer in an officiating capacity in the scale of Rs 840-40-1000-E B -40-1200 w e f. the date showing against each —

Sl Name No	Permanent Number	Date of joining
S/Shrı		
	02	
1 R Subramaniam	318	15-10-1982 (F.N.)
2. R C. Srivastava	282	14-10-1982 (A N)
3 R B Mishra	286	14-10-1982 (A N)
4. R K Grover	289	14-10-1982 (A.N.)

(Authority ' AG I orders dated 14-10-1982)

B. K. ROY Si Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT N.F. RLY.

Maligaon, the 24th August 1982

S.O.O. No. 58.—Shi B. C. Dutta Khan, a permanent member of the Section Officers Service is promoted to officiate as Audit Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200/with effect from the date he takes over charge until further orders.

B. R. BOPAI, Director of Audit

MINISTRY OF DEFENCE DGOF HQRS. CIVIL SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700069, the 6th November 1982

No. 13/82/A/F-(NG).—The Director General, Ordnance Factories is pleased to appoint Shri K. Kar, Permanent Superintendent office of the Chief Engineer, Arunachal Pradesh, P.W.D., New Itanagar as Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted) with effect from 20-10-82 (FN), and posted at Ordnance Factory Board, Calcutta.

G. N. RAMASESHAN, Member/Personnel for Director General, Ordnance Factorics

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 11th November 1982 IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/698/62-ADMN(G)/7/79.—Shri G. 1. Punwanl, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Jmports and Exports, Bombay, who is under suspension, has been retired compulsorily from Government service with effect from the forenoon of the 18th August, 1982.

A. S. KAUL, Dy. Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports

New Delhi, the 11th November 1982

No. 17/1/82-ADMN(G)/7185.—The President is pleased to appoint Shri Paul Beck (CSS Grade I Select list 1979) to officiate in Grade I of the CSS and as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in this office on ad hoc basis for a period of two months with effect from the forenoon of 2nd November, 1982.

V. SESHAN.

Jt. Chief Controller of Imports and Exports

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 5th November 1982

No. A-32013/2/82-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from 12-10-1982 and until further orders Shi B. P. Anjanappa, Senior Lecturer in Textile Designs as Deputy Director (Weaving) in the Weavers Service Centre, Vijayawada.

VINAY JHA.
Addl. Development Commissioner for Handlooms

DIRFCTORATE CENTRAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 30th October 1982

No. A-1/1(313)VI.—The President is pleased to appoint Shri C. C. Dutta, Deputy Director of Supplies (Grade II of Indian Supply Service, Group 'A') in the office of Director of Supplies & Disposals, Calcutta to officiate as Director of Supplies (Grade I of Indian Supply Service, Group 'A') purely on ad hoc basis for a period of six months or till a regular officer becomes available, whichever is earlier, with effect from the forenoon of 1-10-1982 in the same office.

2. The ad hoc appointment of Shri C. C. Dutta as Director of Supplies will not bestow on him any claim for regular appointment and that ad hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

S. L. KAPOOR, Dy. Director (Administration)

(ADMINISTRATION SEC. A-6)

New Delhi, the 8th November 1982

No. A6/247(415).—On reversion from the post of Assistant Director of Inspection (Mct-Chem) in the Office of Deputy Director of Inspection, Durgapur, Shri R. N. Das Gupta assumed charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Met-Chem) in the office of Director of Inspection, Burnpur with effect from the forenoon of 11th October, 1982.

N. M. PERUMAL, Dy. Director (Admn.).

MINISTRY OF STEEL AND MINES DEPARTMENT OF MINFS INDIAN BUREAU OF MINES

Nugpur, the 12th November 1982

No. A-19012(160)82-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri S. W. Kherdekar, Permanent Senior Technical Assistant (Géology), Indian Bureau of Mines has been promoted to the post of Mineral Officer (Int.) on ad hoc basis in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 6th September, 1982.

B. C. MISHRA, Head of Office Indian Bureau of Mines

DIRFCTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 8th November 1982

No. $\Lambda.12026/5/82$ (ISS) Admn.I.—Consequent on the completion of his training in the Central Statistical Organisation, Shri Guru Dutt Sharma (an officer of Grade IV of the LS.S.) assumed charge of the post of Medical Statistician in the Directorate General of Health Services with effect from the forenoon of 15th September, 1982.

T. C. JAIN, Dy. Director Administration (O&M)

New Delhi-110011, the 13th November 1982

No. A.32013/1/82(CRI)Admn.I(Part)/EPI.—On attaining the age of superannuation, Shri Abinash Chaudhury, Assistant Director (Non-Medical), at Central Research Institute Kasauli (Himachal Pradesh) retired from service on the afternoon of 31st August, 1982.

S. L. KUTHIALA Deputy Director Administration (PH)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

NAPP Township, the 9th November 1982

No. NAPP/Adm/26(1)/82/S/13125.—Chief Project Engineer, Naiora Atomic Power Project, Narora appoints Shri S. C. Bhagashra, a permanent Assistant Security Officer and officiating Security Officer in Bhabha Atomic Research Centre, Bombay to officiate as Security Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-800-EB-40-960 .in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of October 11, 1982, until further orders.

No, NAPP/Adm/26(1)82/S/13126.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project, Narora appoints Shri M. Srinivasan, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accounts Officer in Directorate of Purchase and Stores, Bombay. to officiate as Accounts Officer-II in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of August 25, 1982 until further orders.

M. S. RAO Chief Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thana, the 30th October 1982

No. TAPS/1/34(1)/76-R(Vol.VIII).—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station appoints S/Shri V. W. Shukla. Scientific Asstt(C) and Javaraj Thomas, Tradesman 'G' in the Tarapur Atomic Power Station as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in a temporary capacity in the same Power Station with effect from the forenoon of August 1, 1982, until further orders.

D. V. MARKALE Administrative Officer-III

DEPARTMENT OF SPACE

CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560009, the 9th October 1982

No. 9/111/82-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to appoint Shri H S Subaramaiva to officiate as Assistant Accounts Officer on promotion in the Civil Engineering Division, Department of Space, Bangalore with effect from the forenoon of October 7, 1982 and until further orders.

H. S. RAMA DAS Administrative Officer-I

MINISTRY OF CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi, the 11th November 1982

No. A 32013(DDGM)/3/1/80-D.J.—The President has been pleased to appoint the undermentioned Directors, India Meteorological Department, to officiate as Deputy Director General of Meteorology in the same Department, with effect from the dates indicated against their names and until further orders:—

		7-9-1982
		20-9-1982
		7-9-1982
		7-9-1982
		7-9-1982
•	•	7-9-1982
		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·

S. K. DAS

Additional Director General of Meteor ology (I)

New Delhi, the 8th November 1982

No A.35017/1/82-VF.—The President is pleased to appoint Shri M C. Misra, IPS (MP: 51) as Director, Civil Aviation

Security and ex-officio Additional Director General of Civil Aviation for a period of 3 years with effect from 8-11-1982 (FN).

V. JAYACHANDRAN Under Secv.

OVFRSEAS COMMUNICATIONS SERVICE Bombay, the 1982

No. 1/155/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri M. V. Kamble, Senior Foreman, Calcutta as Chief Mechanician, in an officiating capacity, in D.T.S., Poona with effect from the forenoon of the 21st October, 1982 and until further orders.

No. 1/516/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. S. Pillai, Technical Assistant, Madras as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch with effect from the forenoon of the 27th September, 1982 and until further orders.

No. 1/524/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri P. M. Krishna, Technical Assistant, New Delhi as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same Branch with effect from theforenoon of the 16th September. 1982 and until further orders.

No. 1/525/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri V. P. R. Nair, Technical Assistant. Bombay, as Assistant Engineer in an officiating capacity, in the same Branch with effect from the forenoon of the 16th September. 1982 and until further orders.

No. 1/528/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri V. Lingaraju Superintendent, Madras Branch as Asstt. Admn. Officer, in an officiating capacity, in the Headquarters Office, Bombay with effect from the forenoon of the 25-9-82 and until further orders.

No. 1/529/82-EST.—The Director General. Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Y. K. Khanna, Technical Assistant, New Delhi, as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch with effect from the forenoon of the 16th September 1982 and until further orders.

H. L. MALHOTRA

Dy. Director (Admn.)

for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

OPFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL FXCISE Bombay-400020, the 10th October 1982

F. No. II/3E(a) 2/77 P. II.—The following Group 'B' Gazetted officers (Superintendents/administrative officer) in Bombay-I Central Excise Collectorate have retired on superannuation/Voluntarily on the dates shown against their nan es:—

S. Name & Pesignation No.	Date of Retirement		
1. Shri A. M. Tahir (Admn. Officer) .	. 31-8-1982		
	(A.N.)		
2. Shri A. R. M. Haldy (Supdt.)	. 30-9-1982		
	(A.N.)		
3. Shri P. S. Patil (Supdt.) .	. 30-9-1982		
(Voluntarily)	(A.N.)		

F. No. Π/3 E.(a) 2/77/Pt.II.—Shri R. Krishnamurthi, office superintendent on promotion assumed charge as Examiner of Central Excise group 'B' in Bombay Central Excise Collectorate-I with effect from 8-9-82 F.N. against a leave vacancies.

F. No. II/3 E(a) 2/77 Pt. II.—The following Senior Grade Inspectors have on their promotion assumed charge as officiating Superintendents of central Excise Group 'B' in the Collectorate of Central Excise Bombay-I, with effect from the dates shown against their names.

S. No	Name					Date of assumption of charge
1. Shri T. T. Nichaney					•	24-5-82
						(A.N.)
2. Shri R	. V. Nichal	•	٠		•	24-5-82
	77 mill 1					(A.N.)
3. Shri A	. H. Bijlani	•	•	•	٠	24-5-82
4 C'h=: A	. G. Chavan					(A.N.)
4. SIII A.	. G. Chavan	•	•	•	•	25-5-82
5 Chri M	.R. Nadkarni					(F.N.)
J. 31111 WI	.ix. Ivaukaiiii	•	•	•	•	26-5-82
6 Shri V	S. Nerkar					(F.N.) 26-5-82
0. pm. v.	D. HUIKUI	•	•	•	•	(F.N.)
7. Shri R.	G. Sattur	_				28-5-82
		•	•	•	•	(F.N.)
8. Shri Jo	y Thomas					27-5-82
						(F.N.)
9. Shri C.	V Dudhani					31-5-82
						(F.N.
10. Shri B.	D. Dighe	•	•	•		2-6-82
						(F.N.)
11. Shri G.	V. Karve .	. '	•		•	2-6-82
10 17 0	S. D. Chube					(F.N.)
12. Kum. S	b. D. Chube	٠	•	•	•	14-6-82
13. Shri M	R Sahnie					(F.N.) 15-6-82
15. 5111 141	. IX. Duoins	•	•	•	•	(F.N.)
14. Shri P.	B. Kale					16-6-82
		•	•	•	•	(FN.)
15. Shri R.	S. Talaker					17-6-1982
						(F.N.)
16. Shri K.	V. Jawale					24-6-82
						(F.N.)
17. Shri P.	K. Dhurgalkan	· .				30-6-82
						(F.N.)
18. Shri M	. I. M. R. Shai	kh	•			1-7-82
						(F.N.)

V. K. GUPTA, Collector of Central Excise, Bombay-I

DIRECTORATE OF INSPECTION AND AUDIT CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 9th November 1982

No. 18/82.—On return from deputation with Hindustan Zinc Limited, Udaipur Shri Y. P. Panghar, Assistant Collector Central Excise posted as Assistant Director Group 'A' in the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise, New Delhi vide Department of Revenue order No. 149/82 (F. No. 22012/53/82 Ad. II), dated 16-8-1982 assumed charge of the post on 13-9-82 (forenoon) vice Smt. S. S. Baliga proceeded on leave.

S. B. SARKAR Director of Inspection

CUSTOMS, EXCISE AND GOLD CONTROL APPELLATE TRIBUNAL

New Delhi, the 6th November 1982

F. No. 7-CEG-AT/82.—Shri Y. D. Tewari, Superintendent Group-B lately working in the Central Excise Collectorate,

Kanper assured therge as Technical Officer, Customs Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi in the scale of Rs. 650—1200 plus Special Pay of Rs. 75/- per month, in the forenoon of 6th November 1982.

The 9th November 1982

F. No. 7-CEG-AT/82.—Shri M. Ram Mohan Rao, Appraiser, Madras Custom House lately Working as Inspection Officer in the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise; New Delhi, assumed charge as Technical Officer, Customs. Excise and Gold Control Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi in the scale of Rs. 650—1200 plus special pay of Rs. 75/- per month, in the afternoon of 11th October 1982.

R. N. SEHGAL Registrar

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the

1982

No. A.19012/1(14)/82-Estt,I.—On reversion from the post of Assistant Director (Stat)/Assistant Director (Programmer), to which he was appointed on ad-hoc basis, Chairman, CWC hereby appoints Shri P. C. Jain, to officiate the grade of Extra Assistant Director (Stat) on purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 w.e.f. 15-9-82 (F.N.) for a period of 6 months or till the post is filled on regular basis, which is earlier.

K. L. BHANDULA Under Secy.

New Delhi-110066, the 10th November 1982

No. A-32012/1/81-Estt.V (Vol.II).—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri K. L. Khurana. Diploma holder Supervisor, presently working on deputation with the National Thermal Power Corporation Ltd., New Dilhi on deputation basis, who satisfy all the conditions of the 'Next Below Rule' while on deputation / foreign service to ex-cadre post, to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in absentia in an officiating capacity with effect from the forenoon of 9th August 1982 until further orders.

- 2. Shri Khurana will be on probation in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer for a period of two years with effect from 9-8-1982.
- 3. The promotion of the above mentioned Officer is subject to the result of Civil Pule No. 10823 (W) of 1980 pending in the Hon'thle High Court of Calcutta.

No. A-32012/1/81-Estt.V (Vol.II).—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B). Chairman, Central Water Commission hereby, appoints Shri Y. Nageswara Rao. Diploma Holder Supervisor, presently working on deputation with the Mica Mines Labour Welfare Organisation. Kalichedu under the Ministry of Labour on deputation basis, who satisfy all the conditions of the 'Next Below Rule' while on deputation/foreign service to ex-cadre post, to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer in the nav scale of Rs. 650 -30-740-35-810—EB-35-880-40-1000 -FR-40-1200 in absentia in an officiating canacity we f the forenoon of 9th August 1982 until further orders.

- 2. Shri Y. Nageswara Rao will be on probation in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer for a period of two years with effect from 9-8-1982.
- 3. The promotion of the above mentioned officer is subject to the result of Civil Rule No. 10823 (W) of 1980 pending in the Hopfule High Court of Calcutta.

A. BHATTACHARYA
Under Secy.
Central Water Commission

CHITTARANJAN LOCOMOTIVE WORKS CHITTARANJAN

Buidwan, the 8th November 1982

No. AC/Admn/12/4.—Shri A. P. Saha, Offg. St. Accounts Officer / CLW is confirmed as Asstt. Accounts Officer in Class II services in the cadre of the Accounts Department of this Administration with effect from 1-5-81 (FN) in the vacancy caused by the retirement of Shri G. P. Majumdar.

(Authority: GM's approval dt. 30-7-1982).

B. M. DAS Sr. Accounts Officer/A for General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and of Sri Narayan Yatri Bhawan and Tourism Industries Pvt, Ltd.

Patna, the 9th November 1982

No. (1169)50/81-82/4692.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Sri Narayan Yatri Bhawan and Tourism Industries Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

> A. W. ANSARI Registrar of Companies (Bihar)

In the matter of Companies Act, 1956 and of Kozhikode Government Pensioners Chit Fund Pvt. Ltd.

Cochin-682 011, the 8th November 1982

No. 2137/Liq./560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Kozhikode Government Pensioners Chit Fund Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Navodayam Private Limited

Cochin-682011, the 8th November 1982

No. 1570/Liq./560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Navodayam Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said com-

In the matter of Companies Act, 1956 and of Venod Rubber Products Private Limited

Cochin-682011, the 8th November 1982

No. 2679/Liq./560(3).--Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Venod Rubber Products Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act. 1956 and Ponnara Cashew Company Private Limited

Cochin-682011, the 11th November 1982

No. 2520/Liq./560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 28-356GF/82

that at the expiry of three months from the date hereof the name of Ponnara Cashew Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Sree Pady Estates Private Limited

Cochin-682011, the 11th November 1982

No. 1887/Liq./560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Sree Pady Estates Private Limited unless cause shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Southern India Accumulators Private Limited

Cochin-682011, the 11th November 1982

No. 2829/Liq./560(3)/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Southern India Accumulators Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Hotel Sangeetha Private Limited Cochin-682011, the 11th November 1982

No. 2929/Liq./560(3)/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Hotel Sangeetha Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Palghat Tile Works Private Limited Cochin-682011, the 11th November 1982

No. 3353/Liq./560(3)/82.—Notice is hereby given pursuant 180. 3533/Liq./30013)/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Palghat Tile Works Private I imited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of National Union Private Limited

Cochin-682011, the 11th November 1982

No. 818/Liq./560(3)/82.—Notice is thereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of National Union Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act. 1956 and of Palat Timber Industries Private Limited Cochin-682011, the 11th November 1982

No. 2154/Liq./560(3)/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act. 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Palat Timber Industries Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act. 1956 and of Cochin Travels and Agencies Private Limited

Cochin-62011, the 11th November 1982

No. 2215 (Liq./560(3))/82.—Notice is hereby given nursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956 that at the expiry of three months from the date hereof—the name of Cochin Travels and Agencies Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved. In the matter of Companies Act, 1956 and of West Coast Food and Allied Products Private Limited

Cochin-682011, the 11th November 1982

No. 2715/Liq./560(3)/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act. 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Wesi Coast Food and Allied Products Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Peninsular Electronics Private Limited

Cochin-682011, the 11th November 1982

No. 2717, Liq./560(3)/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Peninsular Flectronics Private Limited unless cause

is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Shanmuga Chits and Trades Private Limited

Cochin-682011, the 11th November 1982

No. 2367/Liq./560(3/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Shanmuga Chits and Trades Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

K. PANCHAPAKFSAN Registrar of Companies, Ke;ala

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 231d October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-IV/3-82/618.--Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Karawal Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sh. Amar Nath, Sh. Jaswant Rai Ss/o late Sh. Mela Ram, Smt, Surinder Kaur W/o late Shri Harnam Singh, 16-18, Raj Block, Naveen Shahdaia.

(Transferor)

(2) Sh. Arun Kumar S/o Sh. Ram Kumar 200, Bara Thakur Dwara,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area mg. 9 bighas 6 biswas Rect. No. 38, Kila Nos. 2/2, 8/2, 9, 12/2 & 3, Vill. Karawal Nagar, Shahdara.

> NARINDAR SINGH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 23-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1982

Rct No IAC/Acq I/SR JV/3-82/639—Whereas, 1, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25.000/- and bearing No

Agi land situated at

Vill Karawal Nagar, Shahdara

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said insrtument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh Khimman, Sh Budhu and Sh Sultan Ss/o Ratten Singh R/o Vill Krawal Nagar, Shahdaia Delhi-32

(Transferor)

(2) Smt Daya Wati W/o Sh Sultan Singh R/o Village Krawal Nagar, Shahdara, Delhi-32

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Area mg 10 bighas and 7 biswas out of Khasra No 28/22, 28/12, 19/2, 20/1, 21/2, 53|19, 53|21, 53|22, 56|2, 255,98 and 245, situated at Vill Krawal Nagar, Shahdara, Delhi 32

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date 23-10-82 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Jugal Kishore Mool Chand (HUF) 273, Katra Pedan Tilak Bazar, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Multal Sewa Sadan Trust, 5318/12, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1982

Ref. No. IAC Acq.I/SR-IV/3-82/650.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B-13, situated at Jyoti Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on Masch 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 off 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-13 in Block-B, situated at Jayoti Nagar (West), Shahdara, Delhi-32, mg. 800 sq. yds.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 23-10-82

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-82/1983.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Dera Mandi, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Rajwant Singh Brar S/o S. Tara Singh of 7-A, Faridkot House, Lytton Road, New Delhi.
- (2) Sh. Dhiraj Singh, minor S/o Kamal Kishore Saini thru his natural guardian, Kamal, Kishore Saini of No. 4412, Aryapura, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land 4 bighas 14 biswas Rect. No. 43, Khasra No. 14/1 and 15-min. in the area vill. Dera Mandi, Teh. Meh., N.D.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delbi/New Delbi.

Date: 23-10-82

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Parsa S/o Sh. Aarami R/o village Dera Mandi, Teh. Mch., New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ratia S/o Sh. Chet Ram R/o Villago Dera Mandi, Teh. Mch., New Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I, NEW DEI HI

New Delhi, the 23rd October 1982

Ref. No. IAC /Acq.1/SR III/3-82/1987.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at

Vill. Dera Mandi, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the sain property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 11 bighas and 16 biswas khasra No. 110/18 min (2-12), 110/19 (4-12), 110/20 (4-12), situated at village Dera Mandi, Teh. Mch., New Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 23-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1982

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/3-82/1991.—Whrere, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Agr. lond situated at Vill. Deta Mandi, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Rajwant Singh Brar S/o S. Tara Singh of No. 7-A, Faridkot House, Lytton Road, New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Sh. Vikiam Sami, minor son of Sh. Kamal Kishore Sami of No. 4412, Aryaputa, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land 4 bighas 16 biswas, bearing Rect. No. 43, Khavra No. 7, situated in area vill. Dera Mandi, Teh. Meh. New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 23-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NOVAL TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Rajwant Singh Brar S/o S. Tara Singh of 7-A, Faridkot House, Lytton, Road New Della.

(Transferor)

(2) Smt. Saila Saini W/o Sh, Kamal Kishore Saini of No. 4412, Aryapura, Subzi Mandi,

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. FSTATE NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I SR-III/3-82/1994.—Whereas, I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Agri land situated at

Vill. Dera Mandi, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in March 82

29-356 GI/82

for an apparent consideration which is less than the fatr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land 4 bighes 16 biswas Rect. No. 43, Khasia No. 6 (43/6) situated in the area vill. Deta Mandi, Teh. Meh., New Delhi.

NARINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 23-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. FSTATE NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-82/1997.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Agri land situated at Vill. Dera Mandi, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

New Delhi in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Rajwant Singh Brar S/o Sh. Tara Singh of No. 7-A. Faridkot House, Lytton Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Kamal Kishore Sami S/o Sh. Muni Lal of 4412, Aryapura, Subzi Mandi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas 16 biswas Rect. Khasra No. 43/5, area vill. Dera Mandi, New Delhi.

> NARINDER SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 23-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1982

Ref. No. IAC/Acq./SR-III/3-82/1998.—Whereas, I, NARINDER SINGH

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. Land situated at Vill Dera Mandi, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purchases of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) in the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

 Sh. Rajwant Singh Brar S/o Sh. Tara Singh of 7-A, Faridkot House, Lytton Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Masjit Narsery through its proprietor Kamal Kishore S/o Sh. Muni Lal, of 4412, Aryapura, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas 16 biswas Rect. Khasra No. 43/4, Vill. Dera Mandi, New Delhi,

NARINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 23-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATI. NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-82/2009.—Whereas, 1, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Agr. land situated at Vill. Korashera, New Delhi

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Uma Aggarwal W/o Sh. Brij Bihari Aggarwal R/o B-47, New Delhi South Extension Part-I, New Delhi.

(Transferor)

 M/s Mehra Sted Co. & Nursery,
 Lok Naik Bhawan, Khan Market, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg, 6 bighas and 16 biswas khasia Nos. 384 (2-3), 385(4-13), situated in village Kapashera, Teh. Meh., New Delhi.

NARINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 30 10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Bipin Vir Jain S/o Shri V. K. Jain R/o B-47, NDSE Part-I, New Delhi.

(Transferor)

M S Mehra Sted Co. & Nursery,
 Lok Nayak Bhawan, Khan Market, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR C. R. BUILDING, I. P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-82/2010.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Agr. land situated at

Vill. Kapashera, New Delhi

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

New Delhi on March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquiation of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 5 bighas and 11 biswas khasra Nos. 381/2 (1-3), 382/2 (0-13), 383 (3-15) situated in village Kapashera, New Delhi alongwith 1/4th share in tube-well.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-10/82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND I-LOOR C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1982

Ref. No. IAC/AcqI/SR-III/3-82/2035.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to behave that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. M-40 (Mkt.) situated at

Greater Kailash-IJ, New Delhi

17456

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Λct, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely *—

 Sh. Harbans Singh Pabla S/o Sh. Natha Singh R/o A-11, Housing Society, NDSE-I, Ring Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Gajinder Kumai Loond S/o Sh. Vasdev Loond C/o 'Soni Estate Agency' 20, Savitri Cinema Bldg., Greater Kailash-II, New Delhi-18 through his father & natural Guardian Sh. Vasdev Loond S/o Sh. Teju Ram, R/o I-F/153, Lajpat Nagai, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a persod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. M-40 (Market), Greater Kailash-II, New Delhi-48. Area: 195 sq yds.

NARINDAR SINGII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 23 10 52 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NFW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/3-82/2039.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-540, situated at

Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating hte reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Bhatia Apartments, through its partners Sh N K. Bhatia, P. K. Bhatia, Anil Bhatia, Soul Bhatia and Smt. Ray Kumari Bhatia R/o W-41, Greater Kailash-I, New Delhi (Transfetor)
- (2) Sh. S. C. Tara and Sh. R. L. Tara R. o. E-540, Greater Katlash-II, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter,

THE SCHEDULE

Undivided share in property No. E-540, Greater Kailash-II, New Delhi with first floor rear portion (more particularly described as upper ground floor) of two bedrooms, two bath-rooms, one drawing cum dining room, one kitchen.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi,

Date: 23-10-82

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1982

Ref No IAC/Acq I/SR II1/3-82 2040 -- Whereas I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No E-540, situated at

Greater Kailash-II, New Delhi

transfer with the object of :--

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on March 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Bhatia Apartments, A-18, Kailash Colony, New Delhi (partner N K Bhatia, And Bhatia, Sunil Bhatia) P K Bhatia all Ss/o Sh D R Bhatia and Smt Raj Kumuri Bhatia for self and attorney R o W 41, Creater Kuilash I New Delhi (Canstruct)
- (2) Mrs Kamal Kanta Mehta W/o late Dr Harichand Mehta R/o F-540 Greater Kullash-II New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided share in plot No ! 540, Greater Kailash-II, New Delhi alongwith portion of ground floor consisting of two bedrooms attached baths, drawing dining, Kitchen

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I Delhi New Delhi

Date 23-10-82 Seal,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMP TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELIII New Delhi, the 23rd October 1982

Ref. No. IAC/Acq.J/SR-III/3-82/2046.--Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-83B, situated at Knikaji, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 30-356G1/82

Smt. Savitu Devi W/o lete Shi Ram Lal R/o C-1/55, Janakpuri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sham Sunder Malhotra S/o Shri Lekh Raj Malhotra R/o B/33, Kalkaji, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Govt. built Qr. No. C-83-B, Kalkaji, New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 23-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

G 13 GROUND ! LOOR OR BUILDING, I P FSTATE, NEW DELHI.

New Delbi, the 23td October 1982

Ref No IAC/Acq-I/SR-III/3 82/2051.—Whereas, I. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No N/107, sau sted at Greater Kailash-I New Delhi (and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March, 82

for an apparent consideration which is less than the fair much to value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mone's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh Alun Mittal s/o Sh V. B. Mittal 1/o A-3, Greater Kailash Enclave-1, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrimati Poonam Katia, w/o Sh Pawan Katia, r/o N/107, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. N/107, Greater Karlash-I, New Delhi Flat No. 6, 825 sq.ft

NARINDAR SINGII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-taw
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 23-10-1982

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI.

New Delhi, the 23rd October 1982

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/3-82/2055.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Bijwasan, Teh. Mch., New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, hamely:-

(1) Sh. Hanuman Pershad Gupta, S-384, Greater Kailash-II, New Delhi-48.

(Transferor)

(2) M/s Adini Pictures (P) Ltd., 69/1A, Najabgarh Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Greette or a revied of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

expressions EXPLANATION :-- The terms ana used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land total mg. 5 bighas 17 biswas having M. No. 87 killa Nos. 24 (3-6), 6(2-11) situated in village Bijwasan, Teh.Meh., N. Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range Delhi/New Delhi.

Date: 23-10-1982

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

G 13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I P ESTATL NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1982

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/3 82/2053.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

Agi land situated at Vill Bijwasan, Teh Meh., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as afteresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

(1) Shri Nathu Ram Gupta, E-54, South Extn,-I, New Delhi

(Transferor)

(2) M/s Adını Pictures (P) Ltd., 69/1A, Najabgarh Road, New Delhi

(Transferce)

- (3) As per Sr No 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property
 (Person whom the undersigned Knows
 to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used lieiem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHLDULE

Agi land total my 10 bighas 16 biswas having M No 87 Killa Nos, 9(4-16), 12(4-16) 8min(0-12), 13(0-12), situated in village Bijwasan, Teh Meh. New Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range
Delhi/New Delhi

Date 23-10-1982 Seal .

(1) Sh. Shiv Kumar Gupta, C-499, Defence Colony, New Delhi-3

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Adını Pictures (P) Ltd., 69/1A, Najabgarh Road, New Delhi-110015.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I P. ESTATI-NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1982

Ref No. IAC/Acq-1/SR-III/3-82-2052.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25,000/- and bearing No

Agr. land situated at Vill Bijwasan, Teh Meh., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faculitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Total mg 8 bighas 14 bighas M No 87, K lla Nos. 3 min(1-16) 27(0-4). 4 min(2-1), in Village Bijwasan, Teh. Meh, New Delhi Agricultural land.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission:r of Income-tax,
Acquisition Range
Delhi/New Delhi

Date: 23-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI.

New Delhi, the 23rd October 1982

Ref. No. 1AC/Acq-I/SR-III/3-82/2050,—Whereas, I, NARINDAR SIJICH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Bijwasan, Tch.Meh., New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Bimla Gupta (Bimla Devi), S-384, Greater Kailash-II, New Delhi-48.

(Transferor)

(2) M/s Adini Pictures (P) Ltd., 69/1A, Najabgarh Road, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land total mg. 28 bighas 15 biswas having Mustatil No. 87, Killa Nos. 5 min(1-11), 4(2-8), 13(4-4), 17 min (2-4), 18(3-12), 28(0-3), 5(1-15), 7(2-12), 18(0-12), 14 (4-16), 7(4-16), 28(0-2), situated at Village Bijwasan, Teh. Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range
Delhi/New Delhi.

Date: 23-10-1982

Soal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Ol-FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1982

Ref. No. 1AC/Acq 1/SR-III, 3-82/2054 --- Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr land stunted at Vill. Bijwasan, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Deini on March, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :--

(1) Shri Hanuman Pershad Gupta S-384, Greater Kailash-II, New Delhi-48.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Sachdev, 34, Paschimi Maig, Vasant Vihar, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agr. land total mg. 25 bighas 19 biswas having Mustatl Nos. 87, Killa No. 15 (4-16), 16 (4-10), 6 (1-7), 23 (2-725, 1 (1-10), 25 min (1-4), and M. No. 86, Killa Ison. 10 (5-0), 11 (3-5), 20 (1-2), 26 (0-18), situated at Village Bijwasan, Teh. Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Incompetate Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 23-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, IP ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1982

Rel. No. IAC/Acq 1/SR-III/3-82/2058.--Whereas 1. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr land situated at Vill. Sultanpur, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferol to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- M/s Kamayani Electricals (P) Ltd., B-10, Green Park, New Delhi, through its Managing Director Shri Rakesh Agarwal. (Transferor)
- (2) Mrs. Kulwant Kaur w o S. Jasbir, Singh and Inder Mohan Singh, s/o S. Jashir Singh r/o K-9, Green Park Extn., New Delhi minor through guardian Jasbir Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 3 bighas and 1 biswa, khasra No. 382 with tube-well boundary wall and other fittings and fixtures, village Sultanpur, Toh, Meh., New Delhi.

> NARINDAR SINGH Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 23-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Narender Kumar Mahajan s/o late Durga Dasa r/o 181 Sector No 15, Faridabad. (Transferor)

(2) Shri Raghbir Singh s/o Ch. Ghasita r/o Vill. Ianauli, Teh. Palwal, Distt. Faridabad, and Kuldip Singh Ahuja r/o C-1/96, Sidharath Nehru Place, New Delhi.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/3-82/2063.—Wherens I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Devli, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 1 bigha 1 biswas bearing khasra No. 598, Village Devli, Teh Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

nersons, namely:—31—356 GI/82

Date: 30-10-1982

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S. Piara Singh Kakkar s/o Shri Mangal Singh Kakkar r/o C 51, Greater Kailash-l, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Khem Chand 5/o Pt. Sheo Singh r/o 1224/2, Gantam Nagai, New Delhi,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE.
NEW DEI HI

New Delhi, the 23rd October 1982

Rcf. No. IAC/Acq.1/SR-III/3-82/2067.--Whereas f, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Dera Mandi, Teh. Meh., ND. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any meome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

I XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in agr. land mg. 16 bighas and 9 biswas, M. No. 80, killa Nos. 23 (2-16), 24 (0-17), M. No. 82, killa Nos. 3 (4-16), 4 (4-18), 5 (3-4), situated in village Dera Mandı, Teh. Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Date: 23-10-1982

PART III-SEC. 1]

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGL-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1982

Ref. No. 1AC/Acq.1/SR-111/3-82/2066.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing

No. Agr. land situated at Vill Dera Mandi, New Delhi, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Maich, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) S. K. C. Mohan s/o Shri Gopal Chand Mohan r/o 29, South Basti Harphool Singh, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferor)

(2) Pt. Khem Chand s/o Pt Sheo Singh r/o 122A/2, Gautam Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in agr. land mg. 16 bighas and 9 biswas Ma No. 80, kılla Nos. 23 (2-16), 24 (0-17), M. No. 32, killa Nos. 3 (4-16), 4 (4-16), 5 (3-4), situated in vıllage Dera Mandi, Tch. Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 23-10-1982

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-82/2075,—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Jonapur, Teh. Meh. New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi in March 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Harjit Singh S/o S. Rameshwar Pritam Singh r/o Rada Sahib, Tehsil, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Rahul Kushwaha s/o Shri. S. S. Kushwaha r/o B-6/8, Safdarjang Enclave, Shopping Centre, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 2 bighas and 4 biswas M. No. 3, killa No. 20 min (1-0), 21/1 (1-4), situated in village Jonapur, Teh. Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date: 23-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-82/2070.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Jonapur, Teh. Meh., New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harjit Singh s/o S. Rameshwar Pritam Singh 1/0 Rada Sahib, Tehsil, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Rahul Kushwaha s/o Shri S. S. Kushwaha r/o B-6/8, Safdarjang Enclave, New Delhi. (Shopping Centre).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 3 bighas and 16 biswas, M. No. 3, killa No. 20, village Jonapur, Teh. Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date: 23-10-1982

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-82/2071.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land, situated at Vill. Jonapur, feh. Meh., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S. Harjit Singh s/o S. Rameshwar Pritam Singh r/o Rada Sahib, Tehsil, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Rahul Kushwaha s/o Shri S. S. Kushwaha r/o B-6/8, Shopping Centre, Safdarganj Enclave, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas, M. No. 3, killa No. 11 (2-8), 12 (1-12), situated in village Jonapur, Teh. Meh., New Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date: 23-10-1982

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDLR SLCTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Radewala r/o Rada Sahib, Tehsil Ludhiana.

(Transferoi)

(2) Shri Rahul Kushwaha s/o S. S. Kushwaha r/o B-6/ 8, Shopping Centre, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(1) Smt. Man Mohan Kaur w/o S. Gian Singh,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1982

Ref. No. JAC/Acq.I/SR-III/3-82/2072.--Whoreas I, NARINDAR SINGH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25.000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Jonapur, Teh. Mch., New Delhi, (and more fully destrib) in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such angular consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposts of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agr. land mg. 3 bighas and 12 biswas, khasra No. 21/2, M. No. 3, situated in village Ionapur, Teh. Meh., New Delhi.

THE SCHEDULE

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of S clion 269D of the Act, to the following persons, namely :-

Date: 23-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-82/2073.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Jonapur, Teh. Meh., New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S. Harjit Singh s/o S. Rameshwar Pritam Singh r/o Rada Sahib, Tehsil Ludhiana.
- (2) Shri Rahul Kushwaha s/o S. S. Kushwaha r/o B-6/8, Safdarjang Enclave, Shopping, Centre, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 16 biswas, M. No. 3, killa No. 19 of Vill. Jonapur, Teh. Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date: 23-10-1982

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-82/2074.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agr. land situated at Vill. Jonapur, Teh. Meh., New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
32—356GI/82

(1) S. Harjit Singh 5/0 Rameshwar Pritam Singh r/0 Rada Sahib, Tehsil, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Rahul Kushwaha s/o S. S. Kushwaha r/o B-6/8, Shopping Centre, Safdarjang Fnclave, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Agr. land mg, 4 bighas and 14 biswas M, No. 3 killa No 18, situated in village Jonapur, Teh. Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Delhi/New Dellii

Date: 23-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/3-82/2089.—Wherens I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. N-87, Panchshila Park, situated at New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the confideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 192?) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 G. W. Lall and Usha Lall r/o N-87, Panchshila Park, New Dolhi.

(Transferor)

(2) Rajive Sawhney and Rohini Sawhney B-16, Maharani Bagh, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. N-87, Panchshila Park, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date: 23-10-1982

FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-82/2096.—Whereas I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Mehrauli, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Risal Singh and Ram Chhail s/o Sanwat r/o Kishangarh Mchiauli, New Delhi.

 (Transferor)
- (2) Shri H. Pershad Gupta s/o Nathu Ram Gupta, r/o E-54, NDSE-I, New Delhi.
 (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as ane defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 7 bighas M. No. 38, killa No. 9/1(0-7), 13 mm (2-8), 12 (4-5), village Mehrauli, Teh. Meh. New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date: 30-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE 1, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/3-82/2099.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-aud bearing No.

Agr. land situated at Vill. Mehrauli, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March 1982,

market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Risal Singh and Ram Chhail ss/o Sanwat of Kishangarh, Mehrauli, New Delhi. (Transferor)

(2) H. Pershad Gupta s/o Shri Nathu Ram Gupta r/o E-54, NDSE-I, New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 8 bighas and 15 biswas M. No. 37 killa Nos. 19 (1-11), 23 (2-8), M. No. 38, killa No. 3, min (2-8), 8 min (2-8), village Mehrauli, Teh. Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date: 30-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 1, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-JII/3-82/2001.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Chandanhula, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March 1982.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Badlu 5/0 Nooi Mohd. and Chhotey Khan s/o Sullar, r/o Vill. Chandanhula, New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Shri Rama Dhar s/o Shri Gayadın Fershad r/o 35, Hanuman Road, New Delhi. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

68/362 share in agr. Innd mg. 18 bighas and 2 biswas (equal to 3 bighas and 8 biswas) khasra Nos. 4 (3-2), 5 (4-16), 10/1/1 (2-16), 94 min (2-1), 96 min (1-7), 94 min (2-8), 96 min (1-12), and also 1/2 share in khasra No. 92 (4-9) equal to (2-4), situated in village Chandanhula, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date: 30-10-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-82/2100.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Mehrauli, Teh. Meh., New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Risal Singh and Ram Chhail ss/o Sanwat r/o Kishangarh Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Gupta w/o H. Pershad Gupta r/o E-54, NDSE-I, New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 7 bighas and 4 bis. M. No. 38, killa 6 (4-16), 13 min (2-8), village Mehrauli, Teh. Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 296C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely:—

Date: 30-10-1982

PART III-SEC. 1]

FORM I.T.N.S.---

 Sh. Risal Singh and Ram Chhail Ss/o Sanwat R/o Kishangarh, Mehrauli, N.D.

(Transferor)

17481

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Bimla Gupta W/o H. Pehrsad Gupta R/o E-54, NDSE-1, N. Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/3-82/2098.—Whereas, I, NARINDAR SINGH.

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the ammovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Agr. land situated at

Vill. Mehrauli, Teh. Meh. ND

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 8 bighas and 4 biswas M. No. 37, killa No. 23 min (2-8), M. No. 38, killa No. 3 min (2-8), 4/2(3-8), village Mehrauli, Tch Meh., ND.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 30-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. IAC /Acq I/SR-III/3-82/2097.--Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

bearing No. Agr. land situated at Vill. Mehrauli, Teh. Mech., ND

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 9157);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Risal Singh and Ram Chhail Ss/o Sanwat Vill. Kishangarh, Mehrauli, New Delhi.
- (2) Smt. Bimla Gupta W/o H. Pershad Gupta R/o E-54, NDSE-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 7 bighas and 4 bis. M. No. 38, killa Nos. 8 min (2-8). 7(4-16), village Mehrauli, Teh. Meh., ND.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 30-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Risal Singh and Ram Chhail Ss/o Sanwat R/o Krishangarh Mehrauli, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Gupta W/o H. Pershad Gupta R o E-54, NDSE-I, N. Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NFW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-82/2101.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Arg, land situated at

Vill. Mchrauli, Teh. Meh., ND

tand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

New Delhi in March 82

33--356 GI/82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Age. land nig. 7 bighas and 1 biswas M. No. 38, killa Nos. 17 min (1-12) 18 min (0-17), 14(4-12), village Mehrauli, Teh. Meh., N Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 30-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/3-82/2106.-Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Agr. land situated at Vill. Mehrault, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Hari Singh S/o Niader, Vijay Kumar, Ram Aviar Sa/o Sham Lal, Magan Mala W/o Devi Das, S/o Sham Lal R/o vill. Mehrauli, New Delbi

(Transferor)

(2) Sh. Perbhu Singh S/o Lala Ram R o Vill, Kishangarh Mehrauli, N. Delhi, (Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land 1/2 share in 16 bighas and 4 biswas M. No. 31, killa No. 4/2 (2-8) 5(4-8), 6(4-12), 7(4-16), situated in village Mehrauli, N. Delhi.

NARINDAR SINGH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 30-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. 1AC/Acq.1/SR-III/3-82/2108.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Mehrauli, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

- (1) Sh. Bhim Singh, Bhan Singh Ss/o Ramji Lal, Kanahiya S/o Hirdey Ram, Partap Singh S/o Maha Singh, Saroop Singh S/o Surja, Smt. Bhan Kaur, Khazani, Udai Kaur Ds/o Surja, Om Parkash S/o Then Singh R/o Kishangarh, Mehrauli, N. Delhi.
- (2) Sh. Ashok Kumar Suti S/o Inder Lal Suri (2/3rd), Smt. Kamlesh Bhasin W/o late Om Parkash Bhasin (1/3rd), R/o S-297, Greater Kailash-II, N. Delhi.

(Transferee)

17485

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Our share in agr. land mg. 12 bighas and 13 biswas M. No. 62, killa No. 12/1 (3-15), 18(4-16), 19/1(4-2), situated in village Mehrauli, Tch. Meh. New Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 30-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

- (1) Smt. Harbans Kaur, 138, Sunder Nagar, New Delhi-3.
 - (Transferor)
- (2) Marudhar Theatres (P) Ltd., Hotel Claridges, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-82/2126.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 138, Block No. 171, situated at

Sunder Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Plot No. 138, Block No. 171, Sunder Nagar, New Delhi-3.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date . 23-10-1982 Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-82/2127.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the competent authority under Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 138, Block No. 171, situated at

Sunder Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in March, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not bene truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Harbans Kaur, 138, Sunder Nagar, New Delhi-3.
- (2) Marudhar Cultivators Private Limited, Hotel Claridges, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 138, Block No. 171, Sunder Nagar, New Delhi.

NARINDER SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 23-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1982

Ref. No. 1AC/Acq.1/SR-III/3-82/2130.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 13A/4, WEA, Karol Bagh, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Nihal Chand S/o Sh. Balwant Rai R/o 7-A/11, WEA, Karol Bagh, N. Delhi and Mr. Ram Parkash S/o Sh. Chanan Dass R/o 7-A/2, WEA, Karol Bagh, N. Delhi-5 through Mr. H. L. Grover S/o M. R. Grover as general attorney.

(Transferor)

(2) Miss Neeru Khatbhanda, D/o Mr. K. Kishore R/o No. 33, Bhagat Singh Market, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein esare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 13-A/4, constructed on a lease-hold plot mg. 208.4 sq. yds. situated at WEA, Karol Bagh, New Delhi-110005.

NARINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 23-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1982

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-II1/3-82/2134—Whereas, I, NARINDAR SINGII,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agr. land, situated at Vill. Rajokri, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the adioesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Sarti, Subhash Chander, Maya Devi, Sheo Singh, Bansi, Kishore, Munshi, Jagmal Singh, Shanti, Shawant, Hira, Surju, Raghbir, Shadi Ram, Hukam Chand, Ram Nath, all R/o Village Rajokti, Jeh Meh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Jaspal Singh Chawla S/o Kirpal Singh Chawla R/o C-4, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 16 biswas, khasra No. 483, village Rajokri, New Delhi.

NARINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 23-10-82

FORM I'INS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. 1AC/Acq.I/SR-III/3-82/2136.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Arg land situated at

Vill. Rajokri, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen yer cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Section ((1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sarti W/o Chander, Subhash Chander, S/o Chander, Maya Devi D/o Chander, Sheo Singh, Bansi, Kishore, Munshi Ss/o Man Singh, Jagmal Singh S/o Nihal, Shanti, Shawant Ds/o Nihal, Hira. Surju, Raghbir Ss/o Ramji Lal, Shadi Ram, Hukam Chand, Ram Nath Ss/o Ram Lal R/o Vill. Rajokri, New Delhi.

(Transferee)

(2) Sh. S. Nand Singh Chawla (HUF) \$\forall o\$ S. Pratap Singh Chawla R/o C-4, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 16 biswas, khasra No. 489, situated in village Rajokri, Teh, Mech., New Delhi,

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi New Delhi.

Date: 30-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1982

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/3-82/2137 —-Whereas, I. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Village Rajokri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March 82

Officer at New Delhi in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: 34-356 G1/82

- (1) Smt. Sarti W/o Chander, Subhash Chander Smt. Sarti W/o Chander, Subnash Chander
 S'o Chander Maya Devi D/o Chonder, Sheo
 Singh Bansi, Kishore Mumshi Ss'o
 Man Singh, Jagmal Singh S o Nihal, Shanti,
 Shwant S/o Nihal, Hira, Surju, Raghbir
 Ramji Lal Sludi Ram, Hukam Chand, Ram Nath
 Ss/o Ram Lal R/o Village Rajokii, New Delhi.
 (Transferor) (Transferor)
- (2) Sh. Jagat Rom Chugh (HUF) S/o Jeewan Dass, R/o C-59, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 5 bighas and 5 biswas, khasra No. 493, situated in village Rajokri, New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi,

Date: 23-10-82

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1982

Ref. No. 1AC/Acq.I/SR-III/3-82/2138 —Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at

Vill. Rajokri, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at New Delhi in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the ransfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sarti, Subhash Chander, Maya Devi, Sheo Singh, Bansi, Kishore, Munshi, Jagmal Singh, Shanti, Shawant, Hira, Surju, Raghbir, Shadi Ram, Hukam Chand, Ram Nath all R/o village Rajokri, Teh, Meh., ND

(Transferor)

(2) Sh. Paramjit Singh Chawla S/o Nand Singh Chawla R/o C-4, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 3 bighas and 11 biswas, khasra No. 490 (0-11), 492 (3-0), with well, situated in village Rajkori, New Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 23-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-II1/3-82/2139.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 'No.

Agr. land situated at

Vill. Rajokri, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at New Delhi in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Sarti, Subhash Chander, Maya Devi, Sheo Singh, Bansi, Kishore, Munshi, Jagmal Singh, Shanti, Shawant, Hira, Surju, Raghbir, Shadi Ram Hukam Chand, Ram Nath R/o Vill. Rajokri, Teh. Mech., New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Paramjit Singh Chawla S/o Nand Singh Chawla R/o C-4, Rajouri, Garden, New Delhi Karta HUF.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 6 biswas khasra No. 491 situated in village Rajokri, Teh. Meh., ND.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 23-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 231d October 1982

Ret. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-82/2140.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Agr. land situated at

17494

Vill. Rajokri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed heicto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- Smt. Sarti W/o Chander, Subhash Chander S/o Chander, Maya Devi D/o Chander, Sheo Singh, Bansi, Kishore, Munshi Ss/o Man Singh, Nihal, Singh S/o Nihal, Shanti, Shawant Ds/o Nihal, Hira, Surju, Raghbir Ss/o Ramji Lal, Shadi Ram, Hukam Chand and Ram Nath Ss/o Ram Lal R/o vill. Rajokri, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Kirpal Singh Chawla (HUF) S/o late S. Pratap Singh Chawla R/o C-4, Rajouri Garden. New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I XPI ANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Agr. land mg. 4 bighas and 16 biswas, khasra No. 482, of village Rajokri, Teh. Meh., New Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 23-10-82

 Smt Sarti, Subhash Chander, Maya Devi, Sheo Singh, Bansi, Kishore Munshi, Jagmal Singh, Shanti, Shawant, Hira, Surju, Raghbir, Shadi Ram, Hukam Chand, Ram Nath all R/o Vill Rajokii, New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh Inderpit Chawla S/o Jai Ram Chawla R/o C-57, Rajouri Garden, New Delhi (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, NEW DFLHI New Delhi the 231d October 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III 3-82/2141 —Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and

bearing No Agr land situated at Vill Rajokri New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Maich 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning ase given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agi land mg 4 bighas and 16 biswas, khasia No 494, situated in village Rajokii New Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

Date 23 10 82 Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-L, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No IAC/Acq 1/SR-III/3-82/2142—Whereas, 1, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 '(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing No. Agr. land situated at Vill. Mehrault, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as adoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Hukam Singh, Nathu Ss/o Bakhtawar, Shiv Rai Singh, Bhup Singh Ss/o Nihalu, Ranjit Singh, Haii Singh, kanwar Singh, Virender Singh, Nar Singh Ss/o Chhattai, Ranbir Singh, Rajinder Singh, Mohinder Singh S/o Kanahiya Lal, Mandeep S/o late Balwant Singh R/o Vill Katwaria Saii, New Delhi through Shiv Raj. (Transferor)
- (2) Smt Binila Gupta W/o Sh H. Pershad R/o L-54, NDSF-I, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Agi land mg 6 bighas and 19 biswas M No 38, killa No 17(3-0), 18 min (1-12), 24/1(1-11), 23/1 min (0-16), situated in village Mehrauli, Teh. Mech., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Delhi/New Delhi.

Date 30 10 82 Scal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/3-82/2143.—Whelens, I. NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Mehrauli, Teh. Meh. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

New Delhi on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Hukam Singh, Nathu
'Ss/o Shri Bakhtawar.
S Shni Shiv Raj Singh, Bhup Singh
Ss/o Shri Nihalu.
S/Shri Ranjit Singh, Hari Singh.
Kanwar Singh, Virender Singh, Nat Singh
Ss/o Shri Chhattar.
S/Shri Ranbir Singh,
Rajinder Singh, Mohinder Singh
Ss/o Shri Kanahiya Lal,
Shri Mandeep
S/o Shri Balwant Singh
r/o Vill. Katwaria Sarai,
New Delhi, through attorney
Shri Shiv Raj.

(Transferor)

(2) Shri H. Pershad S/o Shri N. R. Gupta r o E-54, NDSE-I, N. Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg 7 bighas and 14 biswas M. No. 38, Killa Nos. 18 min (1 12), 19 min (3-9), 23 min (0-16), 22/1 (1-17), situated in village Mehrauli, Teh. Meh., N. Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,I
Delhi/New Delhi

Date: 30-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Gurvinder Singh Khurana S/o Shri Avtar Singh Khurana R/o F/21 \, Last of Kailash Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Bhavani Venkataraman
 D/o Shri S. Venkataraman
 C/o Shri S. Kamalambal
 R/o D-26, First Cross Street East
 Shenoyanagar
 Madras-600030

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FI OOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acq,I/SR-III/3-82/2149.—Whereas. I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. S-148, situated at Greater Kailash-II, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULF

Property No. S-148, Greater Kailnsh-II, New Delhi-48, Area 306 sq. yds.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range,I Delhi/New Delhi

Date: 30-10-1982

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-IV/3-82/623.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/and bearing No.

Agr. Land, situated at Vil. Karawal Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

35-356 G1/82

Shri Gobind Ram, S/o
 Shii Mool Chand, R/o
 8574/3, Ara Kashan Road,
 Ram Nagar, Paharganj, New Delhì.

(Transferor)

(2) Shri Haibans Singh Chadda, S/o Shii Ram Singh, R/o 1/176, Kashmere Gate, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 4 bighas 16 biswas bearing khasra No. 34/11, situated at village Karawal Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range,I
Delhi/New Delhi

Date: 30-10-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-IV/3-82/626.—Whereas, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Karawal Nagar, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said. Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persions, namely:—

(1) Sh. Dev Raj s/o Sh. Gobind Ram r/o 8574/3, Ara Kashan Road, Ram Nagar, Paharganj, New Delhi. (Transferor)

(2) Sh. Gobind Ram Arora s/o Sh. Mehar Chand r/o 627/3, Loni Road, Shahdara, Delhi-32

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 4 bighas 16 biswas bearing khasra No. 34/10, situated at village Karawal Nagar, Shahdara, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Delhi/New Delhi

Da'e: 30-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Rcf. No. IAC/Acq I/SR-III/3-82/1979.--Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. and bearing

D-12, Nizamuddin West, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bal Krishan Malhotra s/o late Sh. Jhangi Ram Malhotra r/o 12-12. Nizamuddin West, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sarvashii Om Krishan Properties (P) Ltd., 36-H, C-Place, New Delhi through Director Sh. Lokesh Multani 9/0 late Pt. Thakui Datta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Iwo and halt storeys, built on lease-hold land mg. 200 sq yd Municipal No. D-12, Nizamuddin West, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
New/New Delhi.

Date : 30-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. LSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-82/2002.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agi. land situated at Vill Chandanhula, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Chotey Khan s/o Shti Sular r/o village Chandhanhula, Teb. Mch, New Delhi.

(Transferoi)

(2) Dalima International, 3, Sikandra Road, New Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land 39/256 share in khasra Nos. 3(3-4), 6(4-16), 16), 21(4-16), 9(4-16), situated in village Chandanhula, New Delhi equal to 6 bighas and 8 biswas out of the said khasra Nos.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
New/New Delhi.

Date . 30-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISTION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acq. 1/SR-III/3-82/2003.—Whereas, I. NARINDAR SINGH.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr land, situated at Vill. Chandanhula, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Ilability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Chotey Khan s/o Shri Sulai r/o village Chandhanhula, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dalima International, 3, Sikandra Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULF

Agi land 39/256 share in khasia Nos. 3(3-4), 6(4-16), 10/2(0-12), 11(4-16), 12(4-16), 18(4-16), 19(4-16), 20(4-16), 21(4-16), 9(4-16), situated in village Chandanhula, New Delhi equal to 6 higher and 9 biswas out of the said khasia Nos.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Dalhi/New Delhi

Date: 30-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-82/2004.---Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Satbari, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March 82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the actoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Satinder Kumar Narula s/o Shri B. R. Narula r/o E-327, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Ansal Housing & Estates (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 27 bighas and 8 biswas comprised in khasra Nos. 877(4-16), 879(3-08), 933(4-16), 934(4-16),/1 (2-14), SK 935/2(2-02) and 936(4-16), situated in village Satbarl, ND.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi,

Date: 30-10-1982

Shri Ramdhari Gupta
 Sh. Puran Chand Gupta
 r/o Chhadana, P. O. Sonepat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(12) Shri Rajiv Kapoor s/o Shri Hari Krishan Kapoor r/o C-12, Greater Kailash-I, N. Delhi minor through his father and natural guardian Sh. Hari Krishan Kapoor.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-82/2005.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Vill. Devli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March 82

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or THE SCHEDULE

Agr. land mg. 11 biswas khasra No. 681 min, situated in village Devli, N. Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-82/2022.—Whereas, I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Ghitorni, New Delhi (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1982

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

(1) Shri Arun Khanna through General Attorney (father) Col. B. N. Khanna, C-47, Defence Colony, New Delhi

(Fransferor)

(Transferee)

(2) Shii M. S. Sethi. Advocate s/o late Beant Singh & Smt. Balbii M. S. Sethi w/o M. S. Sethi i/o D-83, Ashok Vihai, Phase-I, Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

8 bighas and 1 biswas of agricultural land in village Ghitorni in bearing khasta Nos. 631, 632, 633, 739/2, 740/2 (one-half).

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi New Delhi

Date: 30-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

. ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acq. 1/SR-III/3-82/2034.--Whereas, INARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Agr. land situated at Vill. Mchrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
36—356 GI/82

(1) Smt. Shiv Dei, Shiv Kaur, Rajwati Hoshiari ds/o Ram Singh, Raja Ram 5/o Ram Singh

r/o Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Inder Lal Suri & Sons, E-248, Greater Kailash-I, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Agr. land mg. 13 bighas and 13 biswas M. No. 22, killa Nos. 5/2(0-7), 6/1(0-10), 23/1(4-0), 23/2(4-0), 23/10(4-16), village Mehrauli, Teh. Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New/New Delhi.

Date: 30-10-1982

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-82/2048,—Whereas, J. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

Agr. land situated at Vill. Mehrauli, New Delhi New Delhi on March, 1982

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rajinder Singh s/o Shri Chhattar Singh r/o Vill. Saidulajai, N. Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Qutub Lnterprises, Mehrauli, New Delhi through its partner Sh. Sudhir Kumar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 14 bighas and 4 biswas M. No. 38, killa Nos. 15(4-12), 16(4-16), 25(4-16), situated in village Mehrauli, Teh. Meh. ND.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
New/New Delhi.

Date: 30-10-1982

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acq. 1/SR-III/3-82/2060.—Whereas, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agr. land sinated at Vall Devli, Teh. Meh., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jagdish Shigh, Ajit Singh and Dhatambir Sa/o Mool Chand r/o Vill. Devli, Tch. Mch., N. Delhi through attorney Balraj Arya s/o Jage Ram r/o Vill. Devli, N. Delhi.

(Transferoi)

 M/s South Delhi Properties & Industries, G-3, Vishal Bhawan, Nehru Place, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 14 biswas bearing khasra No. 635, min, situated at village Devli, Teh. Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
New/New Delhi.

Date: 30-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, L P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-82/2061.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land sinated at Vill Devli, Teh. Meh., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagdish Singh, Ajit Singh and Dharambir ss/o Mool Chand
r/o Vill. Devli, Teh. Meh., N. Delhi through attorney Balraj Arya s/o Jage Ram
r/o Vill. Devli, N. Delhi.

(Transferor)

(2) M/s South Delhi Properties & Industries, G-3, Vishal Bhawan, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 14 biswas bearing khasra No. 635, min, situated at village Devli, Teh. Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New/New Delhi.

Date: 30-10-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-82/2062.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vi'l Devli, Teh. Meh., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jagdish Singh, Ajit Singh and Dharambir ss/o Mool Chand r/o Vill. Devli, Teh. Meh., N. Delhi througa attorney Balraj Arya s/o Jage Ram r/o Vill. Devli, N. Delhi.

(Transferor)

(2) M/s South Delhi Properties & Industries, G-3, Vishal Bhawan, Nehru Place, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 14 biswas bearing khasra No. 635, min, situated at village Devli, Teh. Meh., New Dolhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
New/New Delhi.

Date: 30-10-1982

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-82/2064.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Vill. Ghitorni, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Hari Chand s/o Ghisa r/o Ghitorni, New Dolhi.

(Transferor)

(2) Devinder Singh s/o Shamsher Singh r/o C-11, Ring Road, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in agr. land mg. 33 bighas and 2 biswas khasra Nos. 18(4-16), 19(4-12), 28(4-16), 39(4-16), 57(4-16), 58/1(2-8), 63/1/2(1-8), 298/66(0-14), 367(4-16), situated in village Ghitorni, Teh. Meh., ND.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-I,
New/New Delhi.

Date: 30-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Hari Chand 5/0 Ghisa r/0 Ghitorni, New Delhi.

(Transferor)

 Devinder Singh s/o Shamsher Singh r/o C-11, Ring Road, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J. P. ESTATE, NFW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acq. 1/SR-III/3-82/2065.—Whereas, 1, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Ghitoini, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

New Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th shale in agr. land ong. 33 bighas and 2 biswas khasla Nos. 18(4-16), 19(4-12), 28(4-16), 39(4-16), 57(4-16), 58/1(2-8), 63/1/2(1-8), 298/66(0-14), 367(4-16), situated in village Ghitorni, Teh. Mch., ND.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
New/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 30-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-82/2076.—Whereas, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Gadaipur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Lt. Col. Malkeet Singh Jarg s/o Sh. Ajmer Singh Jarg r/o C-1, Panchsheel Enclave, New Delhi.

(Transferor)

 Mrs. Geeta Chopra w/o Shri Raj Chopra r/o J-11, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 2 bighas and 8 biswas khasra No. 600/1, situated in village Gadaipur, Tch. Meh., N. Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
New/New Delbi.

Date: 30-10-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Lt. Col. Malkoot Singh s/o Sh. Ajmer Singh Jarg r/o C-I, Panchsheel Fuclave, New Delhi.

(Transferor)

 Mrs. Geeta Chopra w/o Shri Raj Chopra r/o J-11, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-82/2077.—Whereas, INARINDAR SINGH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

Agr. land situated at Vill. Gadaipur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—
37—356GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 1 bighas and 2 biswas khasia No. 600/3, situated in village Gadaipur, Teh. Meh., N. Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
New/New Delhi.

Date: 30-10-1982

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Lt Col Malkeet Singh Jarg s/o Sh Ajmer Singh Jarg r/o C-1, Panchsheel Enclave, New Delhi

(Iransferoi)

(2) Mrs. Geeth Chopra w/o Shri Raj Chopti i/o J 11 Green Paik New Delhi

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1

G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING I P FSTATE NEW DELHI

New Delhi the 30th October 1982

Ref No 1AC/Acq I/SR III 3 82/2078 — Wholeas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-fax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market vilue exceeding

able property having a fair market vilue exceeding Rs 25 000 - and bearing No Agr land situated at Vill Gadaipur, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr land mg 2 bighas and 8 biswas khasra No 600/2, situated in village Gadaipur Teh Mch N Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New/New Delhi

Date 30-10-1982 Seal

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, L P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-82/2146.--Whoreas, 1 NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

1-B/185 situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

New Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dina Nath Gupta s/o Shri Sohan Lal r/o Ist B-186, Lujpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Rani w/o Shri Suraj Parkash Arora r/o 1-B/185, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1-B/185, Lajpat Nagar, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New/New Delhi.

Date: 30-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1, P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1982

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-82/2150,—Whereas, INARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Mehrauli, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the 'ollowing persons, namely:—

Shri Bhima
 s/o Shri Hukmi
 r/o Vill. Kıshangarh, Mehrauli,
 New Delhi.

(Transferor)

 Balbir Singh s/o Jot Ram r/o Vill. Kishangarh, Mchrauli, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 14 bighas and 9 biswas M. No. 69, killa No. 12(4-12), 19(4-16), 21/2(1-15), 22(3-2) 4½ share in khasra No. 27 min (0.8), equal to 4 biswas, 1/2 share in tube-well, situated in village Mchrauli. Teh. Meh., ND.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
New/New Delhi.

Date: 30-10-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Santosh Kumari Malhotra r/o J-30, Lappat Nagar-III, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Dhan Raj r/o J-30, Lajpat Nagar-III, New

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE, **NEW DELHI**

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/58.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. J-30, situated at Lajpat Nagar-III, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at New Delhi in April 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1½ storeyed house bearing No. J-30, Lajpat Nagar-JII, New Delhi, measuring 271.5 sq. yds.

> NARINDAR SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 3-11-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/152.--Whereas I. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing Plot No. D/13, situated at Kalkaji, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in April 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Smt. Vimla Bhasin w/o Shri (late) O. P. Bhasin, Shri Anil Bhasin, Shri Ajoy Bhasin, Shri Arun Bhasin and Shri Avinash Bhasin ss/o late Shri O. P. Bhasin, for themselves and as "Kartas" of their respective Joint Hindu families r/o C/233, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Ravi Industrial Promotions Ltd., at 24, Community Centre, East of Kailash, New Delhi and M/s Giltedged Industrial Securities I.td., at 24, Community Centre, East of Kailash, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D/13 in Kalkaji Rehabilitation Colony, New Delhi mg. 1067 sq. yds. equal to 892.15 sq. mt.

> NARINDAR SINGH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 3-11-1982

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 1 G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATF, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/168.—Wherens I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Shop Plot No. 15 in block M. situated at Greater Kailash-II, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi in April 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

 Shri Narain Singh s/o Shri Moti Singh, r/o C-132, Greater Kallash-II, New Delhi.

(Transferoi)

(2) M/s Λ. K. Verma & Associates through its Part ner Sh. H. S. Verma r/o, 114, First Floor, Deepali Bldg., Nehru Place, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop Plot No. 15 in block M mg. 195 sq. yds. in Greater Kailash-II, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 3-11-1982

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/171.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. III-D/8, situated at Lajpat Nagar, New Delhi, in April 1982,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S. Tej Singh s/o Shri Harnam Singh, r/o A-15/4, Rana Partap Bagh, Delhi.

("Transferor)

(2) Shri Hans Raj s/o Shri Ram Tikkaya I/o III-D/8, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. III-D/8, Lajpat Nagar, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 3-11-1982

Seal;

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/195.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-74, situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in April 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
38-—356GI/82.

 Deeper Const. (Delhi) P. Ltd., A-30D, DDA. Flats Munirka, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gurvinder Singh Khurana & Shri Davinder Singh Khurana, r/o M-74, Greater Kailash-II, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. M-74, Greater Kailash-II, New Delhi

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Delhi /New Delhi

Date: 3-11-1982

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 1 G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-82/2037.—Whereas I. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1.24, situated at New Rajinder Nagar, New Delhi,

A-24, situated at New Rajinder Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shanti Devi w/o late Roshan Lal, Smt. Krishna Kanta w/o Shri Hua Lal, holli r/o 381, Type-II, Scc. II, Sadiq Nagar, New Delhi, Smt. Azad Ram w/o Surinder Kumur Dogra r/o 172, Type-III, Scch. III, Sadiq Nagar, New Delhi and Shri Vijay Kumar s/o Roshan Lal r/o 3072, 208-A. Gali No. 10, Ranjit Nagar, New Delhi.

(2) Shri Mohan Lal Jain s/o Shri Chauan Lal Jain, Padam Kumar Jain s/o Mohan Lal Jain and Siri Pal Jain s/o Mohan Lal Jain r/o A-24, New Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. A-24, New Rajinder Nagar, New Delhi measuring 128 sq. yds. 4/14, undivided share.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Delhi/New Delhi

Date: 11-11-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-82/2041.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. A-24, situated at New Rajinder Nagar. New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dharam Pal s/o late Roshan Lal r/o WZ-45A, Rattan Park, New Delhi.

(2) Shri Mohan Lal Jain s/o Chanan Lal Jain,
Padam Kumar Jain s/o Mohan Lal Jain and
Siri Pal Jain s/o Mohan Lal Jain
r/o A-24, New Rajinder Nagar, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person micressed in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/14th undivided share of property No. A-24, measuring 128 sq. yds. New Rajinder Nagar, New Delhi.

NAKINDAR SINGH
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 11-11-1982

Seal

FORM ITNS-----

(1) Smt. Amrita Ghosh, 17/C, Bose para Lane, Calcutta-5

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

17526

(2) Sri Jayanta Ki Baneijee and Smt Supriti Bancijee, 29H/1C Beer para Lane, Calcutta 30

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II CALCUTTA

Calcutta the 8th November 1982

Ref No AC-15/R II/Cal/82-83 - Wherens J C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No 29H/IC situated at Beer Para Lane, Calcutta-30, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRA Calcutta on 26 3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid pro

perty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesoid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

l xplanation :—The terms and expressions used herein 43 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meining as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys co other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Area 1k 2ch 7 sq ft at 29H/1C Beer para Lane, P S Chitpore, Calcutta More particularly described in deed No 2872 of SRA Calcutta of 1982

THE SCHEDULE

C ROKHAMA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Calcutta

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

Date 8-11-1982

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOM-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE U CALCUTTA

Calcutta, the 8th November 1982

Ref. No. AC-21/R-II/Cal/82-83 —Whereas I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

51 Rajshree situated at 6. Hastings Park Road, Alipore, Calcutta-27,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R.A. Calcutta on 23-3-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof for more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s Ashoka Marketing Ltd., 5, Parliament Street, New Celhi.

(Transferor)

 M1. Nemichand Jain, Apart No. 51, Rajshree, 6-Hastings Park Road, Alipore, Calcutta-27.

(Trunsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said yproperty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Apart No. 51 Rajshiee, 6-Hastings Park Road, Alipore, Calcutta-27. More particularly described in deed No. 2461 of R.A. Calcutta of 1983.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 8-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II CALCUTTA

Calcutta, the 8th November 1982

Ref. No. AC-16/B-II/302/82-83.---Wherens I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 76, situated at Narkeldanga North Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R.A. Calcutta, on 22-3-82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market allive of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mia Jan,

76, Narkeldanga North Road, Calcutta-11.

(Transferor)

(2) Sahib lan,

76, Narkeldanga North Road, Calcutta-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

\text{\text{rea}}: 2K \text{\text{Tch.}} only with three storted building half share at 76, Narkeldanga North Road, P. S. Narkeldanga, Calcutta, More particularly described in deed No. 2403 of S.R.A. Calcutta of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Date : 8-11-1982

Soul:

FORM ITNS-- --

(1) Hemanta Kr. Chaturbbur, 29 Gane le Avenue, Calcutta 13

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Sci Ram Prakash Bhalla, 23 v '142, D.H. Road Calcutta

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II CALCUTTA

Calcutta, the 8th November 1982

Ref. No. AC-17/R-II/Cul/82-83.- - Whereas I. C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F/No. 3 in the 1st floor situated at 23A/142, D.H. Road, 'G' Block, Calcutta-53,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

D.R. Alipore, 24-Pargs on 29-3-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating of concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tux Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in viiting to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in ChapterXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 1220 Sq. Ft. (approx.) being flat No. 3 (1st floor) Premises No. 23A/142 D.H. Road, 'G'-Block, Calcutta-53. More particularly described in deed No. 3945 of D.R. Alignes 24 Pages of 1992 pore 24-Pargs of 1982.

> C. ROKHAMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Calcutta

Now, therefore in purruance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Seal:

Date: 8-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mera Saha and 6 ors. 1/13, Dover Place, Calcutta 19.

(Transferor)

(2) Smt. Nupui Sengupta, 69/1, S.K. Deb Road, Calcutta-48.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-EL CALCUTTA

Calcutta, the 8th November 1982

Ref. No. ΛC-18/R-II/Cal/82-83.—Whereas I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. Satgachi situated at Dum-Dum, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

D.R. Alipore, 24-Pgs. on 26-3-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 4K, 14ch. 25 sq. ft. (with two storied Bldg) at Satgachi P.S. Dum-Dum Calcutta. More particularly described in deed No. 3848 of D.R. Mipore, 24-Pgs. of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 8-11-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 8th November 1982

Ref. No. AC-19/TR-II/Cal/82 83 —Whereas, I C. ROKHAMA.

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a feir market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6H Rajshree situated at 6, Hastings Park Road, Alipore, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

R.A. Calcutta on 25-3-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Yax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—39—356GI/82

(1) M/s Ashoka Marketing Ltd., 5, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(2) J. K. Grover, Prop. J. Kishore Co. of J. Kishore Exports Pvt. Ltd., P-36, India Exchange Place, Calcutta-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this netice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apart No. 51, Rajshree, 6, Hastings Park Road, Alipore, Calcutta-27. More particularly described in deed No. 2461 of R A. Calcutta of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 8-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Ashoka Marketing Ltd., 5, Parliament Street, New Diehi.

(Transferor)

(2) Techno Pack Pvt. Ltd., Apart No. 10D, Rajhans, 6-Hastings Park Road, Alipore, Calcutta-27.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE-II. CALCUTTA

Calcutta, the 8th November 1982

Ref. No. AC-20/R-II/Cal/82-83.--Whereas I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10D, Rajhans situated at 6-Hastings Park Road, Alipore, Calcutta-27,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at D.R. Alipore, 24-Pargs on 25-3-1982, for an apparent consideration

ror an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

10D, Rajhans, 6-Hastings Park Road, Alipore, Calcutta-27. More particularly described in deed No. 2538 of R.A. Calcutta of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 8-11-1982

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Syed Mahmood Husain Afaq Rizvi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) National Sahkari Avas Samiti Ltd., Mehdiganj, Lucknow.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Wags.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 5th August 1982

G.I.R. No. N-49 / Acq.—Whereas 1,

A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Arazi land situated at Mehdiganj, Lucknow,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow in March, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Arazi land measuring 88796 sq. ft. situated at Mehdigani, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2742/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on March 1982.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-8-1982

FORM ITNS----

(Transferor)

(2) Smt. Satti Dhillon.

(1) Shri Sri Ram Bhashin.

(Transferce)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 16th October 1982

G.l.R. No. 5-243/Acq.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Land situated at Udaipur Khas, Bareilly, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 12-3-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi land measuring 500 sq. yds. situated at Udaipur Khas, Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 3210/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Bareilly, on 12-3-1982,

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the raid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-10-1982.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 23rd August 1982

G.I.R. No. M-140/Acq.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Building No. 117 situated at Model House, Laxmi Sahai Road, Lucknow,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 17-3-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Tara Datt Pande through his son, Dr. J. K. Pandev.

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Kumai Singhal,

(Transferce)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed building No. 117, measuring 4150 sq. ft. situated in Model House (Laxmi Sahai Road), Lucknow and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1256/82, which have duly been registered in the office (f the Sub-Registrar, Lucknow, on 17-3-1982.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 23-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 23rd August 1982

G.1.R. No. S-239/Acq.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. B-40 situated at E Road, Mahanagar Extension Scheme, Lucknow,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 26-3-1982.

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hargovind Parshad Srivastava and Surendra Parshad Srivastava sons of late Sri Sant Parshad. (Transferor)
- (2) 1. Shri Shyam Sunder Singhal S/o Late Lala Alauti Ramji.
 - 2. Shri Yogendra Prakash Singhal.
 - Shri Rakesh Kumar Singhal.
 Virendra Kumar Singhal.
 - Suresh Kumar Singhal Sons of Shri Shyam Sunder Singhal.

(Transferce)

(3) Above vendees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Leasehold plot No. B-40, measuring 8482 sq. ft. situated at E-Road, Mahanagar Extension Scheme, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1346/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 26-3-1982.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 23-8-1982

Scal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 5th July 1982

Ref. No. A-260/82 83/DBH/173-82.—Whereas I, E J. MAWLONG,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Dag No. 1221/1848 7 Patta No. 593 (old), 740 (new) situated at Basti No. 1 of Dhubri Town,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhubri on 11-3-1982,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising form the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cupht to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth the Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) 1. Smt. Danujdalani Choudhuram, W/o Late Ranjit Narayan Choudhury, Ward No 1, PO. Dhubri .

2. Sri Rajat Narayan Choudhuri, Sfflo I ate Ranjit Narayan Choudhuri, Ward No. 1, P.O. Dhubii.

(Tunsferor)

(2) Sri Pramatha Ranjan Paul, S/o Late Sreebash Ch. Paul, C/o M/s Mahamaya Bhander, Chowk Bazar, P.O. Dhubri

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the baid property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 katha 81 lachas covered by Dag No. 1221/1848 and Patta No. 593 (old), 740 (new) of Basti No. 1, Dhubri town

E. J. MAWI ONG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Shillong

Date: 5-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 5th July 1982

Ref. No. A-259/82-83/DBH/159-68.—Whereas I, E. J. MAWLONG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Dag No. 1221/1848 & Patta No. 593 (old), 740 (new) situated at Basti No. 1 of Dhubri Town.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhubri on 11-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Danujdalani Choudhurani, W/o Late Ranjit Narayan Choudhury, Ward No. 1, P.O. Dhubri.

Sri Rajat Narayan Choudhuri,
 S/o Late Ranjit Narayan Choudhuri,
 Ward No. 1, P.O. Dhubri.

(Transferor)

(2) Sri Kalipada Paul, S/o Late Surender Ch. Paul, C/o M/s Mahamaya Bhander, Chowk Bazar, P.O. Dhubri.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 katha 8½ lachas covered by Dag No. 1221f/1848 and Patta No. 593 (old), 740 (new) of Basti No. 1. Dhubri Town.

E. J. MAWLONG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Shillong

Date: 5-7-1982

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd November 1982

Ref. No. RAC 279/82-83.—Whereas I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-2-120 situated at M. G. Road, Secunderabad

No. 2-2-120 situated at M. G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—40—356GI/82

 Shri Ratan Kumar Rathi S/o Sri Laxminarayana Rathi 61-A Mahatma Gandhi Road, Sceunderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Suryodaya Associates 61-A Mahatma Gandhi Road, Secunderabad, Managing partner Smt. Phool Kanwar Kabra W/o Sri S. L. Kabra 3-2-853 Chitrakoot Building Kachiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2-2-120 situated at Mahatma Gandhi Road, Secunderabad area 56 sq. yards registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Doc. No. 224/82.

M. IEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-11-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3td November 1982

Ref. No. RAC 280/82-83.—Whereas I, M. JEGANMOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 2-2-120 situated at M. G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

 Shri Ratan Kumar Rathi S/o Sri Laxminarayan Rathi 61-A Mahatma Gandhi Road, Secunderabad

(Transferor)

(2) M/s. Suryodaya Associates
 61-A Mahatma Gandhi Road,
 Secunderabad,
 Managing partner Sint Phoof Kanwar Kabia
 W/o Sri S. L. Kabia
 3-2-851, Chittakoot,
 Kachiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 day, from the date of the publication of this nonce in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No 2-2-120 situated at Mahatma Gandhi Road, Secunderabad area 48.88 sq. yards registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Doc. No 288/82.

M. IEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date · 3-11-1982

Scal:

(1) M/s. Kabra & Company, 61, M.G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Andhra Industrial Works,C-2 Industrial Estate,Post Box No. 20, Cuddapah-516004.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad, the 3rd November 1982

Ref. No. RAC 281/82-83 —Whereas I, M. Il'GANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 2-2-132 situated at M. G. Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secundariabad in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Office No. 207 in Building No. 2-2-132 to 135, 135/1, 135/2 and 136 to 139 at M.G. Road Secunderabad area 52.52 sq. yards registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Doc. No. 205/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd November 1982

Ref. No. RAC 282/82-83.—Whereas, 1, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Thokatta Village, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maredpally on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bangari Danaiah & 7 others GPA V. Premanadam S/o Somalingam Chinna Thokatta Village, Secunderabad Cantt.

(Transferee)

(2) Sri Malani Co-operative Housing Society Ltd. Reg. TAB-448 1-10-316 Bapuji Nagar, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person Interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Agricultural land Survey No. 83 Chinna Thokatta Village Secunderabad Cantt. area 3000 sq. yards registered with Sub-Registrar Maredpally vide Doc. No. 616/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd November 1982

Ref. No. RAC 283, 82-83.—Whereas I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and being No.

Land situated at Chinna, Thokatta, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Maredpally on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bangari Danaiah & 7 others GPA V. Premanandam S/o Shri Somalingam Chana Thokatta Village, Secunderabad Cantt.

(Transferor)

 (2) Sri Malani Co-operative Housing Society TAB-448
 1-10-316 Bapujinagar, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land survey No. 83 area 3000 sq. yards at Chinna Thokatta Village, Secunderabad registered with Sub-Registrar Maredpally vide Doc. No. 577/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-11-1982

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

· ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd November 1982

Ref. No. RAC 284/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Habsiguda Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Uppal on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri N. D. Rawala, Managing partner of M/s. Sunain 3-3 Kakateeyanagar Habisguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri V. K. Ravi Plot No. 17 Padmarao Nagar Secunderabad (Flat No. 4 6-18 Scientist Colony Habisguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 4 6-18, Scientist colony Habisguda, Hyderabad registered with Sub-Registrar Uppal in March 1982, vide Doc. No. 1112/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Cu umissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-11-1982

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd November 1982

Ref. No. RAC 285/82-83,—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Habisguda, Secunderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Uppal on March, 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propery, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with he object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Sunain Managing partner Sri N. D. Rawal F/4 3-3 Kakateeyanagar Habisguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmla Parthasarathy W/o Mr. T. S. P. Sarathy 12-10-92/2 Seethapalamandi, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersinged :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 on Plot No. 16 B survey No. 221/1 and 222/2 Nacharam, Habisguda R.R. Dt. registered with Sub-Registrar Uppal vide Doc. No. 1113/82,

M. JEGANMOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-11-1982

FORM I.T N S.

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP)

Hyderabad, the 3rd November 1982

Ref No RAC/286/82-83 —Wherens I, M JFGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ind bearing No Land situated at Madinaguda RRDt (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

RR Dt on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1 Sri D Chaganlal S/o Shri D Ramchander, H No 5-9 1054/55,
 - 2 Sri K Surender Rao II No 195 B S Nagai, Hyderabad,
 - 3 Sri C Rajagopalatao,
 - H No 8 3 214/3 Srinivasa nagar, 4 Smt C Papayamma, 8 3-214/3, Srinivasanagai,
 - 5 Su K Ramakrishna, 8-3-222/A Vengalaraonagai, Hyderabad

(Fransferor) (2) M/s Uday Co-operative House Bldg Society Ltd President Sri K. Koteswar Rao R/o 2 226/1 Fathenagar, Hyderabad-18

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agl Land in Survey No. 48 area 4 acres at Madinagadda RRDt, registered with Sub-Registrar RRDt vide Doc No 2210/82

> M JEGANMOHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Date 3-11-1982 Scal -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd November 1982

Ref. No. RAC 287/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aaid Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land situated at Maredpally, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/oc
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-us. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

41—356GI/82

(1) Sri Sitalpershad Srivastava S/o Shri Gulab Rai Srivastava R/o 8-2-401. Road No. 5, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Ravi Co-operative Housing Society Ltd. Rcg. No. TAB 22 Rep. By K. Ashok kumar 1-3-899 Kavadiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 14 Acs 31 guntas Sl. No. 74/3 East Maredpally Secunderabad registered with Sub-registrar Hyderabad vide Doc. No. 1433/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-11-1982

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd November 1982

Ref. No. RAC 288/82-83.—Whereas, I.

M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvement of the second section 1961. movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at St Road, Warangal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Arperapally on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Erasani Rami Reddy and others Kesamycharam Mahaffad Warangal Dt.

(Transferor)

(2) Sri V. Purushotham Reddy Sri V. Narendra Reddy H. No. 8-9-1 Station Road, Warungal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein es are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. 8-9-1 Station Road Warangal registered with Sub-Registrar Arpena pally vide Doc. No. 2178/82.

> M. JEGANMOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-11-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd November 1982

Ref. No. RAC 289, 82-83.—Whereas, f, M. JEGAN-MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12-2-823, A/28 situated at Mehdipatnam, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad in March 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid etc. Is the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Qamai Ragia Sultana H. No. 12-2-823/A/28 Mehdipatnam, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt, Amtul Fathima W/o Sti Ashfaq Ahmed Khan H. No. 12-2-823/A/28 Santoshnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I VPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H No. 12-2-823/A/28 Santoshnagar, Mchdipatnam, Hydenabad registered with Sub-Registrar Khairatabad vide Doc. No. 624/82.

M. JEGANMOHAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-11-1982. Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Sultanunnisa Begum & Sri Mohsin H. No. 11-4-627 A.C. Guards, Hyderabad

(Transferor)

(2) (1) R. Padma Raju S/o R. Bhimaraju and 8 others all partners of Rudraraju Builders 418/3RT Sanjeevareddy nagar, Hyderabad (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd November 1982

Ref. No. RAC 290/82-83.-Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-2-6 situated at A. C. Guards, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazete.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect and/of of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 10-2-6 A.C. Guards Hyderabad area 800 sq. ft registered with sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 2071/82.

> M. JEGANMOHAN. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 3-11-1982.

Scal.

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd November 1982

Ref. No. RAC 291/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot situated at Panjagutta, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. S. Vanaja W/o Sri S. Venkataram Reddy Cherukupalli village Zaheerabad tq. Medak Dt.

(Transferor)

(2) Dr. Mrs. Suhasini Vikram Simha Reddy H. No. 283/A CIB Blocks Agapura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 31 (two parts) in Survey No. 127, 134 & 141 Panjagutta, Khairatabad Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 2006/82.

M. JEGANMOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-11-1982.

Seal.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 31d November 1982

Ref. No. RAC 292/82-83.—Wheelds, I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Flat situated at Khairatabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Acc 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Inometrix Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/, Shajahan Apartments H. No. 6-2-974 khairatabad, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Smt. Halcema Bec Fiat No. 302 Shajahan Apartments H. No. 6-2-974 Khamatabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explination.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302 Shajahan Apartments Kharratabad Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc No. 2488/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date 3-11-1982. Seal.

FORM 1.1.N.S.---

رمرسميد ما معجد معربية ماسي

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri Habeebuddin Khan GPA Smt Sahanaz Begum H. No. 6-3-1219/1 Umanagar, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Smt. Shaheda Begum W/o Sti A, Samad H, No. 6-3-577 Green Villa Khairatabad, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd November 1982

Ref. No. RAC 293/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

6-3-1219/1 situated at Umanagar, Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and core
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said. Act or the Wienth to Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property size be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 6-3-1219/1 Umanagar Begumpet Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc, No. 1635/82.

M. JEGANMOHAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Act, I herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-11-1982.

Seal.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad, the 5th November 1982

Ref. No. RAC/294/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

384/A situated at Dargamitta Nellore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Chinni China Subbarayudu S/o Subbaiah Attitota Agraharam, Nellore.

(Transferor)

 Smt. Chalamcherla Vasanta Sena W/o Krishnareddi Muddivartipalam Indukurpeta Tq. Nellore Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at door No. 384/A in Dargamitta ward No. 24 of Nellore Town registered with Sub-Registrar Nellore vide Doc. No. 1154/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-11-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri Siddavarapu Ramalingareddy & 2 others Darga Mitta, Nellore.

(Transferor)

(2) Smt. Dontamsetti Padmavati W/o Sri Narasimha Rao, Smt. Dontamsetti Dakshayana W/o Sriramachandra Gupta Pedda Bazar, Nellore,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Rcf. No. RAC 295/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 368/A situated at Krishnapatnam, Nellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitaiting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House property at Door No. 368/A Krishnapatnam Road, Nellore registered with Sub-Registrar Nellore vide Doc. No. 1006/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
42—356GI/82

Date: 4-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Abdul Sayeed Khan S/o Abdul Majeed Khand Haralalim Street, Nellore.

(Transferor)

(2) Duvvury Balaramireddy Duvvury Narayanreddy. Duvvury Sudhakar Reddy Mallam Nellore Dt.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref. No. RAC 296/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. Site situattd at Nellore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site in Nellore Bit 1 CAS No. 577/ 2 extent 31 cents registered with Sub-Registrar Nellore vide Doc. No. 874/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-11-1982

FORM LTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Abdul Majeed Khan S/o Ahmed Ali Khan Haralalim Street, Nellore.

(Transferor)

(2) Duvvury Balaramireddy Duvvury Narayanreddy Duvvury Sudhakara Reddy Mallam Nellore Dt.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th November 1982

Ref. No. RAC 297/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Nellore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:~

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site at Nellore Town CAS No. 577/2 area 31 cents registered with Sub-Registrar Nellore vide Doc. No. 875/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD 4 l')
Hyderabad, the 4th November 1982

Ref No RAC 298/82-83 —Whereas, I, M JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Inome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Land situated at Nellore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellote on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mohd Najarunnisa Begum W/o Mohd Badruddin Haralalim Street, Nellore

(Transferor)

(2) Duvvury Balaramreddy Duvvury Narayanreddy Duvvury Sudhakar Reddy Mallam Nellore Dt

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site at Nellore Town CAS No. 577/2 area 31 cents legistered with Sub-Registrar Nellore vide Doc No 870/82

M. JEGANMOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Date 4 11-1982 Seal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref. No. RAC 299/82-83.—Whereas, I, M. JFGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Nellore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Syed Basheerunnisa Begum, W o Shti Dastagiri Haralalim Street Nellote.

(Transferor)

- (2) (1) Duvvury Balaramireddy,
 - (2) Duvvury Narayanteddy,
 - (3) Duyvury Sudhakar Reddy, Mallam Nellore Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Site at Nellore Town CAS No. 577/2 area 31 cents registered with Sub-Registrar Nellore vide Doc, No. 869/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Sri Prattipati Subbaramayya S/o Shri Subbayya Sodhan Nagar Nellore,

(Transferor)

(2) Sri Ramadhenu Jaganmonatarao S/o Shri Suryarao, Pogatota Nellore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref. No. RAC 300/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1227/13C situated at Nellore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nessor on March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at door No. 1227/13-C Sadhana Nagar Behind RTC Bus Stand Nellore registered with Sub-Registrar Nellore vide Doc. No. 1187/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-11-1982

PART III—SEC. 1]

FORM J.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th November 1982

Ref. No. RAC 301/82-83,--Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Tirupathi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Chittoor on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any facome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Kum. Paladuga Rajeswari D/o P. Padmanubhan, 553, Balaji colony Tirupathi and V. Padmavalliamma W/o Late V. Sundarabhasyam Naidu 15, Gunga Nagar, Madras-600 024.

(Transferor)

17561

(2) M. Chandrababu Naidu S/o M. Krishnama Naidu. 32, 19th Ward Tiruchanoor Road, Tirupathi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at door No. 2-C situated in 19th ward Tiruchanur Road in Tirupathi registered with Sub-Registrar Chittor vide Doc. No. 1777/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the

following persons, namely :-

Date: 4-11-1982

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR

BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 9th November 1982

Ref. No. III-607 Acq./82-83.—Whereas, I, P. K. DUBLY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Plot No. 408. Khata No. 144, Mouza Bhagatdih No. 139, situated at Mouza Bhagatdih, P.S. & Pragna Jharia, Dist. Dhanbad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 30-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Manibai Khatau Shethia W/o Late Khataw Mavji Shethia, R/o Khatau Shethia Bunglow, Bastacola, P.O. Dhansar, P.S. Jharia, Dist. Dhanbad, (Transferor)
- (2) Shri Surdar Gurbachan Singh Duggal S/o I ate Gopal Singh Duggal, R/o Bastacola, P.O. Dhansar, P.S. Iharra, Dist. Dhanbad.

(Transferee)

(3) (1) Sri S. N. Mathur, Dy. Commissioner of Sales-Tax.

(2) Sri Raj Bali Singh, Superintendent of Sales-Tux.

(3) Sri Kameshwar Singh, Superintendent of Sales-Tax.

(4) Sardar Gurbachan Singh Duggal (Now owner) S/o Late Gopal Singh Duggal, All R/o Bastacola, P.O. Dhansar P.S. Jharia, Dhanbad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 77 Kathas 12 Chhataks and 2 Square Yards with pucco building situated at mouza Bhagatdih, P.S. & Pragna Jharia, Dist. Dhanbad and morefully described in deed No. 4026 date 30-3-1982, registered with D.S.R. Dhanbad.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar,
Patna

Date : 9-11-1982

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE
12, SADHU WASWANI CHOWK, POONA-1

Poonta-1, the 28th October 1982

Ref. No. CA5/767/SR Karvir/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. CTS No. 249/A, Plot No. 1/51, Nagala Park situated at Dist. Kolhapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at S.R. Karvir on 12-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
43—356G1/82

 Soul Sushila Balasaheb Naik.
 E Ward, Vishalgad House, Post New Palace, Kolhapur.

(Transferor)

(2) Chief Promotor, Shri R. B. Chhutani, Madhukuni Co-operative Housing Society Ltd., 1/51, Ward E, Nagala Park, Kolhapur.

((Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Plot CTS No. 249/A, Plot No. 1/51, Nagala Park,

(Property as described in the sale deed registered under document No. 854, in the office of the Sub-Registrar, Karvir on 12-3-1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 28-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGAI ORE-560 001

Bangalore-560 001, the 14th June 1982

Notice No. 433/32-83.--Where is, I, MRS MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 71/2A(a) situated at Hiriyur,

(and more fully described in the Schedule annexed herero), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hiriyur Under Document No. 2141/81-82 on 4-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby include proceedings for the acquisition of the afor, aid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: ---

- (1) (1) Dr. R. Rangaiah.

 - (2) Smt. Jayamma, (3) Smt. N. Muddamma, R/o Hiriyur.

(Transferor)

(2) Shri Hanumanthappa S/o Shri Odho Ningappa of Chitradurga.

(Transferee)

(3) As per St. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property (Person whom hie undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2141/81-82 dated 4-3-1982). Land bearing S. No. 71(2A)(a) measuring 10.34 gunthas situated at Hiriyur.

MANJU MADHAVAN. Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquirition Range, Bangalore

Date: 14-6-1982

Scal;

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 15th September 1982

Notice No. 455/82-83/Acq./D.-Whereas, I. MRS. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Municipal No. 1348 & Khata No. 1351 situated at Kadur Mangalore Road, Chikkamagalur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkamagalore, Under Document No. 2029 on 18-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or 'the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate procedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) (1) Mr. H. K. Prasanna Kumar,

 - (2) Mr. H. K. Vijaykumar, (3) Mr. H. K. Sachidanand, (4) Shri H. K. Mahadev, sons of Late H. K. Chandrasekhar, R/o 428, 12th Cr Rajaji Nagar, Bangalore, 12th Cross West of Chord Road,

(Transferor) (2) Mr. P. K. Subbaiah S. o Mr. P. S. Kuttapp, R/o Kadui Mangalore Road, Chikkamagalur-

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2029/81-82, dated 18-3-1982) Property bearing Municipal No. 1348 (Old No. 1193) Ishata No. 1351 (Also old No. 947 & 968 & 948) situated on the Western row of K. M. Road, Chikkamagalur.

> MANJU MADHAAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 15th September 1982

Notice No. 454/82-83.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Municipal Khata No. 2188 situated at II Cross Park Road, Northern Extension, Hassan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hassan Under Document No. 2987, on 30-3-1982 for an apparent consideraion which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Shri Janardhan Prabhu, Development Officer, United India, Insurance Co., Ltd., Hassan.
 Shri K. Ralachandra, S./o. Shri K. C. Karigouda

(2) Shri K. Balachandra, S/o Shri K. C. Karigouda, Mosale Hosahally, P.O. Hassan, Taluka.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2987/82-83, dated 30-3-1982). Residential property situated at II Cross Park Road, Northern Extension, Hassan, bearing Municipal Khata No. 2188.

MANJU MADHAAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th October 1982

C. R. No. 62/34608/81/82/Acq.B.—Whereas, I. MRS. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

45 and 46 situated at II Main Road, Tata Silk Farm, Basevangudi, Bangalore-4.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar on 20-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri S. Jagannathan, 34, 20th Main Road, II Block, Rajajinagar, Bangalore-10.

(Transferor)

 (2) Shri D. Subramanya,
 Shri D. Jayarama Uaidu,
 26, IV Shop Street, Tata Silk Farm, Basavangudi, Bangalore-4. (Transforce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5461 dated 20-3-1982).

Shed in No. 45 & 46, II Main Road, Tata Silk Farm, Basavangudi, Bangalore-4.

> MANJU MADHAVAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore

Date: 30-10-1982

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, 2nd November 1982

C.R. No. 34348/82-83/ACQ-B.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7, situated at Binnamangala Lay-out, Defence Colony, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 27-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Norbert Eustace Marties, No. 265, Defence Colony, Indiranagar, Bangalore-560 038.

(Transferor)

(2) Shri Arjun Ahujta, No. 4, Papanna Road, Off. St. Marks Road, Bangalore-560 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 273 dated 27-4-1982).

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 2-11-1982

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, 3rd November 1982

C.R. No. 62/34896/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MRS. MANIU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

31, (Old No 273) situated at II Block, Jayanagar, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jayanagar on 14-5-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri M. Lakshman, by G.P.A. Pavitra Lakshman,
 Lakshmi Road, 5th Cross, Shanthi Nagar, Bangalore-27.

(Transferor)

(2) Shri M Krishna Reddy, 1113, 25th Main, I Phase, J.P. Nagar, Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 548 dated 14-5-1982). 31 (Old No. 273) II Block, Jayanagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, 3rd November 1982

C.R. No. 62/34377/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1030, situated at IXth Block, 27th Main Road, Jayanagar, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar on 15-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri M. Puttaswamy, 1030, 27th Main Road, 9th Block, Jayanagar, Bangalore.

(Transferor)

 Shri Shamsunissa,
 Hamza Saheb Lane, Lalbagh Road, Bangalore-560 004.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 557 dated 15-5-1982). House No. 1030, IXth Block, 27th Main Road, Jayanagar, Bengalore.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-11-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 2nd November 1982

CR. No. 62/34220/81-82/Acq.B.—Whereas, 1 MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 21, situated at Museum Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 5-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
44—356G1/82

(1) Smt. R. Ushadevi, 5, Museum Road, Bangalore.
(Transferor)

(2) Nandini Rameswara Rao rep. by J. Romeshwara Rao 3-5-820 Hyderguda, Hyderabad.

(Transferce)

17571

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3722 dated 5-3-1982) 21, Museum Road, Bangalore-1.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 2-11-82

- (1) Smt. R. Ushadevi, 5, Museum Road, Bangalore.
 (Transferor)
- (2) M/s. Manasa (a Pvt. Trust) 5, Museum Road, Bangalore. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 2nd November 1982

CR. No. 62/35889/81-82/Acq.B.—Whereas, J. MANIU MADHAVAN.

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2,5000/- and bearing

No. 21, situated at Museum Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 5-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3721 dated 5-3-1982) 21, Museum Road, Bangalore-1.

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 2-11-82

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 2nd November 1982

CR. No. 62/35882/81-82/Acq.B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

No. 21, situated at Museum Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 3-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. R. Ushadevi, 5, Museum Road, Bangalore.
 (Transferor)
- (2) M/s. Akbar Enterprises 57, Chakria Layout Kumara Kinpa Road, Bangalore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 357 dated 3-5-1982) 21, Museum Road, Bangalore-1.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 2-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 25th October 1982

C.R. No. 62/34265/82-83/ACQ/82.—Whereas, I. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 22, Site No. 303/22, situated at 39th Cross, VIII Block, Jayanagar Bangalore-11. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar under document No. 97/82-83 on 8-4-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri H. Lakshman Rao Mane, S/o Late Manae Hanumantha Rao, No. 303/22, 39th cross, VIII Block Jayanagar, Bangalore-560011.

(Transferor)

(2) 1. Sycd Ahmed 2. Smt. Fahmida Syed Ahmed & by G.P.A. Holder Syed Hussain No. 10, Magadi Main Road, Bangalore-23.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 97/82-83 dated 8-4-82. All that property bearing old No. 303 & New No. 22 (Site No. 303) situated at 39th cross, VIII Block, Jayanagar Bangalore-11.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-10-82

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shrimati Anasuya Rajagopal 8th Cross, VIII Main Malleswaram, Bongalore-560003.

(Tran feror)

(2) Shri John J. Manjooram & Others 13, Annanagai, Madias-600040.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 2nd November 1982

C.R. No. 62/33801/81-82/Acq.B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 332, situated at 1 stage, Binnomangala Extn. Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16)

ot 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 11-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 3798 dated 11-3-82. Site No. 332, I stage, Binnamangala Extn., Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 2-11-82

FORM NO. I.T.N S -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Svs Jagan Singh Raj Singh Sons of Shri Ram Dayal Singh, Alwai

(Transferor)

X ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/8 Modi Alcalis & Chemicals Ltd Alwai (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur the 15th October 1982

Ret No Rij/IAC(Acq)/1370—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Agii Land situated at Alwai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alwar on 1-3 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agriculture land measuring 7 bigha 17 biswa situated at Goleta, Alwar and more fully described in the sale deed registered by SR Alwar, vide No 1595 dated 1 3-82

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 15-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONFR OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CFNTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th October 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1371.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

No. Agri. Land situated at Alwar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Alwar on 1-3-82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Saidatta, Banarsi, Kashmiri Lal, Sons of Shri Sohan Lal, Goleta.
- (Transferor)
 (2) Modi Alcalies & Chemicals Ltd. Alwar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land measuring 9 bigha 5 biswa situated at Goleta, Alwar and more fully described in the sale deed registered by S.R. Alwar vide No. 1597 dated 1-3-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 15-10-82

FORM I.T.N S ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Mohan Lal S/o Shri Mangal Sain, R/o Goleta, Teh. Rajgath.

(2) M/s. Mod: Alcalies Ltd. Alwar.

(Transferor)

(Fransfeiee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING TATUE CIRCLE, IAIPUR

Japur, the 15th October 1982

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/1378.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing Agri I and situated at Alwar

transfer with the object :-

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alwar on 1-3-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Oct, to the following persons, namely ---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land measuring 7 bigha 11 biswa situated at Village Goleta, Alwar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Alwar vide No. 1596 dated 1-3-82,

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissione of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 15-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

S/o Shri Suraj Singh, R/o Dangarthal House, M.D. Road, Jaipur.

(1) Shri Shivraj Singh,

(Transferor)

(2) Smt. Nirupaina Metha, W/o Shri Gopal Metha, R/o 5-A/15 Sangeta Colony Juhu Road, Shantacruze, Bombay.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. CENTRAL REVENUE BUILDING STATUF CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th October 1982

Ref. No. Raj/LAC (Acq.)/1433.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jaipur on 3-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot in Dangarthal House, M.D. Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 380 dated 3-3-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 16-10-1982

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
45—356G1/82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

S/o Shri Suraj Singh, R/o Dangarthal House, M.D. Road, Jaipur.

(1) Shri Shivrai Singh.

(Transferor)

(2) Shri Ajay Metha, S/o Shri Chanchal Raj Metha, R/o A-38, Gangwal Park, M D. Road, Jaipur.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE.

> CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th October 1982

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/1432.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Japur on 3-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot in Dangarthal House, M.D. Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 381 dated 3-3-82,

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date 16-10-1982

FORM I.T.N.S.-

 Shri Shivraj Singh, S/o Shri Suraj Singh, R/o Dangarthal House, M.D. Road, Jaipur.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Nirupama Metha, W/o Shri Gopal Metha, R/o 5-A/15 Sangeta Colony Juhu Road, Shantacruze, Bombay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE.

CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th October 1982

Hef. No. Raj/IAC/(Acq)/1431.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

ecxeeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 3-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot in Dangarthal House, M.D. Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur, vide No. 398 dated 3-3-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 16-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Narain Das, S/o late Shri Bhojraj Gorwani, R/o Jaipur. (Transferor)

(2) M/s. Laxmi Corporation, 23-Kribna Niwas, Nav Silk Bazar Kalba Devi, Bombay, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th October 1982

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/1430.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B-19 situated at Jaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jaipur on 15-3 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor we pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the add Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the sald immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-19 (halt portion) at Raja Park, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide No. 578 dated 15-3-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 15-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 19th October 1982

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/1374.—Whereas, 1. MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. E-29 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jaipur on 16-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Chain Kumari, 29-E, Lajpat Marg C-Scheme, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Gulab Kothari, Milap Kothari, GPA Smt. Manjari Singhvi,6-Nahti Babu Ka Bagh, Jaipui.

(Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given n that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E-29, Lajpat Marg, C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 753 dated 16-3-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inapecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range, Jaipur

Date: 19-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th October 1982

Ref. No. Raj/JAC(Acq.)/1427 — Whereas, I. MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 90-A situated at Jaipur

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipun, on 13-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shispal, R/o D-90-A. Krishna Marg, Bapu Nagar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Ugam Raj Mohnot, R/o D-197, Moti Marg, Bapu Nagar, Jaipur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Eastern protion of Plot No. D-90-A situated at Krishna Marg, Bapu Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur, vide No. 809 dated 13th April 1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 15-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th October 1982

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/1428.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-90-A situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering Officer at Jaipur on 13-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Shispal, R/o D-90-A, Krishna Marg, Bapu Nagar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Meem Kanwar, W/o Shri Ugam Raj Mohmet, D-197, Moti Marg, Bapu Nagar, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Western portion of Plot No. D-90-A situated at Krishna Marg, Bapu Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur, vide No. 810 dated 13th April 1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-10-1982

(1) Shri Gopal Lal Jagara, R/o Katlan Ki Pipali, Near Nagga Miya Ki Masjid, House of Hari Narayan Nai, Rasta Ghosian. Ghat Gate, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Røm Piyari, W/o Radhey Shyam Agarwal, Plot No. B-20, Laxmi Narainpuri, Jalpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th October 1982

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/1435.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing Plot No. B-20 situated at Jaipur

Plot No. B-20 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 30-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaptel.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfero rto pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the econcealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. B-20, Laxmi Narainpuri Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide No. 935 dated 30-4-1982.

MOHAN SINGH Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 16-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th October 1982

Ref. No. Raj/JAC(Acq.)/1425.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and

Godown No. 11 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 30-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---46-356G1/82

Shri Jaswant Raj. S/o Huku 15A Taikdatta Road, Calcutta-19 Raj. S/o Hukumat Rei Khatri, (Transféror)

(2) Shiimati Rewati Devi Agaiwal, W/o Gordhandas Agarwal, R/o B-8, Govind Marg, Adarsh Nagar, laipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown No. 11 Half portion at Truk Stand, Jaipur and more fully described in the sale deed registered S.R., Jaipur vide No. 940 dated 30-4-1982.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 15-10-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 19th October 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq).-Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot No. C-21 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 8R Bombay on 11-5-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri D. B. Khade, Court Receiver in the H. C. Suit No. 718 of 1972 filed by M/s. S. R. Nagpal & Sons Vs. M/s. Harish Vyas & Others.

(2) Shri Premchand Jain, Smt. Nirmala Devi and Shri Rajesh Jaln, E-3, Gokhle Marg, C-Scheme, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-21, Sawai Jai Singh Highway, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Bombay vide No. 2052/80 dated 11-5-1982.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 19-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th October 1982

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/1436,--Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. B-199 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schodule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 12-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) Shrimati Shanta Kulshrestha, W/o Shri Sudhindra Kumar, B-199, Bapu Nagar, Jaipur.
 - (Transferor)
- (2) Shri Girraj Prasad & Gordhandas, Ss/o Shri Badri Narain, B-199, Bapu Nagar, Jaipur.

 (Transferen)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the saidl immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-199, Bapu Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur, vide No. 990 dated 12-5-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge, Jaipur

Date: 16-10-1982

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Chaturbhuj, s/o Shri Shyamdas Sindhi, Moti Katla, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Ved Prakash Gupta, 8/0 Laja Ridhmalji, r/o Navgarhki Bagichi, O/S Sanganeri Gate, Agra Road. Jaipur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE.

CENTRAL REVENUE BUILDING,

Jaipur, the 15th October 1982

Ref. No. Raj/IAC/(Acq.)/1429.—Whereas, I,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One shop situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 12-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

One shop situated at Indra Bazar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide No. 998 dated 12-5-1982.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 15/10/1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR
Jaipur, the 15th October 1982

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/1423.—Whereas I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. A-96, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipun on 22-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Qopi Nath Pillai, s/o
 Shri Qopal Pillai,
 GPA Miss Thankmmam d/o
 Shri Keshav Pillai,
 C-7, Rayanvila Madhuban,
 Udaipur.

Jaipur.

(Transferor)
(2) Smt. Suraj Devi w/o Shri Gopichand and Saroj Devi, w/o Pradeep Kumar, Patni Bhawan, Ghee-Walon-Ka-Rusta,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A-96, Janata Colony, Agra Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 1044 dated 22-5-1982.

MOHAN SINGH.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-10-1982

Seal

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUF CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th October 1982

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/1426.—Whereas I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Godown No. 11, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 1-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Moolchand Aggarwal, s/o Shri Gordhandas Agarwal, GPA Shri Jaswant Raj, r/o Calcutta.

(Transferor)

 Shrimati Rewanti Devi, w/o Shri Gordhandas Agarwal, B-8, Govind Marg, Adarsh Nagar,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of Godown No. 11 at Truck Stand, Agra Road Jaipui and more fully described in the sale deed tegistered by S.R., Jaipur, vide No. 1240 dated 1-6-1982.

MOHAN SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date 15-10-1982

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR Jaipur, the 16th October 1982

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/1437.—Whereas I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 430 to 432, situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jaipur on 1-6-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Brahmanand Goswami,

//o Chetangiri Goswami,

//o House No. 430 to 432, M.D. Road,
Jaipur.

(Transferor)

(2) Dr. Sunita Jain, w/o Dr. Kamal Kumar Jain, 1/o K-98, Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferce)

17593

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 430 to 432, Gali Lodhan M.D. Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide No. 1136 dated 1-6-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-10-1982

(1) Shri Pramod Tewari, s/o Ganga Pd Tewari, 1/o Pulauderji Ka Bagh, M.D. Road, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shi Najendra Nath Kapoor, 8/0 Hari Ram Kapoor, 21, Govind Marg, M.D Road, Jaipur.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th October 1982

Ref. No. Raj/IAC(Λ cq.)/1434.—Whereas I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 2, situated at Jaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jaipur on 15-6-1982,

Japur on 15-6-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 2 M.D. Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur, vide No. 1361 dated 15-6-1982.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date:16-10-1982

Seal;

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 6th September 1982

Ref. No. F. No. IAC.ACQ/188/82-83.—Whereas I, M. V. R. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 57, Hill Road, II. No. 901 Ward No. 70, Shivaji Nagar, Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nagpur on 2-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—47—356GI/82

- Shri Jawaharlai Chatterjee, c/o Shri P. K. Chatterjee, Khare Town, Dharampeth, Nagpur
- (Transferor)
 (2) M/s. Kanchan Co-operative Housing Society Ltd.,
 Nagpur.
 Secretary: Shri A. V. Gijre,
 Behind Laxmi Bhawan,
 Dharampeth, Nagpur.

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House No. 901, situated on a corner plot No. 57. located in a well established residential locality, Hill Road, Ward No. 70, Shivaji Nagar, Nagpur.

Area: 14004 sq. ft.

M. V. R. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Date: 6-9-1982

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Girish Co-op. Housing Society Ltd., C.A. Road, Nagpur.

(2) Shri Suresh Santramdas, Kadbi Chowk, Nagpur, (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Jaipur, the 15th October 1982

Ref. No. F. No. IAC. ACQ./192/82-83.—Whereas I, M, V. R. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Block C of Nazul Plot No 12, Sheet No. 2-B, Clarke Town Nagpur, Area 11005 sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at 1329/1982 on 5-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. C of Nazul Piot No. 12 Sheet No. 2-B Clarke Town Nagpur. Area; 11005 sq. ft.

M. V. R. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date: 10-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 10th September 1982

Ref. No. F. No. IAC.ACQ/191/82-83.—Whereas I, M. V. R. PRASAD,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Block No. D Nazul Plot No. 12, Sheet No. 2-B Clarke

Town, Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer 1328/1982 on 5-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) M/s. Girish Co-operative Housing Society Ltd., C.A. Road, Nagpur.
 - (Transferor)
- (2) Shri Kanhaiyalal Santramdas, Kadbi Chowk, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. D, Nazul plot No. 12, Sheet No. 2-B Clarke Town, Nagpur.

> M. V. R. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Date: 10-9-1982

FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBERS, SADAR, NAGPUR

SIONER OF INCOME-TAX

Nagpur, the 10th September 1982

Ref. No. F. No. IAC. ACQ/193/82-83.—Whereas I, M. V. R. PRASAD.

being the competent authority,

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing

Nazul Plot No. 617, Kamptee Road, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at 1938/82 on 31-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. Smt. Ramsaki P. Gupta.

Smt. Anita w/o Ghanshamdas Sesaria.
 Smt. Mamta A. Agrawal,

all r/o Kanpur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Suresh Danchand Vaswani. 2. Shri Danchand Gagondas Vasmani, c/o Jiwan Jyoti, Hsg. Society Kadbi Chowk, Nagpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Nazul Plot No. 617, Kamptee Road, Nagpur.

M. V. R. PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Nagput

Date: 10-9-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 27th September 1982

Ref. No. IAC/ACQ/195/82-83.—Whereas I, M. V. R. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

11446 sq. ft. land Sheet and out houses there on being the northern portion of Nazul plot No. 151 & 152, situated Opp. to Mangalwai Bazar, Sadar, Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1910/82 on 30-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Bhagawatikishore Saran and Shri Dhruva Kishore s/o B. K. Saran, both r/o Sadar, Nagpur.

(Transferor)

(2) Anu Co-operative Housing Society Ltd., Nagpur, through its Chairman Shri Pratap Dayaram Dewani r/o Jaripataka, Nagpur.
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

11446 sq. ft. land with sheet and out Houses there on being the northern portion of Nazul plot No. 151 & 152 situated opp. to Mangalwari Bazar, Sadar, Nagpur.

M. V. R. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date: 27-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

> 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 27th September 1982

Ref. No. IAC./ACQ/197/82-83.—Whereas I. M. V. R. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Eastern portion of House No. 102, Sheet No. 261/2 area 25014.50 Sq. ft. Lendra, Rahate Colony, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1884/82 on 30-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market

value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Indirabai, w/o Late Shri Puranchandra Buty, Rahate Colony, Nagpur.

(Transferor)

(2) M/s Girish Coo op. Housing Society, Chairman Shri Jasbir Singh Anand, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Eastern portion of House No. 102, Sheet No. 261/2 area 25014.50 Sq. ft. Lendra, Rahate Colony, Nagpur.

M. V. R. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date: 27-9-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th September 1982

Ref. No. P.R. No. 1881 Acq.23/II/82-83.---Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 128, Bhadkodra situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ankleshwar in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

(1) Shri Balubhai Madhubhai Patel, Bhadkodra,

Tal: Ankleshwar.

(Transferor)

(2) Shrì Sainath Investment & Trade (P) Ltd. Kapadia Chambers, Bombay-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Bhadkodra---S. No. 128 registered in March, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 29-9-1982

(1) Shri Ishwarbhai Narottambhai Patel, Ghadkhol,

Tal: Ankleshwar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) The Rachna Enterprise, Opp: J. P. College, Bharuch.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th September 1982

Ref. No. P.R. No. 1882 Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 195 situated at Ghadkhal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ankleshwar in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 195, Ghodkhol, registered in March, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-9-1982

Soul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th September 1982

Ref. No. P.R. No. 1885 Acq.23/II/82-83.—Whereas, I.R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 156/138 Dungari situated at Broach. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Broach in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patters has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

48—356G1/82

) 1. Bai Falma Wd/of Ahmad Asmal Eleli.

2 Jubeda daughter of Ahmad Asmal Eleli

Valibhai Ahmad Asmal Dleli.
 Haji Abdulla Ahmed Asmal Dleli,

5 Bai Asma Ahmed Asmal Dleli. Dungari, Tal : Broach

(Fransferor)

(2) Promotor of New Shastrinagar Co.op. Housing Society, Harshadbhai M Patel, 7-2, Buddhdev Market, Broach.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 156/138, Dungari, registered in March. 1982.

R. R. SHAII
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 29-9-1982

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II,

2ND IT OOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMED.18AD-380009

Ahmedabad-380009, the 26th September 1982

Ref. No. P.R. No. 1886 Acq 23/11 82-83.—Wherens, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 73 (P) Ali situated at

Broach

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Broach in March 1982,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Gayatri Tradeis, C/o Becharbhai Purshotamdas Joshi. Panchbati, Broach.

(Transferor)
Chairman of Pari Jatak Co.op Housing Socy
Shii Kasambhai Pirubhai Itwala
Dandia Bazar Kumbhai Falia
Broach.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANVIION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 23(p). Mi registered in March, 1982.

R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following paisons, namely:

Date: 26-9-1982

Seal.

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Devjibhai Madhavbhai Parmar, 'Shriji Nivas' Dhobi Sheri, Nanpura, Surat.

(2) Smt. Jekorben Ishwarlal Mehta, Kumbharwada, Zampa Bazar, (Transferer)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OLFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 27th September 1982

Ref. No. P.R. No. 1696 Acq 23 /H/82-83 --- Whereas, I R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

S. No. 1833, Majura situated at Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- th) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Property at S. No. 1833, Majura, registered in March, 1982

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 27-9-1982

FORM I.T.N.S,---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 27th September 1982

Ref. No. P.R. No. 1897 Acq.23/II/82-83.--Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 310 and 312, Ward No. 10 situated at Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Brijratanlalji Maganlalji Maharaj Moti Haveli, Mota Mandir, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Manorma Subharai Sharma. Girirai Bhavan, Mota Mandir, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 313 and 312, Wd. No. 10, Surat registered in March 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 27-9-1982

FORM NO. I.T.N.S ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 27th September 1982

Ref. No. P.R. No. 1898 Acq.23/H/82-83.—Whereas, I. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 2968. Wd. No. 7, Parsiwad, situated at Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in March 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Naigisbanu Ardesar Kapadia, Saiyadpura, Parsivad, Surat.

(Transferor)

 Savjibhai Lavjibhai, Saiyadpura, Parsiwad, Surat.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 2968, Ward No. 7, Sayadpura Parsiwad, registered in March, 1982.

R R SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 27-9-1982

Seal

FORM NO LINS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD ATIMEDEBAD-380009

Miniedabad, the 27th Sept mber 1982

Ref. No PR No 1899 Acq,23 / Hffl82-83 - Whereas, 1 R R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomu-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000 - and bearing

S. No. 23 (P) Khatodara situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in March 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesoid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than littlen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument at mansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followinpetsons, namely

(1) Shri Arvındkumar Bhimbhai Desai. Lataben wife of Arvindkumar Bhimbhai Sagrampura main 10ad, Swat.

(Transferod)

(2) Atmanand Industrial Colop Service Socy. Haripura, Ruyala Tekto, Smat

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid per ons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LAPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULI-

Property at 5 No. 23 (P) Khatodare registered in March 1982

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date 27-9-1982

Seal,

FORM NO. I.T.N S - - - -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sofiabar, A Suratwala, 18, Sariee Jubilee Street, Yusufali, 2nd Floor, Bombay

(Transferor)

(2) Shri Chandulal Govindi Panchal B-40, 303, Khatodaja Housing Society, Khatodaja, Surat

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPICTING ASSISTANT COMMISSION IN OF INCOME TAX,

COUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMED ABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 27th September 1982

Ref. No. P.R. No. 1900 Acq.23/II 82-83 —Whereas 1, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000 - and bearing No. Type A. Block 9. No. 1, situated at Udhna Umanagnaga.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in March 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concediment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPIANTION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property at Udhna Udyognagai Type A Block-9 Plot i. registered in March 198?

P. R. SILVE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedalaid

Date: 27-9-1982

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMEfax AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Jayantilal Chimanlal Shah Mahavirbhuvan Gopipura, Kaji Medan, Surat.

(Transferor)

(2) Anilaben Ashokkumar Jogani, 76, Sardarnagar Society Sumul Dairy Road,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 27th September 1982

Ref. No. P.R. No. 1901 Acq.23/II/82-83.—Whereas, I

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 3276A, Wd. No. I, Kaji Medan situated at Gopi-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Surat in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with obect of --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

THE SCHEDULF

Property at Plot No. 2, Mahavirbhuvan, Wd. No. 1, Kaji Medan, registered in March, 1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 27th September 1982

Ref. No. P.R. No. 1902 Acq. 23ffIII/82-83,—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R₅, 25,000/-and bearing No.

R.S. No. 442, H. 1, Katargam situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in March 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

49—356 GI/82

 Shri Paragbhai Jagjivanbhai Patel, P.A. Holder of Arvındbhai Paragbhai Patel, Vinodbhai Paragbhai Patel, Haripura, Hat Falia, Surat.

(Transferor)

 M/s Shanti Builders and Organisors, Haripura, Gheekanta, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 442-H-1, Katargam registered in March. 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 27-9-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI.
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

GOVFRNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380009.

Ahmedabad, the 27th September 1982

Ref. No. P R. No. 1903 Acq. 23/II/82-83 —Whereas, I. R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Nondh No. 528-2A, Wd. No. 1, Nanpura, situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not, been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

 Mohmedali Shekh Sumsudin, Shams Manzil, Athwa Gate, Surat.

(Transferor)

(2) Promotor of proposed Santok Apartment Co-op, Housing Socy, Dr. Sureshchandra Gulabchand Shah, 88, Nilkanth Society, Sumul Dairy Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 528-A, Wd. No. 1, Nanpura, registered in March, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incom:-Tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 27-9-1982

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR,

HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 27th September 1982

Ref. No. P. R. No. 1904 Acq. 23 11/82-83.—Whereas, I R. R. SHAHI

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 40 Plot No. 28, situated at Reshamwala Market, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have leason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteer per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shr. Pokhar Dass C/o Shri Bhajan Lal 4410/15 Bagla Katra, Nai Sadak, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Tej Bhavan Chaudhary 252, Section 18, Panchkala-134109.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Reshamwala Market Shop No. 40, Plot 28, registered in March, 82 at Delhi.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 27-9-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 27th September 1982

Ref. No. P. R. No. 1905 Acq.23/II/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Rs. 25,000/- and S. No. 2288—9 (P) situated at Ghod Dod Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Somabhai Nathubhai Patel Post Navagam, Tal: Choryashi, Surat.

(Transferor)

 Shri Dilipkumar Mohanlal Gajjar
 Shri Kailash Dilipkumar Gajjar Gajjar Compound, Falsawadı, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 228-9 (p) Ghod Dod Road Surat registered in March, 82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 27-9-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 27th September 1982

Ref. No. P. R. No. 1906 Acq.23/II/82-83.--Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 115A & 115/1, TPS-9, Majura situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby utitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Nawab Men Sultan Alamkhan Saheb Smt. Nawabzadi Shahzadi Begam Saheb Smt. Nawabzadi Zinkisa Ladi Begam Bella Court, D. J. Ramchand Sani

Bombay-39.

(Transferor)

(2) M/s Satyam Associates, Shri Tushar Rameshchandra Desai, 2/1094, Chhowala Street, Sagrampura, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 115A & 115/1 TPS-9 Majura registered in March, 82 at Bombay.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 27-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 27th September 1982

Ref. No. P. R. No. 1907 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Tika No. 50, S. No. 643-644, S. No. 2272 situated at Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on March. 1982

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Manibaai Dahyabhai Patel as a guardian of

Minor Chhitubhai Dahyabhai Patel
 M.nor Kırankumar Dahyabhai Patel
 Ishvarbhai Naianbha. Patel as a guaidian of

 Ishvarbhai Naranbha. Patel as a guardian of Retulkumar Ishvarbhai & self. Navsari.

(Transferor)

(2) President of Shrvshakti No. 2, Co-Op. Housing Society, Bhanjibhai Ravjibhai Patel, Navsari.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Tika No. 50, S. No. 643-644, S. No. 2272, Navsari, document registered in March, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

"Date: 27-9-1982

Scal:

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 24th September 1982

Ref. No. P. R. No. 1908 Acq. 23 II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No 46 (P) Vijalpui, Navsati situated at tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nav ari on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kiritkumar Ramjibhai Naik, Par Falia, Naysari.

(Transferor)

(2) Shri Mavjibhai Jivrajbhai Patel, Eru Char Rasta, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 46 (P), Vijalpur, Navsari registered in March, 82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 24-9-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 25th September 1982

Ref. No. P. R. No. 1909 Acq. 23/II/82-83,—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 341, Chhapra, Navsari situated at Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Gopalbhai Sukhabhai Rathod
 Thakoibhai Sukhabhai Rathod
 Belti Ghar—Chhapra Road,
 Navsari.

(Transferor)

(2) Raghnathji Gopalji Naik, Village: Dambher Tal: Navsari.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Chhapra-S. No 341, registered in March, 82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 25-9-1982

SeaI:

FORM NO I.T.N S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 27th September 1982

Ref. No. P. R. No. 1910 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I, R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 67, 68, Chhapra, situated at Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Navsari on March 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

50-356 GI/82

 Ambaben Bhanabhai Ramjibhai Urfe Chhanabhai
 Old Vandari Mahello, Navsari.

(Transferor)

 Shri Bhenkabhai Somabhai Tandel Oja Machhiwad, Tal: Navsari.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 67-68, Chhapra, Navsari registered in March, 82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incom?-Tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 27-9-1982

FORM ITNS----

(1) Jayantilal Thakordas Desai Madhusudan Thakordas Desai Surat,

(Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Makanji Kikabhai Mistry Rambhai Makanji Mistry Vasanji Makanji Mistry Kumbharvad, Patel Mahollo, Naysari.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380009.

Ahmedabad, the 27th September 1982

Ref. No. P. R. No. 1912 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I. R. R. SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 3329, 3330, situated at Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

of 1908) in the office of the Registering omicer at Navsari on March, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Property at S. No. 3329, 3330, Navsari registered in March,

R. R. SHAH
Computent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-9-1982

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 1st October 1982

Ref. No. P. R. No. 1913 Acq. 23/II 82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 332 (P) situated at Chala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Paidi on Maich, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Shri Abdulaziz Suleman Mohid, Chala, Tal: Pardi,

(Transferor)

(2) Shri Kasanji Lallubhai Desai, Chala, Tal: Pardi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 332, Chala, registered in March, 82,

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 1-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 1st October 1982

Ref. No. P. R. No. 1914 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No. C.S. No. 422, 426 (P), 427, 442, 443 (P) 447 situated at Chain

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Swast'k Land Dev. Corporation partners Shri Maneklal Bhagvandas Reshamwala & Others, Kotsfil Road, Surat.

 Bhagyodya Land Development Corp. partners Shri Khimchand Maganlal Shah & Others, Chala, Tal. Pardi.

(Transferor)

(2) Shri Bavamiya Gulam Mohmad, Daman.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Chala—S. No. 422, 426, 427, 442, 443, 447 (P) registered in March, 82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 1-10-82 Sext:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE.

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 1st October 1982

Ref. No. P. R. No 1915 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 422, 426, 427, 442, 443, 447 (P) situated at Chala has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering Officer at Pardi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Swastik Land Development Corp.
 partner Shii Maneklal Bhag andas
 Reshamwala & Others—Kotsfil Road,
 Surat.
 - Bhagyodaya Land Development Corp. partner Shri Khimchand and Maganlal Shah & Others, Chala, Tal: Pardi.

(Transferor)

(2) Jamnesh Construction Co. Daman.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a perios of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Chala, C.S. No. 422, 426, 427, 442, 443, 447 (P) registered in March, 82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 1-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, 1st October 1982

Ref. No. P. R. No. 1916.Acq.23/II, 82-83.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incom,:-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. C. S. No. 422, 426, 427, 442, 443, 447 (P) situated at Chala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Swastik Land Development Corp.
 partners Shri Maneklal Bhagvandas
 Reshamwala & Others, Kot Safil road, Surat.
 Bhagyodaya Land Development Corp.
 - Bhagyodaya Land Development Corp. partner Shri Khimchand Maganlal Shah & Others, Chala, Tal: Pardi.

(Transferors)

- (2) 1. Shri Gulamali Mohmad Sapan
 - Shri Kashim Mohmad Sapan
 Shri Hamid Mohmad Sapan
 - 4. Shri Liyakat Mohmad Sapan at Kansara, Tal: Umargam.

(Transferecs)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at C. S. No. 422, 426, 427, 442, 443, 447 (P) Chala, registered in March, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 1-10-1982

FORM 1TNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 380009

Ahmedabad-380009, the 1st October 1982

Ref No P R No 1917 \(\text{Acq } \gamma 3 \sqrt{11} \) 82-83 —Whereas, I, R R SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

No C S No 422, 426 427, 442 443, 447 (P) situated at Chala

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any money of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforseaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following pursons namely—

 Swastik Land Development Corp partner Shri Maneklal Bhagvandas Reshamwala & Others, Kot Safil road, Surat
 Bhagyodaya Land Development Corp partner Shri Khumchand Maganlal Shah & Others, Chala, Ial Pardi

(Transferors)

(2) Smt Pushpaben Vijaykumai Shah,Vapi,Tal Pardi

(Transferces)

17625

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetie

TXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property at Chala C S No 422 426, 427 442 443 447 (P) registered in March 1982

R R SHAH
Competent Authority,
Inspecting A istant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II Ahmedabad

Dated 1 10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 1st October 1982

Ref. No. P. R. No. 1918.Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

C. S. No. 4864, Bunder Road, situated at Valsad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Valsad on March, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-max Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :-

- (1) 1. Shri Jalbhai Jamshedji Gajjar
 - Shri Arachsha Jalbhai Gajjar
 - 3. Shri Bakhtavarben lalbhai Gajjar 4. Shri Almay Jalbhai Gajjar
 - Shri Ramanlal Pursottamdas Mistry Bunder Road, Valsad.

(Transferors)

(2) Shri Mahendrabhai Balvantrai Desai partner of M/s Gandabhai Morarji, Valsad.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at C. S. No. 4864 (P) Bunder Road Valsad registered in March, 1982

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated: 1-10-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 12th October 1982

Ref. No. P. R. No. 1919.Acq.23 'II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 2 & 4 situated at Fatehganj, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 16-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, pamely:—

(1) Mrs. Vilasben Clamant Khambhatta Fatehganj, Baroda.

(Transferors)

(2) Shri Silashhai Tulshibhai Christian Parul Apartment Co. op. Housing Socy. Fatchganj, Baroda.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot admeasuring 786.1 sq. yd. situated at Fatehgani duly registered by S. R. Baroda vide Sale-deed No. 1284 Dt: 16-3-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 12-10-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Rambhai Lakhabhai Patel Anand, Dist. Kaira.

(Transferors)

(2) Dr. Ramanlal Ambalal Patel, Chikhodra, Tal: Anand, Dist. Kaira.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 13th October 1982

Ref. No. P. R. No. 1920.Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, R. SHAH, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R. S. No 1477/3+4 T. P. 2 F. P. No. 546/1 situated at Anand (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 2-3-1982

at Anand on 2-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publica-tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 1477/3+4 T. P. 2 F. P. No. 546/1 admeasuring 1119-19-65 sq. mt. registered with S. R. Anand at Re. No. 756 dt. 2-3-82

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedahad

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

Dated: 13 10-82,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONLR OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND I-LOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 13th October 1982

Ref. No. P. R. No. 1921.Acq.23 /II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and baring

R. S. No. 539/5 situated at Palanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palanpur on 16-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Muman Yusuf Fatemohmed & Others Jubilee Ganjipura, Palanpur, Diet. Banaskantha.

(Transferors)

(2) Shri Bharatkumar Keshavlal Jogani & Others, Bombay. Shri Ashok Kumar Keshavlal Jogani & Others, Madras.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at Palanpur bearing R. S. No. 539/5 admeasuring 28832 sq. ft. registered with S. R. Palanpur under No. 711/16-3-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 13-10-82.

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II
ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 13th October 1982

Ref. No. P. R. No. 1922.Acq.23/II/82-83.—Whereas, I. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 624/1, 630/3, 631/3, 538/3 situated at Palanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Palanpur on 23-3-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Muman Yusufbhai Fatemohmed & Others, Tajpura, Palanpur, Dist. Banaskantha.

(Transferors)

(2) 1. Ashok Keshavlal Jogani,

2. Shri Bharatkumar Keshavlal Jogani, Bombay-6.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Palanpur bearing R. S. No. 624/1, 630/3, 631/3, 538/3, out of which admeasuring 5364.03 s. mts, registered with S. R. Palanpur under No. 749/20/3/82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 13-10-82.

Seal

FORM IT'NS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACOUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 12th October 1982

Ref. No. P. R. No. 1923.Acq.23/II/82-83.—Whereas, J, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sector No. 21, Plot No. 219 situated at Gandhinagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 3-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any, income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Mohmed Zahid Abdul Khalik Shaikh Amir Manzil' Mangrol, Dist. Junagadh.

(Transferors)

(2) Shri Majidkhan Hajikhan Pathan Sector 29-470/L Gandhinagar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at Sector No. 21 Plot No. 219 admeasuring 200 mt. registered with S. R. Gandhinagar at No. 436 dt. sq mt. 3-3-82.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 12-10-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Keshavlal Nanchand das, Kalyanpura, Kalol, Dist. Mehsana.

(Transferees)

(2) Shri Ashok Kumar Maneklal Sardhav, Tal: Gandhinagar.

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 12th October 1982

Ref. No. P. R. No. 1924.Acq.23/II/82-83 —Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 252-232, 252-233, 252-234 situated at Kalol (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or 1908) in the Office of the Registering Officer at Kalol on 4-3-82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been cruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

YPI INITION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kalol bearing S. No. 252-232, 252-233 and 252-234 admeasuring 7260 sq. yd. registered with S.R. Kalol at No. 641/4-3-82.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated 12-10-82. Seal: FORM LTN S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSF, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 12th October 1982

Ref. No. P.R. No. 1925 Acq. 23/JI/82-83 —Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 671 & 672 TPS FP 31 situated at Kalol,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kajol on 2-3-1982,

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Saiyad Immamiya Najumia, Kalol, Dist. Mehsana.

(Transferors)

(2) Shree Umia Park Co. op. Housing Socy. C/o Shii Mavjibhai Naranbhai, Kalol, Distt. Mehsana.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kalol R.S. No. 671 and 672 TPS. FP 31 admeasuring 4488.58 sq. vd. regd. with S.R. Kalol under No. 631 '2-3-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 12-10-82.

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 13th October 1982

Ref. No. P.R. No. 1926 Acq.23/II/82-83.—Whereas, J. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 100 situated at Koba,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Gandhinagar on 19-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Rasulbhai Jamalbhai, Koba, Distt. Gandhinagar.

(Transferors)

(2) Ritz Co. op Housing Socy.

Co. o Bharatkumar Vallabhbhai Patel,
Patelvas, Chandlodia, Ahmedabad.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Koba S. No. 100 2 Acre and 28 Guntha registered with S.R. Gandhinagar at Sr. No. 501/19-3-82.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Dated: 13-10-82

FORM ITNS———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Gunvantiay Pranial Dave,

may be made in writing to the undersigned :--

(1) Shri Sanjaykumai Ashabhai Patel & Others, Bhailalu-Ni-Khadki Bakrol Tal. Anand.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Transferor)

Sointia Lil Petlad

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-11. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

> Ahmedabad-380 009, the 19th October 1982

Ref. No. P.R No. 1927 Acq.-23/II/82-83.—Whereas, I R. R SHAH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding 25,000/- and bearing

C.S. No. 1571, FP 1682 situated at Vallabh Vidyanagar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 11-3-1982,

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---52-356 GI/82

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot with building at C.S No 1571 of Vallabh Vidyanagar Plot admeasuring 420-22 sq. mti. and construction 155.40+ 155.40=310 80 sq mtr. registered under No 850, 11-3-82, 1174/1-4-82

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 19-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGF-11, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd October 1982

Ref. No. P.R. No. 1928 Acq.-23/II /82-83,--Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Nondh No. 322, Wd. No. I, Manpura, situated at Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other nesets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 9157);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) (Shri Ranchhodbhai Iagabhai Putel.
 (2) Shri Laxmiben Ranchhodbhai Patel.
 (3) Yogi Construction Co. partners, Shri Prakash Ranchhodbhai Patel, Duach House, Nanpura. Surat.

(Transferor)

- (2) President & Secretary of Narayan Sadan Co-op. H. Society.
 - (1) Shri Manubhai Bhaichandbhai Patel, (2) Shri Babubhai Bhayanbhai Patel.

1/322, Popat Mahollo, Nanpura, Surat,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 322, Wd. No. 1, Nanpura, registered in March, 1982,

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 23-10-1982

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUSITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

> Ahmedabad-380 009, the 231d October 1982

Ref. No. P.R. No. 1929 Acq.-23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating

Nordh No. 350, Ward No. 11, Pandole Pole, situated at Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in March, 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Jashvantiben Hasmukhlal, Haveli Mahollo. Navsari.
 - (2) Shri Hansaben Arvindlal, Shri Chandulal Sheth Chawl, Saiyadpuru, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Suryakant Ramanlal Shah, Begampura, Chevli Sheri, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No 350, Ward No. 11, Nanavat, registered in March, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 23-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTON RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th November 1982

Ref. No. P.R. No. 2158 Acq.-23/I/82-83.—Whereas, J. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1249, 1247, 1248 etc. situated at Ranjit Sagar Road, Jamnagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Jamnagar on 24-3-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harhad Textile Mills Pvt. Ltd. Ranjit Sagar Road, Jamnagar-361005.

(Transferor)

(2) The Bombay Dyeing & Mfg. Co, Itd. Neville House, J. N. Heredia Marg, Ballard Fstate, Bombay-400 038.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Ranjit Sagar Road, Jamnagar duly registered by S. R. Jamnagar vide Sale deed No. 886 date 24-3-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 4-11-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Shambhunath Gopinath Paul, & Others, C/o Raj Laxmi Metal Pvt. Ltd. B-50, G.I.D.C., Jamnagar.

(Transferor)

(2) Raj l'axmi Metal Pvt. Ltd., B-50, G.f.D.C., Jamnagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th November 1982

Ref. No. P.R. No. 2159 Acq.-23 / I/82-83,—Whereas, I, R. R. SHAH.

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Agr, land situated at

R.S. No. 1488 paiki plot No. 1 and plot No. 6A situated at B-50, G.I.D.C., Jamnagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Jamnagai on 18-3-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property 28 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, it any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory bidg, and land situated at G.J.D.C. Jamnagar duly registered by S.R. Nos. 831 & 832 date 18-3-82 i.e. as property fully described in the sale deeds registered at Jamnagar at No. 831 & 832.

R. R. SHAH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 4-11-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th November 1982

Ref. No. P.R. No. 2160 Acq.-23/1/82-83,---Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 22 of Bhuj Nagar Palika situated at outside Kot, between Vaniawad Naka towards Bhid Naka,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Bhuj on 12-3-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Amrittal Dalichand Mehta, Through his power of attorney, Shri Kanakkumar A. Mehta. Vijay Nagar, Plot No. 186, Hospital Road, Siddachal, Bhui.

(Transferor)

(2) Sonara Abdulsatar Adamali & Ismail Adamali, At Post : Suthari, Tal. Abdasa, Kutchh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property register vide sale-deed R. No. 3237 & 3238 date 30-9-81, registered by S. R. Bhuj on 12-3-1982,

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Ahmedabad

Date: 4-11-1982 Seal:

(1) Shri Rameshchandra Gujashankar Bhutt Thath Falia Bhuj (Kutch)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2)(1) Shii Kinaiyalat fethilal Kothari & (2) Shii Govind Kumai lethalal Kothari it Bhid Falii Bhui

(Ti inslerce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGF-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

> (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Ahmedabad-380 009, the 4th November 1982

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref No PR No 2161 Acq-23/I/82 83 —Whereas I, R R SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of

Rs 25,000/ and bearing No

Bhuj Municipality F No 364/48 situated at Thath Felia,

Mudipara Fali, Bhuj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

Chant

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S R Bhuj on 12-4-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Property being bldg registered vide R No 3993 dated the 5.4-1982 recd in March 1982 through S R Bhuj who has registered the same in April 1982.

R R SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range!
Ahmed ibad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date 4 11-1982 Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th November 1982

Ref. No. P.R. No. 2162 Acq.-23/I/82-83,-Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 149.2 palki 7018 sq. yd. immovable property situated at Sim of Dhasa Junction and includes factory bldg. Godown Office, room etc.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Gadhda on 26-3-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property B.S. aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsectiva (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Shri Jayantkumar Hemchandbhai Parekh, Dhosa Junction Near Gadhda, Dist. Bhavnagar. (Transferor)
- Gujarat Co-op. Oil Seeds Goers Federation Ltd., Neelambaug Palace, Bhavnagar,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property registered vide R. No. 265 dated the 26-3-1982 by S. R. Gudhda situated at the sim of Dhasa Junction being a factory bldg, known as Prabhat Oil Indust. Dhasa, Dist. Bhavnagar.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th November 1982

Ref. No. P.R. No. 2163 Acq.-23/1/82-83.—Whereas, I, R. R. SIIAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a lain market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing

Plot No. 948 Ward No. 5, City S. No. 4860, situated at lease hold plot, Geeta Chawk, North Krishnanagar Bhavnagar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S. R. Bhavnagar on 29-3-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
53—356GI/82

(1) (1) Shri Judavbhai Govindbhai & Others, Village Ugamedi, Tal. Bhavnagar, Dist. Bhavnagar.

(2) Shri Kalubhai Thakershi, At village Kalyanpur Dist. Bhavnagar. (Transferor)

(2) Shri Bhikhabhai Jerambhai Narola, President, Shri New Bhagvodaya Apartment, Co-op. Hsg Socy. Itd, 118, Sarati Society, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property registered vide R. No. 707 date the 29-3-1982 by S. R. Bhavnagar.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-taxt
Acquisition Range-I,
Ahmedahad

Date: 8-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th November 1982

Ref. No. P.R. No. 2164 Acq.-23/1/82-83.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 336 paiki 50, 570 situated at the Sim of Palitana, Kesaria road, Palitana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Palitana on 23-3-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jaysukhlal Panachand Vora & Others, Vora Sheri, Danapith, Palitana.

(Transferor)

(2) Shri Shantilel Kapurchand Mehta, Partner, Adiswer Corporation, 'Faleti Road, Palitana Dist. Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm, 16501 sq. yd. situated at the sim of Palitana at S. No. 336 paiki 50570 registered vide sale-deed R. Nos. 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371 dated the 23-3-1982 by S. R. Palitana.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Ahmedabad

Date: 8-11-1982

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th November 1982

Ref. No. P.R. No. 2165 Acq.-23/1/82-83.-Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Compitent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 407 paiki, Ward No. 14, Sheet No. 110, situated at Near Pasi Agiari, Pradumannagar, Rajkot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 26-3-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :-

Smt. Ratan kunverba Nanbha Vadhev. Paradumnnagar Near Moti Tank Road, Raikot.

(Transferor)

(2) Shii Kishoibhai J. Doshi, Partner of New Rachna Developers, C/o Saurashtra Sales, Dhebarbhai Road, Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Structive standing on land 513—5½ sq. yards situated at Passi Agiati Rajkot vide R. No. 1238/1982/20-3-82.

R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 8-11-1982

Scal:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

GRADE-I (UNDER SECRETARY) LIMITED DEPART-MENTAL COMPETITIVE EXAMINATION FOR SCHE-DULL D. CASTE/SCHEDULED TRIBE CANDIDATES, 1983

New Delhi, the 4th December 1982

No. F. 25/1/82-EI(B).—A combined limited departmental competitive examination for additions in the Select Lists for Grade-i of the Services mentioned in para 2 below against vacancies reserved for Schoduled Castes and Scheduled Tribes Candidates will be held by the Union Public Service Commission commencing 26th April 1983 at BOMBAY, CALCUTTA, DELFII, MADRAS, NAGPUR and at Selected Indian Mession abroad in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India dated 4th December, 1982.

FIG. CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ATTO THE CANDIDATES TO THE CINTRE OF THEIR FOR EXAMINATION, THE COMMISSION OF A THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT ENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCE SO WARRANT, CANDIDATES ADMITTED TO THE AMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TO BE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION OF ADMINATION OF AD

2. The Services to which recruitment is to be made on the result, or the examination and the approximate number of vacancia. In those Services are given below :--

Category—I

Creade-L of the Central Service

Category—II

Consider of the Central 4 (3 for SC and 1 for ST Cadre of the Indian candidates)

Loweren Service Branch 'B'.

The above number is liable to alteration.

"Vacancies not intimated by Government,

- 3. Candidates must indicate clearly in their applications the Category for which they are competing.
- 4 A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Dolhi-110011, through the attached form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Secretary Union Public Service Commission, Dholpur House, New Dolhi-110011.
- Non: Candidates are warned that they must submit their applications on the enclosed form prescribed for the Grade-I (Under Secretary) Limited Departmental Competitive Examination for Scheduled Caste/Scheduled Tribe Candidates, 1983. Application Forms other than the one prescribed for the Grade-I (Under Secretary) Limited Departmental Competitive Examination for Scheduled Caste/Scheduled Tribe Candidates, 1983 will not be entertained.
- 5. The completed application form must reach the Secretary. Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 on or before the 17th January 1983 (31st January 1983 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Divislon of J&K State, Lahaul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing

abroad from a date prior to 17th January, 1983 (accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&k State, Lahaul & Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands of Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State Lahaul & Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 17th January, 1983.

Note—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications, should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

B. S. JAIN Dv. Secy. Union Public Service Commission

ANNEXURE

Instructions to Candidates

1. Before filling in the application form, the candidates should consult the Notice and the Rules carefully, to see it they are eligible.

The conditions prescribed cannot be relaxed.

BFFORF SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE FXAMINATION.

Candidate should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on morits but requests received after 26th March 1983 will not be entertained under any circumstances.

A candidate who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad must state in the order of his choice, two other Indian Missions (in countries other than the country in which he may be stationed) as alternative centres. He may, at the discretion of the Commission, he required to appear at any one of the three Missions indicated by him.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in, will be rejected.

Candidates should note that only International Form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should therefore, take special care to fill up the application form correctly.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Head of Office concerned, who will verify the relevant entries and complete the endorsement at

the end of the application form and forward it to the Commission.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:—
 - (i) Two identical copies of recent passport size (5 cms. × 7 cms. approx.) photograph of the candidate one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.
 - (ii) two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. × 27.5 cms.
 - (iii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled in.

Candidate should note that they must not make any entries on the Attendance Sheet attached with the application form except their name and centre of examination.

- 4. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.
- 5. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not ipso facto make the receiver eligible for admission to the examination.
- 6. Every application received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration Number is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration Number has been issued to the candidates does not, *tpso-facto* mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

7. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

- 8. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.
- 9. Communications Regarding Application.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI (110011), AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.
 - (i) NAME OF EXAMINATION.
 - (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
 - (iii) APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
 - (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN THE APPLI-CATION.
 - N.B.(i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT ATTENDED. TO.
 - N.B.(ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.
- 10. Change in address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 9 ABOVE, AUTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGE, THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

H. M. BISWAS Under Secy.